THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com
Vaartha Hindi
@Vaartha_Hindi
Vaartha official
www.hindi.vaartha.com

वर्ष-30 अंक : 119 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) श्रावण शु.1 2082 शुक्रवार, 25 जुलाई-2025

प्रधान संपादक – डॉ. गिरीश कुमार संघी हैदराबाद नगर * पृष्ठ : 16 मूल्य : 8 रुपये

धर्मस्थल सामूहिक कब्र मामले की जांच से हटीं आईपीएस सौम्या लता, निजी कारणों का दिया हवाला

बेंगलूरू, 24 जुलाई (एजेंसियां)। धर्मस्थल सामूहिक कब्र मामले की जांच के लिए बनी विशेष जांच टीम से आईपीएस अधिकारी सौम्या लता हट गई हैं। जब इसे लेकर राज्य के गृहमंत्री जी परमेश्वर से सवाल किया गया तो उन्होंने कहा कि उन्हें आईपीएस सौम्या लता के एसआईटी से हटने की आधिकारिक जानकारी नहीं मिली है, लेकिन गैर-आधिकारिक सूत्रों से इस बारे में पता चला है कि उन्होंने जांच टीम से हटने के लिए पत्र लिखा है। उन्होंने निजी कारणों का हवाला देकर जांच टीम से हटने की बात कही है। जल्द ही उनकी जगह किसी अन्य अधिकारी को शामिल किया जाएगा।

पीएम मोदी ने आर्थिक और व्यापार समझौते को सराहा

'आज का दिन हमारे संबंधों के लिए ऐतिहासिक'

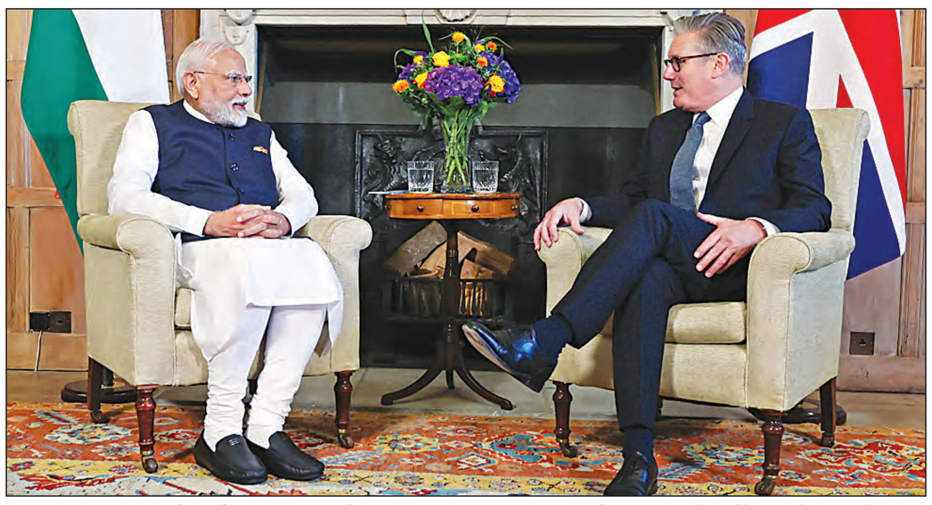

लंदन, 24 जुलाई (एजेंसियां)। भारत और ब्रिटेन ने गुरुवार को एक ऐतिहासिक मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) पर हस्ताक्षर किए। इससे ब्रिटिश व्हिस्की, कारों और कई वस्तुओं पर टैरिफ में कमी आएगी। इसके साथ ही द्विपक्षीय व्यापार में सालाना लगभग 34 अरब अमेरिकी डॉलर की बढ़ोतरी होगी। समझौते के बाद प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, आज हमारे संबंधों में एक ऐतिहासिक दिवस है। मुझे खुशी है कि कई वर्षों की मेहनत के बाद आज दोनों देशों ने व्यापक आर्थिक और व्यापार समझौता संपन्न हुआ है। समझौता महज आर्थिक साझेदारी नहीं है, बल्कि साझा समृद्धि की योजना है। ये समझौता भारत के युवाओं, किसानों, मछुआरों और एमएसएमई क्षेत्र के लिए विशेष रूप से लाभकारी सिद्ध होगा। इससे पहले वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल और उनके ब्रिटिश समकक्ष जोनाथन रेनॉल्ड ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और उनके ब्रिटिश समकक्ष कीर स्टारमर की मौजूदगी में इस समझौते पर हस्ताक्षर किए। भारतीय अधिकारियों के मुताबिक, इस एफटीए से 99 प्रतिशत भारतीय निर्यात को फायदा होने की उम्मीद है। इससे ब्रिटिश कंपनियों के लिए भारत में व्हिस्की, कारों और अन्य उत्पादों का निर्यात आसान हो जाएगा। इससे समग्र व्यापार को भी बढ़ावा मिलेगा।

स्टार्मर बोले-यह नौकरी, व्यापार और जीवन स्तर के लिए बड़ी जीत

लंदन, 24 जुलाई (एजेंसियां)। भारत और ब्रिटेन के बीच लंबे समय से प्रतीक्षित मुक्त व्यापार समझौता (एफटीए) पर पीएम मोदी ने ब्रिटिश प्रधानमंत्री कीर स्टार्मर के साथ हस्ताक्षर किए हैं। इस दौरान ब्रिटिश प्रधानमंत्री स्टार्मर ने इसे 'ऐतिहासिक करार' बताया।

आगे उन्होंने कहा कि यह समझौता दोनों देशों के लिए फायदेमंद होगा, खासकर कामगारों, व्यापारियों और निवेशकों के लिए। वहीं, पीएम मोदी ने भी कहा कि आज हमारे संबंधों में एक ऐतिहासिक दिवस है। मुझे खुशी है कि कई वर्षों की मेहनत के बाद, आज दोनों देशों ने व्यापक आर्थिक और व्यापार समझौता संपन्न हुआ है।

49 यात्रियों को ले जा रहा रूसी विमान क्रैश

प्लेन में सवार सभी लोगों की मौत

मास्को, 24 जुलाई (एजेंसियां)। 849 लोगों को ले जा रहा रूस का एएन-24 यात्री विमान क्रैश हो गया है। विमान का संपर्क रूस के एयर ट्रैफिक कंट्रोल से टूट गया था। स्थानीय गवर्नर वासिली ओरलोव ने बताया था विमान में पांच बच्चों सहित 43 यात्री और क्रू के छह सदस्य सवार थे।

रूस की इमरजेंसी सर्विस के अफसरों के हवाले से कहा है कि शुरूआती जानकारी के मुताबिक, विमान में सवार सभी लोगों की मौत हो गई है। एयर ट्रैफिक कंट्रोल (एटीसी) से संपर्क टूटने के बाद विमान की खोज में तलाशी अभियान चलाया गया था।

अंगारा एयरलाइन का यह विमान चीन की सीमा से लगे अमूर क्षेत्र के टिंडा शहर की ओर जा रहा था लेकिन उसके नजदीक पहुंचने से पहले यह रडार की स्क्रीन से गायब हो गया। रूसी न्यूज एजेंसी के अनुसार, टिंडा एयरपोर्ट पर विमान को उतारने की पहली कोशिश में फेल होने के बाद चालक ने दूसरी बार ऐसा किया लेकिन इस दौरान, एटीसी का विमान से संपर्क टूट गया। पिछले साल सितंबर में तीन लोगों को लेकर जा रहा रॉबिंसन आर66 हेलिकॉप्टर अमूर क्षेत्र में ही उड़ान के दौरान लापता हो गया था।

12 जूल को अहमदाबाद में हुआ था विमान हादसा :

12 जून को अहमदाबाद के मेघानी नगर इलाके में बड़ा विमान हादसा हुआ था और इस प्लेन में सवार सिर्फ एक शख्स के अलावा अन्य सभी 241 लोगों की मौत हो गई थी। विमान हादसे में कुल 270 लोगों की मौत हुई थी। एयर इंडिया का बोइंग 787-8 विमान अहमदाबाद से लंदन जा रहा था। इस मामले में आई विमान दुर्घटना जांच ब्यूरो (एएबी) की जांच रिपोर्ट से पता चला था कि विमान के दोनों इंजन के फ्यूल कंट्रोल स्विच रॉन से काट दिया में बदलने की वजह से यह हादसा हुआ था। 15 पन्नों की शुरूआती रिपोर्ट के अनुसार, विमान के उड़ान भरने और क्रैश होने के बीच लगभग 30 सेकेंड का समय लगा था।

आरएसएस प्रमुख भागवत की मुस्लिम धर्मगुरुओं के साथ बैठक

नई दिल्ली, 24 जुलाई (एजेंसियां)। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) प्रमुख मोहन भागवत गुरुवार को दिल्ली के हरियाणा भवन में मुस्लिम धर्मगुरुओं के साथ बैठक की। आरएसएस की टॉप लीडरशिप और 70 से ज्यादा मुस्लिम धर्मगुरुओं, बुद्धिजीवियों, मौलानाओं, स्कॉलर के बीच करीब 3 घंटे बातचीत हुई। इस बैठक में ऑल इंडिया इमाम ऑर्गेनाइजेशन के प्रमुख उमर अहमद और आरएसएस महासचिव दत्तात्रेय होसबाले, सह सरकार्यवाह कृष्ण गोपाल, राम लाल, इंद्रेश कुमार सहित आरएसएस के अन्य पदाधिकारी शामिल हुए हैं। इससे पहले सितंबर 2022 में मोहन भागवत ने कई मुस्लिम धर्मगुरुओं से मुलाकात की थी। बैठक में ज्ञानवापी विवाद, हिजाब विवाद और जनसंख्या नियंत्रण जैसे मुद्दों पर भी चर्चा हुई थी। इस दौरान भागवत दिल्ली के एक मस्जिद में भी गए थे। दरअसल, आरएसएस अपनी सहयोगी संस्था मुस्लिम राष्ट्रीय मंच (एमआरएम) के जरिए मुस्लिम मौलवियों, धर्मगुरुओं और समुदाय के प्रमुख लोगों के साथ बातचीत करता है।

क्या हमें फर्जी मतदाताओं को मतदान करने देना चाहिए? : चुनाव आयोग

नई दिल्ली, 24 जुलाई (एजेंसियां)। बिहार में मतदाता सूची पुनरीक्षण की मांग को लेकर विपक्ष सरकार पर हमलावर है। इसे लेकर बिहार विधानसभा और संसद में हंगामा जारी है। अब चुनाव आयोग ने बिहार मतदाता सूची पुनरीक्षण मामले पर बयान जारी किया है और सवाल किया है कि क्या चुनाव आयोग को फर्जी मतदाताओं को भी मतदाता सूची में शामिल कर लेना चाहिए? चुनाव आयोग ने बिहार मतदाता सूची पुनरीक्षण मामले पर हो रही आलोचना को लेकर कहा कि भारत का संविधान, भारतीय लोकतंत्र की मां है। तो क्या विरोध से डरकर चुनाव आयोग को कुछ

लोगों के दबाव में भ्रमित हो जाना चाहिए और उन लोगों का रास्ता साफ कर देना चाहिए, जो मृत मतदाताओं के नाम पर फर्जी मतदान करते हैं? जो मतदाता स्थायी तौर पर पलायन कर गए हैं, जो मतदाता फर्जी या विदेशी हैं, क्या उन्हें संविधान के खिलाफ जाकर, पहले बिहार में और फिर पूरे देश में मतदान करने दें? चुनाव आयोग ने पूछा कि क्या हमें निष्पक्ष प्रक्रिया के जरिए मतदाता सूची को तैयार नहीं करना चाहिए? मतदाता सूची ही निष्पक्ष चुनाव और मजबूत लोकतंत्र का आधार होती है। इन सभी सवालों पर हम सभी भारतीयों को गंभीरता से और राजनीतिक वैचारिकता से परे जाकर विचार करना चाहिए। इन सभी मुद्दों पर अब गंभीरता से विचार करने का सही समय आ गया है। बिहार में चुनाव आयोद द्वारा मतदाता सूची का पुनरीक्षण किया जा रहा है। जिसका विपक्ष द्वारा विरोध किया जा रहा है। दावा किया जा रहा है कि पुनरीक्षण में बिहार में कम से कम 56 लाख मतदाताओं के नाम कट सकते हैं।

जजों की नियुक्ति में देरी पर सुप्रीम कोर्ट सख्त भोपाल गैस त्रासदी पर याचिका की खारिज

नई दिल्ली, 24 जुलाई (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र सरकार द्वारा कॉलेजियम की सिफारिशों के बावजूद जजों की नियुक्ति में देरी को लेकर दाखिल याचिकाओं पर दो हफ्ते बाद सुनवाई करने का फैसला किया है। मुख्य न्यायाधीश ने वरिष्ठ अधिवक्ता अरविंद दातार और प्रशांत भूषण की अपील पर यह सहमति दी।

अधिवक्ताओं ने कहा कि कुछ नाम 2019, 2020 और 2022 में दोबारा सिफारिश के बावजूद अभी तक मंजूर नहीं हुए हैं, जिससे उम्मीदवारों की रुचि और वरिष्ठता दोनों प्रभावित हो रही है। दातार ने बताया कि दिल्ली और मुंबई के कुछ वकीलों ने अंततः नाम वापस ले लिए। प्रशांत भूषण ने एक महिला वकील का उदाहरण दिया जो नेशनल लॉ स्कूल की टॉपर थीं, लेकिन उनका नाम बार-बार अटका। यह मामला उस बड़ी बहस का हिस्सा है जिसमें केंद्र और न्यायपालिका के बीच कॉलेजियम प्रणाली को लेकर मतभेद जारी हैं।

'तख्तियां-नारेबाजी कांग्रेस के संस्कार नहीं'

लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला बोले-नई पीढ़ी क्या सीखेगी?

नई दिल्ली, 24 जुलाई (एजेंसियां)। विपक्ष बिहार में मतदाता सूची पुनरीक्षण के मुद्दे पर विरोध कर रहा है। संसद के मानसून सत्र में भी इस मुद्दे पर खूब हंगामा हो रहा है। गुरुवार को भी कांग्रेस के नेतृत्व में विपक्षी दलों ने संसद की कार्यवाही शुरू होते ही हंगामा किया तो इस पर लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला नाराज हो गए। उन्होंने कांग्रेस को नसीहत देते हुए कहा कि देश की सबसे पुरानी पार्टी के संस्कार ऐसे नहीं हैं। उन्होंने सांसदों से स्वस्थ चर्चा करने की अपील की।

क्या रहा पूरा घटनाक्रम :

दरअसल गुरुवार को संसद सत्र शुरू होते ही विपक्षी सांसदों ने नारेबाजी शुरू कर दी। प्रश्नकाल के दौरान जब केंद्रीय मंत्री हरदीप पुरी एक सवाल का जवाब दे रहे थे, तब भी विपक्षी सांसदों ने नारेबाजी जारी रखी। इससे लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला नाराज हो गए और उन्होंने कांग्रेस सांसदों से नाराजगी जाहिर करते हुए कहा कि प्रश्नकाल महत्वपूर्ण समय होता है, जिसमें जनता से जुड़े मुद्दों को उठाया जाता है। सरकार की जवाबदेही होती है। लेकिन सांसदों का व्यवहार संसद की गरिमा के अनुकूल नहीं है। आप देश की इतनी पुरानी राजनीतिक पार्टी के सदस्य हैं, जिनका इस सदन के अंदर मर्यादा और गरिमा का इतिहास रहा है, लेकिन आप सदन में नारेबाजी करते हैं, तख्तियां लेकर आते हैं और मेजें ठोकते हैं। यह दुनिया का सबसे बड़ा लोकतंत्र है। हम जिस तरह का व्यवहार करेंगे, उसका देश की लोकतांत्रिक संस्थाओं में क्या संदेश जाएगा?

नई पीढ़ियां क्या सीखेंगी :

इसके बाद लोकसभा अध्यक्ष ने कांग्रेस सांसद केसी वेणुगोपाल का नाम लेकर कहा कि ये आपकी पार्टी के संस्कार नहीं हैं। आपको लोगों ने चुनकर भेजा है। अपनी आकांक्षाएं साझा करने की जिम्मेदारी दी है, लेकिन तख्तियां लेकर आने और नारेबाजी से सदन नहीं चलेगा। ओम बिरला ने कांग्रेस सांसदों को सलाह देते हुए कहा कि नई पीढ़ी आपको देख रही है, वो इससे क्या सीख लेगी। नियमों के तहत सदन में चर्चा होनी चाहिए। इसके बाद सदन की कार्यवाही स्थगित कर दी गई।

जस्टिस वर्मा केस-जांच के लिए अब केंद्र बनाएगा कमेटी

नई दिल्ली, 24 जुलाई (एजेंसियां)। केंद्र सरकार जस्टिस यशवंत वर्मा के खिलाफ लगे आरोपों की जांच के लिए एक कमेटी बनाने की तैयारी कर रही है। सरकारी सूत्रों के मुताबिक, इस कमेटी में सुप्रीम कोर्ट के एक जज, किसी हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश और एक प्रतिष्ठित कानूनविद को शामिल किया जा सकता है।

यह कमेटी जस्टिस वर्मा के खिलाफ लगे आरोपों की जांच करेगी और अपनी रिपोर्ट देगी। इससे पहले, सुप्रीम कोर्ट की ओर से हुई इन हाउस जांच में जस्टिस वर्मा को कैश बरामदगी मामले में दोषी माना गया था। उधर जस्टिस यशवंत वर्मा के कैश कांड की सुनवाई से चीफ जस्टिस बीआर गवई ने खुद को अलग कर लिया है। बुधवार को सुनवाई के दौरान उन्होंने कहा, मेरे लिए इस केस की सुनवाई में शामिल होना उचित नहीं होगा, क्योंकि मैं पहले भी इसका हिस्सा रहा हूं।

दरअसल, 19 जुलाई जस्टिस वर्मा ने सुप्रीम कोर्ट में याचिका दाखिल की थी। इसमें उन्होंने इन-हाउस कमेटी की रिपोर्ट और महाभियोग की सिफारिश रद्द करने की अपील की थी। रिपोर्ट में घर में कैश मिलने के मामले में जस्टिस वर्मा को दोषी ठहराया गया है। 18 जुलाई को जस्टिस वर्मा ने सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर की थी। इसमें उन्होंने तर्क दिया था कि उनके आवास के बाहरी हिस्से में कैश बरामद होने मात्र से यह साबित नहीं होता कि वे इसमें शामिल हैं, क्योंकि आंतरिक जांच समिति ने यह तय नहीं किया कि नकदी किसकी है या परिसर में कैसे मिली। समिति के निष्कर्षों पर सवाल उठाते हुए उनका तर्क दिया है- ये अनुमान पर आधारित है।

बिहार से कर्नाटक तक वोटर लिस्ट में गड़बड़ी

हमारे पास पूरे सबूत, ईसी को छोड़ेंगे नहीं : राहुल

नई दिल्ली, 24 जुलाई (एजेंसियां)। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने एक बार फिर चुनाव आयोग (ईसी) पर बड़ा हमला बोला है। गुरुवार को संसद भवन परिसर में पत्रकारों से बातचीत करते हुए उन्होंने दावा किया कि उनके पास 100 प्रतिशत पक्के सबूत हैं कि कर्नाटक की एक लोकसभा सीट पर चुनाव आयोग ने धोखाधड़ी को मंजूरी दी।

उन्होंने सख्त लहजे में कहा कि अगर चुनाव आयोग यह सोच रहा है कि वह बच जाएगा, तो यह उसकी भूल है, हम उसे नहीं छोड़ने वाले। राहुल गांधी ने दावा किया कि उन्होंने कर्नाटक की केवल एक लोकसभा सीट की जांच की और उसमें बड़े पैमाने पर गड़बड़ियां पाई गईं। उन्होंने कहा कि हजारों की संख्या में 45, 50, 60, 65 साल के नए वोटर जुड़ गए हैं। यह सिर्फ एक सीट की बात है। कई सीटों में वोटर डिलीशन (नाम हटाना), नए वोटर जोड़ना, और अवैध तरीके से जोड़ने का काम चल रहा है। हम इन सबूतों को सामने लाएंगे।

चुनाव आयोग पर सख्त हुए राहुल गांधी :

राहुल गांधी ने चुनाव आयोग को सीधे चेतावनी देते हुए कहा कि मैं चुनाव आयोग को संदेश देना चाहता हूं कि अगर आप यह सोचते हैं कि आप बच जाओगे, तो आप गलत हो। हम आपके पीछे आने वाले हैं। यह लोकतंत्र की हत्या है और हम इसे बर्दाश्त नहीं करेंगे। बिहार में चल रहे स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन (एसआईआर) को लेकर राहुल गांधी ने विपक्षी नेताओं की चिंताओं का समर्थन किया। उन्होंने कहा कि बिहार में लाखों वोटर अपने पते पर नहीं मिले हैं और यह प्रक्रिया विपक्ष के वोटरों को वोट देने के अधिकार से वंचित करने की साजिश है।

उन्होंने कहा कि चुनाव आयोग सरकार के दबाव में काम कर रहा है और अपनी संवैधानिक जिम्मेदारी निभाने में विफल हो रहा है। राहुल गांधी ने बुधवार को भी कहा था कि देश में चुनाव "चुराए" जा रहे हैं। उन्होंने दावा किया था कि कांग्रेस ने इस वोट चोरी का तरीका समझ लिया है और जल्द ही इसका कच्चा-चिट्ठा कागज़ों पर सामने रखा जाएगा।

पीएम मोदी की ब्रिटेन यात्रा पर कांग्रेस का तंज

नई दिल्ली, 24 जुलाई (एजेंसियां)। भारत और ब्रिटेन के बीच ऐतिहासिक फ्री ट्रेड एग्रीमेंट (एफटीए) पर हस्ताक्षर से पहले कांग्रेस ने केंद्र सरकार पर करारा तंज कसा है।

कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने कहा कि भारत को ब्रिटेन से असली जरूरत 'फ्यूजिटिव ट्रांसफर एग्रीमेंट' की है, जिससे विजय माल्या, नीरव मोदी और ललित मोदी जैसे भगोड़े वापस आ सकें। उन्होंने इस तंज के साथ केंद्र की विदेश नीति और भगोड़ों की वापसी पर सवाल खड़े किए।

नए उपराष्ट्रपति के लिए थावरचंद गहलोत, ओम माथुर का नाम

नई दिल्ली, 24 जुलाई (एजेंसियां)। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ के इस्तीफा देने के 3 दिनों के भीतर निर्वाचन आयोग ने इस पद के लिए चुनाव प्रक्रिया की शुरूआत कर दी है। चुनाव की तारीखें जल्द घोषित की जाएंगी।

इस बीच, भाजपा इस पद के लिए अपनी विचारधारा के प्रति समर्पित कार्यकर्ता को उम्मीदवार बना सकती है।

फिलहाल जिन नामों पर पार्टी में विचार चल रहा है, उनमें कर्नाटक के राज्यपाल थावरचंद गहलोत सबसे प्रबल दावेदार माने जा रहे हैं। अन्य नाम सिक्किम के राज्यपाल ओम माथुर का भी है। आयोग ने इस पद के लिए निर्वाचक मंडल, रिटर्निंग ऑफिसर और अन्य जरूरी चीजों को अंतिम रूप देना शुरू कर दिया है। आयोग की तैयारियों के बीच भाजपा की कोशिश होगी कि इस पद का उम्मीदवार किसी अन्य सहयोगी को बनाने की जगह अपने उम्मीदवार का नाम तय कर उसके नाम पर सहयोगी दलों को राजी करे।

कांग्रेस ने पेश किया 42 फीसदी ओबीसी आरक्षण का मॉडल

हैदराबाद 24 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना के सीएम रेवंत रेड्डी ने नई दिल्ली में कांग्रेस नेतृत्व को एक बड़ा सामाजिक न्याय मॉडल दिखाया है। उन्होंने कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे और राहुल गांधी को बताया कि कैसे तेलंगाना में ओबीसी को 42 फीसदी आरक्षण देने की तैयारी चल रही है। सीएम रेड्डी के साथ बैठक में डिप्टी सीएम मल्लू भट्टी विक्रमार्क, प्रदेश अध्यक्ष बी. महेश कुमार गौड, प्रभारी मीनाक्षी नटराजन और कई मंत्री भी मौजूद थे। रेवंत रेड्डी ने बताया कि तेलंगाना में सरकार ने वैज्ञानिक तरीके से एक सामाजिक-आर्थिक सर्वेक्षण किया है।

बैठक में रेड्डी ने तेलंगाना में किए गए सामाजिक, आर्थिक, शैक्षिक, रोजगार और जातिगत सर्वेक्षण की प्रक्रिया और इसके आधार पर पारित किए गए बिलों के बारे में विस्तार से बताया। इतना ही नहीं, उन्होंने इन बिलों को मंजूरी देने के लिए राहुल गांधी और खरगे से मौजूदा संसद सत्र में केंद्र सरकार पर दबाव बनाने का आग्रह भी किया। बताया जाता है कि यह

मुलाकात दो घंटे तक चली, जिसमें सर्वे की प्रक्रिया और इसके सामाजिक-राजनीतिक प्रभावों पर विस्तृत चर्चा हुई। इसी में जिक्र हुआ कि कैसे कांग्रेस इसे जमीन पर आगे बढ़ाएगी। इतना ही नहीं, आगामी चुनावों में कांग्रेस तेलंगाना में हुए सर्वे के आधार पर ओबीसी को शैक्षणिक संस्थानों और स्थानीय निकाय चुनावों में 42 फीसदी आरक्षण देने की सिफारिश की गई है। अब यह प्रस्ताव राष्ट्रपति की मंजूरी का इंतजार कर रहा है। बैठक के बाद खरगे ने सोशल मीडिया पर लिखा कि कांग्रेस का "सामाजिक न्याय 2.0' अभियान अब तेलंगाना से शुरू हो गया है। एससी, एसटी, ओबीसी और कमजोर वर्गों के हक के लिए हमारी लड़ाई और तेज होगी। उन्होंने यह भी कहा कि देश में ओबीसी की तादाद बहुत ज्यादा है, लेकिन फिर भी उन्हें कॉरपोरेट, न्यायपालिका और नौकरशाही में बहुत कम प्रतिनिधित्व मिलता है।

यह मॉडल बनेगा कांग्रेस की राष्ट्रीय आरक्षण नीति का आधार?

खरगे ने उदाहरण देते हुए बताया कि केंद्रीय विश्वविद्यालयों में ओबीसी वर्ग के 80 फीसदी प्रोफेसर पद और एसटी के 83 फीसदी पद खाली हैं। कांग्रेस पार्टी की मांग है कि पूरे देश में जाति आधारित जनगणना कराई जाए और 50 फीसदी आरक्षण की सीमा हटाई जाए, ताकि ओबीसी समुदाय के लोगों को उनका हक मिल सके।

तेलंगाना सरकार का यह मॉडल अब कांग्रेस की राष्ट्रीय आरक्षण नीति का आधार बन सकता है। कांग्रेस अब ओबीसी आरक्षण को लेकर बड़ा कदम उठा रही है। तेलंगाना मॉडल को पूरे देश में लागू करने की तैयारी की जा रही है।

भाजपा और आरएसएस की पृष्ठभूमि से होगा उपराष्ट्रपति पद का उम्मीदवार

नई दिल्ली, 24 जुलाई (एजेंसियां)। जगदीप धनखड़ के इस्तीफे के बाद नए उप-राष्ट्रपति के लिए नामों पर मंथन शुरू हो गया है। उप-राष्ट्रपति पद के लिए भाजपा का नया उम्मीदवार पार्टी के कोर काडर या राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की पृष्ठभूमि का हो सकता है। पार्टी के अंदर इस बात पर चर्चा है कि अति महत्त्वपूर्ण पदों पर नियुक्ति केवल मूल विचारधारा से जुड़े लोगों की ही की जाए।

दूसरे दलों से आए कई नेताओं ने केंद्र सरकार और भाजपा के लिए असहज स्थिति पैदा कर चुके हैं। ऐसे में अब पार्टी महत्त्वपूर्ण पदों पर नियुक्ति करते समय पार्टी की कोर विचारधारा से जुड़े लोगों के नामों पर ही विचार कर सकती है।

क्रेन ऑपरेटर बनकर रह रहा था पकड़ा गया बब्बर खालसा का आतंकी

इंदौर, 24 जुलाई (एजेंसियां)। दिल्ली पुलिस ने इंदौर से खालिस्तानी आतंकी संगठन बब्बर खालसा इंटरनेशनल के सदस्य को पकड़ा है। उस पर पंजाब के एक थाने पर रॉकेट लॉन्चर से हमला करने का आरोप है। पुलिस के मुताबिक, पंजाब से भागकर वह पहले गुजरात पहुंचा। इसके बाद इंदौर में क्रेन ऑपरेटर बनकर छिपा था। पुलिस का यह भी कहना है कि वह सोशल मीडिया के जरिए आतंकी संगठन के संपर्क में था। दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल के डीसीपी अमित कौशिक ने बताया- आतंकवादी का नाम आकाशदीप सिंह उर्फ बाज है। वह अमृतसर में चनाचेन का रहने वाला है। उसने अप्रैल 2025 में पंजाब के गुरदासपुर के बटाला में किला लाल सिंह थाने पर रॉकेट लॉन्चर से हमला किया था। हमले की जिम्मेदारी बब्बर खालसा इंटरनेशनल से जुड़े हैप्पी पासिया, मनू आगवन और गोपी नवांशहरिया ने सोशल मीडिया पर पोस्ट कर ली थी।

एससी: बॉम्बे हाईकोर्ट के फैसले पर सुप्रीम कोर्ट ने लगाई रोक

2006 ट्रेन धमाके के आरोपियों को मिली थी राहत

नई दिल्ली, 24 जुलाई (एजेंसियां)। 2006 के मुंबई ट्रेन धमाके के मामले में सुप्रीम कोर्ट आरोपियों को बड़ा झटका देते हुए बॉम्बे उच्च न्यायालय के फैसले पर रोक लगा दी है। बॉम्बे उच्च न्यायालय ने हाल ही में दिए अपने फैसले में धमाके के सभी 12 आरोपियों को बरी कर दिया था। उच्च न्यायालय के फैसले को महाराष्ट्र सरकार ने सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी थी। हालांकि सुप्रीम कोर्ट ने आरोपियों की जेल से रिहाई को बरकरार रखा है। जस्टिस एमएम सुंदरेश और एन कोटिश्वर सिंह ने सभी आरोपियों को भी नोटिस जारी कर उनका जवाब मांगा है। सर्वोच्च अदालत ने कहा कि 'उच्च न्यायालय के फैसले को मिसाल नहीं माना जाएगा'। इसका मतलब है कि जो लोग इसी तरह के आरोपों में जेल में बंद हैं, वे जमानत हासिल करने के लिए इस आदेश का इस्तेमाल नहीं कर पाएंगे। गौरतलब है कि सोमवार को, बॉम्बे उच्च न्यालाय के जस्टिस अनिल किलोर और जस्टिस श्याम चांडक की विशेष पीठ ने मुंबई ट्रेन धमाके के सभी 12 आरोपियों को बरी कर दिया और कहा कि 'अभियोजन पक्ष मामले को साबित करने में पूरी तरह विफल रहा और यह विश्वास करना मुश्किल है कि आरोपियों ने अपराध किया है'। उच्च न्यायालय का फैसला महाराष्ट्र एटीएस के लिए बड़ा झटका है।

एजेंसी का दावा है कि आरोपी प्रतिबंधित छात्र संगठन सिमी के सदस्य थे और उन्होंने ही पाकिस्तान स्थित आतंकी सगंठन लश्कर ए तैयबा के सदस्यों के साथ मिलकर बम धमाके की साजिश रची थी।

मुंबई ट्रेन धमाके में हुई थी 187 लोगों की मौत

गौरतलब है कि 2006 के मुंबई ट्रेन ब्लास्ट में 187 लोगों की मौत हुई थी, वहीं 800 से ज्यादा लोग घायल हुए थे। बॉम्बे हाईकोर्ट के फैसले के बाद इन धमाकों का कोई जिम्मेदार नहीं रह गया था। पूर्व में निचली अदालत ने 12 दोषियों में से पांच को मौत की सजा और सात को आजीवन कारावास की सजा सुनाई थी और मामले में एक व्यक्ति को बरी कर दिया गया था। निचली अदालत द्वारा दोषी करार दिए गए एक व्यक्ति की मौत हो चुकी है। निचली अदालत के फैसले को उच्च न्यायालय ने पलट दिया था।

राहुल गांधी के खिलाफ दायर मानहानि केस में टली सुनवाई

अमित शाह पर आपत्तिजनक टिप्पणी करने का मामला

सुलतानपुर, 24 जुलाई (एजेंसियां)। गृहमंत्री अमित शाह पर आपत्तिजनक टिप्पणी करने के मामले में कांग्रेस नेता राहुल गांधी के खिलाफ दायर मानहानि केस में गुरुवार को वकीलों के कार्य बहिष्कार के कारण सुनवाई टल गई। परिवादी भाजपा नेता विजय मिश्र के अधिवक्ता संतोष पांडेय ने बताया कि एमपी-एमएलए की विशेष कोर्ट के मजिस्ट्रेट शुभम वर्मा ने मामले में अगली सुनवाई के लिए आठ अगस्त की तिथि तय कर गवाह अनिल मिश्र को तलब किया है।

लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष व रायबरेली सांसद राहुल गांधी पर वर्ष 2018 में भाजपा के तत्कालीन राष्ट्रीय अध्यक्ष व मौजूदा केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह पर आपत्तिजनक टिप्पणी करने का आरोप है। राहुल की टिप्पणी के विरोध में हनुमानगंज निवासी जिला सहकारी बैंक के पूर्व चेयरमैन व भाजपा नेता विजय मिश्र ने चार अगस्त 2018 को राहुल गांधी के खिलाफ मानहानि का मुकदमा (परिवाद) कोर्ट में दायर किया था। मामले में परिवादी भाजपा नेता विजय मिश्र के गवाह अनिल मिश्र से जिरह होनी थी लेकिन वकीलों के कार्य बहिष्कार के कारण नहीं हो पाई।

'सत्ता पक्ष के लोग सदन नहीं चलाना चाहते'

प्रियंका गांधी ने सरकार पर लगाए आरोप

नई दिल्ली, 24 जुलाई (एजेंसियां)। कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी ने सत्ता पक्ष पर आरोप लगाया है कि वे ही सदन नहीं चलाना चाहते। उन्होंने कहा कि सदन में विपक्ष नेताओं को बोलने नहीं दिया जाता। प्रियंका गांधी और सोनिया गांधी ने अन्य विपक्षी सांसदों के साथ संसद परिसर में बिहार में मतदाता सूची पुनरीक्षण मामले पर विरोध प्रदर्शन भी किया। प्रियंका गांधी ने संसद परिसर में मीडिया से बात करते हुए कहा कि 'जब भी विपक्ष के नेता सदन में बोलना चाहते हैं तो उन्हें बोलने की इजाजत नहीं दी जाती। हम चर्चा की मांग कर रहे हैं और उन्हें ये मांग माननी चाहिए।

बीते सत्र में मैं ये देखकर हैरान रह गई कि सत्ता पक्ष ने सदन में हंगामा शुरू किया। उन्होंने एक मुद्दे को पकड़ा ताकि विपक्ष उस पर प्रतिक्रिया दे। जिससे हंगामा हुआ और सदन की कार्रवाई स्थगित हो गई।

अगर ये उन्हें सही लगता है तो फिर ठीक है।' गौरतलब है कि विपक्ष ऑपरेशन सिंदूर, पहलगाम आतंकी हमले, बिहार में मतदाता सूची के पुनरीक्षण मामले पर सदन में चर्चा की मांग कर रहा है। सरकार ने अगले हफ्ते ऑपरेशन सिंदूर पर चर्चा की बात कही है, लेकिन विपक्ष बिहार के मुद्दे पर चर्चा की मांग पर अड़ा है। इसे लेकर आज भी विपक्षी सांसदों ने संसद परिसर में विरोध प्रदर्शन किया। इस विरोध प्रदर्शन में सोनिया गांधी, प्रियंका गांधी और विपक्ष के कई सांसद शामिल हुए।

महिला के घर में रंगे हाथ पकड़ा गया एसआई, भीड़ ने खंभे से बांधकर पीटा

इंदौर, 24 जुलाई (एजेंसियां)। इंदौर के खजराना क्षेत्र में गुरुवार सुबह 6 बजे उस वक्त हड़कंप मच गया जब महिलाओं ने एक पुलिस सब-इंस्पेक्टर (एसआई) की जमकर पिटाई कर दी। घटनास्थल पर मौजूद लोगों के अनुसार, महिलाओं ने एसआई सुरेश बुनकर को डंडों से पीटा, उसे बिजली के खंभे से बांधने की कोशिश की और उसके कपड़े उतारने तक का प्रयास किया। यह घटना क्षेत्र में अफरा-तफरी का माहौल बना गई। जानकारी के अनुसार, एसआई सुरेश बुनकर खेड़ी इलाके में एक महिला के घर पर मौजूद था, जिसका अपने पति से विवाद चल रहा है। बताया गया है कि पिछले दो महीनों से सुरेश उस महिला के संपर्क में था और उसके घर आना-जाना कर रहा था। गुरुवार सुबह महिला के परिजन और पड़ोसियों ने उसे रंगे हाथ पकड़ लिया।

मुश्किल में फंसी केरल सीएम विजयन की बेटी

सीबीआई और ईडी जांच की मांग पर हाईकोर्ट ने भेजा नोटिस

तिरुवनंतपुरम, 24 जुलाई (एजेंसियां)। केरल के मुख्यमंत्री पिनाराई विजयन की बेटी वीना विजयन की मुश्किलें बढ़ गई हैं। केरल हाई कोर्ट ने आज सीएमआरएल-एक्सालॉजिक सौदे की सीबीआई और ईडी जांच की मांग वाली याचिका पर वीना और अन्य को नोटिस जारी किया है। अदालत ने यह कार्रवाई भाजपा के प्रदेश उपाध्यक्ष शॉन जॉर्ज द्वारा दायर एक याचिका के जवाब में की है।

धोखाधड़ी वाले लेनदेन की जांच की मांग

जॉर्ज ने एक्सालॉजिक सॉल्यूशंस प्राइवेट लिमिटेड और कोचीन मिनरल्स एंड रूटाइल लिमिटेड (सीएमआरएल) के बीच कथित धोखाधड़ी वाले लेनदेन की जांच की मांग की थी। मामले के सुनवाई जस्टिस सीएस डायस ने की थी। रिट याचिका में कहा गया था कि याचिकाकर्ता ही वास्तविक शिकायतकर्ता है, जिसके कहने पर एसएफआईओ (गंभीर धोखाधड़ी जांच कार्यालय) ने उक्त धोखाधड़ी की जांच शुरू की थी। इससे पहले उन्होंने 2023 में हाईकोर्ट के समक्ष आरोपों की जांच के लिए एक और रिट याचिका दायर की थी। मई 2024 में उक्त मामले में निर्णय पारित किया गया और उन्हें एसएफआईओ द्वारा जांच पूरी होने के बाद न्यायालय में जाने की स्वतंत्रता दी गई। वर्तमान याचिका उसी के अनुवर्ती के रूप में दायर की गई है।

कर्नाटक में 4 साल की बच्ची से स्कूल में रेप

बीदर, 24 जुलाई (एजेंसियां)। कर्नाटक के बीदर में चार साल की एक नाबालिग बच्ची के साथ स्कूल में रेप का मामला सामने आया है। बच्ची का ब्रिम्स अस्पताल के आईसीयू में इलाज चल रहा है। बच्ची की मां ने बीदर महिला पुलिस स्टेशन में एफआईआर दर्ज करवाई है। इसमें कहा गया है कि बच्ची के साथ स्कूल के समय के दौरान रेप हुआ। बच्ची घर लौटी, तो उसके कपड़े बदलते वक्त मां को पता चला। कर्नाटक में पिछले दो हफ्ते के दौरान 4 साल की बच्ची से रेप का यह दूसरा मामला है। इससे पहले 12 जुलाई को मांड्या में 4 साल की बच्ची के साथ रेप का मामला सामने आया था। पुलिस ने रेप के आरोप में एक 21 साल के युवक को गिरफ्तार किया था। आरोपी की पहचान प्रवीण के रूप में हुई है और वह उत्तर प्रदेश के लखनऊ का रहने वाला है। पीड़ित बच्ची के माता-पिता, मूल रूप से बिहार के रहने वाले हैं। वे पिछले 18 महीनों से मांड्या की एक प्लाईवुड फैक्ट्री में काम कर रहे हैं। आरोपी युवक भी वहीं पर काम करता था। आरोप है कि घटना वाले दिन, पीड़ित दूसरे बच्चों के साथ खेल रही थी, तभी आरोपी उसे फुसलाकर फैक्ट्री से दूर एक सुनसान जगह पर ले गया और उसका यौन उत्पीड़न किया।

ओडिशा के संबलपुर में पटरी से उतरी महिमा गोसाईं एक्सप्रेस

भुवनेश्वर, 24 जुलाई (एजेंसियां)। संबलपुर-शालीमार-संबलपुर महिमा गोसाईं एक्सप्रेस गुरुवार सुबह ओडिशा के संबलपुर के पास पटरी से उतर गई। पुलिस और रेलवे अधिकारी घटनास्थल पर पहुंच गए हैं और स्थिति का आकलन करने तथा यात्रियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के प्रयास जारी हैं। इस घटना के मद्देनजर आगे की जानकारी का इंतजार है।

बता दें कि यह पहली बार नहीं है जब इस तरह कोई ट्रेन पटरी से उतरी है। इससे पहले भी अलग-अलग राज्यों में इस तरह की घटना देखने को मिल चुकी है। बीते दिनों मुंबई-पुणे रेल मार्ग पर भोरघाट में मंकी हिल के निकट एक मालगाड़ी पटरी से उतर गई, हालांकि इस घटना में किसी के घायल होने की सूचना नहीं है। मध्य रेलवे (सीआर) के प्रवक्ता ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि मार्ग पर यातायात प्रभावित हुआ है और पुणे जाने वाली दो ट्रेन रुकी हुई हैं। मध्य रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी स्वप्निल नील ने बताया कि पर्वतीय भोरघाट रेल खंड में मंकी हिल हॉल्ट स्टेशन के निकट अपराह्न करीब 2 बजे मालगाड़ी का 'ब्रेक वैन' (गार्ड का डिब्बा) पटरी से उतर गया। उन्होंने बताया कि इस घटना में ''किसी के घायल होने की सूचना नहीं है''।

झारखंड के साहिबगंज जिले में बीते दिनों एक रेलवे यार्ड में पत्थर से लदी मालगाड़ी के कई डिब्बे पटरी से उतर गए। रेलवे के एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। अधिकारी ने बताया कि इस घटना में किसी के हताहत होने की कोई सूचना नहीं है। यह घटना झारखंड के साहिबगंज जिले में पूर्वी रेलवे के अंतर्गत आने वाले बड़हरवा रेलवे यार्ड में घटी। पूर्वी रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी (सीपीआरओ) कौशिक मित्रा ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया, मालगाड़ी के कुछ डिब्बे पलट गए।

महादयी परियोजना पर सिद्धारमैया का गोवा के सीएम पर तीखा हमला

केंद्र की चुप्पी पर भी उठाए सवाल

नई दिल्ली, 24 जुलाई (एजेंसियां)। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने महादयी नदी जल परियोजना को लेकर गोवा के मुख्यमंत्री प्रमोद सावंत और केंद्र सरकार पर तीखा हमला बोला है। उन्होंने महादयी परियोजना पर गोवा सीएम की टिप्पणी को कर्नाटक की जनता का अपमान बताया और केंद्र की चुप्पी को 'बैकडोर साजिश, मौन और विश्वासघात' कहा। यह विवाद उस वक्त और बढ़ गया जब गोवा विधानसभा में सावंत ने कहा कि केंद्र सरकार इस परियोजना को किसी भी हालत में मंजूरी नहीं देगी।

सिद्धारमैया ने जोर देकर कहा कि महादयी प्रोजेक्ट कोई विलासिता नहीं, बल्कि उत्तर कर्नाटक के लोगों की पीने के पानी की ज़रूरत है। उन्होंने बताया कि इस परियोजना से बेलगावी, धारवाड़, गडग, बागलकोट और आसपास के इलाकों के 40 लाख से ज्यादा लोगों को फायदा होगा। उन्होंने कहा कि यह किसी तरह की सौदेबाजी का मसला नहीं है, बल्कि राज्य की हकदारी है।

मुख्यमंत्री ने याद दिलाया कि साल 2018 में महादयी जल विवाद ट्राइब्यूनल ने कर्नाटक को 13.42 टीएमसी पानी देने का आदेश दिया था। बावजूद इसके, उन्होंने आरोप लगाया कि केंद्र सरकार गोवा की बीजेपी सरकार के साथ मिलकर इस परियोजना को रोक रही है। उन्होंने पूछा कि अगर कोई आपत्ति है, तो उसे आधिकारिक रूप से क्यों नहीं बताया गया। सिद्धारमैया ने बीजेपी और जेडीएस के कर्नाटक नेताओं पर भी निशाना साधा और कहा कि इनकी चुप्पी आने वाली पीढ़ियां याद रखेंगी। उन्होंने सवाल उठाया कि क्या यह सब कर्नाटक द्वारा बीजेपी के सामने न झुकने की सज़ा है। उन्होंने ट्वीट में लिखा, "कर्नाटकियों ने कौन सा जुर्म किया है?" गोवा सरकार की आपत्ति यह है कि परियोजना में शामिल 10.6 हेक्टेयर वन भूमि काली और सह्याद्रि टाइगर रिज़र्व क्षेत्र में आती है। हालांकि जनवरी 2024 में नेशनल टाइगर कंजर्वेशन अथॉरिटी (एनटीसीए) ने इस भूमि के उपयोग की सिफारिश की थी। फिर भी, गोवा सरकार लगातार इसका विरोध करती रही है।

कर्नाटक सरकार ने साफ कर दिया है कि वह इस परियोजना को लेकर पीछे नहीं हटेगी। मुख्यमंत्री ने एलान किया कि राज्य अपने अधिकार के लिए कानूनी, राजनीतिक और नैतिक लड़ाई लड़ेगा। उधर, कर्नाटक के कानून मंत्री एचके पाटिल ने भी केंद्र से जल्द मंजूरी देने की मांग करते हुए गोवा सीएम की टिप्पणी को 'झटका' बताया।

ग्वालियर रेलवे स्टेशन पर जनरल कोच में महिला ने दिया बच्चे को जन्म

ग्वालियर, 24 जुलाई (एजेंसियां)। ग्वालियर रेलवे स्टेशन पर एक महिला यात्री ने जनरल कोच में बच्चे को जन्म दिया। यह पूरी घटना उस वक्त घटी जब ट्रेन स्टेशन के नजदीक थी और महिला को अचानक प्रसव पीड़ा शुरू हो गई। समय रहते रेलवे पुलिस और कर्मचारियों की सक्रियता ने न सिर्फ एक बड़ा हादसा टाल दिया, बल्कि 'ऑपरेशन मातृशक्ति' के तहत महिला को सुरक्षित अस्पताल पहुंचाकर नवजात की जान भी बचाई। प्राप्त जानकारी के अनुसार, महिला का नाम रोशनी है और वह मध्य प्रदेश के दमोह जिले के बेलखेड़ी गांव की निवासी है।

वह निजामुद्दीन से दमोह की ओर ट्रेन से सफर कर रही थी। जैसे ही ट्रेन ग्वालियर स्टेशन के पास पहुँची, रोशनी को अचानक तेज प्रसव पीड़ा होने लगी। यात्रियों ने तुरंत रेलवे पुलिस को सूचना दी, जिसके बाद जीआरपी और महिला स्टाफ ने तत्परता दिखाते हुए जनरल कोच में पहुंचकर हालात को संभाला।

असम में अल्पसंख्यक बन जाएंगे हिंदू? इस दावे पर क्या बोले सीएम हिमंता

गुवाहाटी, 24 जुलाई (एजेंसियां)। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने असम में जनसांख्यिकी में बदलाव के मुद्दे पर बड़ा दावा किया है। सीएम हिमंत ने कहा है कि अगर राज्य में मौजूदा वृद्धि दर जारी रहती है तो साल 2041 तक असम में मुस्लिमों की आबादी हिंदुओं के लगभग बराबर हो जायेगी। सीएम हिमंत ने ये भी बताया है कि साल 2011 की जनगणना के मुताबिक, असम में 34 फीसदी मुसलमानों में से 31 फीसदी वे हैं जो पहले असम में आकर बस गए थे। 10 वर्षों में असम में हिंदू अल्पसंख्यक बन जाएंगे वाले अपने कथित बयान पर असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने कहा- यह मेरा विचार नहीं है।

यह जनगणना का परिणाम है। आज, 2011 की जनगणना के अनुसार, असम में 34% आबादी अल्पसंख्यक है। इसलिए, यदि आप 3% स्वदेशी असमिया मुसलमानों को हटा दें, तो 31% मुसलमान असम में प्रवास कर गए हैं। इसलिए, यदि आप 2021, 2031 और 2041 के आधार पर अनुमान लगाते हैं, तो आप लगभग 50-50 की स्थिति पर आते हैं। इसलिए, यह मेरा विचार नहीं है। मैं केवल सांख्यिकीय जनगणना रिपोर्ट बता रहा हूं।

मंदिर के करीब इस्लाम का प्रचार गुनाह है?

3 लोगों पर हुई थी एफआईआर, अब अदालत ने रद्द किया एफआईआर

बेंगलूरू, 24 जुलाई (एजेंसियां)। कर्नाटक हाईकोर्ट ने उन तीन लोगों के खिलाफ दायर एफआईआर को रद्द कर दिया, जिन पर आरोप था कि वे मंदिर के नजदीक कुछ पर्चे बांटकर इस्लाम का प्रचार कर रहे थे। इस मामले में आरोपी तीन शख्स के खिलाफ राज्य के धर्मांतरण विरोधी कानून के तहत मुकदमा दर्ज किया गया था। फैसला देने वाले जज वेंकटेश नाइक टी ने कहा कि ऐसे कोई आरोप नहीं हैं कि इन तीनों लोगों ने किसी का धर्मांतरण कराया हो, या फिर उस दिशा में कोई प्रयास भी किया हो। अदालत ने साफ किया कि कर्नाटक धार्मिक स्वतंत्रा संरक्षण कानून 2022 – जिस धर्मांतरण कानून के तहत मुकदमा दर्ज किया गया, वो वैसे ही धर्मांतरण को रोकने की बात करता है जहां बरगलाकर धर्म परिवर्तन कराया गया हो। वह भी आरोप तब बनेगा जब जिसका धर्मांतरण हुआ है, वह खुद या उसके परिवार का कोई सदस्य मुकदमा दर्ज कराए। चूंकि इस मामले में किसी तीसरे पक्ष ने मुकदमा दर्ज कराया था, जिसका इस विषय से सीधे तौर पर कोई लेना-देना नहीं था। अदालत ने मामले को रफा-दफा कर दिया।

मई 2025। यानी करीब दो महीने पहले मुस्तफा, अलीसाब और सुलेमान नाम के तीन लोगों को कर्नाटक में मौजूद रामतीर्थ मंदिर के करीब इस्लाम का प्रचार करते पाया गया। वे वहां कुछ पर्चे बांटते हुए इस्लाम की शिक्षा और अपनी धार्मिक मान्यताओं का प्रचार कर रहे थे। आरोप हैं कि जब इस मामले में शिकायत करने वाले रमेश मालप्पा उनके पास गए तो इन तीनों ने हिंदू धर्म की आलोचना शुरू कर दी। बकौल रमेश, इन्होंने कहा कि "अग तुम हिंदू बने रहोगे, तो तुम ईश्वर को नहीं पा सकोगे। अल्लाह के सिवा कोई खुदा नहीं है। बाकी सभी ईश्वर काफिर हैं।" रमेश का दावा है कि आरोपियों ने कहा कि उनका मकसद समूची दुनिया को इस्लाम धर्म में बदलने का है, इस दिशा में अगर कोई भी रुकावट लाता है तो उसे गंभीर नतीजे भुगतने होंगे। इसी विषय को आधार बनाकर राज्य सरकार अदालत में मुकदमा लड़ रही थी। आरोपियों के वकील ने बचाव में कहा कि महज इस बात पर कि वे इस्लाम की शिक्षा लोगों तक पहुंचा रहे, उन पर कोई आरोप नहीं लादा जा सकता। अदालत ने आखिरकार आरोपियों के वकील की दलीलों में दम पाया और उनके खिलाफ दायर एफआईआर को एक झटके में रद्द कर दिया। अदालत में ये मामला 'मुस्तफा और अन्य बनाम कर्नाटक राज्य और अन्य' के नाम से सुना गया।

30 साल की इंजीनियर ने की आत्महत्या, 2 सरकारी अधिकारी पर लगे बड़े आरोप

बोंगाईगांव, 24 जुलाई (एजेंसियां)। असम से एक चौंकाने वाली घटना सामने आई है, जहां 30 साल की एक सहायक इंजीनियर ने अपने किराए के मकान में आत्महत्या कर ली थी। बोंगाईगांव में महिला सहायक इंजीनियर अपने मकान में मृत पाई गईं थी। इस मामले में पुलिस ने दो वरिष्ठ सरकारी अधिकारी को गिरफ्तार किया है। दरअसल, पुलिस को महिला के कमरे से एक सुसाइड नोट मिला था, जिसमें दावा किया गया था कि दो सीनियर सरकारी अधिकारी महिला पर फर्जी बिल पास करने के लिए लगातार दबाव बना रहे थे। महिला ने अपने सुसाइड नोट में स्पष्ट रूप से आरोप लगाया कि दो वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा कथित तौर पर अधूरे बिलों को मंजूरी देने के लिए उस पर लगातार दबाव डाला जा रहा था। इस वजह से महिला मानसिक तनाव में थी। बोंगाईगांव के एसएसपी मोहन लाल मीणा ने बताया कि सुसाइड नोट में जिन दो लोगों के नाम हैं, उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया है। उन्होंने बताया कि एक पीडब्ल्यूडी का कार्यकारी अभियंता है और दूसरा उप-मंडल अधिकारी है।

एसएसपी ने बताया कि इस महीने की शुरुआत में दोनों का जिले से बाहर तबादला कर दिया गया था। उन्होंने कहा, दोनों को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है। हमें उनसे पूछताछ करने और अपनी जांच करने की अनुमति मिल गई है। मोहन लाल मीणा ने बताया कि पुलिस महिला के शव के पास मिले सुसाइड नोट में लगे आरोपों की पुष्टि कर रही है। एक अन्य अधिकारी ने नाम न छापने की शर्त पर बताया कि गिरफ्तार किए गए दोनों अधिकारियों ने बोंगाईगांव में एक मिनी स्टेडियम के निर्माण को लेकर महिला पर बहुत दबाव डाल रहे थे। उन्होंने बताया कि सुसाइड नोट में महिला ने आरोप लगाया कि उन्होंने ठेकेदार द्वारा जमा किए गए बढ़ा-चढ़ाकर दिए गए बिलों को पास करने के लिए उस पर दबाव डाल रहे थे।

इंडिया गठबंधन की ओर से कौन होगा उप राष्ट्रपति पद का उम्मीदवार? संजय राउत का आया बयान

मुंबई, 24 जुलाई (एजेंसियां)। जगदीप धनखड़ के इस्तीफे के बाद भारत के उप राष्ट्रपति पद के लिए नामों की चर्चा शुरू हो गई है। दावा किया जा रहा है कि बीजेपी की ओर से ही अगला उप राष्ट्रपति बनने वाला है। हालांकि, इंडिया गठबंधन भी अपनी तरफ से प्रत्याशी के नाम का ऐलान कर सकता है। ऐसे में जब संजय राउत से उप राष्ट्रपति पद के प्रत्याशी के नाम को लेकर सवाल किया गया तो उन्होंने कहा, यह हम अकेले कैसे बता सकते हैं कि वाइस प्रेसिडेंट पद का कैंडिडेट कौन होगा। गठबंधन के सभी दल बैठकर बात करेंगे, विचार विमर्श करेंगे, इसके बाद ही नाम पर सहमति बनेगी। गौरतलब है कि जगदीप धनखड़ का इस्तीफा स्वीकार होने के बाद से ही निर्वाचन आयोग ने उप राष्ट्रपति पद के चुनाव के लिए तैयारियां शुरू कर दीं। कई नामों के रेस में शामिल होने की अटकलों के बीच यह तय माना जा रहा है कि अगले उप राष्ट्रपति बीजेपी से ही होंगे। सभी सहयोगी दलों की इसपर सहमति बनी है। हालांकि, नाम को लेकर अभी तक कोई खुलासा नहीं हुआ है।

जगदीप धनखड़ के इस्तीफे देते ही यह सवाल उठ गया कि अब उपराष्ट्रपति पद की जिम्मेदारी कौन संभालेगा? कयासों के बीच कई नाम भी सामने आने लगे, जिनका आधिकारिक तौर पर ऐलान नहीं किया गया। हालांकि, रामनाथ ठाकुर, केरल के पूर्व राज्यपाल आरिफ मोहम्मद, हरिवंश नारायण सिंह, शिवराज सिंह चौहान आदि के नाम अचानक चर्चा में आने लगे। जगदीप धनखड़ का कार्यकाल साल 2027 तक चलना था, लेकिन उन्होंने स्वास्थ्य कारणों का हवाला देते हुए पहले ही इस्तीफा दे दिया। संविधान में यह बात तय है कि भारत के उपराष्ट्रपति की कुर्सी बहुत दिन तक खाली नहीं छोड़ी जा सकती। ऐसे में इस्तीफे के तुरंत बाद जल्द से जल्द चुनाव करवाना होता है। निर्वाचन आयोग ने (24 जुलाई) को यह ऐलान कर दिया था कि उपराष्ट्रपति के चुनाव की प्रक्रिया शुरू हो चुकी है।

THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH
स्वतंत्र वार्ता
शुक्रवार, 25 जुलाई, 2025

सुविचार: बड़े भाग्य से यह मनुष्य शरीर मिला है सब ग्रंथों ने यही कहा है कि यह शरीर देवताओं को भी दुर्लभ है

भारी बारिश के बीच मुख्यमंत्री रेवंत ने अधिकारियों को सतर्क रहने के निर्देश दिए

हैदराबाद, 24 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। राज्य भर में हो रही भारी बारिश को देखते हुए, मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने सभी जिला कलेक्टरों को हाई अलर्ट पर रहने के निर्देश जारी किए हैं।

मुख्यमंत्री (जो इस समय दिल्ली में हैं) ने गुरुवार को मुख्यमंत्री कार्यालय (सीएमओ) के अधिकारियों के साथ चर्चा की। उन्होंने निर्देश दिया कि सभी विभाग समन्वय से काम करें ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि भारी बारिश से प्रभावित क्षेत्रों में लोगों को कोई असुविधा न हो और निचले इलाकों में उचित राहत उपाय किए जाएं। चूंकि बारिश न केवल ग्रेटर हैदराबाद में बल्कि राज्य के सभी जिलों में हो रही है, इसलिए रेवंत रेड्डी ने निर्देश दिया कि झीलों और तालाबों के उफान पर रहने वाले क्षेत्रों और बाढ़ संभावित क्षेत्रों में लोगों को सतर्क और सुरक्षित रखा जाए। जिन जिलों में भारी बारिश का अनुमान है, वहां मुख्यमंत्री ने कलेक्टरों से सभी विभागों के साथ समन्वय में स्थिति की निरंतर समीक्षा करने को कहा। उन्होंने इस बात पर ज़ोर दिया कि जान-माल के किसी भी नुकसान को रोकने के लिए सभी आवश्यक सावधानियां बरती जानी चाहिए। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को अपने-अपने ज़िलों में उपलब्ध रहने, बारिश या बाढ़ से उत्पन्न किसी भी स्थिति से निपटने के लिए तैयार रहने और आवश्यक सहायता प्रदान करने का भी निर्देश दिया। रेवंत रेड्डी ने वरिष्ठ अधिकारियों और ज़िला कलेक्टरों को लगातार संपर्क में रहने और नियमित अंतराल पर स्थिति की समीक्षा करने की सलाह दी।

महिलाओं के लिए मुफ्त बस यात्रा का परिवर्तनकारी प्रभाव : मुख्यमंत्री रेवंत

हैदराबाद, 24 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने महा लक्ष्मी योजना के माध्यम से महिलाओं के लिए 200 करोड़ निःशुल्क यात्राएं पूरी होने की महत्वपूर्ण उपलब्धि पर अपनी प्रसन्नता व्यक्त की। उन्होंने कहा कि इस कल्याणकारी पहल ने तेलंगाना में कई परिवर्तनकारी बदलाव लाए हैं। गुरुवार को एक्स पर एक बयान में, मुख्यमंत्री ने इस बात पर प्रकाश डाला कि आरटीसी बसों में मुफ्त यात्रा सेवा ने महिलाओं पर वित्तीय दबाव कम किया है और स्वास्थ्य सुरक्षा में योगदान दिया है। उन्होंने इस बात पर ज़ोर दिया कि इस एक पहल की बदौलत, आरटीसी कर्ज से मुक्त हो गया है और 200 करोड़ निःशुल्क टिकटों के साथ एक प्रभावशाली उपलब्धि हासिल की है। मुख्यमंत्री ने योजना के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए आरटीसी में योगदान देने वाले सभी कर्मचारियों, स्टाफ और श्रमिकों के साथ-साथ प्रबंधन और परिवहन मंत्री पोन्नम प्रभाकर की भी प्रशंसा की। इस एक पहल के ज़रिए, आरटीसी बसों का इस्तेमाल करने वाली महिलाओं का प्रतिशत 35 से बढ़कर 60 प्रतिशत हो गया है। जनता के शासन के आते-आते स्थिति इतनी विकट हो गई थी कि ऐसा लग रहा था जैसे आरटीसी की कहानी फीकी पड़ रही है।

तेलंगाना में अगले दो दिनों तक भारी बारिश की संभावना

हैदराबाद, 24 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। मौसम विभाग ने घोषणा की है कि बंगाल की खाड़ी के उत्तरी भाग में बने निम्न दबाव के क्षेत्र के प्रभाव से गुरुवार और शुक्रवार को तेलंगाना में भारी बारिश की संभावना है। विभाग ने कहा है कि राज्य भर में हल्की से मध्यम बारिश होगी, जबकि कुछ स्थानों पर गरज, बिजली और तेज़ हवाओं के साथ भारी बारिश होगी।

इसी क्रम में, कुछ जिलों के लिए येलो अलर्ट जारी किया गया है। संबंधित अधिकारियों ने बताया कि गुरुवार रात वारंगल, हनमाकोंडा, महबूबाबाद, सूर्यपेट, भद्राद्री कोत्तागुडेम, मुलुगु, जयशंकर भूपलपल्ली जिलों में भारी बारिश की संभावना है। मौसम विभाग ने शुक्रवार को आदिलाबाद, कुमुरंभीम, आसिफाबाद, मंचेरियल, निर्मल, निजामाबाद, जयशंकर भूपलपल्ली, मुलुगु, भद्राद्री कोत्तागुडेम, हनमाकोंडा, वारंगल, जनगांव, मेदक, कामारेड्डी और खम्मम जिलों के लिए येलो अलर्ट जारी किया है क्योंकि इन जिलों में भारी बारिश की संभावना है। संबंधित जिलों में 30-40 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तेज़ हवाएं चलने की संभावना है।

जयपुर विकास प्राधिकरण के अधिकारियों ने जीएचएमसी की नीतियों की सराहना की

हैदराबाद, 24 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। जयपुर विकास प्राधिकरण आयुक्त और अधिकारियों ने आज ग्रेटर हैदराबाद नगर निगम क्षेत्र में लागू की जा रही टीडीआर और अभी निर्माण करें नीतियों की सराहना की।

गुरुवार को, जयपुर विकास प्राधिकरण (जेडीए) आयुक्त आनंदी के एक प्रतिनिधिमंडल ने योजना निदेशक प्रीति गुप्ता, आईटी सलाहकार आर.के. शर्मा, सहायक नगर नियोजक रुशिकेश कोल्टे और आईटी उप निदेशक पंकज शर्मा के नेतृत्व में जीएचएमसी का दौरा किया और हस्तांतरणीय विकास अधिकार (टीडीआर) नीति, अभी निर्माण करें, जो एक एकीकृत भवन और लेआउट अनुमति प्रणाली है, का अध्ययन किया। ग्रेटर हैदराबाद नगर निगम (जीएचएमसी) के मुख्यालय में अधिकारियों ने टीम का स्वागत किया। आयुक्त आर.वी. कर्णन ने पावर पॉइंट प्रेजेंटेशन के माध्यम से टीम के सदस्यों को नई टीडीआर नीति और 2017 में शुरू की गई टीडीआर नीति की मुख्य विशेषताओं, नीति के लाभों और भवन और लेआउट अनुमतियों के लिए 'अभी निर्माण करें' नामक एकल-खिड़की मंच के बारे में बताया।

आयुक्त ने टीम को बताया कि इन नीतियों से जीएचएमसी सीमा के भीतर सरकारी विकास कार्यक्रमों के लिए भूमि अधिग्रहण आसान हुआ है और नागरिक सेवाओं में पारदर्शिता, दक्षता और जवाबदेही बढ़ी है। आयुक्त ने कहा कि अनुमति प्रक्रिया में लगने वाला समय कम हुआ है और नियमों का कार्यान्वयन सुव्यवस्थित हुआ है। टीम के सदस्यों ने जीएचएमसी की नीतियों की प्रशंसा की और कहा कि वे जयपुर के नगर प्रशासन को मज़बूत बनाने और इसे लोगों के और करीब लाने के लिए इसी तरह की व्यवस्थाएं लागू करने के लिए काम करेंगे। बैठक में जीएचएमसी के अतिरिक्त मुख्य नगर नियोजक श्रीनिवास राव, अतिरिक्त मुख्य नगर आयुक्त गंगाधर और प्रदीप कुमार, अध्ययन यात्रा समन्वयक राज कुमार और विल्सन, नगर नियोजन अधिकारी और अन्य लोगों ने भाग लिया।

सभी आर एंड बी अधिकारी फील्ड में मौजूद रहें : वेंकट रेड्डी

हैदराबाद, 24 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। पिछले दो दिनों से राज्य में हो रही भारी बारिश के मद्देनजर, राज्य के सड़क, भवन और छायांकन मंत्री कोमटि रेड्डी वेंकट रेड्डी ने आर एंड बी अधिकारियों को अलर्ट रहने के आदेश जारी किए हैं। उन्होंने निर्देश दिया कि अधीक्षण अभियंता जिला मुख्यालयों पर मौजूद रहें और फील्ड स्तर पर ई.ई., डी.ई. और ए.ई. की नियमित निगरानी करें और हर चार से पांच घंटे में अपने-अपने क्षेत्रों की स्थिति की समीक्षा करें। उन्होंने कहा कि ईएनसी और सी.ई. हैदराबाद से निगरानी करें और उन्हें अपडेट दें। उन्होंने सुझाव दिया कि निर्माणाधीन पुलियों, पुलों और सड़कों की नियमित जांच की जाए और उफनती नदियों पर बने पुलों का नियमित निरीक्षण किया जाए। उन्होंने बाढ़ से क्षतिग्रस्त सड़कों को युद्धस्तर पर तुरंत बहाल करने की व्यवस्था करने की मांग की। उन्होंने कहा कि क्षेत्र में आने वाली किसी भी कठिनाई का समाधान बिजली, राजस्व, सिंचाई, पुलिस और पंचायत राज विभागों के समन्वय से किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि तेज़ हवाओं के कारण सड़कों पर अप्रत्याशित रूप से गिरे बिजली के खंभों से दुर्घटनाएं होने की संभावना है। सड़कों के ऊपर से गुज़रने वाले हाईटेंशन तार भी दुर्घटनाओं का कारण बन सकते हैं, और अगर कहीं ऐसी कोई चीज़ है, तो उसकी पहले से पहचान कर ली जानी चाहिए और दुर्घटनाओं से बचने के लिए सावधानी बरतनी चाहिए। नदियों, नालों और तालाबों के तटबंधों के किनारे की सड़कें अप्रत्याशित रूप से तेज़ बाढ़ के कारण क्षतिग्रस्त होने की संभावना है, इसलिए उन्हें सिंचाई अधिकारियों के संपर्क में रहना चाहिए और बाढ़ के प्रवाह का आकलन करना चाहिए।

तेलंगाना में दूसरे दिन भी भारी बारिश जारी

हैदराबाद, 24 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना के जिलों, खासकर उत्तरी जिलों में, पिछले 24 घंटों में लगातार दूसरे दिन भारी से बहुत भारी बारिश हुई। कुमारम भीम आसिफाबाद के बेज्जुर में सबसे ज़्यादा 236.8 मिमी बारिश दर्ज की गई, जबकि मुलुगु जिले के वेंकटपुरम में 218.5 मिमी बारिश दर्ज की गई। हैदराबाद मौसम विभाग के गुरुवार के मौसम पूर्वानुमान में कहा गया है कि 27 जुलाई तक तेलंगाना के सभी जिलों में गरज के साथ भारी बारिश जारी रहने की संभावना है।

मानसून सीजन समाप्त होने तक हाइड्रा को जीएचएमसी से पूर्ण सहयोग : आयुक्त

जीएचएमसी, हाइड्रा यातायात और अग्निशमन विभाग के अधिकारियों की समन्वय बैठक

हैदराबाद, 24 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। आयुक्त आर.वी. कर्णन ने अधिकारियों को मानसून की आपात स्थितियों के दौरान हाइड्रा और जीएचएमसी के साथ समन्वय स्थापित कर काम करने और शहर के लोगों को असुविधा से बचाने के लिए उचित कदम उठाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि आपदा प्रबंधन और प्रतिक्रिया की मुख्य ज़िम्मेदारी हाइड्रा की है और मानसून के दौरान, जीएचएमसी के इंजीनियरिंग अधिकारियों को वार्ड, सर्कल और ज़ोनल स्तरों पर हाइड्रा को तकनीक, रसद और संसाधनों के मामले में पूरा सहयोग प्रदान करना चाहिए। गुरुवार शाम को जीएचएमसी आयुक्त आर.वी. कर्णन और हाइड्रा आयुक्त ए.वी. रंगनाथ ने मानसून सीजन के दौरान उत्पन्न होने वाली समस्याओं से प्रभावी ढंग से निपटने के लिए जीएचएमसी इंजीनियरिंग विभाग, एसई, डीईई, एईई, ट्रैफिक, फायर और हाइड्रा अधिकारियों के बीच समन्वय बढ़ाने के लिए जीएचएमसी मुख्यालय में एक विशेष बैठक की। बैठक में बोलते हुए, जीएचएमसी आयुक्त आरवी कर्णन ने कहा कि जीएचएमसी इंजीनियरिंग विभाग मानसून के मौसम में आने वाली समस्याओं से निपटने के लिए हाइड्रा के साथ पूरा सहयोग कर रहा है। उन्होंने कहा कि जीएचएमसी ग्रेटर हैदराबाद में खुले नालों और नवनिर्मित बांधों की सफाई, रखरखाव और रखरखाव का ध्यान रखेगा और निचले इलाकों के लोगों को सतर्क करने के लिए झीलों में जल भंडारण स्तर की जानकारी हाइड्रा के साथ साझा करेगा। हाइड्रा कमिश्नर ए.वी. रंगनाथ ने कहा कि हाइड्रा शहर के 11 अंडरपासों के रखरखाव की ज़िम्मेदारी संभालेगा। उन्होंने कहा कि वे बारिश के पानी के चैनलों की सफाई के लिए ज़िम्मेदार होंगे ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि फ़्लाईओवर पर बारिश का पानी जमा न हो। उन्होंने कहा कि वे कैच पिट्स से गाद निकालने और नालों का सुरक्षा ऑडिट करने के लिए ज़िम्मेदार होंगे। रंगनाथ ने सुझाव दिया कि जीएचएमसी को कैच पिट्स से गाद निकालने के दौरान निकलने वाली मिट्टी की आवाजाही को सुगम बनाने के लिए वार्ड-वार टी-पॉइंट स्थापित करने में सहयोग करना चाहिए। बैठक में जोनल कमिश्नर अनुराग जयंती, अपूर्व चौहान, हेमंत सहदेव राव, रवि किरण, वेंकन्ना, मुख्य अभियंता रत्नाकर, परियोजना मुख्य अभियंता भास्कर रेड्डी, लेक्स मुख्य अभियंता कोटेश्वर राव, डीएफओ पापा राव और अन्य ने भाग लिया।

राज्यपाल ने पिछड़ा वर्ग विधेयक केंद्रीय गृह मंत्रालय को भेजा

हैदराबाद, 24 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। राज्य में 42 प्रतिशत आरक्षण के प्रावधान वाला अध्यादेश गुरुवार को केंद्रीय गृह मंत्रालय पहुंच गया। राज्यपाल जिष्णु देव वर्मा ने इस अध्यादेश को कानूनी सलाह के लिए केंद्रीय गृह मंत्रालय को भेज दिया है। राज्यपाल स्थानीय निकाय चुनावों में पिछड़ा वर्ग के लिए 42 प्रतिशत आरक्षण संबंधी सरकार द्वारा जारी अध्यादेश पर महाधिवक्ता और कई वरिष्ठ वकीलों के साथ चर्चा कर चुके हैं। बाद में, उन्होंने विधेयक को केंद्र को भेज दिया। ज्ञात हो कि तेलंगाना राज्य विधानसभा में स्वीकृत यह विधेयक पिछले तीन सप्ताह से राज्यपाल के पास है। इस मामले में, राज्यपाल ने इस विधेयक को लेकर कई शंकाएं व्यक्त कीं।

महाधिवक्ता और वरिष्ठ वकीलों ने उन्हें दूर कर दिया। इसे केंद्र को भेज दिया गया। हालांकि, राज्यपाल ने इस बात पर संदेह व्यक्त किया कि क्या यह अध्यादेश सर्वोच्च न्यायालय के उस पूर्व निर्णय का उल्लंघन करता है जिसमें कहा गया था कि 50 प्रतिशत से अधिक आरक्षण नहीं होना चाहिए? इसी क्रम में, इस अध्यादेश को कानूनी सलाह के लिए केंद्रीय गृह मंत्रालय को भेजा गया था। ग्राम पंचायत चुनावों में पिछड़ा वर्ग आरक्षण बढ़ाने के मुद्दे पर, संविधान ने राज्य सरकारों को कुछ शक्तियां प्रदान की हैं।

इससे पता चलता है कि आरक्षण बढ़ाने की संभावना है। दूसरी ओर, उच्च न्यायालय पहले ही आदेश दे चुका है कि तेलंगाना में स्थानीय निकाय चुनाव 30 सितंबर तक करा लिए जाएं। इस संदर्भ में, यदि विधेयक को जल्द से जल्द मंजूरी मिल जाती है, तो रेवंत रेड्डी सरकार स्थानीय निकाय चुनावों में इसे लागू करने का इरादा रखती है।

CLASSIFIEDS

CHANGE OF NAME

I, SUB (SKT) SREENIVASULU JANGA , R/o: 0-0, PUSALAPADU, PRAKASAM, ANDHRA PRADESH - 523334, Have Changed My Name From SREENIVASULU JANGA to JANGA SREENIVASULU vide Affidavit dt. 23-07-2025 duly Sd.by P.RAVEENDRANATH ADV & NOTARY

I, J RAMA DEVI , Legally Wedded spouse of SUB (SKT) SREENIVASULU JANGA , R/o: 0-0, PUSALAPADU, PRAKASAM, ANDHRA PRADESH - 523334, Have Changed My Name From J RAMA DEVI to JANGA RAMADEVI vide Affidavit dt. 23-07-2025 duly Sd.by P.RAVEENDRANATH ADV & NOTARY

I, CHANDBI , Legally Wedded spouse of HAV RAMESH WADDAR , R/o: NAINAPUR, MADALGERI RON GADAG,KARNATAKA-582209, Have Changed My Name From CHANDBI to CHANDBI WADDAR vide Affidavit dt. 23-07-2025 duly Sd.by P.RAVEENDRANATH ADV & NOTARY.

I, Sangeetha, W/o, JC 771046Y, Sub, Santhosh Kumar T R, R/o,Kollam Dist, Kerala, changed my name from Sangeetha to Sangeetha S vide Affidavit dt 22.07.2025 before Medchal Court, Telangana.

I, JC 771046Y, Sub, Santhosh Kumar T R, R/o, Kollam Dist, Kerala, changed my Mother's name from J Radhamony Amma to Radhamaniyamma J vide Affidavit dt 22.07.2025, before Medchal Court, Telangana.

I, JC 771046Y, Sub, Santhosh Kumar T R, R/o, Kollam Dist, Kerala changed my Daughter's name from Sankeerthana SS to Sankeerthana Santhosh vide Affidavit dt 23.07.2025, before Medchal Court, Telangana.

सावधान

पाठकों को सूचित किया जाता है कि वर्गीकृत विज्ञापन का प्रतिवादन करने से पहले उसकी पूरी तरह से जाँच पड़ताल कर लें। विज्ञापनदाता ने दावा कर रहे हैं या कह रहे हैं, उन बातों से दैनिक समाचार पत्र (स्वतंत्र वार्ता) का किसी भी तरह का कोई सम्बन्ध नहीं है।

पूर्व तट रेलवे

(1) सूचना सं.: eT-North-WAT-26-2025 दिनांक: 17.07.2025

कार्य का नाम : वाल्टियर मण्डल के सभी स्टेशनों पर दिव्यांगजनों के लिए सुविधाओं के प्रावधान के कार्य से संबंधित वाल्टियर मण्डल के सहायक मण्डल अभियन्ता/लक्ष्मीपुर रोड के अधिकार क्षेत्र के अधीन कोरापुट-सिंगापुर रोड के बीच विभिन्न स्टेशनों पर रैंप के लिए टैक्टाइल टाइल एवं हैंड रेल का प्रावधान।

कार्य की अनुमानित लागत : ₹ 1,95,08,343.48, EMD : ₹ 2,47,600/-

(2) सूचना सं.: eT-North-WAT-27-2025 दिनांक: 17.07.2025

कार्य का नाम : वाल्टियर मण्डल के सभी स्टेशनों पर दिव्यांगजनों के लिए सुविधाओं के प्रावधान के कार्य से संबंधित सहायक मण्डल अभियन्ता/रायगड़ा के अधिकार क्षेत्र के अधीन सिंगापुर रोड एवं डोंकिनवलसा के बीच विभिन्न स्टेशनों पर रैंप के लिए टैक्टाइल टाइल एवं हैंड रेल का प्रावधान।

कार्य की अनुमानित लागत : ₹ 1,78,82,648.19, EMD : ₹ 2,39,400/-

कार्य पूरा होने की अवधि : 12 (बारह) महीने (दोनों क्रम सं. के लिए)।

निविदा बंद होने की तिथि व समय : 14.08.2025 को 1500 बजे (दोनों निविदा के लिए)।

ऐसी ई-निविदा के तहत डाक/कूरियर/फैक्स या व्यक्तिगत रूप से भेजा गया कोई भी मैनुअल प्रस्ताव स्वीकार नहीं किया जायेगा, भले ही यह फर्म (Firm) के लेटर हेड एवं नियत समय पर प्राप्त किया गया हो। ऐसे सभी मैनुअल प्रस्ताव को अवैध माना जायेगा तथा उसके बारे में किसी विचार के बिना तत्काल निरस्त कर दिया जायेगा।

उपरोक्त ई-निविदा के ई-निविदा दस्तावेज सहित संपूर्ण जानकारी वेबसाइट : www.ireps.gov.in पर उपलब्ध होंगे।

द्रष्टव्य : प्रत्याशित निविदाकारों को यह सलाह दी जाती है कि इस ई-निविदा के लिए जारी कोई भी परिवर्तन / शुद्धिपत्र की ओर ध्यान देने के लिए वे निविदा बंद होने की कम से कम 15 (पन्द्रह) दिन पहले वेबसाइट का पुनः अवलोकन करें।

मण्डल रेलवे प्रबंधक (इंजीनियरिंग), वाल्टियर

PR-393/Q/25-26

पूर्व तट रेलवे

(1) सूचना सं.: eT-North-WAT-26-2025 दिनांक: 17.07.2025

कार्य का नाम : वाल्टियर मण्डल के सभी स्टेशनों पर दिव्यांगजनों के लिए सुविधाओं के प्रावधान के कार्य से संबंधित वाल्टियर मण्डल के सहायक मण्डल अभियन्ता/लक्ष्मीपुर रोड के अधिकार क्षेत्र के अधीन कोरापुट-सिंगापुर रोड के बीच विभिन्न स्टेशनों पर रैंप के लिए टैक्टाइल टाइल एवं हैंड रेल का प्रावधान।

कार्य की अनुमानित लागत : ₹ 1,95,08,343.48, EMD : ₹ 2,47,600/-

(2) सूचना सं.: eT-North-WAT-27-2025 दिनांक: 17.07.2025

कार्य का नाम : वाल्टियर मण्डल के सभी स्टेशनों पर दिव्यांगजनों के लिए सुविधाओं के प्रावधान के कार्य से संबंधित सहायक मण्डल अभियन्ता/रायगड़ा के अधिकार क्षेत्र के अधीन सिंगापुर रोड एवं डोंकिनवलसा के बीच विभिन्न स्टेशनों पर रैंप के लिए टैक्टाइल टाइल एवं हैंड रेल का प्रावधान।

कार्य की अनुमानित लागत : ₹ 1,78,82,648.19, EMD : ₹ 2,39,400/-

कार्य पूरा होने की अवधि : 12 (बारह) महीने (दोनों क्रम सं. के लिए)।

निविदा बंद होने की तिथि व समय : 14.08.2025 को 1500 बजे (दोनों निविदा के लिए)।

ऐसी ई-निविदा के तहत डाक/कूरियर/फैक्स या व्यक्तिगत रूप से भेजा गया कोई भी मैनुअल प्रस्ताव स्वीकार नहीं किया जायेगा, भले ही यह फर्म (Firm) के लेटर हेड एवं नियत समय पर प्राप्त किया गया हो। ऐसे सभी मैनुअल प्रस्ताव को अवैध माना जायेगा तथा उसके बारे में किसी विचार के बिना तत्काल निरस्त कर दिया जायेगा।

उपरोक्त ई-निविदा के ई-निविदा दस्तावेज सहित संपूर्ण जानकारी वेबसाइट : www.ireps.gov.in पर उपलब्ध होंगे।

द्रष्टव्य : प्रत्याशित निविदाकारों को यह सलाह दी जाती है कि इस ई-निविदा के लिए जारी कोई भी परिवर्तन / शुद्धिपत्र की ओर ध्यान देने के लिए वे निविदा बंद होने की कम से कम 15 (पन्द्रह) दिन पहले वेबसाइट का पुनः अवलोकन करें।

मण्डल रेलवे प्रबंधक (इंजीनियरिंग), वाल्टियर

PR-393/Q/25-26

'ये कांवड़िये नहीं गुंडे हैं'

स्वामी प्रसाद मौर्य के बयान पर बवाल हिंदूवादी संगठन का घर के बाहर हंगामा

लखनऊ, 24 जुलाई (एजेंसियां)। राष्ट्रीय शोषित समाज पार्टी और पूर्व मंत्री स्वामी प्रसाद मौर्य के कांवड़ियों पर दिए बयान पर बवाल मच गया है। विश्व हिंदू रक्षा परिषद ने उनके बयान पर आपत्ति दर्ज कराई और उनके लखनऊ स्थित घर का जलाभिषेक करने की बात कही है। इसे देखते हुए बृहस्पतिवार को स्वामी प्रसाद के घर के बाहर बड़ी संख्या में सुरक्षाकर्मी तैनात कर दिए गए हैं। वहीं, सुबह विश्व हिंदू रक्षा परिषद के कई नेता स्वामी प्रसाद मौर्य के घर के बाहर हंगामा करने पहुंच गए। हालांकि, यहां पर पहले से ही पुलिसकर्मी तैनात हैं। स्वामी प्रसाद मौर्य ने बयान दिया था कि भगवान शिव को इतने भोले हैं कि उन्हें भोलेबाबा कहा जाता है और ये कांवड़िये उनके नाम पर तोड़फोड़ और उपद्रव कर रहे हैं। ये कांवड़िये नहीं बल्कि सत्ता संरक्षित गुंडे हैं। सरकार को इनके खिलाफ कार्रवाई करनी चाहिए। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि ऐसे लोगों के पोस्टर लगाए जाएंगे।

स्वामी ने कहा कि कांवड़ियों के कारनामों की सारी रिकॉर्डिंग है। उन पर कार्रवाई की जानी चाहिए लेकिन नहीं की जा रही है क्योंकि ये कांवड़िये नहीं सत्ता संरक्षित गुंडे हैं। उनके इस बयान पर बवाल मच गया है। बता दें कि इसके पहले सीएम योगी बयान दिया था कि कांवड़ यात्रा को बदनाम करने की साजिश रची जा रही है। जो लोग भी उपद्रव कर रहे हैं उनके पोस्टर लगाए जाएंगे और यात्रा समाप्त होने के बाद उनके खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

'एसआईआर' पर जेडीयू के बदलते सुर पर आई बीजेपी की प्रतिक्रिया

चिराग पासवान की पार्टी पर भी संदेह

पटना, 24 जुलाई (एजेंसियां)। 2025 के बिहार विधानसभा चुनाव से पहले प्रदेश में मतदाता सूची का विशेष गहन पुनरीक्षण अभियान चल रहा है। विपक्ष के साथ-साथ मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की पार्टी के विधायक संजीव सिंह एवं सांसद गिरिधारी यादव भी सवाल उठा रहे हैं। दूसरी ओर चिराग पासवान की पार्टी के नेता भी इस अभियान पर सवाल उठाने लगे हैं। एनडीए में शामिल नेताओं के एसआईआर पर दिए जा रहे बयान से बिहार की सियासत तेज हो गई है। अब इस पर बीजेपी की प्रतिक्रिया आई है। गुरुवार (24 जुलाई, 2025) को बिहार बीजेपी के प्रवक्ता प्रभाकर मिश्रा ने कहा कि एसआईआर का विरोध विपक्ष की अपनी मजबूरी है क्योंकि फर्जीवाड़े का खुलासा हुआ है।

उन्होंने कहा कि रही बात जेडीयू के सांसद गिरिधारी यादव और विधायक संजीव सिंह की तो लगता है कि वह दोनों गलतफहमी के शिकार हो गए हैं।

एनडीए में चट्टानी एकता का किया दावा

प्रभाकर मिश्रा ने कहा कि जेडीयू के बड़े नेता उन्हें स्थिति से अवगत कराएंगे, यह उनका आंतरिक मामला है। एनडीए में चट्टानी एकता है और यही एकता विधानसभा के चुनाव में प्रचंड बहुमत दिलाएगा। इसके साथ ही उन्होंने आरजेडी और कांग्रेस पर तंज कसते हुए कहा कि यह लोग फर्जी वोटर की बैसाखी पर चुनावी नैया पार करना चाहते हैं। चुनाव आयोग के इस कदम से उन्हें अपनी धरती खिसकती नजर आ रही है, इसलिए काले कारनामों को ढकने के लिए काले कपड़े पहनकर नौटंकी कर रहे हैं।

एसआईआर पर चिराग की पार्टी ने क्या कहा?

उधर चिराग पासवान की पार्टी (लोजपा रामविलास) के प्रवक्ता शशि भूषण प्रसाद ने एसआईआर पर कहा है कि चुनाव आयोग संवैधानिक संस्था है। अभी जो काम हो रहे उस पर हम लोगों को हस्तक्षेप नहीं करना चाहिए। हमें लगता है कि जेडीयू विधायक संजीव सिंह और सांसद गिरिधारी लाल यादव दिग्भ्रमित हो गए हैं। उन्हें चुनाव आयोग के काम का इंतजार करना चाहिए। जब तक कि वह फाइनल लिस्ट तैयार करके नहीं देते हैं।

शशि भूषण प्रसाद ने कहा कि इसके बाद अगर लगता है कि कोई सही वोटर छूट गया है तो हम लोग भी इस पर आवाज उठाएंगे और पुरानी वोटर लिस्ट पर चुनाव कराने की मांग करेंगे। अभी उससे पहले इस तरह की बयानबाजी नहीं होनी चाहिए। चुनाव आयोग को अपने तरीके से काम करने देना चाहिए।

संजीव सिंह और गिरिधारी यादव का बयान

एसआईआर पर सवाल उठाए जाने को लेकर जेडीयू के विधायक संजीव सिंह ने कहा है कि सवाल उठना लाजिमी है। जो मजदूर बाहर हैं जिनका कॉन्ट्रैक्ट है कि आपको छह महीने तक छुट्टी नहीं है, काम करना है। जो वोटर हैं यहां के, तो उनका नाम कटेगा तो ये बहुत दुखद है।

जेडीयू सांसद गिरिधारी यादव का कहना है कि अगर लोकसभा चुनाव में मतदाता सूची सही थी, तो कुछ महीनों में होने वाले विधानसभा चुनाव के लिए वही सूची गलत कैसे हो सकती है? उन्होंने कहा, 'क्या मैं गलत मतदाता सूची के आधार पर सांसद चुना गया हूं? अगर ऐसा है तो पूरी चुनावी प्रक्रिया पर सवाल उठेंगे।'

पत्नी बनाकर किया जिस्म का सौदाः नशा देकर दोस्तों को सौंपा

बरेली, 24 जुलाई (एजेंसियां)। यह आपबीती है कोलकाता की युवती की, जो चार महीने बाद आरोपी के चंगुल से छूटकर थाने पहुंची। मामला बरेली के बहेड़ा थाना क्षेत्र का है। युवती के मुताबिक क्षेत्र के गांव मंडनपुर शुमाली निवासी बख्तावर ने अपनी पहचान छिपाकर उसको प्रेमजाल में फंसा लिया। उसे पत्नी बनाकर घर ले आया।

यहां पहुंचने पर उसे पता लगा कि वह मुस्लिम है। पीड़ित युवती का आरोप है कि उसे जबरन मांस खिलाया गया। उसका धर्म परिवर्तन भी कराया गया। बाद में उसे जबरन जिस्मफरोशी के दलदल में धकेल दिया। पीड़िता की शिकायत के बाद एसएसपी के आदेश पर बहेड़ी पुलिस ने आरोपी और उसके माता-पिता के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर ली है।

नालंदा में बिना वारंट घर में घुसी पुलिस, बिना सबूत खाली हाथ लौटी टीम, छापेमारी पर उठे सवाल

नालंदा, 24 जुलाई (एजेंसियां)। नालंदा जिले के लहेरी थाना क्षेत्र स्थित मेहरपर मोहल्ला गुरुवार की सुबह अचानक पुलिस कार्रवाई के चलते चर्चा में आ गया। यहां तीन गाड़ियों में सवार होकर पहुंची पुलिस टीम ने प्रॉपर्टी डीलर रविंद्र प्रसाद उर्फ रवि यादव के घर में बिना सर्च वारंट के छापेमारी की। पुलिस की इस कार्रवाई ने न केवल परिवार को भयभीत कर दिया, बल्कि पुलिस की कार्यशैली पर भी गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। रवि यादव के मुताबिक, सुबह सुबह जब पुलिस टीम उनके घर पहुंची, तो परिवार के लोग घबरा गए। रवि यादव ने बताया, मैं बार बार पूछता रहा कि मेरे खिलाफ क्या आरोप है, लेकिन किसी ने कोई जवाब नहीं दिया। बिना कुछ बताए घर की तलाशी ली गई। न वारंट दिखाया गया, न कोई ठोस कारण बताया गया। करीब दो घंटे तक चली इस तलाशी के दौरान पुलिस ने घर का पूरा सामान बिखेर दिया, जिससे घर पूरी तरह अस्त व्यस्त हो गया। बच्चों में इस छापेमारी को लेकर दहशत का माहौल बना हुआ है। इस मामले में लहेरी थानाध्यक्ष रंजीत कुमार रजक ने सफाई देते हुए कहा कि उन्हें सूचना मिली थी कि घर में अवैध हथियार हैं, इसी आधार पर छापेमारी की गई।

अमेठी में क्यों हारीं? स्मृति ईरानी ने बताई वजह

राजनीति से संन्यास पर बोलीं- 2026 में भी चुनाव लड़ सकती हूं

अमेठी, 24 जुलाई (एजेंसियां)। भाजपा की नेता और पूर्व केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी आजकल सियासत से थोड़ी दूर नजर आ रही हैं। वह इस बीच टीवी सीरियल्स की उस पुरानी दुनिया में व्यस्त हैं, जिसने उन्हें घर-घर तक लोकप्रिय बना दिया था। मीडिया को दिए इंटरव्यू में ईरानी ने अपनी राजनीति और अमेठी को लेकर बातचीत की। उन्होंने अपने राजनीतिक रिटायरमेंट से लेकर अमेठी चुनाव में हार मिलने तक की वजह की चर्चा की। फायरब्रांड नेता स्मृति ने इंटरव्यू में दावा किया कि अगर राहुल गांधी अमेठी से चुनाव लड़े होते तो वह उन्हें हरा देतीं। उन्होंने अमेठी से हार पर भी दुख जाहिर करते हुए कहा, 'अगर मैंने काम नहीं किया होता और लोग कहते कि मैंने अपने वादे नहीं निभाए, तो मुझे ज्यादा दुख होता। लेकिन मैं जो कर सकती थी मैंने वो किया।' राहुल गांधी अगर 2024 में अमेठी से लोकसभा चुनाव में खड़े होते, तो क्या वह जीत सकती थीं? इस सवाल पर ईरानी ने कहा,'हां बिल्कुल, इसलिए उन्होंने चुनाव नहीं लड़ा। गांधी परिवार ने 2024 में मुझसे लड़ने से इनकार कर दिया था।' स्मृति ने जोर देकर कहा कि 'अगर वह युद्ध के मैदान में कदम भी नहीं रख रहे हैं, तो मैं क्या कहूं? मैं उनके पीछे नहीं पड़ सकती।' स्मृति ने कहा- अमेठी कभी जीतने वाली सीट थी ही नहीं। अमेठी में कई राजनीतिक दिग्गज हारे। यहां से शरद यादव से लेकर मेनका गांधी जैसे नेता हार गए। गांधी परिवार ने उस सीट को चुना ही इस वजह से था, क्योंकि वहां का सामाजिक समीकरण उनके अनुकूल था। कोई भी समझदार नेता वह सीट नहीं ऐसा था कि जो वोट पड़े वो सिर्फ उस परिवार को पड़े। तो कोई भी समझदार राजनीति ऐसी सीट नहीं चुनता, जहां उसकी हार निश्चित हो।

राम मंदिर ट्रस्ट के महासचिव का दावा

18 महीने में छह करोड़ श्रद्धालुओं ने किए रामलला के दर्शन

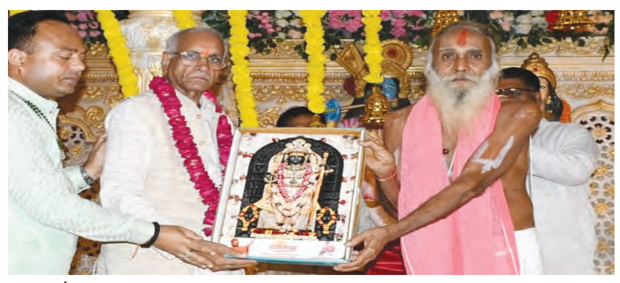

अयोध्या, 24 जुलाई (एजेंसियां)। मणिराम दास की छावनी में संचालित श्रीराम कथा महोत्सव में पहुंचे श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय ने कहा कि राम मंदिर का निर्माण इसी साल के अंत तक पूरा हो जाएगा। उन्होंने कथा श्रोताओं को मंदिर आंदोलन से लेकर मंदिर निर्माण तक की पूरी कहानी बताई। चंपत राय के अनुसार 22 जनवरी 2024 को हुई रामलला की प्राण प्रतिष्ठा के बाद से 18 माह में छह करोड़ से अधिक श्रद्धालु रामलला के दर्शन कर चुके हैं। चंपत राय ने बताया कि मंदिर वास्तुकला एवं तकनीक का संगम है। मंदिर एक हजार साल तक खड़ा रहे, इसके लिए कई कंपनियों की मदद ली गई है। मंदिर में एक प्रतिशत भी लोहे का इस्तेमाल नहीं किया गया है। मंदिर की नींव पत्थरों की चट्टान पर निर्मित है। जमीन में वर्षा की नमी पत्थरों को नुकसान न पहुंचा पाए इसलिए नमी सोखने वाले ग्रेनाइट पत्थर का नींव में इस्तेमाल किया गया है। मंदिर के दरवाजे सदियों तक चमकते रहें इसके लिए सागौन की लकड़ियों का इस्तेमाल किया गया है। रामलला की मूर्ति कैसी हो इसको लेकर देश के नामी मूर्तिकारों के साथ मंथन किया गया। तीन मूर्तिकारों ने मूर्ति बनाई थी, जिसमें से एक मूर्ति का चयन हुआ, जो आज राम मंदिर के भूतल पर स्थापित है।

बिजली विभाग की मनमानी पर भड़के ऊर्जा मंत्री एके शर्मा

अधिकारियों को सुनाई खरी-खोटी

लखनऊ, 24 जुलाई (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के ऊर्जा मंत्री एके शर्मा पिछले कुछ दिनों से चर्चा में हैं, कभी सड़क पर बिजली न आने की शिकायत मिलना तो कभी कार्यक्रम के दौरान बिजली चली जाना। विभाग की लेकर मिल रही इन शिकायतों के बीच उन्होंने लखनऊ में अफसरों की एक मीटिंग में उन्हें खूब खरी खोटी सुनाई जिसका वीडियो अब चर्चा का विषय बना हुआ है। लखनऊ में ऊर्जा विभाग के अधिकारियों की मीटिंग में यूपीपीसीएल चेयरमैन से लेकर प्रदेश भर के एक्सियन तक मौजूद थे। इस मीटिंग में उन्होंने जमकर फटकार लगाई है। मंत्री ने मीटिंग में अधिकारियों को सुनने के बाद कहा कि आप लोग अपनी बकवास बंद कीजिए, मैं आपकी बातें सुनने नहीं बैठा हूं। जनता को असली हालात का सामना करना पड़ रहा है, और आप सब कुछ ठीक बता रहे हैं।

उन्होंने अधिकारियों पर आरोप लगाया कि झूठी रिपोर्ट भेजी जा रही है और जनता की समस्याओं की अनदेखी हो रही हैं। आप लोग अंधे, बहरे और काने होकर बैठे हैं। आपको जमीनी हकीकत का अंदाजा ही नहीं है। मंत्री ने सख्त लहजे में कहा कि बिजली विभाग कोई बनिया की दुकान नहीं है, जो सिर्फ बिल वसूलने का काम करे। यह जन सेवा है और इस भाव से ही काम करना होगा। उन्होंने यह भी सवाल उठाया कि जो लोग समय से बिल भर रहे हैं, उनके ट्रांसफॉर्मर क्यों नहीं बदले जाते? पूरे गांव की लाइन क्यों काट दी जाती है?

जमीन कब्जा करने वालों पर करें सख्त कार्रवाई

जनता दर्शन में मुख्यमंत्री ने सुनी 200 लोगों की फरियाद

गोरखपुर, 24 जुलाई (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गुरुवार को गोरखनाथ मंदिर परिसर में आयोजित जनता दर्शन में लोगों की समस्या सुनी। अपने दौरे के दूसरे दिन मुख्यमंत्री ने सुबह गुरु गोरखनाथ का पूजन-अर्चन किया। उसके बाद ब्रह्मलीन महंत अवेद्यनाथ के समाधि स्थल पर जाकर उनका आशीर्वाद लिया। सुबह लगभग 7:30 बजे सीएम जनता दर्शन में पहुंचे। यहां पहले से लोगों को कुर्सियों पर बैठाया गया था। सीएम एक-एक कर सभी के पास गए और उनसे उनकी समस्या पूछी और समाधान का भरोसा दिया। सीएम ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि जमीन पर अवैध कब्जा करने वालों पर सख्त कार्रवाई की जाए। उन्होंने कहा कि तहसील स्तर पर यदि सुनवाई न हो तो कर्मियों पर कार्रवाई की जाए। सुबह से ही लोग जनता दर्शन में शामिल होने के लिए पहुंचने लगे थे। एक-एक फरियादी को चेक करने के बाद अंदर प्रवेश दिया गया। वहां उन्हें कुर्सियों पर बैठाया गया। लगभग 200 फरियादी जनता दर्शन में मौजूद रहे। सीएम एक-एक कर फरियादियों के पास पहुंचे। फरियादियों ने उन्हें आवेदन पत्र दिया और अपनी समस्या बताई। पास मौजूद अधिकारियों को आवेदन पत्र पकड़ाते हुए सीएम ने कहा कि समस्या का समाधान कराया जाए।

जनता दर्शन में हर बार की तरह इस बार भी जमीन विवाद से जुड़े मामले अधिक आए। कुछ फरियादियों ने बताया कि उनकी जमीन को कब्जा कर लिया गया है। उनकी सुनवाई नहीं हो रही है। सीएम ने अधिकारियों से कहा कि तहसील व जिले स्तर पर सुनवाई कर मामलों का निस्तारण किया जाए। जो मामले जनता दर्शन में आए, उनकी जांच कराकर कार्रवाई करने को कहा। उन्होंने कहा कि यदि कोई किसी की जमीन पर जबरन कब्जा कर रहा है तो उसे चिह्नित कर सख्त कार्रवाई की जाए। इसके साथ ही कई लोग अपने परिजनों के इलाज के लिए आर्थिक सहायता की मांग को लेकर भी पहुंचे थे। सीएम ने उनसे एस्टीमेट बनवाने को कहा। उन्होंने कहा कि सरकार इलाज में मदद करेगी।

सीएम के सामने दो फरियादी ऐसे आए, जिन्होंने फर्जी रिपोर्ट लगाने का आरोप लगाया। अधिकारियों को आवेदन पत्र सौंपते हुए सीएम ने कहा कि इसकी जांच कराई जाए। यदि फर्जी रिपोर्ट लगी है तो सख्त कार्रवाई करें। किसी भी दशा में फर्जी रिपोर्ट नहीं लगनी चाहिए। जनता दर्शन में आए कुछ लोगों के साथ बच्चे भी थे।

एक महिला ने जमीन से जुड़ी समस्या बताई। उसके साथ आयी बच्ची को सीएम ने चाकलेट दिया। उससे पढ़ाई के बारे में पूछा। बच्ची ने हां में जवाब दिया। उसके बाद रोते हुए अपने घर की समस्या बताने लगी। सीएम ने कहा कि कार्रवाई कराएंगे।

प्रेमी की मौत के 17 घंटे बाद प्रेमिका ने भी मौत को गले लगाया

गोंडा, 24 जुलाई (एजेंसियां)। जिले के तरबगंज थाना के गांव लोनियनपुरवा में रात गांव के एक आम के पेड़ से सूरज चौहान का शव लटकता मिला था। बताया जा रहा है कि गांव में उसके साथ मारपीट की गई थी। जिसके बाद वह घर नहीं लौटा और रात को खुदकुशी कर ली। अपने प्रेमी की पिटाई से आहत प्रेमिका ने प्रेमी की मौत के 17 घंटे बाद अपने घर में साड़ी से फांसी का फंदा बनाकर आत्महत्या कर ली। घटना के बाद से गांव में चर्चा का बाजार गर्म है।

सूरज के पिता बाले चौहान का आरोप है कि उनके बेटे के साथ गांव वालों ने मारपीट की थी। उधर, मोहिनी की मां का कहना है कि पुलिस की धमकी से उनकी बेटी डर गई थी। पुलिसवालों ने उन पर सूरज की मौत के लिए दोषी ठहराते हुए कार्रवाई की बात कही थी। जिससे घबराकर बेटी ने यह कदम उठा लिया। थानाध्यक्ष कमलाकांत त्रिपाठी ने इस पूरे मामले को प्रेम प्रसंग का नतीजा बताया है। उनका कहना है कि दोनों एक-दूसरे से प्रेम करते थे। लेकिन उनके घरवाले इस रिश्ते के खिलाफ थे।

इसी विरोध के चलते पहले युवक और फिर किशोरी ने आत्महत्या कर ली। पुलिस ने दोनों शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। वहीं परिजन अब एक-दूसरे पर आरोप मढ़ रहे हैं। जिससे मामला और उलझ गया है। गांव में दबी जुबान में लोग इसे अधूरी मोहब्बत की दर्दनाक दास्तान कह रहे हैं।

तेज प्रताप के सपने में आए पीएम नरेंद्र मोदी

क्या दिया ऑफर? ये रहा लालू के बेटे का जवाब

पटना, 24 जुलाई (एजेंसियां)। बिहार में कुछ ही महीनों के भीतर विधानसभा चुनाव होने वाले हैं। इन चुनावों से पहले लालू परिवार खासा चर्चा में है। इसके पीछे की वजह लालू के बड़े बेटे तेज प्रताप यादव हैं। परिवार और पार्टी से निकाले जाने के बाद अब तेज प्रताप यादव के राजनीतिक भविष्य को लेकर चर्चा हो रही है।

इस बीच उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट शेयर किया है, जिसमें उन्होंने सपने का जिक्र किया है।

तेज प्रताप यादव ने अब सोशल मीडिया पर एक सपने का पोस्टर शेयर किया है, जिसमें उनके सपने में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी उन्हें भारतीय जनता पार्टी में आने का ऑफर दे रहे हैं और सपने में ही तेज प्रताप उसे ठुकरा भी दे रहे हैं। इस पोस्ट में तेज प्रताप सोते नजर आ रहे हैं, जिसमें उनके सपने में पीएम मोदी आते हैं और तेज प्रताप यादव से बीजेपी में शामिल होने की बात कहते हैं। पीएम के इस ऑफर पर तेज प्रताप जवाब देते हैं कि मेरे पास अपनी पार्टी है, आप ही हमारी पार्टी से जुड़ जाइए। इस बीच तेज प्रताप यादव ने लिखा- सत्ता के लिए सपने बेचने वाले बहुत हैं, हम वो हैं जो सपने में भी विचार नहीं बेचते।

क्या हैं तेज प्रताप यादव के संकेत?

चुनाव में भले ही अभी कुछ महीनों का समय बाकी है। इससे पहले ही तेज प्रताप यादव ने साफ कर दिया कि वे महुआ विधानसभा सीट से चुनाव लड़ेंगे और राजद टिकट नहीं देगा तो निर्दलीय लड़ेंगे। हालांकि तेज प्रताप को लेकर कई तरह की अटकलें भी राजनीतिक गलियारों में चलती रहती हैं। कई बार ऐसा कहा जाता है कि वे अपनी नई पार्टी बना सकते हैं तो कई बार ऐसा कहा जाता है कि वे किसी राजनीतिक दल का सहारा ले सकते हैं। जबकि राजनीतिक जानकारों का मानना है कि जल्द ही आरजेडी में तेजप्रताप की वापसी होगी।

इससे पहले तेज प्रताप 2020 में हसनपुर सीट से और 2015 में महुआ सीट से विधायक चुनकर आए थे। लगभग 10 साल बाद अपनी पुरानी सीट पर वापसी की घोषणा की है। लालू यादव के बड़े बेटे तेजप्रताप यादव को एक फेसबुक पोस्ट के कारण पार्टी और परिवार से बेदखल कर दिया गया था। एक पोस्ट में शेयर कर लिखा था कि वे 12 साल से अनुष्का यादव से रिलेशनशिप में हैं। इस पोस्ट के बाद ही लालू यादव ने उन्हें परिवार से बाहर का रास्ता दिखाया था।

बुजुर्गों को अकेले मिलने बुलाती थीं दो लड़कियां, फिर करती थीं ब्लैकमेल

मुरादाबाद, 24 जुलाई (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश की मुरादाबाद पुलिस ने ऐसे गैंग का भंडाफोड़ किया है, जो हनीट्रैप में फंसाकर बुजुर्गों से लूटपाट करते थे। फिल्मी स्टाइल में ये लोग बुजुर्गों को निशाना बनाते थे। पहले सोशल मीडिया पर बुजुर्गों से चैटिंग कर गैंग की लड़कियां बुजुर्गों को मिलने के लिए अकेले में मिलने बुलाती। मगर वहां गैंग के अन्य मेंबर पहले से ही मौजूद रहते हैं। फिर इसके बाद बुजुर्गों को ब्लैकमेल कर उनसे वसूली की जाती। पुलिस ने इसी गैंग की दो महिलाओं समेत चार आरोपियों को गिरफ्तार किया है। गैंग ने रिटायर्ड कर्मचारी को फंसा कर दस लाख की रंगदारी मांगी थी।

गिरोह के सरगना सोनू समेत दो लोग फरार हैं। पुलिस उनकी तलाश में जुटी हुई है। गिरफ्तार लोगों में एक राहुल शर्मा पर गैंगस्टर, आर्म्स एक्ट समेत आठ गंभीर आपराधिक मामले दर्ज हैं। वहीं, उसके साथी राधेश्याम पर भी सात मामले दर्ज हैं। एक अन्य महिला साथी महक पिता की हत्या कर चुकी है, जिसमें वह जेल जा चुकी है। एसपी सिटी कुमार रणविजय सिंह ने बताया- चार हफ्ते पहले ठाकुरद्वारा के रहने वाले पीड़ित रिटायर्ड कर्मी को एक अनजान नंबर से कॉल आई। कॉल करने वाली युवती ने खुद को महक बताया और लगातार बातचीत कर नजदीकियां बढ़ाईं। फिर उन्हें सिविल लाइंस के एक फ्लैट पर बुलाया, जहां महिला ने उसे फुसलाकर अश्लील वीडियो बना ली। तभी कमरे में घात लगाकर बैठे महक के तीन साथी राहुल शर्मा, राधेश्याम और रानी बाहर निकले और केस में फंसाने की धमकी दी। चारों ने मिलकर दस लाख रुपये की मांग की।

जांच में खुलासा हुआ कि यह गैंग लंबे समय से ऐसे ही लोगों को सोशल मीडिया के जरिये फांसता था। रानी और महक सोशल मीडिया के माध्यम से बुजुर्ग पुरुषों की पहचान कर उन्हें जाल में फंसाती थीं। फिर इनकी गैंग उनसे लूटपाट करती थी। बुथाना प्रभारी मनीष सक्सेना के अनुसार, आरोपियों के खिलाफ केस दर्ज कर लिया गया है

गोलगप्पे के 10 रुपये के लिए दरोगा ने दिखाई वर्दी की धौंस, दुकानदार को बेदर्दी से पीटा

हमीरपुर, 24 जुलाई (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के हमीरपुर में रेहड़ी लगाकर एक गोलगप्पे बेचने वाले वाले की एक दरोगा और सिपाही ने मिलकर खूब पिटाई की। क्योंकि गोलगप्पे वाले ने दारोगा और सिपाही से गोलगप्पे के पैसे मांग लिए थे। ऐसे में दारोगा और सिपाही ने बीच सड़क पर गोलगप्पे वाले की इतनी पिटाई की कि वह गंभीर रूप से घायल हो गया। उसे कई चोटें आईं। अब पीड़ित ने सीओ राठ से मामले की शिकायत की। ये मामला हमीरपुर के राठ कोतवाली क्षेत्र के औता गांव से सामने आया है। यहां रहने वाले शिवा गोलगप्पे के ठेला लगाकर अपने परिवार का भरण पोषण करते हैं।

उनके ठेले पर दरोगा शिवम दत्त और सिपाही अमित पहुंचे, जहां उन्होंने गोलगप्पे खाए और जाने लगे। जब दुकानदार शिवा ने उनसे पैसे मांगे तो यह बात दोनों पसंद नहीं आई और दोनों ने शिवा की पिटाई कर दी। मामले की जानकारी के बाद एसपी ने मामले की जांच सीओ को सौंपी और जांच रिपोर्ट के बाद एसपी ने दोनों को लाइन हाजिर कर दिया है।

पीड़ित दुकानदार शिवा की मानें तो दरोगा और सिपाही ने 5- 5 रुपये के गोलगप्पे खाए थे। उसने जब दरोगा और सिपाही से गोलगप्पे के पैसे मांगे तो दोनों ने गाली गलौज शुरू कर दी और किसी मामले में फंसा कर जेल भेजने की धमकी देने लगे। फिर पिटाई भी कर दी। इस पिटाई से शिवा के चेहरे और कानों में चोट लग गई। पीड़ित ने बताया कि जब लोगों की भीड़ वहां इकट्ठी हो गई तो दारोगा और सिपाही दोनों उसे लहूलुहान हालत में छोड़कर भाग गए।

पीड़ित शिवा और स्थानीय दुकानदारों के साथ सीओ राठ राजीव प्रताप के पास पहुंचा और मामले की शिकायत दर्ज करवाई। इसके बाद सीओ ने पूरे मामले की जानकारी एसपी दीक्षा शर्मा को दी। एसपी ने तुरंत जांच कर रिपोर्ट देने का आदेश दिया। सीओ ने जांच में दरोगा और सिपाही को महज 10 रुपये देने के लिए दुकानदार को पीटने का दोषी पाया, जिसके बाद एसपी ने दोनों को लाइन हाजिर कर दिया।

हिमाचल के मंडी में सड़क से नीचे गिरी सरकारी बस, 5 यात्रियों की मौत

मंडी, 24 जुलाई (एजेंसियां)। हिमाचल प्रदेश के मंडी जिले एक दर्दनाक सड़क हादसा हुआ है। यहां एक हिमाचल पथ परिवहन निगम(एचआरटीसी) की बस अनियंत्रित हो गई और खाई में में जा गिरी। इस सड़क हादसे में पांच यात्रियों की जान चली गई। वहीं हादसे में 20 यात्री घायल हैं। मृतकों में तीन महिलाएं और दो पुरुष हैं। ये सड़क हादसा मंडी जिले से 60 किलोमीटर दूर सरकाघाट उपमंडल में मसेरन के पास तरांगला में हुआ।

बस जब अनियंत्रित होकर सड़क से फिसलकर खाई में गिरी तो उस समय बस में 25 यात्री सफर कर रहे थे। हादसे की जानकारी मिलते ही सरकाघाट थाने की पुलिस टीम और डीएसपी हादसे वाले जगह पर पहुंचे। राहत और बचाव का काम किया जा रहा है। हादसे के बाद स्थानीय लोग भी राहत और बचाव काम में प्रशासन की सहायता कर रहे हैं। घायलों को एंबुलेंस के माध्यम से सरकाघाट अस्पताल पहुंचाया जा रहा है, जहां घायलों को प्राथमिक इलाज दिया जा रहा है। फिलहाल ये पता नहीं चल पाया है कि हादसा किन वजहों से हुआ। वहीं इस हादसे को लेकर जानकारी देते हुए बताया कि मंडी शहर से लगभग 60 किलोमीटर दूर सरकाघाट उपमंडल के मसेरन क्षेत्र के पास तरांगला में बस के खाई में गिरने से पांच लोगों की मौत हो गई।

एसपी ने बताया कि इस हादसे में करीब 20 लोग घायल हो गए हैं। सभी घायलों का सरकाघाट अस्पताल में इलाज चल रहा है, जिनमें कई की हालत गंभीर बताई जा रही है। पुलिस और स्थानीय प्रशासन सक्रिय रूप से बचाव और राहत कार्यों में लगे हुए हैं। हादसे के बाद पुलिस की टीम मौके मौजूद। जांच की जा रही है।

आशा है उम्मीदों पर खरा उतरूंगा

संसद पहुंचने को तैयार कमल हासन, कहा- तमिलनाडु और भारत के हित की करूंगा बात

बेंगलूरू, 24 जुलाई (एजेंसियां)। अभिनेता कमल हासन ने गुरुवार को राज्यसभा के सांसद के रूप में ली है। अब वह सिनेमा जगत से भारत की संसद में प्रवेश कर चुके हैं। हासन का संसद में प्रवेश उनके सार्वजनिक जीवन में एक नये अध्याय को जोड़ता है। हासन का कहना है कि वह बहुत ही सम्मानित महसूस कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि जनता को मुझसे बहुत उम्मीदें हैं। जनता की उम्मीदों पर खरा उतरने का मैं पूरा प्रयास करूंगा। 69 वर्षीय अभिनेता के लिए यह एक महत्वपूर्ण राजनीतिक उपलब्धि है। उन्होंने 2017 अपनी पार्टी मक्कल निधि मय्यम (एमएनएम) की स्थापना की। उनकी पार्टी ने 2019 के लोकसभा चुनावों में लगभग 4 प्रतिशत वोट हासिल किए थे। जिसके बाद वह 2021 के तमिलनाडु विधानसभा चुनावों में उतरी। हासन ने कोयंबटूर दक्षिण सीट से चुनाव लड़े, जहां वह बीजेपी के वनाथी श्रीनिवासन से मामूली अंतर से हार गए।

अभिनेता से नेता बने कमल हासन ने कहा कि वह यह पद पाकर काफी सम्मानित और गौरवान्वित महसूस कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि मुझे पता है कि मुझे अपनी इस यात्रा में बहुत कुछ करना है। हासन ने कहा कि जनता को मुझसे कुछ अपेक्षाएं हैं और मुझे पूरी उम्मीद है कि मैं उनकी अपेक्षाओं पर खरा उतरुंगा। मैं पूरी कोशिश करूंगा कि संसद में ईमानदार और गंभीर रहूं और संसद में बोला जाने वाला मेरा हर एक शब्द तमिलनाडु और भारत के हित में समर्पित हो।

मक्कल निधि मय्यम (एमएनएम) के प्रमुख कमल हासन ने अपनी पार्टी को 2024 के लोकसभा चुनाव से दूर रहने का फैसला किया था। लेकिन उनकी पार्टी ने सत्तारूढ़ स्टालिन सरकार की डीएमके पार्टी को समर्थन दिया। जिसकी वजह से कमल हासन को अब राज्यसभा में एक सीट मिल गई है। हासन ने इस बदलाव को समय की मांग बताया है। एमएनएम प्रमुख कमल हासन ने महिलाओं के हित को ध्यान में रखते हुए मासिक सहायता योजना शुरू की थी। इस योजना को बाद में डीएमके ने भी अपनाया और पात्र महिला परिवारों को 1,000 रुपये मासिक सहायता के रूप में योजना शुरू की।

संसद में प्रवेश पाने के बाद अब हासन आधिकारिक तौर पर डीएमके के साथ जुड़ गए हैं। इसके बाद उम्मीद लगाई जा रही है कि एमएनएम डीएमके के गठबंधन के तहत 2026 के तमिलनाडु विधानसभा चुनाव लड़ सकती है। 2026 का यह विधानसभा चुनाव उनके लिए आसान नहीं होगा क्योंकि बताया जा रहा है कि अभिनेता विजय की टीवीके पार्टी इस चुनाव से अपनी राजनीति की दमदार शुरुआत करने वाली है।

अश्लील वीडियो बनाकर ब्लैकमेल करने के दोषी को 5 वर्ष कैद की सजा

फतेहाबाद, 24 जुलाई (एजेंसियां)। हरियाणा के फतेहाबाद की फास्ट ट्रैक कोर्ट (पॉक्सो) के अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश अमित गर्ग की अदालत ने एम मामले में निर्णय सुनाते हुए अश्लील वीडियो बनाकर युवती को ब्लैकमेल करने वाले आरोपी को दोषी करार देते हुए 5 वर्ष के कारावास की सजा सुनाई है। साथ ही आरोपी पर एक लाख का जुर्माना भी लगाया गया है। जुर्माना न भरने की स्थिति में उसे 6 माह का अतिरिक्त कारावास भुगतना होगा। इस संबंध में जानकारी देते हुए जिला न्यायवादी देवेंद्र मित्तल ने बताया कि पुलिस की तत्परता व सूझबूझ से एकत्रित साक्ष्य, और अभियोजन पक्ष के सरकारी वकील जगसीर सिंह द्वारा की गई प्रभावी पैरवी के चलते पीड़िता को न्याय और आरोपी को सजा दिलवाने में सफलता मिली है। पीड़िता ने साइबर थाना फतेहाबाद में शिकायत दर्ज करवाई थी कि उसी के गांव का निवासी रणजीत कुमार ने पहले उससे मित्रता की, फिर उसकी अश्लील वीडियो बनाकर उसे ब्लैकमेल किया। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने आरोपी के विरुद्ध धारा 376(2)(एन), 506 भारतीय दंड संहिता तथा 66ई व 67ए सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम (आईटी एक्ट) के तहत मुकदमा दर्ज कर चार्जशीट अदालत में दाखिल की। लेकिन न्यायालय में धारा 376(2)(एन) के आरोप सिद्ध नहीं हो सके, शेष धाराओं के अंतर्गत आरोपी दोषी सिद्ध हुआ। निरीक्षक अरुणा एवं उनकी टीम ने पीड़िता के बयानों के आधार पर गहनता से जांच कर आरोपी के विरुद्ध ठोस साक्ष्य जुटाए और 17 फरवरी 2023 को आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायालय में प्रस्तुत किया, जहां से उसे न्यायिक हिरासत में भेजा गया।

रामेश्वरम कैफे में हंगामा, ग्राहक को पोंगल में मिला कॉकरोच

बेंगलुरु, 24 जुलाई (एजेंसियां)। बेंगलुरु के प्रसिद्ध रामेश्वरम कैफे की एक शाखा में उस वक्त हंगामा मच गया, जब एक ग्राहक को उसके खाने में कीड़ा मिला। ग्राहक ने पोंगल खरीदा था, जिसके अंदर से कॉकरोच मिला। यह घटना बेंगलुरु इंटरनेशनल हवाई अड्डे पर स्थित रामेश्वरम कैफे में हुई। ग्राहक लोकनाथ ने गुरुवार सुबह कैफे से 300 रुपये का पोंगल खरीदा था। जब वह पोंगल खा रहे थे, तभी उन्हें उसमें एक कॉकरोच दिखाई दिया। लोकनाथ तत्काल इस मामले को रेस्टोरेंट के मैनेजर के पास लेकर गए। कैफे स्टाफ ने अपनी गलती मानते हुए माफी तो मांग ली, लेकिन इस घटना से ग्राहकों में शुद्धता और स्वच्छता को लेकर भारी रोष देखने को मिला। ग्राहकों का कहना है कि इतने महंगे दाम चुकाने के बावजूद इस तरह की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जा सकती।

रूसी महिला के बच्चों के निर्वासन पर कर्नाटक एचसी की रोक, यूएन नियमों का दिया हवाला

बेंगलूरू, 24 जुलाई (एजेंसियां)। कर्नाटक हाईकोर्ट ने एक रूसी महिला के बच्चों के निर्वासन को अस्थायी रूप से रोकने के लिए हस्तक्षेप किया है। साथ ही हाईकोर्ट ने यूनाइटेड नेशंस कन्वेंशन ऑन द राइट्स ऑफ द चाइल्ड (यूएनसीआरसी) के अनुसार उनके सर्वोत्तम हितों पर विचार करने की जरूरत पर भी बल दिया। जस्टिस एस सुनील दत्त यादव का यह आदेश 2 छोटे बच्चों के खिलाफ अचानक जारी किए गए निर्वासन आदेश को चुनौती देने के लिए दायर एक रिट याचिका की सुनवाई के दौरान आया। वकील बीना पिल्लई की ओर से कोर्ट में प्रस्तुत याचिकाकर्ता ने तर्क दिया कि निर्वासन प्रक्रिया में बच्चों के

कल्याण की अनदेखी की गई और यूएनसीआरसी के सिद्धांतों का उल्लंघन किया गया। भारत सरकार की ओर से इस मामले में कोर्ट में पेश हुए असिस्टेंट सॉलिसिटर जनरल (एएसजी) ने बताया कि बच्चों के पास वर्तमान में वैध यात्रा या पहचान दस्तावेज नहीं है। इस दलील के आधार पर, कोर्ट ने कहा कि इस स्तर पर बच्चों का तत्काल निर्वासन उचित नहीं है। हालांकि, कोर्ट ने मामले की गहन जांच के लिए एक विस्तृत सुनवाई के महत्व पर बल दिया। इसने प्रतिवादियों को वैध दस्तावेजों के अभाव की पुष्टि करते हुए एक लिखित हलफनामा पेश करने और दो हफ्ते के भीतर अपनी आपत्तियां दर्ज करने का निर्देश दिया।

इसके अलावा हाईकोर्ट ने यह भी स्पष्ट निर्देश जारी किया कि बिना किसी पूर्व सूचना के ये लोग बाहर नहीं जा सकते, इस फैसले से 18 अगस्त को होने वाली अगली सुनवाई तक किसी भी एकतरफा निर्वासन की कोशिश पर रोक लग गई। पुलिस ने रूसी महिला नीना कुटीना (40) और उनकी 2 बेटियों प्रेया (6) तथा अमा (4) को 11 जुलाई को उत्तर कन्नड़ जिले के गोकर्ण स्थित रामतीर्थ गुफा से बचाया था।

नीना कुटीना अपने वीजा की अवधि खत्म होने के बाद भी यहां रह रही थीं। पिछले दिनों गोकर्ण में जंगल के बीच गुफा में निकाली गईं रूसी महिला और उसकी बेटियों के बारे में नीना कुटिना के पूर्व पति और इजराइली नागरिक ड्रोर गोल्डस्टीन ने दावा किया है कि वह उन बेटियों का पिता है। साथ ही उन्होंने बेटियों को संयुक्त संरक्षण देने की मांग भी की। 38 साल के गोल्डस्टीन ने बताया, "मैं बस हफ्ते में कुछ समय अपनी बेटियों से रहना चाहता हूं और उनकी देखभाल करना चाहता हूं।

लेकिन मेरी चिंता यह है कि अगर वे रूस चली गईं, तो उनसे संपर्क बनाना संभव नहीं होगा, ऐसे में मैं चाहता हूं कि वे भारत में ही रहें।" उनका कहना है कि वह साल में करीब छह महीने गोवा में ही रहते हैं। लेकिन पिछले कुछ सालों ने कुटिना से अलग रह रहे थे। कुछ महीने पहले वह बेटियों को लेकर गोवा निकल गईं और फिर उनसे संपर्क नहीं हो पाया था।

खेल-खेल में आफत में आई जान

बच्चे ने निगले 5-10 रुपये के सिक्के, खाने की नली में फंसे; डॉक्टरों ने ऐसे निकाला

नई दिल्ली, 24 जुलाई (एजेंसियां)। दिल्ली के एक सरकारी अस्पताल के डॉक्टरों ने 12 वर्षीय बच्चे की जान बचाई है। बच्चे ने पांच और दस रुपये के तीन सिक्के निगल लिए थे। सिक्के बच्चे की खाने की नली में जाकर फंस गए थे। इससे बच्चे को कुछ भी खाने में दिक्कत हो रही थी। बच्चे को उपचार के लिए रोहिणी स्थित डॉ. बाबा साहेब अंबेडकर अस्पताल की इमरजेंसी में लाया गया। अस्पताल के ईएनटी विभाग में एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. पंकज कुमार ने बताया कि 12 वर्षीय बच्चा हरियाणा के सोनीपत का रहने वाला है। बुधवार सुबह बच्चे ने खेल-खेल में तीन सिक्के निगल लिए।

इसके कुछ देर बाद बच्चे को खाने-पीने में दिक्कत होने लगी। परिवार के सदस्यों ने बच्चे को केला भी खिलाया। लेकिन सिक्के फिर भी नहीं निकले। बच्चे को बुधवार देर रात 11 बजे इमरजेंसी में उपचार के लिए लाया गया। बच्चे की एक्सरे जांच में तीन सिक्के खाने की नली में फंसे दिखे। उपचार के लिए तुरंत बच्चे को ऑपरेशन थियेटर लेकर गए। डॉक्टरों की टीम ने एनेस्थीसिया देकर एसोफैगोस्कोपी प्रक्रिया के जरिए सिक्के बाहर निकाले। इसमें दो पांच रुपये के सिक्के और एक दस रुपये का सिक्का शामिल था। उन्होंने कहा यह प्रक्रिया एंडोस्कोपी की तरह होती है। जिसमें एक पतली ट्यूब मुंह के माध्यम से अंदर डाली जाती है। बच्चा अब पूरी तरह से स्वस्थ्य और तेजी से ठीक हो रहा है। बच्चे ने खाना-पीना भी शुरू कर दिया है।

पहले दिन16 किलोमीटर दौड़कर कॉलेज पहुंचा छात्र

मराठी भाषा विवाद में हिंदुओं पर हमले का आरोप

मुंबई, 24 जुलाई (एजेंसियां)। महाराष्ट्र के लातूर में एक 11वीं कक्षा के छात्र ने शिक्षा और स्वास्थ्य के प्रति जागरुकता फैलाने के लिए एक अनूठी पहल की। दरअसल छात्र अपने कॉलेज के पहले दिन 16 किलोमीटर दौड़कर कॉलेज पहुंचा। राज्य के शिक्षा विभाग ने भी छात्र की तारीफ की है और कहा कि इससे अन्य लोगों को भी प्रेरणा मिलेगी। छात्र राहुल राठौड़ बीते छह वर्षों से वंचित वर्ग के लिए बनाए गए शेल्टर होम में रहता है। छात्र के पिता गन्ना मजदूर हैं।

छात्र ने अपनी शारीरिक क्षमता का प्रमाण देने के साथ ही लोगों को शिक्षा के प्रति जागरुक भी किया। छात्र ने 16 किलोमीटर की दूरी एक घंटे और 15 मिनट में पूरी की। छात्र के कॉलेज परिसर पहुंचने पर प्रधानाचार्य और अन्य स्टाफ और जिला प्रशासन के अधिकारियों ने छात्र का स्वागत किया। राहुल राठौड़ जैवलिन थ्रो और वेटलिफ्टिंग में रुचि रखता है।

छात्र ने कई मैराथन में भी हिस्सा लिया है और वह भारतीय पुलिस सेवा में शामिल होना चाहता है और ओलंपिक में देश का प्रतिनिधित्व भी करना चाहता है। मराठी नहीं बोलने पर मनसे कार्यकर्ताओं द्वारा एक व्यक्ति की पिटाई किए जाने पर भाजपा विधायक राम कदम ने कहा कि 'मराठी भाषा के नाम पर आप हमारे हिंदू भाइयों पर हमले करेंगे? इसकी क्या वजह है? हर चुनाव में लोगों ने उन्हें नकारा है। राज्य में हर भाषा का सम्मान किया जाता है।

लोग इस बात को याद रखेंगे कि इस पार्टी ने, जो हिंदुत्व की बात करती है, उसने ही हिंदुओं को निशाना बनाया।'

कंगना रनौत ने विपक्ष पर साधा निशाना

बिहार वोटर लिस्ट वेरिफिकेशन विवाद पर कह दी बड़ी बात

मंडी, 24 जुलाई (एजेंसियां)। बिहार में वोटर लिस्ट वेरिफिकेशन को लेकर मचे सियासी घमासान के बीच हिमाचल प्रदेश के मंडी से बीजेपी सांसद और अभिनेत्री कंगना रनौत ने विपक्ष पर तीखा हमला बोला है। कंगना रनौत ने इस बार एसआईआर पर टिप्पणी किया है। उन्होंने कहा कि विपक्ष केवल हंगामा करता है, उसे देश या लोकतंत्र की परवाह नहीं है। कंगना ने विपक्ष के सदन में प्रदर्शन को लेकर कहा कि ये लोग हर दिन सदन की गरिमा को ठेस पहुंचा रहे हैं, लोकतंत्र का मजाक बना रहे हैं और संविधान का गला घोंट रहे हैं। हिमाचल प्रदेश के मंडी से सांसद बनी कंगना रनौत ने बिहार के एसआईआर यानी विशेष गहन पुनरीक्षण प्रक्रिया को लेकर अपनी बात रखी।

उन्होंने विपक्षी दलों के विरोध प्रदर्शन पर सवाल उठाते हुए कहा कि देश इनका रवैया देख रहा है। कंगना बोलीं, "हर दिन ये लोग वेल में चले जाते हैं, सदन की कार्यवाही रद्द हो रही है। क्या यही लोकतंत्र है? विपक्ष के पास मुद्दा नहीं है इसलिए वो शोर कर रहे हैं।"

बिहार में विधानसभा चुनाव 2025 से पहले मुख्य चुनाव आयोग ने विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) प्रक्रिया की शुरुआत की है। इस प्रक्रिया का मकसद राज्य की मतदाता सूची को अपडेट करना है ताकि सभी योग्य मतदाता शामिल हो सकें और डुप्लिकेट, मृत या स्थानांतरित लोगों के नाम हटाए जा सकें। प्रक्रिया की शुरुआत 24 जून 2025 को हुई।

1 अगस्त को ड्राफ्ट लिस्ट आएगी। अंतिम मतदाता सूची 30 सितंबर 2025 को प्रकाशित की जाएगी। इस वेरिफिकेशन प्रक्रिया को लेकर बिहार विधानसभा में भी जोरदार हंगामा हो रहा है। विपक्षी दलों का आरोप है कि इससे कुछ वर्गों को निशाना बनाया जा रहा है। वहीं बीजेपी इसे लोकतांत्रिक सुधार की दिशा में जरूरी कदम बता रही है। कंगना रनौत जैसे नेताओं का बयान इसी संदर्भ में देखा जा रहा है, जो यह जताता है कि बीजेपी अब इस मुद्दे पर राष्ट्रीय स्तर पर भी विपक्ष को घेरने की रणनीति अपना रही है।

दिनदहाड़े सड़क पर हत्याएं हो रही, आप क्या कर रहे हैं?

दिल्ली-एनसीआर में बढ़ते गैंगस्टर्स पर सुप्रीम कोर्ट की टिप्पणी

नई दिल्ली, 24 जुलाई (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने दिल्ली-एनसीआर में बढ़ते गैंगस्टर्स पर सुप्रीम कोर्ट ने चिंता जताई। इस दौरान कोर्ट ने पुलिस पर टिप्पणी करते हुए गवाहों की सेफ्टी को लेकर भी सवाल उठाया। कोर्ट ने कहा कि 'आम आदमी की नजर में कानून का डर कम हुआ है। साथ ही गैंगस्टरों के साथ बेवजह सहानुभूति नहीं करने की बात भी कही गई। कोर्ट ने कहा कि इन गैंगस्टर्स से समाज को छुटकारा मिलना चाहिए।

यह सारी टिप्पणियां एक आरोपी की जमानत पर सुनवाई के दौरान की हैं। जमानत पर सुनवाई करते हुए सुप्रीम कोर्ट ने गैंगस्टरों के बढ़ते मामलों को लेकर दिल्ली पुलिस से सवाल पूछते हुए टिप्पणी की है। इस दौरान जस्टिस सूर्यकांत और जस्टिस जॉयमाल्या बागची की बेंच ने कहा कि 'किसी भी केस में एक गवाह पुलिस की आंख और कान होता है। आप उनकी सुरक्षा के लिए क्या कर रहे हैं?' कोर्ट ने कहा कि 'दिनदहाड़े सड़क पर हत्या होती है और सबूतों की कमी के चलते आरोपी बेखौफ छूट जाता है।' कोर्ट ने कानून के डर को लेकर कहा कि आम आदमी की नजर में ये कम होता जा रहा है।

सुप्रीम कोर्ट ने सुनवाई के दौरान गैंगस्टरों के साथ सहानुभूति जताने पर सख्ती जताने की बात कही। जिसमें कहा गया कि 'इनके साथ किसी तरह की सहानुभूति न जताते हुए समाज को इनसे छुटकारा पाना होगा।' बता दें कि सुप्रीम कोर्ट ने ये टिप्पणियां उस वक्त की जब अपराधी महेश खत्री उर्फ भोली की जमानत याचिका पर सुनवाई की जा रही थी। पुलिस के मुताबिक, महेश खत्री उर्फ भोली एक कुख्यात बदमाश है।

उसपर पिछले दिनों पुलिस टीम पर फायरिंग करने का भी आरोप लगा है। बता दें कि नॉर्थ रोहिणी पुलिस पर बाइक सवार बदमाशों ने कुछ दिन पहले हमला किया था। उसी समय बदमाशों को गिरफ्तार कर लिया गया था। मामले में पुलिस ने कारतूस और बाइक भी बरामद की थी।

अवैध धर्मांतरण गिरोह का भंडाफोड़

मास्टरमाइंड अब्दुल रहमान के दो बेटे और बहू गिरफ्तार, पत्नी फरार

नई दिल्ली, 24 जुलाई (एजेंसियां)। यूपी के छांगुर बाबा का मामला अभी सुर्खियां बटोर ही रहा था कि दिल्ली में भी अवैध धर्मांतरण गिरोह का चौंकाने वाला खुलासा हुआ है। इस मामले में मास्टरमाइंड अब्दुल रहमान का और उसका पूरा परिवार शामिल निकला। पुलिस ने रहमान के दो बेटों अब्दुल्ला और अब्दुल रहीम के साथ बहू को गिरफ्तार किया है, जबकि उसकी पत्नी फरार हो गई है। ये गिरोह युवतियों को फंसाकर जबरन धर्मांतरण कराता था और फिर फर्जी दस्तावेज तैयार किए जाते थे। पुलिस इस मामले को अंतरराज्यीय और सुनियोजित नेटवर्क मानकर जांच में जुट गई है। दरअसल पुलिस ने एक दलित युवती के जबरन निकाह के मामले में जुनैद नामक युवक को गिरफ्तार किया, जो इसी गिरोह से जुड़ा था। पूछताछ के बाद अब्दुल रहमान के बेटों और बहू की संलिप्तता सामने आई। जब पुलिस ने छापेमारी की तो आरोपियों के पास से संदिग्ध धार्मिक साहित्य, इलेक्ट्रॉनिक डिवाइसेज़ और फर्जी दस्तावेज मिले। वहीं अब्दुल रहमान की पत्नी का एक वीडियो भी सामने आया है, जिसमें वह लड़कियों को धर्मांतरण के लिए लाने की बात कह रही है।

पुलिस जब रहमान के घर दबिश देने पहुंची, तो उसकी पत्नी मौके से फरार हो गई। पुलिस ने उसकी तलाश के लिए टीमें गठित कर दी हैं। वहीं, अब्दुल रहमान के मोबाइल डेटा की फॉरेंसिक जांच करवाई जा रही है ताकि इस गिरोह के फंडिंग नेटवर्क और अन्य कनेक्शन का पता लगाया जा सके। प्राथमिक जांच में संकेत मिले हैं कि यह गिरोह कई राज्यों में फैला हो सकता है और इसे योजनाबद्ध तरीके से चलाया जा रहा था।

इस गिरोह का मकसद खासतौर पर दलित और कमजोर वर्ग की युवतियों को निशाना बनाना था। उन्हें प्रेमजाल में फंसाकर धर्मांतरण कराया जाता था और फिर निकाह कर फर्जी पहचान पत्र तैयार किए जाते थे। पुलिस को शक है कि इस नेटवर्क से और भी लोग जुड़े हो सकते हैं और आने वाले दिनों में कई और चौंकाने वाले खुलासे हो सकते हैं।

कटनी में नकली नोटों का भंडाफोड़, एसटीएफ ने 1.56 लाख के फर्जी नोट जब्त किए

कटनी, 24 जुलाई (एजेंसियां)। कटनी जिले के कुठला थाना क्षेत्र अंतर्गत बिलहरी चौकी के ग्राम बखड़ेरा में नकली नोटों के बड़े रैकेट का पर्दाफाश हुआ है। जबलपुर एसटीएफ (स्पेशल टास्क फोर्स) ने बीती रात दबिश देकर 1 लाख 56 हजार रुपये के नकली नोट और नोट छापने वाले उपकरण बरामद किए हैं। इस सनसनीखेज कार्रवाई के बाद इलाके में हड़कंप मच गया है। एसटीएफ को सूचना मिली थी कि बखड़ेरा गांव में एक युवक नकली नोटों का अवैध धंधा कर रहा है। जानकारी पुख्ता होने के बाद आरोपी कृष्णा लोधी (29 वर्ष), पिता गुलाब सिंह, की एक सप्ताह तक निगरानी की गई।

इसके बाद बुधवार रात रणनीतिक तरीके से कार्रवाई करते हुए आरोपी को हिरासत में लिया गया। पुलिस के मुताबिक, आरोपी बखड़ेरा में ऑनलाइन और गारमेंट्स की दुकान चलाता था। इसी दुकान की आड़ में वह कंप्यूटर, प्रिंटर और अन्य तकनीकी संसाधनों के जरिए नकली नोटों की छपाई करता था। छापेमारी के दौरान एसटीएफ ने 500, 200 और 100 रुपये के कुल 1.56 लाख के नकली नोट, एक रंगीन प्रिंटर, कंप्यूटर सिस्टम, स्कैनर, स्पेशल पेपर, स्याही, गोंद, ब्लेड और डिजाइन फाइलें जब्त की हैं। प्रारंभिक पूछताछ में आरोपी ने स्वीकार किया है कि उसका नेटवर्क जबलपुर समेत अन्य जिलों और संभवतः अन्य राज्यों तक फैला हुआ है।

वह नकली नोटों की सप्लाई आसपास के इलाकों में करता था। इस पूरी कार्रवाई में एसटीएफ जबलपुर के साथ साथ कुठला थाना प्रभारी राजेंद्र मिश्रा, निकिता शुक्ला, एसआई गणेश ठाकुर और एक अन्य उपनिरीक्षक शामिल रहे। आरोपी को जबलपुर ले जाकर एसटीएफ द्वारा विस्तृत पूछताछ की जा रही है।

बेंगलुरु में बिना टैक्स चुकाए चल रही थीं रोल्स रॉयस कारें

आरटीओ ने कार्रवाई कर लगाया 38 लाख रुपये का जुर्माना

नई दिल्ली, 24 जुलाई (एजेंसियां)। कर्नाटक के बेंगलुरु में क्षेत्रीय परिवहन ऑफिस की ओर से एक व्यापारी और नेता के खिलाफ कार्रवाई करते हुए लाखों रुपये का जुर्माना लगाया गया है। आरटीओ की ओर से ऐसा क्यों किया गया है। हम आपको इस खबर में बता रहे हैं। बेंगलुरु में आरटीओ अधिकारियों की ओर से कार्रवाई करते हुए व्यापारी और नेता यूसुफ शरीफ (केजीएफ बाबू) पर लाखों रुपये का जुर्माना लगाया गया है। आरटीओ की ओर से कार्रवाई करते हुए लग्जरी कारों के उपयोग के मामले में जुर्माना लगाया गया है।

जानकारी के मुताबिक केजीएफ नाम के व्यापारी और नेता की ओर से रोल्स रॉयस फैंटम और घोस्ट जैसी लग्जरी कारों का उपयोग कर्नाटक में किया जा रहा था। इन कारों को कर्नाटक में बिना रजिस्टर करवाए ही उपयोग किया जा रहा था। जिस

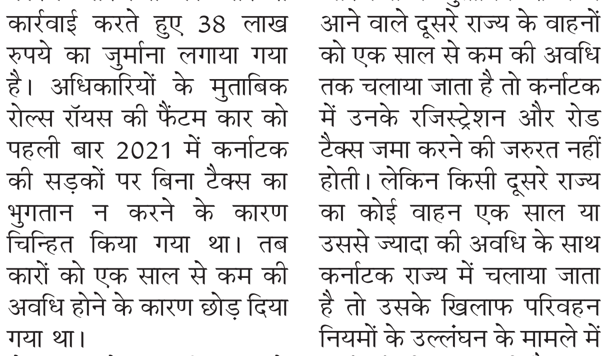

कारण आरटीओ की ओर से कार्रवाई करते हुए 38 लाख रुपये का जुर्माना लगाया गया है। अधिकारियों के मुताबिक रोल्स रॉयस की फैंटम कार को पहली बार 2021 में कर्नाटक की सड़कों पर बिना टैक्स का भुगतान न करने के कारण चिन्हित किया गया था। तब कारों को एक साल से कम की अवधि होने के कारण छोड़ दिया गया था।

लेकिन उसके बाद भी इन कारों का रजिस्ट्रेशन कर्नाटक में नहीं हुआ था, इसलिए अब इन पर 38 लाख रुपये का जुर्माना लगाया गया है। कर्नाटक आरटीओ के मुताबिक राज्य में आने वाले दूसरे राज्य के वाहनों को एक साल से कम की अवधि तक चलाया जाता है तो कर्नाटक में उनके रजिस्ट्रेशन और रोड टैक्स जमा करने की जरुरत नहीं होती। लेकिन किसी दूसरे राज्य का कोई वाहन एक साल या उससे ज्यादा की अवधि के साथ कर्नाटक राज्य में चलाया जाता है तो उसके खिलाफ परिवहन नियमों के उल्लंघन के मामले में कार्रवाई की जा सकती है।

जिन कारों के खिलाफ बेंगलुरु में कार्रवाई की गई है, वह अमिताभ बच्चन और आमिर खान से जुड़ी हुई हैं।

स्वतंत्र वार्ता

शुक्रवार, 25 जुलाई - 2025

कौन होगा अगला उपराष्ट्रपति: अटकलें तेज

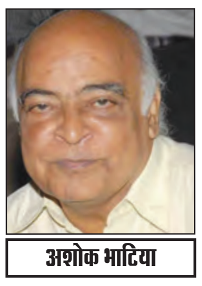

अशोक भाटिया

उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ के इस्तीफे के बाद देश में उपराष्ट्रपति पद के लिए मध्यावधि चुनाव की स्थिति आ गई है। संविधान में उपराष्ट्रपति के कर्तव्यों के निर्वहन के लिए कार्यवाहक का प्रावधान नहीं है इसलिए राज्यसभा के उपसभापति हरिवंश नारायण सिंह उनकी अनुपस्थिति में सदन की अध्यक्षता करेंगे। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ के सोमवार रात दिए गए इस्तीफे से देश का दूसरा सबसे बड़ा संवैधानिक पद खाली हो गया है। इसका मतलब है कि उपराष्ट्रपति पद के लिए मध्यावधि चुनाव की नौबत आ गई है। वे भारत के इतिहास में कार्यकाल पूरा होने से पहले इस्तीफा देने वाले केवल तीसरे उपराष्ट्रपति हैं।इससे पहले वीवी गिरि और आर वेंकटरमन ने राष्ट्रपति चुनाव लड़ने के लिए अपने पद से इस्तीफा दिया था, जिसके बाद क्रमशः गोपाल स्वरूप पाठक और शंकर दयाल शर्मा उपराष्ट्रपति बने थे। भारतीय संविधान में कार्यवाहक उपराष्ट्रपति का प्रविधान नहीं है। हालांकि, उपराष्ट्रपति राज्यसभा के सभापति भी होते हैं ।

राष्ट्रपति पद के लिए, संविधान के अनुसार रिक्त पद को छह महीने के भीतर भरना आवश्यक है लेकिन उपराष्ट्रपति पद के लिए ऐसी कोई निश्चित समय-सीमा नहीं है। केवल यह आवश्यक है कि पद रिक्त होने के बाद यथाशीघ्र चुनाव कराए जाएं। चुनाव आयोग कार्यक्रम की घोषणा करेगा। यह चुनाव राष्ट्रपति और उपराष्ट्रपति चुनाव अधिनियम, 1952 के तहत होता है। परंपरा के अनुसार, संसद के किसी भी सदन के महासचिव को बारी-बारी से निर्वाचन अधिकारी नियुक्त किया जाता है।ये चुनाव इसलिए हो रहा है क्योंकि जगदीप धनखड़ ने अपना कार्यकाल पूरा नहीं किया है, लेकिन नया उपराष्ट्रपति पदभार ग्रहण करने की तिथि से पूरे पांच वर्ष का कार्यकाल पूरा करेगा न कि केवल धनखड़ का शेष कार्यकाल। उपराष्ट्रपति का चुनाव संसद के दोनों सदनों, लोकसभा और राज्यसभा के सदस्यों और मनोनीत सदस्यों से मिलकर बने एक निर्वाचक मंडल द्वारा किया जाता है। राष्ट्रपति चुनाव के विपरीत, इसमें राज्य विधानसभाएं भाग नहीं लेतीं। यह चुनाव संसद भवन में आनुपातिक प्रतिनिधित्व प्रणाली के अनुसार गुप्त मतदान द्वारा सिंगल ट्रांसफरेबल वोट के माध्यम से किया जाता है। प्रत्येक सांसद उम्मीदवारों को वरीयता क्रम के हिसाब से वोट डालता है।निर्वाचित होने के लिए, किसी उम्मीदवार को न्यूनतम आवश्यक मतों की संख्या प्राप्त करनी होती है, जिसे कोटा कहा जाता है। इसकी गणना कुल वैध मतों की संख्या को दो से विभाजित करके और एक जोड़कर की जाती है। यदि पहले चरण में कोई भी उम्मीदवार कोटा पार नहीं करता है, तो सबसे कम प्रथम वरीयता वाले मत पाने वाले उम्मीदवार को हटा दिया जाता है, और उनके मत द्वितीय वरीयता के आधार पर शेष उम्मीदवारों को हस्तांतरित कर दिए जाते हैं। यह प्रक्रिया तब तक जारी रहती है जब तक कि एक उम्मीदवार कोटा पार नहीं कर लेता। उपराष्ट्रपति पद के लिए चुनाव लड़ने वाले व्यक्ति को भारत का नागरिक होना चाहिए, कम से कम 35 वर्ष का होना चाहिए, राज्यसभा के लिए निर्वाचित होने के योग्य होना चाहिए और किसी भी संसदीय क्षेत्र में मतदाता के रूप में पंजीकृत होना चाहिए। उन्हें राष्ट्रपति, राज्यपाल या मंत्री जैसे पदों को छोड़कर, केंद्र या राज्य सरकारों के अधीन किसी भी लाभ के पद पर नहीं होना चाहिए।

जगदीप धनखड़ का अचानक उपराष्ट्रपति पद से इस्तीफा देने के बाद सियासी गलियारों में हलचल तेज होने के बाद अब इस अहम पद के लिए नए नामों की चर्चा शुरू हो गई है और कई बड़े लोगों के नाम पहले ही सामने आ चुके हैं। अब इसमें एक और चौंकाने वाला नाम जुड़ गया है – केंद्रीय राज्य मंत्री और जेडीयू सांसद रामनाथ ठाकुर। बुधवार शाम को उन्होंने बीजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा से मुलाकात की, जिसके बाद अटकलें और तेज हो गई हैं। माना जा रहा है कि एनडीए रामनाथ ठाकुर को इस पद पर बैठाकर कई सियासी संदेश देना चाहती है, खासतौर पर बिहार विधानसभा चुनाव से पहले। ज्ञात हो कि रामनाथ ठाकुर बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री और समाजवादी नेता कर्पूरी ठाकुर के बेटे हैं। वह राजनीति में लंबे समय से सक्रिय हैं, और कई अहम पदों पर रह चुके हैं। वे लालू यादव की पहली कैबिनेट में गन्ना मंत्री रह चुके हैं और बाद में 2005 से 2010 तक नीतीश सरकार में कैबिनेट मंत्री भी बने। इस समय वे मोदी सरकार में कृषि एवं किसान कल्याण राज्य मंत्री हैं। उनके पिता को हाल ही में भारत रत्न से नवाजा गया है, जिससे उनके परिवार का राजनीतिक कद और बढ़ गया है। उपराष्ट्रपति पद की रेस में उनका नाम आना बिहार की राजनीति को एक नई दिशा दे सकता है।

एनडीए सरकार को इस समय जेडीयू और टीडीपी जैसे सहयोगी दलों का समर्थन प्राप्त है। ऐसे में यदि जेडीयू के किसी नेता को उपराष्ट्रपति बनाया जाता है, तो यह न सिर्फ गठबंधन को मज़बूती देगा बल्कि बिहार में एनडीए को चुनाव से पहले बड़ा फायदा भी मिलेगा। नीतीश कुमार खुद इस पद की रेस से बाहर दिख रहे हैं क्योंकि वे शायद ही अभी मुख्यमंत्री पद छोड़ना चाहें। ऐसे में रामनाथ ठाकुर का नाम NDA के लिए एक परफेक्ट बैलेंस हो सकता है – नीतीश खुश, गठबंधन मजबूत और बिहार में बड़ा राजनीतिक संदेश।

रामनाथ ठाकुर के अलावा भी कई और नाम संभावित उपराष्ट्रपति की रेस में हैं। इनमें हरिवंश नारायण सिंह, रक्षामंत्री राजनाथ सिंह, जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा जैसे नाम सामने आए हैं। हालांकि, बीजेपी की रणनीति को देखते हुए किसी चौंकाने वाले नाम की घोषणा भी मुमकिन है। मोदी सरकार अक्सर आखिरी वक्त में ऐसा नाम सामने लाती है जिसकी उम्मीद कम ही होती है। अब सबकी निगाहें बीजेपी की ओर हैं कि अगला उपराष्ट्रपति कौन होगा – क्या रामनाथ ठाकुर पर दांव चलेगी बीजेपी? गौरतलब है कि हैरान बीजेपी के अंदर भी कुछ अलग चर्चाओं का दौर जारी है। अलग-अलग खेमे में अलग-अलग अटकलें लगाई जा रही हैं। मसलन, जब एनबीटी ऑनलाइन ने दिल्ली में बीजेपी के एक वरिष्ठ पदाधिकारी से बात की तो उन्होंने नाम की गोपनीयता की शर्त पर कहा कि 'हो सकता है कि यह चुनाव बिहार विधानसभा चुनाव तक टल जाए। क्योंकि, इसे करवाने की इतनी जल्दी नहीं लग रही।' उन्होंने संभावना जताई कि 'अगर बिहार चुनाव तक यह टल जाता है तो बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार उपराष्ट्रपति पद के लिए एनडीए के भावी प्रत्याशी हो सकते हैं।' लेकिन, उन्होंने सबसे ज्यादा जोर राज्यसभा के उपसभापति हरवंश के नाम पर दिया। उनका कहना है कि 'नीतीश की जेडीयू अबकी बार जो एनडीए में आई है तो उसमें हरिवंश ही बड़े किरदार रहे हैं।' इसके साथ ही उन्होंने एक तरह से दावा किया कि जो भी होगा, वह 'बिहार का हो सकता है।'

इधर कांग्रेस के नेता उपराष्ट्रपति चुनाव में विपक्ष की ओर से संयुक्त उम्मीदवार उतारने के संकेत दे रहे हैं। इसे सत्तापक्ष और विपक्ष के बीच टकराव के नए दौर का संकेत माना जा रहा है। कांग्रेस के एक वरिष्ठ नेता ने मीडिया से कहा कि यह एक चुनाव की प्रक्रिया नहीं, वैचारिक लड़ाई है। हम सरकार के कदम का इंतजार कर रहे हैं और इंडिया ब्लॉक ही नहीं, इससे बाहर के विपक्षी दलों से भी बातचीत कर रहे हैं। कांग्रेस सूत्रों का यह भी दावा है कि उपराष्ट्रपति पद से जगदीप धनखड़ का इस्तीफा सामान्य नहीं है।कांग्रेस सूत्रों का यह भी कहना है कि न फेयरवेल हुआ, ना ही फेयरवेल स्पीच। बस अचानक एग्जिट हो गई। राज्यसभा में विपक्ष के नेता और कांग्रेस के अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने जगदीप धनखड़ से शिष्टाचार वार्ता की। कांग्रेस का मानना है कि राज्यसभा में विपक्ष की रणनीति से जो राजनीतिक तूफान आया, उसमें फंसकर जगदीप धनखड़ ने इस्तीफा दिया है।विपक्ष के सूत्रों की मानें तो राज्यसभा में दो जजों के खिलाफ महाभियोग प्रस्ताव लाए गए थे। एक जस्टिस यशवंत वर्मा और दूसरा जस्टिस शेखर यादव के खिलाफ। जगदीप धनखड़ ने इन्हें स्वीकार करने से बचने के लिए इस्तीफा दिया होगा। सोमवार को जगदीप धनखड़ के इस्तीफे से पहले क्या घटनाक्रम हुए, विपक्षी नेताओं ने इसे लेकर भी जानकारी दी है।

सावन में खाने पर सवाल

उत्तर भारत में सावन के महीने में इस साल नॉन वेज फूड को लेकर जिस तरह के विवाद खडे हुए हैं उससे कई तरह के सवाल खडे हो गए हैं। ऐसे ही माहौल में मामला तब और बिगड गया जब बिहार विधानसभा के सेंट्रल हॉल में सोमवार को खाने में नॉन-वेज भी परोसा गया। इसे लेकर सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच जमकर बयानबाजी की जा रही है। दोनों ही पक्ष अपने तर्कों के जरिए इसे परिभाषित कर रहे हैं। इसके पहले यूपी में चल रहे कांवड यात्रियों के रास्ते में पडने वाले ढाबों-भोजनालयों पर दुकान मालिकों की पहचान स्पष्ट करने का दबाव डाला गया। यह मामला भी इतना गरमाया कि सुप्रीम कोर्ट पहुंच गया। यहां भी मूल में भोजन ही है। कोई क्या खाता है, क्या नहीं, यह पूरी तरह व्यक्तिगत मामला है और इस पर ऐसे विवाद से बचने में ही भलाई मानी जा रही है। दुनिया में हर जगह खाने-पीने की पसंद किसी व्यक्ति की पहचान और उसकी संस्कृति का अहम हिस्सा होती है। भारत में जैसी भौगोलिक एवं प्राकृतिक विविधता है, वैसे ही यहां के खान-पान में भी देखा जाता है। इसलिए कौन कहां और क्या खा रहा है यदि इसकी भी पुलिसिंग की जाने लगी तो तनाव होना स्वाभाविक है। फिर ऐसी कोई कोशिश संविधान के उस अनुच्छेद 21 का उल्लंघन होगी, जो जीवन और व्यक्तिगत स्वतंत्रता के मौलिक अधिकार की गारंटी देता है। भोजन और पहनावा भी इसी व्यक्तिगत स्वतंत्रता का ही एक हिस्सा है। इसके बाद भी सावन में पिछले कुछ वर्षों से नॉन-वेज फूड को लेकर विवाद खड़े होते आ रहे हैं। देखा जाए तो इस तरह के विवाद में ज्यादातर राजनीति ही होती है। बिहार में दो साल पहले सावन महीने में कांग्रेस नेता राहुल गांधी का आरजेडी सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव की बेटी के घर जाकर मटन पकाना एक बडा राजनीतिक मुद्दा बन गया था। कुछ दिनों पहले, जब प्रशांत किशोर की पार्टी में बिरयानी बंटी, तब भी हंगामा हुआ और सफाई देनी पड़ी कि यह तो वेज थी! हाल ही में जदयू नेता ललन सिंह ने भी मटन-भात का भोज दे कर इस तरह की राजनीति को रंगत दे दी। जाहिर है जब आस्था को भोजन के साथ मिलाने की व्यवस्था होगी तब समस्या खड़ी होनी ही है। देखा जाए तो दोनों ही निजी मामले हैं और दोनों में ही किसी को दखल देने का हक नहीं। हां, यह जरूर है कि जब बात किसी खास आयोजन या धार्मिक अवसर पर किसी समुदाय की भावनाओं से जुड़ी हो, तो वहां सभी पक्षों के संवैधानिक अधिकारों के बीच संतुलन की आवश्यकता महसूस की जाती जाती है। अब तक ऐसी ही परिपाटी का चलन रहा है। देखा जाए तो भोजन केवल भूख का नहीं बल्कि व्यक्ति की गरिमा से भी जुड़ा सवाल भी है। सम्मान के साथ कमाने और खाने का हक इस देश के प्रत्येक नागरिक को है। किसी भी वजह से लोगों के इन हकों को छीनने की कोशिश नहीं होनी चाहिए। फिर यह भी देखना चाहिए कि खाने का इस्तेमाल राजनीति की बिसात पर न हो।

करियर की पसंद के रूप में ग्रामीण विकास

विजय गर्ग

भारत जैसे देश में जहां इसकी अधिकांश आबादी ग्रामीण क्षेत्रों में रहती है, ग्रामीण जीवन या विकास महत्वपूर्ण है। यह न केवल भारत में है बल्कि अधिकांश विकासशील देशों में बहुसंख्यक ग्रामीण क्षेत्रों में रहते हैं। हमें ग्रामीण विकास के महत्व को जानने की जरूरत है और यह हमारे लिए स्थायी परिवर्तन लाने में कैसे मदद करता है। यह ग्रामीण क्षेत्रों में रहने वाले लोगों की आर्थिक और सामाजिक भलाई में सुधार पर केंद्रित एक व्यापक प्रक्रिया है। यह गांवों और अन्य उप शहरी क्षेत्रों में आजीविका, बुनियादी ढांचे और सामाजिक परिवर्तन को बढ़ाने के उद्देश्य से विभिन्न पहलों को शामिल करता है। भारत में ग्रामीण विकास ग्रामीण भारत में रहने वाले लोगों की आर्थिक और सामाजिक भलाई में सुधार पर केंद्रित है, जो देश की आबादी का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है। इसमें कृषि विकास, बुनियादी ढांचा निर्माण, सामाजिक बुनियादी ढांचे के विकास और स्वास्थ्य सेवा, शिक्षा और अन्य आवश्यक सेवाओं तक पहुंच में सुधार जैसे विभिन्न पहलू शामिल हैं। ग्रामीण विकास भारत की समग्र प्रगति के लिए महत्वपूर्ण है, क्योंकि यह आबादी के एक बड़े हिस्से की जरूरतों को संबोधित करता है और राष्ट्रीय आय और रोजगार में महत्वपूर्ण योगदान देता है। यह विक्सिट भारत के लिए जरूरी है। प्रतीकात्मक और रणनीतिक दोनों ही इशारों में, संयुक्त राष्ट्र महासभा ने 6 जुलाई को विश्व ग्रामीण विकास दिवस घोषित किया, जो 2030 एजेंडा फॉर सस्टेनेबल डेवलपमेंट के लिए अपनी अटूट प्रतिबद्धता की पुष्टि करता है। यह घोषणा, अंतरराष्ट्रीय एकजुटता की भावना में डूबी, ग्रामीण गरीबी की गहरी जड़ें चुनौती और इसे आर्थिक, सामाजिक और पर्यावरणीय स्थिरता के व्यापक लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए एक पूर्व शर्त के रूप में संबोधित करने की आवश्यकता को स्वीकार करती है। वैश्विक घोषणाओं और संकल्पों के एक वंश से आकर्षित करना - मानव अधिकारों की सार्वभौमिक घोषणा से लेकर अदीस अबाबा एक्शन एजेंडा तक - संकल्प उन लोगों के जीवन और संघर्षों पर निरंतर प्रकाश डालना चाहता है जो मिट्टी तक, समुद्र की कटाई करते हैं, और पोषण करते हैं दुनिया के ग्रामीण कोनों में भूमि। विश्व ग्रामीण विकास दिवस का अवलोकन, जैसा कि उल्लिखित है, केवल औपचारिक इशारे के रूप में नहीं है, बल्कि सार्थक कार्रवाई के लिए उत्प्रेरक के रूप में है। सरकारों, नागरिक समाज, अंतर्राष्ट्रीय संगठनों और शैक्षणिक संस्थानों को ठोस गतिविधियों, नीतिगत बातचीत और जमीनी पहल के माध्यम से वार्षिक स्मरणोत्सव में भाग लेने के लिए आमंत्रित किया जाता है। स्वैच्छिक योगदान और स्थानीय रूप से संचालित रणनीतियों पर स्पष्ट जोर देने के साथ, संकल्प इस दिन को ग्रामीण आवाजों को ऊंचा करने, विकास के प्रयासों को गैल्वनाइज करने और दुनिया के सामूहिक वादे को नवीनीकृत करने की शक्ति के साथ सौंपता है: किसी को पीछे नहीं छोड़ना, यहां तक कि सबसे दूरस्थ और भूल गए स्थानों में भी नहीं पृथ्वी। ग्रामीण विकास उन लोगों के लिए एक कैरियर विकल्प हो सकता है जो अपने आसपास सामाजिक परिवर्तन लाने का सपना देखते हैं। उन उम्मीदवारों के लिए विकल्प और अवसर हैं जो प्रतिबद्ध हैं और योग्य भी हैं। ग्रामीण विकास से संबंधित कई पाठ्यक्रम हैं। ग्रामीण विकास पेशेवर विकासशील योजनाओं और गतिविधियों की योजना बनाकर और निगरानी करके और सरकारों या अन्य विकास एजेंसियों के विभिन्न लक्ष्यों को बढ़ाकर गांवों को बदलने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। यह करियर उन लोगों के लिए आदर्श है जो आर्थिक, पर्यावरण और सामाजिक परिवर्तनों का समर्थन करना चाहते हैं। किसी को सरकार में और गैर सरकारी संगठनों या अन्य विकासात्मक एजेंसियों में भी नौकरी मिल सकती है। अधिकांश विश्वविद्यालय और कॉलेज ग्रामीण विकास से संबंधित पाठ्यक्रम प्रदान करते हैं। राष्ट्रीय पंचायती राज और ग्रामीण विकास संस्थान पोस्ट ग्रेजुएट डिप्लोमा जैसे विभिन्न पाठ्यक्रम प्रदान करता है।

जो 'सार्वजनिक' होकर भी हर भारतवासी के प्रेरणास्त्रोत बने

प्रो. आरके जैन "अरिजीत"

गणेश वासुदेव जोशी, जिन्हें इतिहास 'सार्वजनिक काका' के नाम से जानता है, भारतीय स्वतंत्रता संग्राम और सामाजिक सुधार के उन अमर नायकों में से एक हैं, जिनके योगदान ने देश की चेतना को नई दिशा दी। 25 जुलाई, 1880 को उनका निधन हुआ, परंतु उनकी विचारधारा, उनकी निर्भीकता और उनके द्वारा स्थापित मूल्य आज भी हमें प्रेरित करते हैं। उनके जीवन का प्रत्येक पहलू—चाहे वह स्वदेशी आंदोलन का प्रारंभ हो, सामाजिक सुधारों के लिए उनका संघर्ष हो, या फिर स्वराज्य की मांग के साथ ब्रिटिश सत्ता को चुनौती देना हो—एक ऐसी कहानी कहता है जो न केवल इतिहास के पन्नों में, बल्कि हर भारतीय के हृदय में अमर है। उनकी पुण्यतिथि पर हमें उनके जीवन और कार्यों को स्मरण करते हुए यह समझना होगा कि कैसे एक व्यक्ति की दृढ़ इच्छाशक्ति और जनकल्याण की भावना ने देश के भविष्य को आकार दिया।

गणेश वासुदेव जोशी का जन्म 9 अप्रैल, 1828 को महाराष्ट्र के सतारा जिले में हुआ था। उनके पिता वासुदेव और माता सावित्रीबाई एक साधारण परिवार से थे, और उनके पिता का असमय निधन हो जाने के कारण जोशी जी का बचपन आर्थिक तंगी और चुनौतियों के बीच बीता। उनकी औपचारिक शिक्षा केवल मराठी तक सीमित रही, परंतु उन्होंने स्वाध्याय से अंग्रेजी सीखी और 1865 में 'मुख्तार वकील' की परीक्षा उत्तीर्ण कर पुणे में वकालत शुरू की। वकालत के साथ-साथ उन्होंने सामाजिक और सार्वजनिक कार्यों में रुचि दिखाई, जो उनके जीवन का केंद्र बन गया। उनके इस समर्पण ने उन्हें 'सार्वजनिक काका' का सम्मानजनक उपनाम दिलाया।जोशी जी का सबसे महत्वपूर्ण योगदान 2 अप्रैल, 1870 को 'पुणे सार्वजनिक सभा' की स्थापना थी। यह संस्था उस समय की पहली संगठित राजनीतिक मंचों में से एक थी, जिसने जनता की समस्याओं को ब्रिटिश प्रशासन तक पहुंचाने का कार्य किया। इस सभा में महादेव गोविंद रानाडे जैसे प्रख्यात विचारक भी शामिल थे। सभा ने नमक कर को कम करने, 1876 के भयंकर अकाल में जनता को राहत दिलाने, और किसानों की स्थिति की जांच के लिए आयोग गठित करने जैसे महत्वपूर्ण कार्य किए। यह सभा भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस (1885) की स्थापना की प्रेरणा बनी, और इसे 'कांग्रेस की जननी' कहा गया। जोशी जी ने इस मंच के माध्यम से भारतीयों में संगठित चेतना का बीज बोया, जो आगे चलकर स्वतंत्रता संग्राम का आधार बना।

उनका एक और क्रांतिकारी योगदान था स्वदेशी आंदोलन का प्रारंभ। 1872 में उन्होंने 'देशी व्यापारोत्तेजक मंडल' की स्थापना की और स्वदेशी वस्तुओं जैसे स्याही, साबुन, मोमबत्ती, और छाते के उत्पादन को प्रोत्साहित किया। उन्होंने पुणे, सतारा, नागपुर, मुंबई और सूरत में सहकारी सिद्धांतों पर आधारित दुकानें खोलने को बढ़ावा दिया और स्वदेशी वस्तुओं की प्रदर्शनियां आयोजित कीं। आगरा में कॉटन मिल की स्थापना भी उनके प्रयासों का परिणाम थी। 12 जनवरी, 1872 को उन्होंने खादी का उपयोग करने की शपथ ली और जीवनभर उसे निभाया। उनके इस स्वदेशी आंदोलन ने बाद में महात्मा गांधी को खादी और स्वदेशी के प्रचार की प्रेरणा दी। जोशी जी ने स्वदेशी को केवल आर्थिक आत्मनिर्भरता का साधन ही नहीं, बल्कि ब्रिटिश साम्राज्यवाद को कमजोर करने की रणनीति के रूप में देखा।

1877 का दिल्ली दरबार गणेश वासुदेव जोशी के साहस और देशभक्ति का सबसे चमकदार अध्याय है। जब ब्रिटिश वायसराय लॉर्ड लिटन ने क्वीन विक्टोरिया को 'भारत की महारानी' घोषित करने के लिए भव्य दरबार का आयोजन किया, तब जोशी जी ने पूर्ण स्वदेशी खादी वस्त्र पहनकर उस मंच पर भारत के लिए स्वराज्य की मांग उठाई। उन्होंने कहा कि भारत को ब्रिटिश साम्राज्य के समान राजनीतिक और सामाजिक दर्जा मिलना चाहिए। यह उस समय की सबसे साहसी मांग थी, जब स्वतंत्रता की बात करना भी विद्रोह माना जाता था। उनके इस वक्तव्य ने न केवल उपस्थित भारतीय राजाओं और जनता को प्रभावित किया, बल्कि यह स्वतंत्रता संग्राम की भावी पीढ़ियों के लिए एक मील का पत्थर साबित हुआ।जोशी जी केवल राजनीतिक कार्यकर्ता ही नहीं, बल्कि सामाजिक सुधारक भी थे। उन्होंने जातिगत भेदभाव, बालविवाह और विधवा विवाह जैसे सामाजिक मुद्दों पर खुलकर विरोध किया। उनकी पत्नी सरस्वतीबाई ने 1871 में 'स्त्री विचारवती' नामक संस्था की स्थापना की, जो महिलाओं के बीच जातिगत भेदभाव को खत्म करने और उनकी आर्थिक आत्मनिर्भरता को बढ़ावा देने के लिए काम करती थी। इस संस्था ने हल्दी-कुंकु जैसे सामाजिक आयोजनों के माध्यम से सभी जातियों की महिलाओं को एकजुट किया। जोशी जी ने स्वयं महाराष्ट्र के कई जिलों में किसानों की आर्थिक स्थिति का सर्वेक्षण किया और उनकी समस्याओं को प्रशासन तक पहुंचाया।

उनकी निर्भीकता का एक और उदाहरण क्रांतिकारी वासुदेव बलवंत फडके के मुकदमे में उनकी वकालत थी। जब पुणे में कोई भी वकील फडके का केस लड़ने को तैयार नहीं था, तब जोशी जी ने न केवल उनका वकीलपत्र स्वीकार किया, बल्कि निर्भयता से कहा, "फडके को जैसे फांसी पर चढ़ाएंगे, वैसे ही मुझे भी चढ़ाएंगे, इससे ज्यादा वे क्या करेंगे?" यह साहस उस समय के दमनकारी माहौल में अभूतपूर्व था।

जोशी जी का प्रभाव उनके समकालीन और भावी नेताओं पर स्पष्ट दिखता है। उनकी बेटी का विवाह गोपाल कृष्ण गोखले से हुआ, जो स्वयं स्वतंत्रता संग्राम के प्रमुख नेता बने। गोखले और तिलक जैसे नेताओं ने जोशी जी के स्वदेशी और संगठित चेतना के विचारों को आगे बढ़ाया। गांधी जी ने भी स्वीकार किया कि स्वदेशी और खादी का उनका अभियान जोशी जी जैसे अग्रदूतों से प्रेरित था।

25 जुलाई, 1880 को हृदय रोग के कारण गणेश वासुदेव जोशी का निधन हुआ। उनके जीवन के 52 वर्ष भारत के लिए समर्पित रहे। उन्होंने न तो हथियार उठाए, न ही हिंसक विद्रोह किया, परंतु उनके विचारों की ताकत ने ब्रिटिश सत्ता को चुनौती दी और भारतीय जनता में स्वाभिमान और आत्मनिर्भरता की चेतना जगाई। उनकी पुण्यतिथि हमें यह स्मरण कराती है कि सच्चा राष्ट्रनिर्माण केवल युद्ध के मैदान में नहीं, बल्कि विचारों, साहस और सामाजिक सुधारों के मंच पर भी होता है। आज, जब हम उनकी स्मृति में श्रद्धांजलि अर्पित करते हैं, हमें यह आत्ममंथन करना होगा कि क्या हम उनके दिखाए मार्ग पर चल रहे हैं? उनकी स्वदेशी की भावना, सामाजिक समानता की लड़ाई और स्वराज्य का सपना आज भी प्रासंगिक है। गणेश वासुदेव जोशी का जीवन हमें सिखाता है कि सच्चा देशभक्त वही है जो न केवल अपने देश की स्वतंत्रता के लिए लड़े, बल्कि उसके सामाजिक और आर्थिक उत्थान के लिए भी समर्पित हो।

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और रोबोट की भूमिका?

संजीव ठाकुर

भारत जैसे विशाल जनसंख्या वाले देश में जहां की आबादी 141 करोड़ है इन परिस्थितियों में रोबोट आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की उपयोगिता कितनी सार्थक होगी यह एक बड़ा प्रश्न चिन्ह खड़ा करता है। भारत में बेरोजगारी चरम सीमा पर है ऐसे में रोबोट और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस देश के युवाओं का हक छिनता नजर आता है। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस तकनीक और रोबोट को वैज्ञानिकों ने मानव की सहायता के लिए और देश की बेहतरी के लिए अविष्कार किया है।

अभी तक तो अमेरिका, ऑस्ट्रेलिया, ब्रिटेन, इजरायल, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के मामले में काफी आगे हो चुकें हैं पर अब खाड़ी के देशों विगत 5 साल में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस को अपनाकर अपनी आर्थिक स्थिति केवल तेल के कुए पर सिमटे न रह कर अन्य योजनाओं पर भी काम करना शुरू कर दिया है और आश्चर्यजनक रूप से यूएई ,सऊदीअरबिया, कतर, मिस्र ,जॉर्डन,

मोरक्को और अन्य देशों में यूरोप की तुलना में अब और ज्यादा खर्च करके आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की तकनीक को अपने देश में बहुत मजबूत बना लिया। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस जितने फायदे हैं उससे ज्यादा विकासशील देशों के लिए यह नुकसान देह भी हो सकता है आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और रोबोट के भारतीय संदर्भ में जहां जनसंख्या 141 करोड़ हो चुकी है और बड़ी संख्या में युवा बेरोजगार है ज्यादा प्रयोग से लोगों की नौकरियां जाने का बड़ा खतरा उत्पन्न हो सकता है। यह बात दुनिया के बड़े अरबपति कारोबारी टेस्ला और एक्स के कारोबारी एलन मस्क ने स्टार्टअप के एक कार्यक्रम में फ्रांस में महत्वपूर्ण अंदाज में कहीं, भविष्य के लिए यह बात एकदम सटीक एवं सार्थक है। एक अन्य अरबपति कारोबारी इयान बैंक्स ने भी इस पर गंभीर चिंता जताई है। यह बात सभी विकासशील देशों के लिए भी लागू हो सकती है। अब आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस नफ़्ज़ पढ़कर आपके मस्तिष्क की बात तुरंत पकड़कर उस पर अमल करने लगेगा। अब आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस पल्स रेट द्वारा आपके मन की हर बात जानने में सक्षम हो सकता है। आआर्टिफिशियल इंटेलिजेंस जितने फायदे हैं उससे ज्यादा विकासशील देशों के लिए यह नुकसान देह भी हो सकता है आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस आपकी पल्स रीडिंग और मानसिक विचारधारा को केवल थंब इंप्रेशन में ही आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का डिवाइस पढ़ कर उस पर अमल कर सकता है।इस टेक्नोलॉजी से अमेरिका तथा यूरोपीय देश अब तक दुश्मन की अनेक सूचनाएं बड़ी आसानी से प्राप्त कर उसका सामरिक उपयोग करने में लगे हुए हैं। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का उपयोग रूस अपनी टेक्नोलॉजी का उपयोग कर मिसाइल दागने में यूक्रेन यूक्रेन के विरुद्ध कर रहा है और अब तक यूक्रेन यूरोपीय तथा नाटो देश की मदद से इसी तकनीक के सहारे रूस के विरुद्ध अब तक टिका हुआ है वैसे तो यूक्रेन और रूस का युद्ध में काफी नुकसान हुआ है पर आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का भरपूर उपयोग दोनों देश एक दूसरे पर कर रहे हैं।

विकासशील देशों में इस टेक्नोलॉजी का विकास अभी काफी एडवांस नहीं है इन परिस्थितियों में उनके लिए उनके सामरिक महत्व की चीजें छुपाना दुश्मन देशों के सामने कठिन हो जाएगा और उनकी खुफिया जानकारी शक्तिशाली देश आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस केवल एक सूत्र प्राप्त करने के बाद ही पूरी प्राप्त कर सकते हैं.

खाड़ी के देश जिनमें सऊदी अरबिया, कतर ,मिस्र, जॉर्डन, यूएई अपने बजट का 34% बढ़ा हुआ हिस्सा एआई तकनीक पर लगातार कर रहे हैं। खाड़ी के देश इस टेक्नोलॉजी का उपयोग इस वजह से कर रहे हैं क्योंकि यह उनकी भविष्य की योजनाओं का महत्वपूर्ण हिस्सा है जिससे वे तेल की कमाई से हटकर अन्य साधनों से अपनी अर्थव्यवस्था में सुधार ला सकें। यूएई पहला देश है जिसने 2017 ने इस तकनीक को अपनाया था इसके बाद खाड़ी के देशों में अब टेक्नोलॉजी को अपनाने में होड़ हो गई है। यह सभी देश एआई टेक्नोलॉजी पर लगभग 3 अरब डॉलर खर्च कर चुके हैं। दूसरी तरफ यदि इसका इस्तेमाल अति विशेषज्ञों द्वारा नहीं किया गया तो इसका दुरुपयोग जिन देशों के पास इन टेक्नोलॉजी से एडवांस टेक्नोलॉजी है वह पूरी जानकारी निकालने में सक्षम होंगे। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का उपयोग यूरोपीय देश न सिर्फ सामरिक महत्व की चीजों में कर रहे हैं बल्कि मेडिकल साइंस और अंतरिक्ष विज्ञान में भी पूरी तरह हो रहा है और इससे बहुत फायदे भी मिल रहे हैं। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस मानव प्रजाति के लिए जितना फायदेमंद है दूसरी तरफ उतना ही नुकसान दे और इससे वैश्विक शांति को खतरा भी हो सकता है। एक्टिविस्ट मानते हैं कि रोबोट की तरह इस तरह की विज्ञान पर आधारित चीजें माननीय प्रजाति को खत्म कर सकती है बल्कि उनकी चिंता डेटा सुरक्षा प्रपोगेंडा सर्विलांस के विरुद्ध होने वाले नुकसान पर भी ज्यादा है।

ज़िंदगी बन गई खिचड़ी

डॉ टी महादेव राव

"छोटू! यह बताओ घर की स्त्रियों को कौन सा नाश्ता और कौन सा खाना बनाना अधिक पसंद होता है?" "भैया! अलग अलग पसंद होती है। हां अगर ज्यादा से ज्यादा लोगों की बात करें तो नाश्ते में उपमा और भोजन में खिचड़ी बनाना, चूंकि बहुत आसान होता है, स्त्रियां बनाना पसंद करती हैं। " "पहली बार तुम्हारी बुद्धि को कौन बनेगा करोड़पति के स्तर का पाया है छोटू! वाह। "दिनभर कितनी भी खिचड़ी पका लो, पर परम सत्य यह है कि खाने में खिचड़ी इसलिए सुकून देती है, क्योंकि अर्धांगिनी का चेहरा इसके बनाने से फूलता नहीं है और पारिवारिक शांति का घटक है इसलिए सब सहर्ष स्वीकार कर लेते हैं। तो क्यों न बने यह अंतरराष्ट्रीय व्यंजन? राष्ट्रीय समस्या 'क्या बनाऊं?' का अंतिम हल भी यही है, जो शांति और खुशी का पर्याय है। खिचड़ी पर आम सहमति बनने के बाद यह बहुत बड़ी जंग जीतने जैसा लगता है।" "छोटू! सोशल मीडिया पर रोज नई-नई खिचड़ी पकती रहती है। अब असल में ही खिचड़ी पकाकर राष्ट्रीय व्यंजन बना दिया गया। पिछले दिनों सोशल मीडिया पर चर्चा रही कि पारंपरिक डिश खिचड़ी को राष्ट्रीय व्यंजन घोषित कर दिया गया है। मामला इतना बढ़ गया कि केंद्रीय खाद्यमंत्री को खुद सफाई देनी पड़ी।

उन्होंने कहा कि खिचड़ी को सिर्फ वर्ल्ड फूड इंडिया इवेंट के लिए सिलेक्ट किया गया है ताकि उसको और मशहूर किया जा सके। एक खिचड़ी प्रेमी यह बात सुनकर आगबबूला होते हुए कहने लगा, जो पहले से प्रसिद्ध है उसके लिए इतनी खिचड़ी पकाने की क्या जरूरत पड़ गई? यह यूं ही राष्ट्रीय व्यंजन है।"

"भैया ! खिचड़ी की फरमाइश अब गर्व के साथ करने का समय आ गया है। चैनलों पर तरह-तरह की खिचड़ी पकाई जाएगी और साथ में हम भी पकने को तैयार रहें। फास्ट और सुपरफास्ट दोनों में ही खिचड़ी खाने का चलन है। दही, अचार, पापड़ के साथ भाती है खिचड़ी। अब तो शादियों में भी कढ़ी, खिचड़ी के स्टॉल लगाए जाते हैं।"

"सही कह रहे हो छोटू! आम जनता बेरोजगारी, महंगाई, दाल-चावल, आटा-सब्जी, तेल, पेट्रोल, रसोई गैस की बढ़ती कीमतों के बारे में सरकार को घेरे, इससे बचने के लिए सरकार नई-नई खिचड़ी पका देती है। हमारा देश ही खिचड़ी का बहुत बड़ा उदाहरण है। खिचड़ी भाषा का अपना अलग मजा है। उच्चारण से हम पहचान जाते हैं कि खिचड़ी का यह घटक कहां का है? खिचड़ी हमारे देश का सौंदर्य है। खिचड़ी बाल से हर कोई परेशान है इसलिए तो डाई बनाने वाले मस्त हैं।"भैया! क्या बात है? मुस्कुराए जा रहे हो अपने आप में। कोई विशेष बात है? छोटू! मैं सोच रहा था जीवन खिचड़ी की मानिंद हुई जा रही है वर्तमान में और हम लोग बस उसी में आनंदित हो रहे हैं। कम समय में, सस्ते में और स्वादिष्ट व्यंजन के रूप में हमें खिचड़ी बनाया जा रहा है उन छप्पन भोग पाने वाले लोकतंत्र के महारथियों द्वारा जिन्हें हमने कल्याण और विकास के लिए अपना सर्वस्व समान वोट जो समर्पित किया था। सत्य वचन भैया। जब तक विपक्ष के सारे दल डेढ़ चावल की खिचड़ी पकाएंगे और नौ चूल्हों की खिचड़ी बनाएंगे, उनका सत्ता पर अधिकार प्राप्त करना सिवाय बीरबल की खिचड़ी के क्या हो सकता है?

रावण ने रचा था शिव तांडव स्तोत्र : शक्ति के अहंकार में रावण कैलाश पर्वत उठाने लगा

तभी पर्वत के नीचे दब गया था उसका हाथ

शिव तांडव स्तोत्र के नियमित पाठ से वाणी सिद्धि, धन-समृद्धि, और आत्मबल की प्राप्ति होती है।
रोज सूर्योदय से ठीक पहरे ब्रह्ममुहूर्त में या शाम को प्रदोष काल में इसका पाठ करना श्रेष्ठ माना जाता है।
शिवलिंग के पास दीप जलाएं और फिर इस स्तोत्र का पाठ करें।

अभी सावन महीना चल रहा है, इस महीने में भगवान शिव की विशेष पूजा करने की परंपरा है। शिव पूजा में मंत्र जप के साथ ही शिव तांडव स्तोत्र का पाठ भी किया जाता है। शिव जी को प्रिय शिव तांडव स्तोत्र की रचना रावण ने की थी। रावण ने क्यों रचा शिव तांडव स्तोत्र, जानिए पूरी कथा...

रावण को अपनी शक्ति का अहंकार था। इसी अहंकार की वजह से वह सभी को कमजोर समझता था। अपनी शक्ति के अहंकार में एक दिन रावण कैलाश पर्वत पहुंच गया। उस समय शिव जी ध्यान में लीन थे। रावण ने शिव जी को कैलाश पर्वत सहित उठाकर अपने साथ लंका ले जाना चाहता था। रावण कैलाश पर्वत को उठाने लगा, तभी शिव जी ने अपने पैर के अंगूठे से पर्वत का भार बढ़ा दिया। पर्वत का भार बढ़ने से रावण कैलाश को उठा नहीं सका और उसका हाथ पर्वत के नीचे दब गया।

पर्वत के नीचे दबे हाथ को निकालने की रावण ने बहुत कोशिश की, लेकिन उसे सफलता नहीं मिली। तब रावण ने शिव जी को प्रसन्न करने के लिए शिव तांडव स्तोत्र की रचना की। शिव जी रावण द्वारा रचे गए शिव तांडव स्तोत्र को सुनकर प्रसन्न हो गए और कैलाश पर्वत का भार कम कर दिया, इसके बाद रावण ने पर्वत के नीचे से हाथ निकाल लिया।

प्रसंग की सीख

अहंकार का त्याग करें - अहंकार के कारण ही रावण कैलाश पर्वत उठाने की कोशिश कर रहा था, लेकिन उसे सफलता नहीं मिली और उसका हाथ पर्वत के नीचे दब गया। जब रावण ने अहंकार छोड़कर शिव जी की भक्ति की, तब उसे शिव कृपा मिली। जब हम अहंकार छोड़कर विनम्रता की ओर बढ़ते हैं, तब ही भगवान की कृपा मिलती है।

मुश्किल समय में भी भक्ति न छोड़ें - जब रावण का हाथ पर्वत के नीचे दबा, तब उसने शिव जी को प्रसन्न करने के लिए भक्ति की। शिव तांडव स्तोत्र रचा। इसके फलस्वरूप उसे शिव कृपा मिल गई और उसका दुख दूर हो गया। हमें भी मुश्किल समय में भगवान की भक्ति नहीं छोड़नी चाहिए।

शिव तांडव स्तोत्र की खास बातें

ये स्तोत्र संस्कृत में है, इसकी लयात्मकता इसे बहुत खास बनाती है। इसमें भगवान शिव के रौद्र रूप, तांडव नृत्य और संपूर्ण ब्रह्मांडीय शक्ति का वर्णन किया है। रावण ने इसमें 17 श्लोकों के माध्यम से शिव की महिमा का गान किया है।

शिव तांडव स्तोत्र के नियमित पाठ से वाणी सिद्धि, धन-समृद्धि, और आत्मबल की प्राप्ति होती है।

रोज सूर्योदय से ठीक पहरे ब्रह्ममुहूर्त में या शाम को प्रदोष काल में इसका पाठ करना श्रेष्ठ माना जाता है।

शिवलिंग के पास दीप जलाएं और फिर इस स्तोत्र का पाठ करें।

आज सावन शुक्रवार व्रत सिद्धि योग में करें लक्ष्मी जी की विशेष पूजा

सावन शुक्रवार व्रत 25 जुलाई को है. इस दिन से सावन माह का शुक्ल पक्ष प्रारंभ हो रहा है. इस दिन सूर्य देव कर्क राशि में रहेंगे और चंद्रमा भी कर्क राशि में रहेंगे. सावन शुक्रवार का यह व्रत माता लक्ष्मी को प्रसन्न करने का सर्वोत्तम दिन है. दृक पंचांग के अनुसार, अभिजीत मुहूर्त दोपहर के 12 बजे से शुरू होकर 12 बजकर 55 मिनट तक रहेगा और राहुकाल का समय सुबह 10 बजकर 45 मिनट से दोपहर 12 बजकर 28 मिनट तक रहेगा. शुक्रवार व्रत के दिन वृद्धि योग सुबह 07:28 ए एम से पूरी रात तक है.

शुक्रवार व्रत और लक्ष्मी पूजा से बढ़ेगी सुख-समृद्धि

शुक्रवार व्रत मुख्य रूप से संतोषी माता और देवी लक्ष्मी को समर्पित होता है. इस व्रत को करने से सुख-समृद्धि, धन-धान्य और वैवाहिक जीवन में शांति आती है. साथ ही माना जाता है कि इस दिन विधि-विधान से पूजा-पाठ करने से सभी दुखों का नाश होता है और माता रानी अपने भक्तों को सभी कष्टों से बचाती हैं. साथ ही उनकी जो भी मनोकामनाएं होती हैं, उन्हें भी पूर्ण करती हैं।

शुक्रवार का व्रत शुक्र ग्रह को मजबूत करने और उससे संबंधित दोषों को दूर करने के लिए भी रखा जाता है. इस व्रत को किसी भी माह के शुक्ल पक्ष के पहले शुक्रवार से शुरू किया जा सकता है. आमतौर पर यह व्रत लगातार 16 शुक्रवार तक रखा जाता है, जिसके बाद उद्यापन किया जाता है.

1. इस दिन विधि-विधान से पूजा करने के लिए सुबह ब्रह्म मुहूर्त में उठकर स्नान करें, मंदिर या पूजा स्थल को साफ करें।
2. उसके बाद एक चौकी पर कपड़ा बिछाकर पूजन सामग्री रखें, फिर उसमें माता की प्रतिमा रखें और एक कलश की भी स्थापना करें।
3. श्री यंत्र की स्थापना करना भी शुभ माना जाता है. देवी लक्ष्मी को सिंदूर, अक्षत, फूल और माला चढ़ाएं. घी का दीपक जलाएं और धूप दिखाएं. माता को फलों का भोग लगाएं.
4. फिर व्रत कथा, चालीसा और मंत्रों का पाठ करें और उसके बाद आरती करें. पूजा समाप्त होने के बाद एक बड़े पात्र में जल भरकर पूरे घर में जल का छिड़काव करें और उसके बाद मां तुलसी को जल चढ़ाएं.
5. माता लक्ष्मी को खीर, सफेद मिठाई का भोग लगाएं. लक्ष्मी मंत्र का जाप करें. देवी लक्ष्मी को पूजा में पीली कौड़ियां अर्पित करें. पूजा खत्म होने के बाद उनको तिजोरी में रखें. आपके धन में बढ़ोत्तरी होगी.

शुक्रवार व्रत के नियम

1. पौराणिक मान्यताओं के अनुसार माता लक्ष्मी के व्रत में नमक का सेवन नहीं करना चाहिए।
2. दिन में एक बार मीठे के साथ किसी एक अनाज का सेवन कर सकते हैं, जैसे खीर-पूरी।
3. शुक्रवार व्रत के दिन तामसिक भोजन जैसे प्याज, लहसुन, मांस-मदिरा आदि का सेवन घर के किसी सदस्य को भी नहीं करना चाहिए।
4. इस दिन ब्राह्मणों, गरीबों और जरूरतमंदों को भोजन कराकर दक्षिणा देना शुभ माना जाता है।
5. शुक्रवार को अपनी क्षमता के अनुसार चावल, सफेद वस्त्र, शक्कर, दूध आदि का दान करें।

राहु की दशा में घबराएं नहीं, जानिए कैसे बन सकता है ये पापी ग्रह आपकी पर्सनल ग्रोथ का कारण

कभी-कभी हमारी जिंदगी में अचानक कुछ ऐसा हो जाता है जिसे समझना मुश्किल हो जाता है जैसे बाल कट जाएं बिना प्लान के, मूड बार-बार बदलने लगे, या अचानक सब कुछ उल्टा-पुल्टा लगने लगे. ऐसे बदलावों के पीछे कभी-कभी ग्रहों का हाथ होता है. राहु एक ऐसा ग्रह है जो ट्रांसफॉर्मेशन यानी बदलाव का इशारा देता है. जब राहु की दशा एक्टिव होती है, तो यह हमारी जिंदगी को हिलाकर रख सकता है, लेकिन घबराइए मत क्योंकि राहु को हैंडल करने का भी एक सिंपल तरीका है. अगर आप भी ऐसे बदलावों से गुजर रहे हैं

राहु – बदलाव का मास्टरमाइंड

राहु को एक ऐसा ग्रह माना जाता है जो इंसान की सोच, पहचान और लाइफस्टाइल में बड़ा बदलाव ला सकता है, ये अचानक होने वाली घटनाओं, ध्यान भटकाने और फिजूल की उलझनों के लिए ज़िम्मेदार होता है. राहु को कंट्रोल करना थोड़ा ट्रिकी होता है, लेकिन नामुमकिन नहीं।

जब राहु एक्टिव होता है, तो सबसे पहले आपको अपने अंदर से बदलाव की शुरुआत करनी चाहिए. आप चाहे जानबूझकर करें या न करें, राहु खुद आपको ऐसे मोड़ पर लाकर खड़ा कर देता है जहां आपको खुद को बदलना ही पड़ता है।

खुद में बदलाव – सबसे आसान उपाय

राहु से निपटने का सबसे कारगर और आसान तरीका है अपनी काया में बदलाव करना. इसका मतलब ये नहीं कि आपको पूरा जीवन बदलना है, बस छोटी-छोटी चीजें ट्राई करें:

1. अगर आप हमेशा दाढ़ी रखते हैं, तो एक बार क्लीन शेव हो जाइए.
2. क्लीन शेव हैं तो कुछ दिन के लिए बियर्ड रख लीजिए.
3. हमेशा टी-शर्ट जींस पहनते हैं तो कुर्ता-पायजामा ट्राय करें.
4. अगर आप सिंपल दिखते हैं, तो थोड़ा स्टाइलिश लुक अपनाएं।

क्यों काम करता है ये तरीका?

राहु एक ऐसा ग्रह है जो ध्यान मांगता है, ये attention seeker होता है. वो चाहता है कि सबकी नज़र आप पर जाए, लोग आपकी बातों, लुक, और व्यवहार की तरफ खिंचें. जब आप खुद अपनी पर्सनैलिटी में बदलाव करते हैं, तो आप राहु से पहले ही एक कदम आगे हो जाते हैं. यानी, आप उसका गेम खुद ही खेल लेते हैं।

जब आप कुछ नया करते हैं, लोग पूछते हैं "अरे क्या हो गया?" "क्लीन शेव क्यों कर लिया?" यही तो राहु चाहता है ध्यान! लेकिन जब आप जानबूझकर ये करते हैं, तो राहु का असर कम हो जाता है.

एक कदम आगे बढ़िए

आप चाहें तो राहु से डरने की बजाय उसे अपने फेवर में इस्तेमाल कर सकते हैं. नई चीजें सीखिए, नई स्किल्स अपनाइए, पर्सनैलिटी में निखार लाइए. राहु तब ही हारता है जब आप खुद को बदलने के लिए तैयार होते हैं।

क्या आपके मंदिर की दिशा सही है?

घर की इस दिशा में बैठें और प्रभु को हर पल अपने पास महसूस करें

जब भी घर में मंदिर बनाने की बात होती है, तो सबसे पहला सवाल आता है. दिशा कौन सी होनी चाहिए? बहुत से लोग वास्तु के नियमों को मानते हैं, पर कई बार सही जानकारी ना होने की वजह से मंदिर की जगह गलत हो जाती है, लेकिन अगर आप चाहते हैं कि भगवान से आपका रिश्ता सिर्फ श्रद्धा का ही नहीं, बल्कि एक दोस्ताना और आत्मीय हो तो आपको उस दिशा में मंदिर बनाना चाहिए, जो आपको ईश्वर के और करीब ले जाए. एक ऐसी दिशा जहां बैठते ही मन शांत हो जाए, आंखें नम हो जाएं और दिल से अपने आप एक बात निकले "तू मेरे बहुत करीब है प्रभु!" यही दिशा है – ईस्ट-नॉर्थ-ईस्ट। इस विषय में अधिक जानकारी दे रहे हैं।

क्यों सबसे शुभ मानी जाती है ईस्ट-नॉर्थ-ईस्ट दिशा?

ईस्ट-नॉर्थ-ईस्ट यानी उत्तर-पूर्व दिशा को हमेशा से ही सबसे पवित्र और सकारात्मक दिशा माना गया है. इसे आनंद की दिशा भी कहा जाता है. इस दिशा में अगर आप अपने घर का मंदिर बनाते हैं, तो वो जगह सिर्फ पूजा का कोना नहीं बनती, वो आपके और भगवान के बीच एक ऐसा रिश्ता बना देती है जहां डर नहीं, सिर्फ अपनापन होता है.

इस दिशा में बैठकर की गई प्रार्थना से मन गहराई से जुड़ जाता है. आपकी आवाज सीधे उस ऊर्जा तक पहुंचती है जो हर जगह मौजूद है. ऐसा महसूस होता है कि भगवान सामने खड़े हैं बिना किसी मूरत, बिना किसी घुंघट के।

मंदिर की दिशा का मन और शरीर पर असर

जब आप सही दिशा में बैठकर पूजा करते हैं, तो सिर्फ आध्यात्मिक फायदा नहीं होता, आपका मन भी हल्का महसूस करता है. ईस्ट-नॉर्थ-ईस्ट दिशा में सुबह की हल्की धूप सीधी पड़ती है, जिससे वहां का वातावरण हमेशा साफ और ताज़गी से भरा होता है. यहां बैठने से दिमाग शांत होता है और दिल को सुकून मिलता है.

अगर आप हर रोज़ इस दिशा में बैठकर बस दो मिनट भी आंखें बंद कर लें, तो एक अलग ही ऊर्जा का अनुभव होता है, जैसे किसी ने आपके कंधे पर हाथ रखा हो और कहा हो. "मैं हूं तेरे साथ।"

कैसे पहचानें सही दिशा?

अगर आपको समझ नहीं आ रहा कि ईस्ट-नॉर्थ-ईस्ट आपके घर में कहां है, तो एक साधारण कम्पास ऐप आपके मोबाइल में काम आ सकता है. बस खड़े होकर ध्यान दें . पूर्व (East) और उत्तर (North) के बीच का जो कोना बनता है, वहीं होता है ईस्ट-नॉर्थ-ईस्ट. इसी कोने को साफ और हल्का रखें . कोई भारी सामान या गंदगी ना रखें. वहीं पर छोटा-सा मंदिर बनाएं और देखिए, कैसे सब कुछ बदलने लगता है।

मंदिर और आपका रिश्ता

मंदिर सिर्फ पूजा की जगह नहीं होती – वो एक एहसास है, एक भरोसा है, एक दोस्ती है. जब आप सही दिशा में बैठते हैं, तो वो रिश्ता और मजबूत होता है. उस पल में भगवान दूर नहीं लगते – वो आपके पास होते हैं, जैसे कोई अपना।

क्या आपकी घड़ी ऊर्जा को रोक रही है?

घड़ी पहनने और बॉडी एनर्जी का गहरा संबंध

अक्सर हम घड़ी को बस एक टाइम बताने वाली चीज़ मानकर नजरअंदाज कर देते हैं, लेकिन क्या आप जानते हैं कि आपकी घड़ी आपकी बॉडी की एनर्जी पर असर डाल सकती है? जी हां, यह सुनने में अजीब लग सकता है लेकिन कुछ लोगों के जन्म कुंडली में ऐसे संकेत मिलते हैं, जो बताते हैं कि वो घड़ी क्यों नहीं पहनते या अगर पहनते हैं तो किस तरह की घड़ी पहनते हैं. खासकर जिनके बर्थ चार्ट में कुछ खास नंबर मिस होते हैं, उनके पहनने के पैटर्न में एक खास तरह का नियम देखा गया।

घड़ी पहनने और जन्म कुंडली का अनोखा रिश्ता

कुछ ज्योतिष विशेषज्ञों का मानना है कि जो लोग घड़ी नहीं पहनते या लेदर/रबर स्ट्रैप वाली घड़ी पहनते हैं, उनके जन्म पत्र में अक्सर नंबर 6 या 7 की गैरमौजूदगी पाई जाती है. यह दोनों नंबर ना हो, तो व्यक्ति घड़ी पहनने से बचता है या सिर्फ ऐसे स्ट्रैप वाली घड़ी पहनता है जो उसकी एनर्जी को रोकती है. यह एक तरह का ऊर्जा का रुकाव होता है जो आपकी परफॉर्मेंस, सोचने की ताकत या आत्मविश्वास को प्रभावित कर सकता है।

घड़ी की स्ट्रैप का हमारी बॉडी पर असर

लेदर या रबर की स्ट्रैप वाली घड़ियाँ इंसुलेटिंग मटेरियल से बनी होती हैं. इसका मतलब यह है कि जो भी एनर्जी आपकी बॉडी में बह रही है, वो इन स्ट्रैप्स की वजह से आगे नहीं बढ़ पाती. जैसे ही आपने घड़ी पहनी, आपकी कलाई पर रुकावट पैदा हो गई.

इसके उलट, अगर आप मेटल चैन वाली घड़ी पहनते हैं, तो वह एनर्जी को आपके शरीर में प्रवाहित करती है. मेटल, खासकर स्टील या कॉपर जैसी धातु, विद्युत प्रवाह को सहारा देती है। यही कारण है कि चैन वाली घड़ियाँ शरीर के लिए बेहतर मानी जाती हैं, खासकर अगर आप रोज़ाना मेहनत या दिमागी काम करते हैं.

एनर्जी ब्लॉक होने से क्या हो सकता है?

जब आपकी बॉडी की नेचुरल एनर्जी पूरी तरह से बह नहीं पाती, तो आपको थकान, चिड़चिड़ापन, या ध्यान की कमी जैसी परेशानियाँ हो सकती हैं. कई बार लोग इसे महसूस भी नहीं करते लेकिन धीरे-धीरे यह असर आपकी लाइफस्टाइल पर दिखने लगता है. घड़ी, जो दिखने में तो एक सिंपल एक्सेसरी है, असल में आपके एनर्जी सिस्टम का हिस्सा बन जाती है।

इस कुंड में स्नान करने से नही लगता अकाल मृत्यु का भय

संभलः उत्तर प्रदेश का संभल जिला सिर्फ इतिहास और धार्मिक आस्था के लिए ही नहीं, बल्कि उन रहस्यमयी स्थलों के लिए भी जाना जाता है, जहां परंपरा और आस्था एक नई उम्मीद को जन्म देती हैं. इन्हीं स्थानों में से एक है महामृत्युंजय कुंड (Mahamritunjay Kund), जो संभल के हयातनगर इलाके में स्थित है. यह पवित्र कुंड खासतौर पर उन लोगों के लिए आशा की किरण बन चुका है, जिन्हें मृत्यु का डर सताता है या जो अकाल मृत्यु के भय में जी रहे हैं।

कहते हैं कि इस कुंड में स्नान, दर्शन और पूजन करने से मृत्यु का भय समाप्त होता है और व्यक्ति को लंबी आयु प्राप्त होती है. यही नहीं, इस कुंड की महिमा इतनी ज्यादा है कि यहां स्नान करने वाले श्रद्धालुओं को ब्रह्मलोक की प्राप्ति होती है और मृत्यु के बाद उन्हें मोक्ष मिल जाता है।

स्नान करने से मिलती है भोलेनाथ की कृपा

संभल के प्रसिद्ध कल्कि मंदिर के पुजारी महेंद्र शर्मा बताते हैं कि महामृत्युंजय कुंड केवल एक धार्मिक स्थल नहीं, बल्कि यह एक आध्यात्मिक अनुभव है. उन्होने बताया कि इस कुंड में स्नान करने से भक्तों को आत्मिक शांति मिलती है। यह कुंड भगवान शिव की विशेष कृपा से बना माना जाता है. यहां स्नान करने से भगवान शिव की कृपा प्राप्त होती है, जो हर प्रकार के भय और कष्ट को समाप्त कर देती है।

अकाल मृत्यु के भय से छुटकारा

पुजारी महेंद्र शर्मा के अनुसार, संभल में स्थित महामृत्युंजय कूप में स्नान करने से ना सिर्फ मौत का डर खत्म होता है, बल्कि व्यक्ति की आयु भी बढ़ती है. जिन लोगों को मृत्यु की चिंता या अकाल मृत्यु का डर होता है, उनके लिए यह स्थान एक वरदान के समान है. इस कुंड में स्नान करने से व्यक्ति का मन शांत होता है और उसे एक नई ऊर्जा मिलती है।

धीरे-धीरे खत्म हो रहा है अस्तित्व

महामृत्युंजय कुंड की धार्मिक और ऐतिहासिक मान्यता जितनी गहरी है, उतनी ही चिंताजनक है इसका वर्तमान हाल. समय के साथ-साथ लोग इस पवित्र कुंड को भूलते जा रहे हैं. धीरे-धीरे इसका अस्तित्व खतरे में पड़ता जा रहा है. यह जरूरी है कि लोग इसकी धार्मिक और सांस्कृतिक महत्व को समझें और इसे सुरक्षित रखने की पहल करें।

टोरंटो फिल्म फेस्टिवल में प्रदर्शित होगी हुमा की ‘बयान’

हुमा कुरैशी की फिल्म ‘बयान’ अपनी रिलीज से पहले ही सुर्खियों में छा गई है। अब हुमा कुरैशी की फिल्म का वर्ल्ड प्रीमियर टोरंटो इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल में होगा। ‘बयान’ को डिस्कवरी सेक्शन में चुना गया है। इस कैटेगरी में चुनी गई हुमा कुरैशी की ‘बयान’ इकलौती भारतीय फिल्म है। टोरंटो इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल में ‘बयान’ का वर्ल्ड प्रीमियर सितंबर के महीने में होगा।

विकास रंजन मिश्रा ने किया है निर्देशन

हुमा कुरैशी स्टारर ‘बयान’ एक पुलिस थ्रिलर फिल्म है। इस फिल्म का निर्देशन विकास रंजन मिश्रा ने किया है, जो इससे पहले ‘चौरंगा’ लिए जाने जाते हैं। हुमा कुरैशी इस फिल्म में एग्जीक्यूटिव प्रोड्यूसर के रूप में भी जुड़ी हुई हैं।

फिल्म में ये कलाकार भी आएंगे नजर

हुमा कुरैशी के अलावा फिल्म में चंद्रचूड़ सिंह, सचिन खेडेकर, परितोष, अविजीत दत्त, विभोर मयंक, संपा मंडल, स्वाति दास, अदिति कंचन सिंह और पेरी छाबड़ा भी प्रमुख भूमिकाओं में नजर आएंगे। फिल्म को लेकर निर्देशक विकास रंजन मिश्रा का कहना है कि ‘बयान’ एक समकालीन भारत की खूबसूरत झलक दिखाती है। जहां सत्ता और जेंडर जटिल और अक्सर अदृश्य तरीकों से एक-दूसरे से टकराते हैं।

लंबे वक्त से ऐसे किरदार की तलाश में थीं हुमा

फिल्म को लेकर हुमा कुरैशी का कहना है कि ‘बयान’ पावर, आस्था और सिस्टम की मिलीभगत के बीच फंसी एक महिला की मजबूत कहानी है। जिसे उस व्यवस्था का सामना करना होगा जो उसे चुप कराने के लिए बनाई गई है। अपने किरदार को लेकर अभिनेत्री का कहना है कि ‘बयान’ ने मुझे उस तरह का किरदार निभाने का मौका दिया, जो मैं लंबे वक्त से करना चाह रही थी। न्याय व्यवस्था के भीतर एक ऐसी महिला जो खुद से कहीं बड़ी ताकतों के खिलाफ है।

ऋचा और फजल बने 'सीक्रेट ऑफ माउंटेन सर्पेंट' के निर्माता वेनिस फिल्म फेस्टिवल 2025 में होगा वर्ल्ड प्रीमियर

ऋचा चड्ढा और अली फजल बॉलीवुड के बेहतरीन कपल हैं। दोनों ने फिल्म 'फुकरे' में साथ में काम किया है। अब दोनों निर्माता के तौर पर अपना करियर शुरू कर चुके हैं। वह अपने प्रोडक्शन बैनर 'पुशिंग बटन स्टूडियोज' के तहत फिल्म 'सीक्रेट ऑफ माउंटेन सर्पेंट' का प्रोडक्शन कर रहे हैं। वैराइटी के मुताबिक इस फिल्म का वर्ल्ड प्रीमियर वेनिस फिल्म फेस्टिवल 2025 में होने वाला है।

फिल्म 'सीक्रेट ऑफ माउंटेन सर्पेंट' का निर्देशन निधि सक्सेना ने किया है। इससे पहले सक्सेना ने 'सैड लेटर्स ऑफ एन इमेजिनरी वुमन' का निर्देशन किया था। इस फिल्म का बुसान इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल 2024 में वर्ल्ड प्रीमियर हुआ था।

क्या फिल्म की कहानी?

'सीक्रेट ऑफ माउंटेन सर्पेंट' में 1990 के दशक के दौर के एक पहाड़ी टाउन के बारे में दिखाया गया है। फिल्म में एक ऐसी स्कूल टीचर की कहानी दिखाई गई है, जिसके पति सरहद पर तैनात हैं। फिल्म में दिखाया गया है कि इस कस्बे से ज्यादातर पुरुष बाहर हैं। ऐसे में वह एक पड़ोसी के प्रति आकर्षित हो जाती है। फिल्म की कहानी इसी के आस-पास घूमती है।

चड्ढा और फजल ने की निर्देशक की तारीफ

अली फजल और ऋचा चड्ढा ने कहा 'निधि सक्सेना ने अपने काम से हमें प्रभावित किया। यह मिथक पर आधारित एक कहानी है, हालांकि यह आज के दौर में भी प्रासंगिक है। हम उन कहानीकारों का सपोर्ट करते हैं जो रचनात्मक जोखिम उठाते हैं। निधि ने इसी तरह की अनोखी और काव्यात्मक रचना की है।'बताया जाता है कि फिल्म का निर्माण पूरा हो चुका है। जल्द ही इसका प्रीमियर वेनिस फिल्म फेस्टिवल में होगा।

चड्ढा और फजल पहले भी कर चुके हैं प्रोडक्शन

ऋचा और अली फजल के प्रोडक्शन हाउस 'पुशिंग बटन स्टूडियोज' ने 'गर्ल्स विल बी गर्ल्स' का भी प्रोडक्शन किया था। इस फिल्म ने पिछले साल सनडांस फिल्म फेस्टिवल में दो पुरस्कार अपने नाम किए थे। इस फिल्म का निर्देशन शुचि तलाती ने किया था। फिल्म में प्रीति पाणिग्रही और कनी कुश्रुति अहम किरदार में थीं।

बिग बी और आमिर पर लगा लाखों का जुर्माना जानिए क्या है 'केजीएफ बाबू' से कनेक्शन ?

महंगी-महंगी गाड़ियों से चलने वाले बॉलीवुड के महानायक अमिताभ बच्चन और मिस्टर परफेक्शनिस्ट आमिर खान पर कर्नाटक के आरटीओ ने जुर्माना लगाया है। जी हां, सही सुना आपने। इन दोनों स्टार्स ने रोड टैक्स नहीं भरा है, जिस कारण दोनों का नाम आरटीओ के जुर्माना वाले नोटिस में नजर आ रहा है। जानिए क्या है पूरा मामला और कौन हैं केजीएफ बाबू।

अमिताभ और आमिर के नाम पर ही रजिस्टर हैं गाड़ियां

दरअसल, कर्नाटक के आरटीओ में दो रॉल्स रॉयस पर रोड टैक्स का भुगतान न करने के कारण लाखों का जुर्माना चढ़ा हुआ है। ये दोनों ही गाड़ियां अमिताभ बच्चन और आमिर खान जैसे स्टार्स के नाम पर हैं। हालांकि, मौजूदा वक्त में ये दोनों ही गाड़ियां अमिताभ या आमिर खान के पास नहीं हैं। बल्कि बेंगलुरु के व्यवसायी और राजनेता यूसुफ शरीफ उर्फ 'केजीएफ बाबू' इन गाड़ियों के मौजूदा मालिक हैं। ये जुर्माना भी केजीएफ बाबू पर ही लगा है। यूसुफ शरीफ पर अब कर्नाटक में स्थानीय रोड टैक्स चुकाए बिना लग्जरी गाड़ियां चलाने के लिए कुल 38.26 लाख रुपये का जुर्माना लगाया गया है। इनमें एक रॉल्स रॉयस फैंटम है, जो कभी बिग बी की थी और दूसरी रॉल्स रॉयस घोस्ट है, जो पहले आमिर खान की थी। ये दोनों कारें अभी भी महाराष्ट्र में आधिकारिक तौर पर दोनों सुपरस्टार्स के नाम से ही रजिस्टर हैं। हालांकि, अब दोनों में से किसी के पास भी ये गाड़ियां नहीं हैं।

इसलिए लगा जुर्माना

परिवहन अधिकारियों ने जानकारी दी कि फैंटम 2021 से और घोस्ट 2023 से बेंगलुरु की सड़कों पर दिखाई दे रही है। कर्नाटक कानून के अनुसार, राज्य में एक वर्ष से अधिक समय से उपयोग किए जा रहे वाहनों का स्थानीय स्तर पर फिर से रजिस्टर कराना और उसके अनुसार टैक्स लगाना जरूरी है। लेकिन इन दोनों ही गाड़ियों ने ऐसा नहीं किया है और दोनों का टाइम भी पूरा हो चुका है। इसलिए आरटीओ ने फैंटम पर 18.53 लाख रुपये और घोस्ट पर 19.73 लाख रुपये का जुर्माना लगाया है।

नहीं हुआ गाड़ियों का ट्रांसफर

दिलचस्प बात यह है कि दोनों गाड़ियों का मालिकाना हक तो बदल गया है, लेकिन कागजी कार्रवाई नहीं बदली है। इसलिए दोनों गाड़ियां अभी भी बॉलीवुड स्टार्स के ही नाम पर रजिस्टर हैं। यूसुफ शरीफ उर्फ ‘केजीएफ बाबू’ ने कभी भी गाड़ियों को अपने नाम पर ट्रांसफर ही नहीं करवाया। आरटीओ के अधिकारियों ने इस बात की जानकारी दी कि दोनों ही गाड़ियों को लगातार उपयोग किया जा रहा है। लेकिन डॉक्यूमेंट्स के आधार पर दोनों ही गाड़ियां अभी भी अमिताभ बच्चन और आमिर खान

पवन कल्याण की ‘हरि हर वीर मल्लु’ देख दर्शक हुए निराश, बोले- ‘कहानी और एक्टिंग सब बकवास’

साउथ स्टार पवन कल्याण की काफी दिनों से अटकी फिल्म ‘हरि हर वीर मल्लु’ अंततः आज रिलीज हो गई है। इस फिल्म का दर्शक पिछले काफी वक्त से इंतजार कर रहे थे। इसीलिए जैसे ही फिल्म रिलीज हुई लोग देखने पहुंच गए। अब ‘हरि हर वीर मल्लु’ देखकर लौटे लोग फिल्म को लेकर अपनी प्रतिक्रियाएं दे रहे हैं। जानते हैं फिल्म को लेकर लोगों ने एक्स पर दीं कैसी प्रतिक्रियाएं।

पवन कल्याण को पैन इंडिया स्टार बनाने से चूकी फिल्म

पवन कल्याण की ‘हरि हर वीर मल्लु’ को लेकर यूजर्स की अलग-अलग प्रतिक्रियाएं सामने आ रही हैं। पवन कल्याण के फैंस जहां फिल्म की तारीफ कर रहे हैं, तो वहीं कई यूजर्स फिल्म से काफी निराश होकर लौटे हैं। एक यूजर ने फिल्म को निराशाजनक बताते हुए लिखा, ‘हरि हर वीर मल्लु पवन कल्याण को एक पैन इंडिया स्टार बनाने से चूक जाती है। फिल्म का वीएफएक्स ट्रेलर से भी ज्यादा खराब है। जबकि पवन कल्याण को देखकर ऐसा लगता है जैसे उनका मन ही न हो एक्टिंग करने का।’

वीएफएक्स को लोगों ने बताया बकवास

एक और यूजर ने फिल्म को बेकार बताते हुए इसके वीएफएक्स की भी जमकर आलोचना की है। जबकि एक यूजर ने कहा कि निर्देशक ने इतिहास को कल्पना के साथ मिलाने की कोशिश की, लेकिन पूरी तरह नाकाम रहे। यूजर ने फिल्म को थका देने वाला बताया, साथ ही वीएफएक्स को बिल्कुल बर्बाद बताया। कई यूजर्स वीएफएक्स से काफी निराश लगे। जबकि फिल्म की कहानी भी उन्हें पसंद नहीं आई। कई लोगों ने फिल्म को डिजास्टर और बकवास करार दिया है।

पवन कल्याण के फैंस ने की तारीफ

हालांकि, कुछ एक फैंस ने ‘हरि हर वीर मल्लु’ की तारीफ भी की है। एक यूजर ने फिल्म को देखने के अपने अनुभव को शानदार बताया। पवन कल्याण की भी तारीफ भी। जबकि कुछ एक अन्य पवन कल्याण के फैंस को फिल्म पसंद आई है।

मुगलों से मुकाबला करता है वीरा मल्लु

‘हरि हर वीर मल्लु’ में पवन कल्याण वीरा मल्लु की भूमिका निभा रहे हैं, जो एक डाकू है जिसे मुगलों से कोहिनूर हीरा चुराने का काम सौंपा जाता है। जबकि फिल्म में अभिनेता बॉबी देओल औरंगजेब की भूमिका में नजर आए हैं। फिल्म में निधि अग्रवाल भी अहम भूमिका में हैं।

अलग तरह का काम करना चाहते हैं रणदीप हुड्डा अगली फिल्म को लेकर दी खास जानकारी

बॉलीवुड अभिनेता रणदीप हुड्डा अपनी अलग तरह की अदाकारी के लिए जाने जाते हैं। हाल ही में फिल्म 'जाट' में नजर आने वाले अभिनेता रणदीप हुड्डा ने इस बात का इजहार किया है कि वह ऐसी फिल्म करना चहते हैं जो उनके पेट में आग लगा दे, जिससे उनकी काम करने की इच्छा जाग जाए।

अगली फिल्म करने को लेकर पेट में जलती है आग

अभिनेता ने हाल ही में अपनी अपकमिंग फिल्मों के बारे में बताया। उनके मुताबिक उनकी कुछ फिल्मों पर काम हो रहा है। एएनआई से बात करते हुए रणदीप हुड्डा ने कहा 'हम इस वक्त ऐसी जगह पर हैं, जहां पर हमें चुनना है। और यही वह चीज है, जो मेरे पेट में अगली फिल्म करने की आग बढ़ाती है।'

ऑपरेशन खुकरी में नजर आएंगे रणदीप

आपको बता दें कि रणदीप हुड्डा इन दिनों अपनी अपकमिंग फिल्म 'ऑपरेशन खुकरी' में काम कर रहे हैं। यह फिल्म असली घटना पर आधारित है। साल 2000 में 233 भारतीय सैनिकों को बंधक बना लिया गया था। इन लोगों को 'ऑपरेशन खुकरी' के तहत बचाया गया था। यह बहुत जोखिम भरा अभियान था।

फिल्म में रणदीप हुड्डा मेजर जेनेरल पाल पुनिया के किरदार में नजर आएंगे। पाल पुनिया 14वीं मैकेनाइज्ड इन्फेंट्री के कमांडर थे। उन्होंने इस अभियान में समझौता कराने में अहम किरदार निभाया था।

इस साल के शुरुआत में, रणदीप हुड्डा और राहुल मित्रा फिल्म्स ने इस घटना पर फिल्म बनाने के लिए अधिकार हासिल किए थे।

इससे पहले रणदीप हुड्डा सनी देओल की फिल्म 'जाट' में नजर आए थे। फिल्म में उनकी अदाकारी की खूब तारीफ हुई थी। यह फिल्म हिट रही थी। फिल्म में दिखाया गया था कि दक्षिण भारत में एक अपराधी अपना साम्राज्य फैला देता है। आखिर में एक नायक इस साम्राज्य को चंद घंटों में मिटा देता है।

रणदीप जल्द ही अभिनेता जॉन सीना के साथ एक्शन-थ्रिलर फिल्म 'मैचबॉक्स' में नजर आएंगे। यह फिल्म बचपन के दोस्तों के एक ग्रुप की कहानी दिखाएगी। यह लोग दुनिया को एक बड़ी तबाही से रोकेंगे।

इंडस्ट्री में भेदभाव पर बोलीं नुसरत भरूचा

कहा- 'पांच मिनट वॉशरूम इस्तेमाल करने के लिए लेती थी इजाजत

कई अभिनेत्रियों ने बॉलीवुड इंडस्ट्री में सैलरी और सुविधाओं को लेकर भेदभाव पर बात की है। अब नुसरत भरूचा ने भी इस पर अपनी राय रखी है। उन्होंने हाल ही में कहा है कि बॉलीवुड इंडस्ट्री में महिलाओं के साथ अलग ही व्यवहार होता है। उनका कहना है कि पुरुषों के लिए सेट पर अच्छा वॉशरूम सेट से लेकर अच्छी वैनिटी वैन होती है। हालांकि महिलाओं के लिए सुविधाओं में कमी रहती है।

जितने विकल्प हीरो को मिलते हैं हमें नहीं मिलते

नुसरत ने हाल ही में एक बातचीत में बताया है 'जैसे ही बंदा हिट देता, वह इनसाइडर हो या आउटसाइडर इससे फर्क नहीं पड़ता है। उसे तुरंत पांच फिल्में मिल जाएंगी। हालांकि महिलाओं कों संघर्ष करते रहना पड़ता है। मैं 'प्यार का पंचनामा (2011)' से यह बात बोलती आ रही हूं। बस, आपको मौके की जरूरत होती है। जितने ऑप्शंस हीरो को मिल जाते हैं। उतने हमें नहीं मिलते।'

वॉशरूम इस्तेमाल करने के लिए लेती थी इजाजत

नुसरत ने कहा 'एक वक्त था जब मैं पूछती थी कि क्या पांच मिनट के लिए हीरो की वैनिटी इस्तेमाल कर सकती हूं? वह यहां नहीं है क्या मैं वाशरुम इस्तेमाल कर लू? हालांकि मैं उस वक्त शिकायत नहीं करती थी। मैं खुद से कहती थी कि मैं खुद को ऐसी जगह लाउंगी जहां चीजें अपने आप मिलें।'

बिजनेस क्लास में चलती हैं नुसरत

नुसरत भरूचा ने बताया कि एक बार उन्हें फिल्म में छोटा रोल मिला था। उनके साथी अभिनेता को बिजनेस क्लास की टिकट मिली लेकिन उन्हें इकोनॉमी क्लास की।

उनके साथियों ने उन्हें बिजनेस क्लास में बैठने के लिए कहा लेकिन वह नहीं आईं। आज वह बिजनेस क्लास में ही सफर करती हैं।

नुसरत भरूचा का काम

हाल ही में नुसरत भरूचा फिल्म 'छोटी 2' में नजर आई थीं। फिल्म में उनके साथ सोहा अली खान भी थीं। इसके निर्देशक विशाल फुरिया थे।

इसके निर्माता भूषण कुमार और कृष्ण कुमार थे। फिल्म को अमेजन प्राइम वीडियो पर रिलीज किया गया था। नुसरत भरूचा 'एलएसडी' और 'ड्रीम गर्ल' जैसी फिल्मों मे नजर आ चुकी हैं।

कास्टिंग काउच का शिकार हुईं जॉनी लीवर की बेटी बोलीं- 'डरावना था अनुभव', खुद को इस तरह बचाया

कई बॉलीवुड अभिनेत्रियों ने बताया है कि फिल्म इंडस्ट्री में काम करना आसान नहीं है। कई कलाकारों को अक्सर अपनी राह में कई बाधाओं का सामना करना पड़ता है। इसमें सबसे बड़ी बाधा है कास्टिंग काउच। हाल ही में जॉनी लीवर की बेटी जेमी ने बताया कि एक बार काम देने के नाम पर उनके साथ बड़ा घोटाला होने वाला था। इस अनुभव से वह डर गई थीं।

जेमी अपने काम खुद ही करती थीं

उन्होंने लोगों से कास्टिंग काउच के अनुभव सुने थे, लेकिन उनका मानना था कि इंडस्ट्री में उनके पिता का होना उनके लिए राहत की बात थी। जेमी के मुताबिक करियर के शुरुआती दौर में, उनका कोई मैनेजर नहीं था और वह खुद ही अपने काम करती थीं। एक बार उनके पास एक ऐसे शख्स का फोन आया जो उन्हें एक बड़े प्रोजेक्ट में कास्ट करने का नाटक कर रहा था। जेमी ने जूम से बातचीत में बताया कि 'उन्होंने पूछा कि क्या मैं ऑडिशन देना चाहूंगी। ऐसे मौके हमारे लिए बहुत बड़ी बात होते हैं, इसलिए मैंने हां कह दिया।'

जेमी ने वीडियो कॉल पर ऑडिशन दिया

ऑडिशन वीडियो कॉल पर होगा जहां वह निर्देशक से बात करेंगी। जेमी ने बताया 'उन्होंने कहा कि हम स्क्रिप्ट नहीं देंगे।' इसके बाद उन्हें मीटिंग का एक लिंक मिला। जैसे ही जेमी ने लिंक पर क्लिक किया, उनका वीडियो चालू हो गया। हालांकि दूसरी तरफ बैठे शख्स ने अपना वीडियो नहीं दिखाया। उसने कहा 'मैं सफर कर रहा हूं इसलिए मैं अपना वीडियो चालू नहीं कर सकता, लेकिन यह एक अंतर्राष्ट्रीय फिल्म है जिसके लिए हम कास्टिंग कर रहे हैं और आप इस भूमिका में अच्छी तरह से फिट बैठती हैं।'

जेमी से कपड़े उतारने को कहा गया

वह एक बोल्ड किरदार के लिए ऑडिशन दे रही हैं। ऐसे में उन्हें वीडियो कॉल पर ऐसी एक्टिंग करनी है जैसे वह किसी 50 साल के शख्स को इम्प्रेस कर रही हैं। इस दौरान जैमी से कपड़े उतारने के लिए भी कहा गया। इस पर जेमी ने कहा अगर कोई स्क्रिप्ट होगी तो वह उसके हिसाब से काम करेंगी। ऐसे में दूसरी तरफ से कहा गया 'कोई स्क्रिप्ट नहीं है। अगर आप कुछ कहना चाहती हैं या कुछ और करना चाहती हैं, तो बेझिझक करें।'

जेमी ने बात करने में असहज महसूस किया

इस तरह की बातें सुनकर जेमी के होश उड़ गए। उन्होंने कहा कि वह ऐसा करने में सहज नहीं हैं। इस पर दूसरी तरफ से कहा गया 'यह एक बहुत बड़ा प्रोजेक्ट है और हम वाकई तुम्हें कास्ट करना चाहते हैं, यह तुम्हारे लिए एक बड़ा मौका है।' इसके बाद जेमी ने उनसे कहा कि वह इस वक्त उनसे बात करने में सहज नहीं हैं। इसके बाद उन्हेंने वीडियो बंद कर दिया।

इस अनुभव से जेमी डर गई थीं

बाद में जेमी को एहसास हुआ कि उनके साथ धोखा हो सकता था। अगर मैं उनके सामने कुछ करती तो वह मेरा वीडियो बना लेते और मुझे परेशान कर सकते थे। इस अनुभव ने उन्हें डरा दिया था। इससे पहले उन्होंने मुंबई में ऐसा कुछ नहीं देखा था।

कौन हैं 'सैयारा' के हीरो-हीरोइन अहान पांडे-अनीत पड्डा?

18 जुलाई को सिनेमाघरों में मोहित सूरी की फिल्म 'सैयारा' रिलीज हुई। इस फिल्म से अहान पांडे और अनीत पड्डा ने बॉलीवुड में डेब्यू किया है। दोनों की जबरदस्त अदाकारी की वजह से फिल्म काफी कामयाब हुई। फिल्म बॉक्स ऑफिस पर कई रिकॉर्ड तोड़ रही है। ऐसे में आइए जानते हैं दोनों ने कहां तक पढ़ाई की है।

कौन हैं अहान पांडे?

अहान पांडे कारोबारी चिक्की पांडे के बेटे हैं। उनकी मां फिटनेस कारोबारी हैं। वह अभिनेत्री अनन्या पांडे के कजिन हैं। अहान ने अपनी शुरुआती पढ़ाई मुंबई के ओबेरॉय इंटरनेशनल स्कूल से की है। स्कूल के दिनों में ही अहान एक्टिंग करते थे। वह स्कूल में होने वाले नाटकों में हिस्सा लेते थे।

अहान पांडे की पढ़ाई और काम

शुरुआती पढ़ाई पूरी होने के बाद अहान पांडे का एडमिशन मुंबई यूनिवर्सिटी में हुआ। यहां से उन्होंने फाइन आर्ट्स और सिनेमैटिक आर्ट्स में डिग्री हासिल की। उन्होंने पढ़ाई के दौरान स्क्रिप्ट राइटिंग, डायरेक्टिंग, एडिटिंग और पोस्ट-प्रोडक्शन पर ध्यान दिया। पढ़ाई पूरी होने के बाद अहान ने कई फिल्मों और सीरीज में बतौर असिस्टेंड डायरेक्टर काम किया। उन्होंने फिल्म मर्दानी 2, फ्रिकी अली, रॉक ऑन 2 और सीरीज द रेलवे मैन में काम किया। ये सब होने के साथ अहान डांसर भी हैं।

कौन हैं अनीत पड्डा?

अनीत पड्डा साल 2002 में अमृतसर में पैदा हुईं। उनके पिता एक कारोबारी थे। मां एक अध्यापिका थीं। अनीत ने शुरुआती पढ़ाई स्प्रिंग डेल सीनियर स्कूल अमृतसर से की। इसके बाद उन्होंने दिल्ली यूनिवर्सिटी के जेसस एंड मैरी कॉलेज से ह्यूमैनिटीज में बैचलर डिग्री ली।

अनीत की पढ़ाई और काम

कॉलेज के दिनों में ही अनीत ने मॉडलिंग शुरू की। इसी दौरान उन्होंने चंडीगढ़ में एक टेक्सटाइल विज्ञापन में काम किया। यहां उन पर लोगों की नजर पड़ी। अभिनेत्री बनने का सपना दिल में पाले अनीत पड्डा पढ़ाई के दिनों मुंबई में ऑडिशन देने जाया करती थीं। अनीत ने भारतीय शास्त्रीय संगीत की भी शिक्षा ली है। वह 13 साल की थीं तब से कविताएं लिखती हैं। 'सैयारा' में काम करने से पहले अनीत ने साल 2022 में 'सलाम वेंकी' में एक छोटा रोल किया था। इसके अलावा साल 2024 में वेब सीरीज 'बिग गर्ल्स डोन्ट क्राई' में भी काम किया। इसी साल उनका पहला गाना मासूम रिलीज हुआ।

'सैयारा' के बारे में

फिल्म 'सैयारा' एक रोमांटिक फिल्म है। अहान पांडे ने इसमें क्रिश कपूर और अनीत ने वाणी बत्रा का किरदार निभाया है। फिल्म में अहान एक म्यूजिशियन हैं तो वहीं अनीत एक पत्रकार हैं। फिल्म में प्यार के साथ करियर और संघर्ष दिखाया गया है। पहले दिन 21 करोड़ रुपये से बॉक्स ऑफिस पर खाता खोलने वाली फिल्म ने अब तक 161.05 करोड़ रुपये का कारोबार कर लिया है।

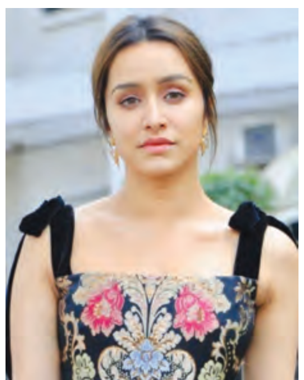

श्रद्धा कपूर बोलीं- 'सैयारा' से आशिकी हो गई मुझे

अहान पांडे और अनीत पड्डा स्टारर फिल्म 'सैयारा' 18 जुलाई को सिनेमाघरों मे रिलीज हुई है। मोहित सूरी के डायरेक्शन में बनी इस फिल्म में रोमांटिक-ड्रामा भरपूर देखने को मिल रहा है। कई लोगों ने तो फिल्म देखने के बाद सोशल मीडिया पर इसकी 'आशिकी 2' से तुलना की। इसी बीच अब आशिकी गर्ल श्रद्धा कपूर ने भी फिल्म को देखा और अपनी प्रतिक्रिया उस पर दी। श्रद्धा कपूर ने क्या कुछ कहा, चलिए आपको बताते हैं।

श्रद्धा कपूर ने 'सैयारा' पर दिया रिएक्शन

अभिनेत्री ने फिल्म की जमकर तारीफ की है। उन्होंने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी में 'सैयारा' देखते हुए दो तस्वीरें शेयर की हैं। एक तस्वीर में श्रद्धा ने लिखा है- सैयारा से आशिकी हो गई है मुझे। इसके बाद उन्होंने मूवी के एक सीन का स्क्रीनशॉट शेयर करते हुए लिखा- इस मोमेंट के लिए मैं 5 बार फिल्म देखूंगी। इसके अलावा श्रद्धा ने कहा- प्योर सिनेमा, प्योर ड्रामा, प्योर मैजिक। उन्होंने अपने फैंस को ये भी बताया कि किसी भी फिल्म को देखने के बाद उन्होंने बहुत समय के बाद इमोशनल फील किया है।

जमानत रद्द करने की कर्नाटक सरकार की याचिका पर एससी ने फैसला सुरक्षित रखा

सुप्रीम कोर्ट ने आज रेणुकास्वामी मर्डर केस में कन्नड़ एक्टर दर्शन थुगुदीपा और छह अन्य को जमानत देने के कर्नाटक उच्च न्यायालय के फैसले पर नाराजगी जताई है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि यह विवेकाधीन शक्ति का गलत इस्तेमाल है। रेणुकास्वामी हत्याकांड मामले में अभिनेता दर्शन की जमानत रद्द करने की कर्नाटक सरकार की याचिका पर सुप्रीम कोर्ट ने फैसला सुरक्षित रखा है।

सुप्रीम कोर्ट ने सुनीं दलीलें

न्यायमूर्ति जे बी पारदीवाला और न्यायमूर्ति आर महादेवन की पीठ ने अभिनेता और अन्य आरोपियों को जमानत देने के उच्च न्यायालय के 13 दिसंबर, 2024 के आदेश के खिलाफ कर्नाटक सरकार की अपील पर फैसला सुरक्षित रख लिया। शीर्ष अदालत ने राज्य सरकार की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता सिद्धार्थ लूथरा और मामले में आरोपियों का प्रतिनिधित्व कर रहे सिद्धार्थ दवे और अन्य की दलीलें सुनीं।

रश्मिका मंदाना ने 'एनिमल' स्टार रणबीर के साथ सेल्फी के पीछे की बताई कहानी

रश्मिका मंदाना ने 2022 में बॉलीवुड में फिल्म 'गुडबाय' से डेब्यू किया। 2023 में रश्मिका निर्देशक संदीप रेड्डी वांगा की फिल्म 'एनिमल' में रणबीर कपूर और तृप्ति डिमरी के साथ नजर आईं। इस फिल्म को दर्शकों की मिली-जुली प्रतिक्रियाएं मिली, लेकिन रश्मिका और रणबीर की जोड़ी को दर्शकों ने खूब पसंद किया।

एनिमल के सेट की आखिरी सेल्फी

रश्मिका ने बताया कि फिल्म 'एनिमल' के आखिरी दिन उन्होंने रणबीर कपूर से कहा, 'हमें एक तस्वीर लेनी चाहिए, क्योंकि वह आमतौर पर सेट पर फोटो नहीं खींचतीं।' उन्होंने आगे कहा, रणबीर बहुत दयालु और सहयोगी हैं। वह मेरे लिए एक अच्छे दोस्त हैं। उस सेल्फी में रश्मिका ने नीला कुर्ता पहना था, जबकि रणबीर लंबे बाल और दाढ़ी वाले लुक में थे।

एनिमल पार्क के बारे में

मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, रश्मिका मंदाना और रणबीर कपूर जल्द ही फिल्म एनिमल के दूसरे भाग 'एनिमल पार्क' में साथ नजर आएंगे। इस फिल्म की शूटिंग 2026 में शुरू होगी। यह फिल्म पहले भाग से कहीं और ज्यादा दमदार होगी। बहरहाल, फिल्म को लेकर अभी तक कोई आधिकारिक घोषणा नहीं की गई है।

रश्मिका और रणबीर का वर्कफ्रंट

रश्मिका मंदाना फिल्म 'द गर्लफ्रेंड' में नजर आने वाली हैं। इस फिल्म के अलावा रश्मिका फिल्म 'थामा' में नजर आएंगी। इस फिल्म में रश्मिका के साथ आयुष्मान खुराना नजर आएंगे। वहीं रणबीर कपूर निर्देशक संजय लीला भंसाली की फिल्म 'लव एंड वॉर' में नजर आएंगे। इस फिल्म में रणबीर के साथ आलिया भट्ट और विक्की कौशल मुख्य भूमिका में होंगे। इस फिल्म के अलावा रणबीर फिल्म 'रामायण' में नजर आएंगे। इस फिल्म में रणबीर कपूर- भगवान राम, साई पल्लवी- माता सीता, सनी देओल- हनुमान और साउथ एक्टर यश- रावण की भूमिका में नजर आएंगे।

आमिर खान 'मेलबर्न फिल्म फेस्टिवल' में फहराएंगे तिरंगा

अगस्त में इंडियन फिल्म फेस्टिवल ऑफ मेलबर्न (आईएफएफएम) का आयोजन होने वाला है। सुपरस्टार आमिर खान इसमें बतौर मुख्य अतिथि शामिल होंगे। इस फेस्टिवल में वह भारतीय तिरंगा फहराएंगे। इस फेस्टिवल में आमिर खान की फिल्म 'सितारे जमीन पर' की स्पेशल स्क्रीनिंग निर्धारित है। महोत्सव में सिनेमा में आमिर खान के योगदान को एक स्पेशल सेक्शन के जरिए सम्मानित किया जाएगा।

फेस्टिवल में आमिर खान तिरंगा फहराएंगे

इस फेस्टिवल के डायरेक्टर मितु भौमिक लांगे ने बताया 'फिल्म फेस्टिवल में राष्ट्रीय ध्वज फहराना केवल औपचारिकता नहीं, बल्कि एक भावनात्मक और एकजुट करने वाला अनुभव है। विदेशी धरती पर तिरंगा लहराते देखना भारतीय और ऑस्ट्रेलियाई समुदाय के बीच फख्र का लम्हा होगा। आमिर खान के सिनेमाई नजरिए ने विश्व स्तर पर दर्शकों को प्रभावित किया है। वह इस पल का नेतृत्व करेंगे, जो हमारे लिए सम्मान की बात है।'

फेस्टिवल के डायरेक्टर उत्साहित हैं

फेस्टिवल के डायरेक्टर ने कहा 'प्रोग्राम में आमिर खान की मौजूदगी अहम है। उनके सिनेमा ने न केवल भारत में बल्कि दुनिया भर में फिल्म प्रेमियों पर गहरा असर डाला है। आइएफएफएम में हम जिन मूल्यों के लिए खड़े हैं, वे हैं समानता और विविधता में एकता। हम इस लम्हे के गवाह बनने के लिए सभी इलाकों से आए दर्शकों का स्वागत करने के लिए तैयार हैं।'

महोत्सव में फिल्म 'बदनाम बस्ती' की स्क्रीनिंग होगी

आपको बता दें विक्टोरिया सरकार द्वारा समर्थित आइएफएफएम, भारत के बाहर आयोजित होने वाला सबसे बड़ा भारतीय फिल्म महोत्सव है। यह सशक्त और विविध भारतीय कहानियों को प्रदर्शित करता है। इस महोत्सव में फिल्म निर्माता प्रेम कपूर की 1971 की फिल्म 'बदनाम बस्ती' दिखाई जाएगी। इस फिल्म को भारत की पहली समलैंगिक फिल्म बताया गया है।

पूरे महोत्सव में 75 फिल्में दिखाई जाएंगी इस साल आइएफएफएम में लगभग 75 फिल्में प्रदर्शित होंगी। यह फिल्में लिंग, नस्ल, कामुकता, विकलांगता और महिला प्रतिनिधित्व जैसे विषयों पर होंगी।

फिल्म फेस्टिवल ऑफ मेलबर्न 14 से 24 अगस्त तक चलेगा।

'डिप्रेशन ने मुझे बदल दिया', सुरवीन चावला ने बताया मेंटल हेल्थ में क्या करना चाहिए

सुरवीन चावला जल्द ही थ्रिलर सीरीज 'मंडला मर्डर्स' में नजर आएंगी। अभिनेत्री अपनी इस सीरीज को लेकर लगातार चर्चाओं में बनी हुई हैं। हाल ही में सुरवीन ने मेंटल हेल्थ, एक्टिंग करियर में आए उतार-चढ़ाव के अनुभव साझा किए।

डिप्रेशन से गुजर चुकी हैं सुरवीन

सुरवीन चावला ने बताया कि मैं खुद कुछ साल डिप्रेशन से गुजरी हूं। यह वक्त 2015 के आसपास का था, जब मेरी एक हिंदी फिल्म रिलीज हुई थी। मेरे लिए उस समय उस फिल्म को करना बहुत हिम्मत का काम था। उन्होंने कहा कि जब कलाकार के पास विकल्प नहीं होते, तो वो दौर भीतर से तोड़ सकता है। जब आप अपने काम को गंभीरता से लेते हैं, तो वहां तक पहुंचने में वक्त लगता है। उस समय ने मुझे अंदर से झकझोर दिया था। लेकिन उसी दौर ने मुझे बहुत कुछ सिखाया भी।

इंडस्ट्री की अनिश्चितता को लेकर एक्ट्रेस ने कहा कि कभी-कभी हमें किसी सवाल का जवाब नहीं मिलता। आप सोचते हो कि ये चीज तो काम कर रही थी, फिर ये क्यों नहीं चली? ये सवाल हर कलाकार के मन में आता है, क्योंकि ये इंडस्ट्री ही ऐसी है।

मेंटल हेल्थ पर अपनी बात रखते हुए सुरवीन ने कहा कि इसका एक मेडिकल पहलू है, जिस पर मैं कमेंट नहीं करूंगी। लेकिन ये जरूर कहूंगी कि किसी प्रोफेशनल से मदद लेना बहुत जरूरी है। जैसे बुखार होने पर आप डॉक्टर के पास जाते हैं, वैसे ही मेंटल हेल्थ में भी डॉक्टर के पास जाना चाहिए। इसका मतलब ये नहीं कि आप पागल हैं। उन्होंने आगे कहा कि कभी-कभी ये कैमिकल्स का खेल होता है, कभी इमोशन्स का। हर बात जाननी जरूरी नहीं होती। मदद लीजिए। सबसे जरूरी है बात कीजिए। चाहे आपकी दुनिया छोटी हो या बड़ी, लेकिन बात जरूर कीजिए। ये ऐसा ही है जैसे कहना कि मुझे बुखार है, मेरी तबीयत ठीक नहीं है। कम्युनिकेशन बहुत जरूरी है।

अपनी नई सीरीज 'मंडला मर्डर्स' को लेकर सुरवीन काफी उत्साहित हैं। अपने किरदार के बारे में बात करते हुए उन्होंने कहा कि मैंने इस किरदार के लिए तुरंत हां कह दिया था। वक्त नहीं लगा ये पूछने में कि क्या-क्या है इस किरदार में, एक कलाकार के तौर पर खोजने के लिए। हमारी गोपी सर (गोपी पुठरन) के साथ जो पहली मुलाकात हुई, वो ही शुरुआत और अंत थी। उनके पास कहानी सुनाने की ऐसी कला है कि वो आपको पूरी तरह उस दुनिया में डुबो देते हैं। उनकी बातों को सुनते-सुनते वो किरदार मेरी आंखों के सामने उतर आया। मैंने कहानी को कागज पर पढ़ा भी नहीं था, लेकिन सिर्फ सुनकर ही उससे इतनी जुड़ गई कि मुझे लगा कि मुझे ये करना ही है। किरदार बहुत ही दमदार और चुनौतीपूर्ण है। जब मुझे किसी काम में चुनौती नजर आती है, तो मैं उसमें पूरी तरह डूब जाती हूं।

25 जुलाई को रिलीज होगी 'मंडला मर्डर्स

'मंडला मर्डर्स' एक मर्डर मिस्ट्री सस्पेंस थ्रिलर सीरीज है। इसमें सुरवीन चावला के अलावा वाणी कपूर, वैभव राज गुप्ता और श्रिया पिलगांवकर भी प्रमुख भूमिकाओं में नजर आएंगे। ये सीरीज 25 जुलाई को नेटफ्लिक्स पर स्ट्रीम होगी।

मैंने खुद को हर पीढ़ी के साथ अपडेट किया : समीर

"संगीतकार ऐसी चीज है जिससे हर कोई जुड़ना चाहता है। हर किसी के दिल मे संगीत होता है। अगर किसी के पास संगीत के लिए दिल नहीं है तो फिर वह दिल नहीं पत्थर है।"

यह कहना है भारत के दिग्गज गीतकार समीर का। फिल्मी दुनिया में समीर अनजान, एक ऐसा नाम है जो किसी के लिए अनजान नहीं है। हिंदुस्तान में रहने वाले लोग उनके गीतों को सुनकर और गुनगुनाकर मोहब्बत का इजहार करते हैं। एक ऐसा गीतकार, जिसे यह कला विरासत में मिली, लेकिन उन्होंने अपने पिता की खींची गई लकीर से भी लंबी लाइन खींच दी। उनके नाम हिंदी सिनेमा में सर्वाधिक गीत लिखने का रिकॉर्ड दर्ज हैं। समीर अनजान ने बॉलीवुड के नेपोटिज्म, राजनीति और म्यूजिक इंडस्ट्री में अपने सफर की अनसुनी कहानियां सुनाईं।

लोगों को मेरा असली नाम पसंद नहीं आया तो अनजान बन गया

बनारस के शीतला पांडेय कैसे समीर अनजान बने इस पर कहते हैं कि मेरी पहली कविता बनारस के एक प्रमुख अखबार जयदेश में प्रकाशित हुई। उस वक्त में इस अखबार को उसके ऑफिस की दीवार पर लगाया जाता था। पहली बार जब कविता लगी तो लोगों ने कहा कि शीतला पांडेय तो किसी क्लर्क या किसी शिक्षक का नाम लगता है। इसके बाद में दो-तीन कविता घर के नाम राजन से लिखीं, उस पर भी कोई रिएक्शन नहीं आया। उस वक्त मैं समीर का एक नॉवेल पढ़ रहा था। मैंने विचार किया और अगली कविता इसी नाम से लिखकर दे दी। इस पर लोगों का जबरदस्त रिएक्शन देखने को मिला। इसी से मुझे पहचान भी मिली।

गीतकार समीर

पिता नहीं चाहते थे मैं गीतकार बनूं

बनारस छोड़कर मुंबई पहुंचने पर उन्होंने बताया कि पिताजी लाला जी पांडेय ने 17 साल के लंबे संघर्ष के बाद सफलता हासिल की थी। उन्होंने मुझे बोला था सबकुछ करना लेकिन गीतकार बनने की कोशिश मत करना। पढ़ाई के बाद मेरी सरकारी बैंक में जॉब भी लग गई। इस बीच मेरा शौक परवान चढ़ रहा था। मैं सोचने पर मजबूर हो गया कि मैं बैंक में क्या कर रहा हूं? फिर मैंने जॉब छोड़ दी। इसके बाद सीधे मुंबई के लिए निकल गया।

आखिर पिता ने ही सिखाईं बारीकियां

अनजान कहते हैं कि जब मैं मुंबई से अपने घर आया तो मां ने मेरी हालत देखकर पिताजी को मुंबई में खत लिखा कि बेटा मुंबई में बहुत संघर्ष कर रहा है। पिताजी को इसकी जानकारी नहीं थी। खोज खबर ली और कुछ रिश्तेदार मुझे उनके पास ले गए। उन्होंने मुझसे कई सवाल पूछे। वह समझ गए थे कि मैं मुंबई छोड़कर जाने वाला नही हूं। इसके बाद मुझे उन्होंने अपने पास रहने के लिए बुला लिया। उन्होंने संगीत लाइन की कई बारीकियों को सिखाया और समझाया। फिर कुछ दिन बाद एक ऐसा मोड़ आया कि पिताजी खुद बोले कि अब तुम तैयार हो जाओ, आकाश तुम्हारा है।

सर्वाधिक गीत लिखने का रिकॉर्ड

1983 से फिल्मों के गीत लिख रहे अनजान बताते हैं कि सबसे ज्यादा गीत लिखने का अवॉर्ड उनके नाम है। करीब 5 हजार गीत लिख चुका हूं। गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड में भी नाम दर्ज है। मोहम्मद रफी साहब को छोड़कर करीब-करीब सभी प्रमुख गायक-गायिकाएं मेरे लिखे गाने गा चुके हैं।

मैं आज फिल्मी दुनिया की चौथी पीढ़ी के साथ काम कर रहा हूं। हर पीढ़ी के हिसाब से मैं खुद को बदलते आया हूं। मैंने खुद को हर समय अपडेट किया। 'साजन', 'राजा हिंदुस्तानी', 'कुछ कुछ होता है', जैसी कई अहम फिल्मों के गीत मेरे लिए खास हैं।

'चीन में फैक्टरी और भारत में हायरिंग के दिन खत्म'

डोनाल्ड ट्रंप ने अमेरिकी टेक कंपनियों को दी ये नसीहत

नई दिल्ली, 24 जुलाई (एजेंसियां)। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने देश की प्रमुख टेक कंपनियों की आलोचन की है। उन्होंने चीन में फैक्ट्रियां स्थापित करने और भारत में कर्मचारियों की भर्ती करने पर कड़ा ऐतराज जताया है। साथ ही ट्रंप ने चेतावनी दी है कि उनके राष्ट्रपति कार्यकाल में वे दिन खत्म हो गए हैं। ट्रंप ने यह टिप्पणी बुधवार को एआई शिखर सम्मेलन में की। उन्होंने एआई से संबंधित तीन कार्यकारी आदेशों पर हस्ताक्षर किए। इसमें एआई के उपयोग के लिए व्हाइट हाउस की कार्य योजना भी शामिल थी।

अमेरिकी तकनीकी उद्योग ने किया देश के हितों के साथ समझौता

उन्होंने कहा कि बहुत लंबे समय तक अमेरिका का अधिकांश तकनीकी उद्योग कट्टरपंथी वैश्वीकरण का अनुसरण करता रहा। इसके कारण लाखों अमेरिकी अविश्वास और विश्वासघात महसूस करते रहे। कट्टरपंथी वैश्वीकरण का मतबल है कट्टरपंथी कि ये कंपनियां अमेरिकी हितों की बजाय अंतरराष्ट्रीय लाभ को प्राथमिकता देती रही हैं अमेरिकी राष्ट्रपति ने कहा कि हमारी कई बड़ी टेक कंपनियों ने चीन में अपनी फैक्ट्रियां बनाकर, भारत में श्रमिकों को नियुक्त करके और आयरलैंड में मुनाफे में कटौती करके अमेरिकी आजादी का फायदा उठाया है। इस सबसे बीच, वे अपने ही देश में अपने नागरिकों को बरगलाने और यहां तक की उन पर सेंसरशिप लगाने का काम भी कर रही हैं। राष्ट्रपति ट्रंप के कार्यकाल में,वे दिन अब गए।

प्रौद्योगिकी कंपनियों को देना होगा अमेरिका को प्राथमिकता

उन्होंने आगे कहा कि हमें अमेरिकी प्रौद्योगिकी कंपनियों की पूरी तरह से अमेरिका के लिए प्रतिबद्धता की जरूरत है। हम चाहते हैं कि आप अमेरिका को प्राथमिकता दें। आपको ऐसा करना ही होगा।

अनिल अंबानी से जुड़े 50 ठिकानों पर ईडी की छापेमारी 3000 करोड़ के यस बैंक ऋण धोखाधड़ी मामले में कार्रवाई

नई दिल्ली, 24 जुलाई (एजेंसियां)। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने गुरुवार को मुंबई में उद्योगपति अनिल अंबानी की कंपनियों से जुड़े कई स्थानों पर छापेमारी की। यह छापेमारी भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) द्वारा रिलायंस कम्युनिकेशंस और इसके प्रमोटर-निदेशक अनिल डी अंबानी को 'धोखाधड़ी' के रूप में वर्गीकृत किए जाने के कुछ ही दिनों बाद की गई है। हालांकि अनलि अंबानी के निजी आवास पर तलाशी अभियान नहीं चलाया गया, लेकिन दिल्ली और मुंबई से आई ईडी की टीमों ने उनके समूह की कुछ कंपनियों से जुड़े परिसरों का दौरा किया। यह जांच राग (रिलायंस अनिल अंबानी समूह) कंपनियों की ओर से कथित धन शोधन से संबंधित है। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने अनिल अंबानी समूह की कंपनियों और यस बैंक के खिलाफ 3,000 करोड़ रुपये के कथित बैंक ऋण धोखाधड़ी से जुड़े मामले में गुरुवार को छापेमारी की। सूत्रों के अनुसार, धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के तहत मुंबई और दिल्ली में 50 कंपनियों और लगभग 25 लोगों के 35 से अधिक परिसरों की तलाशी ली जा रही है।

2017 से 2019 के बीच का है ऋण धोखाधड़ी मामला

ईडी सूत्रों ने कहा कि वे 2017 और 2019 के बीच यस बैंक से लगभग 3,000 करोड़ रुपये के अवैध ऋण डायवर्जन के आरोपों की जांच कर रहे हैं। सूत्रों के अनुसार, ईडी को पता चला है कि ऋण दिए जाने से ठीक पहले यस बैंक के प्रमोटरों को उनके व्यवसाय में धन प्राप्त हुआ था। इसे देखते हुए एजेंसी रिश्वत और ऋण के इस गठजोड़ की जांच कर रही है। सूत्रों ने बताया कि संघीय एजेंसी रिलायंस अनिल अंबानी समूह की कंपनियों को यस बैंक की ओर से ऋण स्वीकृतियों में घोर उल्लंघनों के आरोपों की पड़ताल कर रही है।

इनपुट के आधार पर ईडी कार्रवाई

ईडी की कार्रवाई राष्ट्रीय आवास बैंक, भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी), राष्ट्रीय वित्तीय रिपोर्टिंग प्राधिकरण (एनएफआरए), बैंक ऑफ बड़ौदा और केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) की ओर से दर्ज दो एफआईआर सहित कई नियामक और वित्तीय निकायों से प्राप्त इनपुट पर आधारित है। रिपोर्ट्स के अनुसार अनिल अंबानी समूह से जुड़े वरिष्ठ व्यावसायिक अधिकारियों के यहां भी तलाशी ली जा रही है। ईडी का दावा है कि उसे सार्वजनिक धन की हेराफेरी की एक सुनियोजित योजना के सबूत मिले हैं। जांच से पता चलता है कि इस प्रक्रिया में बैंकों, शेयरधारकों, निवेशकों और सार्वजनिक संस्थानों सहित कई संस्थाओं को गुमराह किया गया या उनके साथ धोखाधड़ी की गई। खबरों के मुताबिक, ईडी की जांच 2017 से 2019 के दौरान यस बैंक से लिए गए 3,000 करोड़ रुपये के ऋणों के संदिग्ध अवैध डायवर्जन पर केंद्रित है।

शेयर बाजार गिरावट के साथ हुआ बंद; सेंसेक्स 542 अंक टूटा, निफ्टी 25100 से नीचे

नई दिल्ली, 24 जुलाई (एजेंसियां)।सकारात्मक शुरुआत के बावजूद, 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स अपनी गति को आगे नहीं बढ़ा सका और बाद में कारोबार में गिरावट दर्ज की गई। 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 542.47 अंक या 0.66 प्रतिशत गिरकर 82,184.17 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान यह 679.42 अंक या 0.82 प्रतिशत गिरकर 82,047.22 पर बंद हुआ। वहीं 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 157.80 अंक या 0.63 प्रतिशत गिरकर 25,062.10 पर बंद हुआ।

अमेरिकी डॉलर के मुकाबले रुपया 86.41 (अस्थायी) पर स्थिर रहा।

सेंसेक्स की कंपनियों का हाल?

सेंसेक्स की कंपनियों में ट्रेंट, टेक महिंद्रा, बजाज फिनसर्व, रिलायंस इंडस्ट्रीज, इंफोसिस, कोटक महिंद्रा बैंक, एचसीएल टेक्नोलॉजीज और एनटीपीसी सबसे ज्यादा पिछड़ने वाले शेयरों में शामिल रहे। हालांकि, इटर्नल, टाटा मोटर्स, सन फार्मा, टाटा स्टील और टाइटन के शेयरों में लाभ रहा। इंफोसिस के शेयरों में जून तिमाही के नतीजो के बाद एक प्रतिशत से अधिक की गिरावट आई।एशियाई बाजारों में दक्षिण कोरिया का कोस्पी, जापान का निक्केई 225 सूचकांक, शंघाई का एसएसई कम्पोजिट सूचकांक और हांगकांग का हैंगसेंग सकारात्मक दायरे में बंद हुए। यूरोपीय बाजार हरे निशान में बंद हुए। बुधवार को अमेरिकी बाजार बढ़त के साथ बंद हुए।

भारत-ब्रिटेन का व्यापार समझौता

भारत और ब्रिटेन ने गुरुवार को एक ऐतिहासिक मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) पर हस्ताक्षर किए, जिससे ब्रिटिश व्हिस्की, कारों और कई वस्तुओं पर टैरिफ में कटौती होगी, साथ ही द्विपक्षीय व्यापार में सालाना लगभग 34 अरब डॉलर की वृद्धि होगी।

ब्रेंट क्रूड का भाव बढ़कर 69.36 डॉलर प्रति बैरल पहुंचा

वैश्विक तेल बेंचमार्क ब्रेंट क्रूड 1.24 प्रतिशत बढ़कर 69.36 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गया। एक्सचेंज के आंकड़ों के अनुसार, विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) ने बुधवार को 4,209.11 करोड़ रुपये के शेयर बेचे। हालांकि, घरेलू संस्थागत निवेशकों (डीआईआई) ने पिछले कारोबार में 4,358.52 करोड़ रुपये के शेयर खरीदे। बुधवार को सेंसेक्स 539.83 अंक या 0.66 प्रतिशत बढ़कर 82,726.64 पर बंद हुआ। निफ्टी 159 अंक या 0.63 प्रतिशत बढ़कर 25,219.90 पर बंद हुआ।

5 साल में टाटा ग्रुप ने कर दिया कमाल! दोगुनी कमाई

तीन गुना मुनाफा और रिकॉर्ड मार्केट वैल्यू

नई दिल्ली, 24 जुलाई (एजेंसियां)। टाटा ग्रुप ने बीते 5 सालों में खुद को पूरी तरह बदल डाला है. ग्रुप के चेयरमैन एन. चंद्रशेखरन ने अपनी सालाना रिपोर्ट में बताया कि कंपनी ने इन पांच सालों में 5.5 लाख करोड़ रुपये खर्च किए ताकि भविष्य की चुनौतियों से निपटा जा सके और कंपनी हर तरह से 'फिट' बन सके. इस दौरान टाटा ग्रुप की कुल कमाई करीब दोगुनी हो गई, जबकि मुनाफा और कंपनी की बाजार में कुल वैल्यू (मार्केट कैप) तीन गुना तक बढ़ गई. वित्त वर्ष 2024-25 में टाटा ग्रुप की कुल कमाई 15.34 लाख करोड़ रही. वहीं, शुद्ध मुनाफा 1.13 लाख करोड़ तक पहुंच गया.

इसी दौरान कंपनी की कुल मार्केट वैल्यू 37.84 लाख करोड़ हो गई. एन. चंद्रशेखरन ने कहा कि ग्रुप ने उन फैसलों की दोबारा समीक्षा की जो अब वक्त के हिसाब से सही नहीं लगते. उन्होंने कहा, हमारा फोकस था, पहले खुद को मजबूत बनाओ, उसके बाद तेज़ी से आगे बढ़ो एफवाई25 में टाटा सन्स का रेवेन्यू 24% बढ़कर 5.92 लाख करोड़ रहा. हालांकि मुनाफा 17% गिरकर 28,898 करोड़ रह गया. रिपोर्ट में मुनाफे में गिरावट की खास वजह नहीं बताई गई है. डिविडेंड की बात करें तो एफवाई24 में टाटा सन्स ने 707 करोड़ दिया था, जो एफवाई25 में बढ़कर 1,414 करोड़ हो गया. टाटा ग्रुप की आईटी कंपनी टीसीएस इस पूरे ग्रुप का सबसे मुनाफेदार बिज़नेस बनकर उभरा है. एफवाई25 में पूरे ग्रुप के मुनाफे का 43% हिस्सा सिर्फ टीसीएस से आया. यानी हर 100 रुपये कमाई में 43 रुपये सिर्फ टीसीएस से आए.एन. चंद्रशेखरन ने साफ कहा कि टाटा ग्रुप अब किसी भी तरह की लापरवाही बर्दाश्त नहीं करता. उन्होंने लिखा, गलत फैसले हमें हमारी असली मंज़िल से भटका सकते हैं, इसलिए आर्थिक अनुशासन बहुत जरूरी है. ग्रुप ने पिछले कुछ सालों में कई पुरानी रणनीतियां बदलीं और नई तकनीकों व सेक्टरों में कदम रखा.

अडानी के शेयरों पर टूटे म्यूचुअल फंड्स, एलआईसी ने भी की खरीदारी

विदेशी निवेशकों का हुआ मोहभंग!

नई दिल्ली, 24 जुलाई (एजेंसियां)।अडानी ग्रुप के शेयरों में म्यूचुअल फंड्स जमकर निवेश कर रहे हैं। जून तिमाही में म्यूचुअल फंड्स ने अडानी ग्रुप की 10 कंपनियों में से सात के शेयर खरीदे। वहीं विदेशी निवेशकों ने अडानी के शेयरों से दूरी बनाई है। दूसरी तरफ भारत की सबसे बड़ी बीमा कंपनी एलआईसी ने अडानी की दो कंपनियों के शेयर खरीदे जबकि हिंडनबर्ग रिसर्च संकट के दौरान गौतम अडानी के तारणहार बने एनआरआई राजीव जैन की कंपनी जीक्यूजी पार्टनर्स ने 3 कंपनियों के शेयर बेच दिए।

घरेलू और विदेशी निवेशकों के ये अलग-अलग कदम दिखाते हैं कि भारतीय निवेशक अब अडानी ग्रुप के शेयरों में सुधार की उम्मीद कर रहे हैं। वहीं, विदेशी निवेशक अभी भी सावधानी बरत रहे हैं। म्यूचुअल फंड्स ने अडानी ग्रुप की कई कंपनियों में अपनी हिस्सेदारी बढ़ाई है। सबसे ज्यादा हिस्सेदारी अडानी एनर्जी सॉल्यूशंस में बढ़ी है। जून तिमाही में म्यूचुअल फंड्स की हिस्सेदारी 74 बेसिस पॉइंट बढ़कर 3.19% हो गई है, जो मार्च में 2.45% थी।

किन-किनमें बढ़ाई हिस्सेदारी

म्यूचुअल फंड्स ने अडानी ग्रीन एनर्जी में भी अपनी हिस्सेदारी 50 बेसिस पॉइंट बढ़ाकर 1.51% कर दी है। अडानी पोर्ट्स में उनकी हिस्सेदारी में 40 बेसिस पॉइंट की बढ़ोतरी हुई है और यह 5.42% पर पहुंच गई है। अडानी एंटरप्राइजेज में 18 बेसिस पॉइंट की वृद्धि हुई है और यह 2.67% हो गई है। अडानी पावर म्यूचुअल फंड्स की हिस्सेदारी 12 बेसिस पॉइंट बढ़कर 1.76% पर पहुंच गई है। अंबुजा सीमेंट्स में 10 बेसिस पॉइंट की वृद्धि हुई है और यह 7.91% हो गई है। हालांकि, एसीसी में म्यूचुअल फंड्स की हिस्सेदारी 222 बेसिस पॉइंट घटकर 12.07% रह गई है। इस बीच एलआईसी ने भी अडानी ग्रुप की सीमेंट कंपनियों पर ज्यादा फोकस किया है। एलआईसी ने एसीसी में अपनी हिस्सेदारी 142 बेसिस पॉइंट बढ़ाकर 9.11% कर दी है। अंबुजा सीमेंट्स में भी कंपनी ने अपनी हिस्सेदारी 125 बेसिस पॉइंट बढ़ाकर 6.80% कर दी है। हालांकि, एलआईसी ने अडानी ग्रीन एनर्जी में अपनी हिस्सेदारी 4 बेसिस पॉइंट घटाकर 1.32% कर दी है। बाकी कंपनियों में एलआईसी की हिस्सेदारी में जून तिमाही में कोई बदलाव नहीं हुआ है। जीक्यूजी पार्टनर्स ने अडानी ग्रुप के शेयरों में अपनी हिस्सेदारी कम की है। जीक्यूजी ने अडानी ग्रीन एनर्जी में अपनी हिस्सेदारी 13 बेसिस पॉइंट घटाकर 4.36% कर दी है। अडानी पावर में भी जीक्यूजी ने अपनी हिस्सेदारी 4 बेसिस पॉइंट घटाकर 5.06% कर दी है। सबसे खास बात यह है कि अंबुजा सीमेंट्स के शेयरधारकों की लिस्ट से जीक्यूजी का नाम गायब हो गया है। मार्च में जीक्यूजी के पास अंबुजा सीमेंट्स में 1.42% हिस्सेदारी थी। ऐसा लगता है कि जीक्यूजी ने अपनी पूरी हिस्सेदारी बेच दी है या उसकी हिस्सेदारी 1% से कम हो गई है। एनआरआई राजीव जैन की कंपनी जीक्यूजी ने अडानी एनर्जी सॉल्यूशंस में अपनी हिस्सेदारी 5.23% पर और अडानी एंटरप्राइजेज में 3.84% पर स्थिर रखी है। अडानी पोर्ट्स में जीक्यूजी ने अपनी हिस्सेदारी 3 बेसिस पॉइंट बढ़ाकर 3.96% कर दी है। इस कंपनी ने अडानी ग्रुप के शेयरों में उस समय निवेश किया था जब हिंडनबर्ग रिसर्च की एक रिपोर्ट के कारण इनमें भारी गिरावट आ रही थी। उधर विदेशी निवेशकों ने अडानी ग्रुप के शेयरों में अपनी हिस्सेदारी कम करना जारी रखा है। उन्होंने 10 में से 8 शेयरों में अपनी हिस्सेदारी घटाई है।

ब्रिटेन-भारत व्यापार समझौते से कारोबार में कम से कम 20 अरब डॉलर का होगा इजाफा : अनिल अग्रवाल

नई दिल्ली, 24 जुलाई (एजेंसियां)।भारत और ब्रिटेन के बीच द्विपक्षीय मुक्त व्यापार समझौते पर हस्ताक्षर हो गया है। इस समझौते पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की ब्रिटेन यात्रा के दौरान हस्ताक्षर किए गए। इस दौरान ब्रिटेन के प्रधानमंत्री भी मौजूद रहे। इस समझौते पर अब उद्योग जगत के दिग्गजों की प्रतिक्रियाएं आने लगी हैं। वेदांता समूह के अध्यक्ष अनिल अग्रवाल ने कहा कि है भारत और ब्रिटेन के बीच मुक्त व्यापार समझौते पर ऐतिहासिक हस्ताक्षर से दोनों देशों के बीच कारोबार में कम से कम 20 अरब डॉलर की वृद्धि होगी और अधिक रोजगार सृजन होगा। विश्व की पांचवीं और छठी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्थाओं ने गुरुवार को एक एतिहासिक मुक्त व्यापार समझौते पर हस्ताक्षर किए। इस समझौते से सौंदर्य प्रसाधनों और कपड़ों से लेकर व्हिस्की और कारों तक के उत्पादों पर टैरिफ में कटौती होगी। इस समझौते से दोनों देशों के व्यवसायों को अधिक बाजार पहुंच मिलेगा। अग्रवाल ने कहा, मैं इस ऐतिहासिक समझौते के लिए प्रधानमंत्री मोदी और (ब्रिटेन के) प्रधानमंत्री (कीर) स्टारमर को बधाई देता हूं। यह ब्रिटेन और भारत के बीच एक बड़ी उपलब्धि है क्योंकि वे प्रगति के पथ पर आगे बढ़ रहे हैं। उन्होंने कहा कि यह समझौता तीन वर्षों की बातचीत के बाद हुआ है और इस समझौते तक पहुंचने में काफी मेहनत लगी है। उन्होंने कहा, मुक्त व्यापार समझौता (एफटीए) दोनों देशों के लिए फायदेमंद होगा। इससे आर्थिक गतिविधियों को बढ़ावा मिलेगा और दोनों देशों में रोजगार और उद्यमिता के नए अवसर पैदा होंगे। अग्रवाल ने आगे कहा, इससे दोनों देशों के बीच व्यापार में कम से कम 20 अरब अमेरिकी डॉलर की वृद्धि होगी। अग्रवाल ने कहा कि उन्होंने पिछले दो दशकों में भारत और ब्रिटेन के बीच आर्थिक संबंधों में उल्लेखनीय वृद्धि देखी है। उन्होंने कहा, हमने एक बेहतरीन साझेदारी बनाई है, चाहे वह व्यापार हो, निवेश हो या लोगों के बीच संबंध हों।

अंबानी-अडानी से ज्यादा पैसे वाले शख्स को करना पड़ा कस्टमर सपोर्ट का काम

नई दिल्ली, 24 जुलाई (एजेंसियां)। दुनिया की टॉप कंपनियों में से एक माइक्रोसॉफ्ट के को-फाउंडर बिल गेट्स अपनी दरियादिली के लिए जाने जाते हैं। वह कई साल तक दुनिया के सबसे बड़े रईस रहे और फिलहाल 124 अरब डॉलर की नेटवर्थ के साथ दुनिया के अमीरों की लिस्ट में 12वें नंबर पर हैं। लेकिन इस मुकाम पर पहुंचने के बाद भी वह हमेशा सीखने की कोशिश करते हैं। उनकी बेटीफीबी गेट्स और स्टैनफर्ड में उसकी रूममेट सोफिया कियान्नी ने एक फैशन-टेक स्टार्टअप कंपनी पीएचआईए बनाई है। गेट्स ने हाल में एक दिन इस कंपनी में गुजारा। इस दौरान वह कस्टमर सपोर्ट की भूमिका में रहे और उन्होंने ग्राहकों के सवालों के जवाब दिए। गेट्स ने लिंक्डइन पर अपना अनुभव शेयर किया। उन्होंने कहा, 'जब आपकी बेटी आपसे पूछे कि क्या आप उसकी कंपनी में कस्टमर केयर में एक शिफ्ट करना चाहेंगे, तो आपका जबाव केवल हां होगा। मैंने अपने वर्षों के अनुभव से सीखा है कि कोई चीज कैसे काम करती है या कैसे बर्बाद होती है, इसे समझने का सबसे अच्छा तरीका यही है कि सीधे उन लोगों से संपर्क किया जाए जो इसका यूज कर रहे हैं।'

सोना 1,426 गिरकर 99,107 प्रति 10 ग्राम पर आया

चांदी 1,300 फिसलकर 1.14 लाख किलो बिक रही, देखें अपने शहर के गोल्ड के रेट

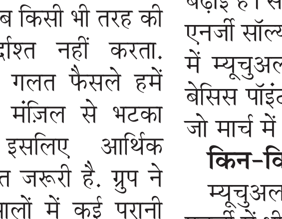

नई दिल्ली, 24 जुलाई (एजेंसियां)। सोने-चांदी के दाम आज यानी 24 जुलाई को गिरावट है। इंडिया बुलियन एंड ज्वैलर्स एसोसिएशन के अनुसार 24 कैरेट सोने का दाम 1,426 घटकर 99,107 प्रति 10 ग्राम पर आ गया है। इससे पहले ये 1,00,533 पर था। वहीं चांदी की कीमत 1,300 कम होकर 1,14,550 प्रति किलो हो गई है। इससे पहले चांदी 1,15,850 पर थी। कल यानी 23 जुलाई को सोना-चांदी अपने ऑल टाइम हाई पर पहुंच गए थे।

महानगरों में 10 ग्राम सोने की कीमत

दिल्ली: 24 कैरेट सोने की कीमत 1,01,120 और 22 कैरेट सोने की कीमत 92,700

मुंबई: 24 कैरेट सोने की कीमत 1,00,970 और 22 कैरेट सोने की कीमत 92,550

कोलकाता: 24 कैरेट सोने की कीमत 1,00,970 और 22 कैरेट सोने की कीमत 92,550

चेन्नई: 24 कैरेट सोने की कीमत 1,00,970 और 22 कैरेट सोने की कीमत 92,550

भोपाल: 24 कैरेट सोने की कीमत 101,020 और 22 कैरेट सोने की कीमत 92,600

हैदराबाद : 24 कैरट के लिए रु 100970/10 ग्राम। और 22 कैरट के लिए 92550 / 10 ग्राम

गेहूं की आपूर्ति और कीमतें स्थिर ओएमएसएस के तहत बिक्री की जरूरत नहीं

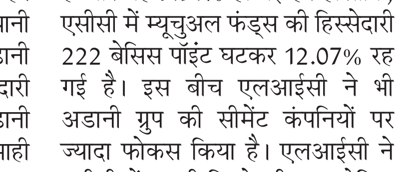

नई दिल्ली, 24 जुलाई (एजेंसियां)।गेहूं की उपलब्धता और कीमतों को लेकर केंद्र सरकार ने राहतभरी जानकारी दी है। खाद्य सचिव संजीव चोपड़ा ने गुरुवार को कहा कि खुले बाजार हस्तेक्षप योजना के तहत सरकारी भंडार से गेहूं बेचने की कोई जरूरत नहीं है क्योंकि आपूर्ति पर्याप्त है और कीमतें स्थिर हैं। चोपड़ा ने भारतीय वनस्पति तेल उत्पादक संघ (आईवीपीए) की वैश्विक गोलमेज बैठक के अवसर पर कहा कि पर्याप्त स्टॉक मौजूद है। हमने काफी अच्छी मात्रा में खरीद की है। इसलिए बाजार में पर्याप्त आपूर्ति है। कीमतें पहले से ही स्थिर हैं। इसलिए गेहूं ओएमएसएस की कोई जरूरत नहीं है। सरकार, खुले बाजार बिक्री योजना (ओएमएसएस) के जरिए गेहूं की आपूर्ति और कीमतों को नियंत्रित करती है। इस योजना के तहत भारतीय खाद्य निगम द्वारा केंद्रीय भंडार में मौजूद अतिरिक्त गेहूं को निर्धारित आरक्षित मूल्य पर सीधे बाजार में बेचा जाता है। भारत ने मार्च में समाप्त वित्तीय वर्ष 2024-25 के दौरान ओएमएसएस के तहत लगभग 3 मिलियन टन गेहूं बेचा। वहीं 2023-24 में यह लगभग 10.1 मिलियन टन था। देश का गेहूं उत्पादन 2024-25 फसल वर्ष में रिकॉर्ड 117.5 मिलियन टन होने का अनुमान है।

दैनिक पंचांग

ग्रह गोचर

श्री सिद्धार्थी नामक संवत्सर-विक्रम संवत्- 2082

शक संवत् -1947,सूर्य दक्षिणायन ऋतु- वर्षा

महावीर निर्वाण संवत् -2551

कलियुग अवधि-432000

भोग्य कलि वर्ष-426874

05-57

18-48

कलियुग संवत् -5126 वर्ष,

कल्पारंभ संवत् -1972949126

सृष्टि प्रारंभ संवत्-1955885126

गृह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य	कर्क	कर्क	05-21 बजे
चन्द्र	कर्क	सिंह	07-32 बजे
मंगल	सिंह	कन्या	09-30 बजे
बुध	कर्क	तुला	11-44 बजे
गुरु	मिथुन	वृश्चिक	13-55 बजे
शुक्र	वृष	धनु	16-07 बजे
शनि	मीन	मकर	18-14 बजे
राहु	कुंभ	कुंभ	20-05 बजे
केतु	सिंह	मीन	21-43 बजे
		मेष	23-19 बजे
		वृष	01-03 बजे
		मिथुन	03-04 बजे

दिशाशूल - पश्चिम - दही खाकर घर से निकले

तिथि- प्रतिपदा 23-23 तक उपरान्त द्वितीया

मास- श्रावण शुक्ल , शुक्रवार 25 July

नक्षत्र- पुष्य 16-00 तक उपरान्त आश्लेषा

योग- वज्र 07-27 तक उप सिद्धी

करण- किस्तुघ्न 11-57 तक उप बव

व्रत त्योहार- नक्त व्रतारंभ

विशेष- राशिफल ग्रहों के गोचर के आधार पर लिखा गया है। सूक्ष्म फलादेश के लिए जन्म पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति जानने के लिए जन्म कुण्डली दिखाना चाहिए।

राहुकाल 10-46 से 12-23 तक

पं महेशचन्द्र शर्मा मो. 9247132654, 9167555710

दिन का चौघड़िया	रात का चौघड़िया
चंचल 05-54 - 07-32 शुभ	रोग 18-51 - 20-14 शुभ
लाभ 07-32 - 09-09 शुभ	काल 20-14 - 21-37 शुभ
अमृत 09-09 - 10-46 शुभ	लाभ 21-37 - 22-59 अशुभ
काल 10-46 - 12-23 अशुभ	उत्पात 22-59 - 00-23 अशुभ
शुभ 12-23 - 13-59 शुभ	शुभ 00-23 - 01-46 शुभ
रोग 13-59 - 15-37 अशुभ	अमृत 01-46 - 03-09 अशुभ
उत्पात 15-37 - 17-14 अशुभ	चंचल 03-09 - 04-32 शुभ
चंचल 17-14 - 18-51 शुभ	रोग 04-32 - 05-55 शुभ

आपका राशिफल

मेष (चू,चे, चो, ला, ली, लू, ले, लो, अ,) — आज आप ऊर्जावान और नए विचारों से भरे हुए महसूस करते हैं। अपने करियर में साहसिक कदम उठाएँ, लेकिन बहस से बचने के लिए शांत रहें। स्पष्ट सोच आपको कार्यों को अच्छी तरह से संभालने में मदद करती है, खासकर पढ़ाई में। बातचीत को सकारात्मक बनाए रखने के लिए गलतियों पर नहीं, समाधानों पर ध्यान दें।

वृष (ई, उ, ए, जो, वा, वी, वू, वे, वो,) — आप खुद को चतुर महसूस कर सकते हैं, संवेदनशीलता के क्षण और कभी-कभी आत्म-दया आपके मूड को प्रभावित कर सकती है। भावनात्मक गहराई त्वरित अनुकूलनशीलता के साथ मिलती है, हालांकि चिंता सतह पर आ सकती है। एक सक्रिय, विस्तार-उन्मुख दिमाग आपको केंद्रित रहने में मदद करता है, क्योंकि आप पूरे दिन स्पष्टता और सटीकता के साथ असंगतता का प्रबंधन करते हैं।

मिथुन (का, की, कू, घ, ड, छ, के, को, ह,) — आत्मविश्वास आपके दृष्टिकोण को आकार देता है क्योंकि आपकी महत्वाकांक्षाएँ केंद्र में आती हैं, और आपको रचनात्मकता और दृढ़ता के साथ नेतृत्व करने का मार्गदर्शन करती हैं। अंतर्ज्ञान आपके निर्णयों का समर्थन करता है, जिससे आपको शैक्षणिक और व्यावसायिक दोनों ही परिस्थितियों में सूक्ष्म समाधान खोजने में मदद मिलती है।

कर्क (ही, हू ,हे , हो, डा , डी, डू, डे, डो,) — आज आप अपने काम में भावनात्मक रूप से तीव्र और दृढ़ निश्चयी महसूस कर सकते हैं। कार्यों को करते समय ज़मीनी और व्यावहारिक बने रहें। व्यक्तिगत इच्छाओं और पेशेवर ज़िम्मेदारियों के बीच टकराव पैदा हो सकता है, इसलिए संतुलन महत्वपूर्ण है। आप जो बनाते हैं, उसमें सुंदरता पर ध्यान दें और अनुशासन को स्थिर प्रगति और मान्यता की ओर ले जाने दें।

सिंह (मा, मी ,मू ,मे, मो, टा, टी ,टू ,टे,) — आज का दिन आपके करियर या पढ़ाई में कुछ करने की तीव्र इच्छा लेकर आ सकता है। आत्मविश्वास और नेतृत्व आपको दूसरों से अलग दिखने में मदद करते हैं, लेकिन भावनात्मक तनाव छोटे-मोटे संघर्षों को जन्म दे सकता है। शांत रहें और चुनौतियों से निपटने के लिए दयालु, विचारशील संचार का उपयोग करें। आपका आकर्षण और समझ चीजों को सही रास्ते पर रखेगी।

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो) — आज, आप सुरक्षात्मक और भावनात्मक रूप से जागरूक दोनों महसूस कर सकते हैं। जब आप साधन संपन्न होते हैं, तो आत्म-दया के क्षण आ सकते हैं। एक स्थिर, सतर्क मानसिकता आपको परिवर्तन को नेविगेट करने में मदद करती है, हालांकि लचीलापन एक चुनौती हो सकती है।

तुला (रा, री, रू ,रे ,रो , ता, ती, तू ,ते,) — आज आप संवेदनशील और खुश दोनों महसूस कर सकते हैं। एक सुरक्षात्मक मूड आपको दूसरों से जुड़ने में मदद करता है, जबकि स्थिर ऊर्जा आपको स्थिर रखती है। आप अपनी भावनाओं को आसानी से व्यक्त करने की संभावना रखते हैं, और परिचित दिनचर्या आराम देती है। हल्का-फुल्का पढ़ना या रचनात्मक गतिविधियाँ आपका उत्साह बढ़ा सकती हैं।

वृश्चिक (तो,ना,नी, ने,नू, नो, या, यी ,यू,) — कार्यस्थल पर मतभेद उत्पन्न हो सकते हैं, लेकिन आपकी भावनात्मक अंतर्दृष्टि आपको उनका सामना शालीनता से करने में मदद करती है। आपका आकर्षण और ऊर्जा आपको दूसरों से अलग बनाती है, आपके कार्यों में नेतृत्व और उत्साह को बढ़ावा देती है। मज़बूत संचार सहज बातचीत को बढ़ावा देता है, जिससे आप तनावों को प्रभावी ढंग से सुलझा पाते हैं।

धनु (ये, यो,भा, भी, भू धा ,फा, ढा, भे) — आपका आत्मविश्वास आपको आगे बढ़ाता है, आपके लक्ष्यों के प्रति स्पष्टता और दृढ़ संकल्प लाता है। रचनात्मकता फलती-फूलती है, लेकिन एकाग्रता बनाए रखने से यह सुनिश्चित होता है कि आपके विचार व्यावहारिक और प्रभावशाली हों। तार्किक सोच आपको कार्यों को कुशलतापूर्वक व्यवस्थित करने और पेशेवर रूप से अपनी खूबियों को उजागर करने में मदद करती है।

मकर (भो, जा, जी, खो, खू, खे, खो, गा, गी) — आपकी नेतृत्व क्षमता दूसरों को आपकी आत्मविश्वास भरी ऊर्जा की ओर आकर्षित करती है। उत्साह पढ़ाई पर आपका ध्यान केंद्रित करता है, जबकि गहरा दृढ़ संकल्प आपको अपने लक्ष्यों के प्रति प्रतिबद्ध रखता है। जुनून आपके काम में तीव्रता लाता है, और नवाचार साहसिक उपलब्धियों की ओर ले जाता है। बस आवेगपूर्ण क्षणों के प्रति सचेत रहें, और आपकी ईमानदारी सम्मान अर्जित करेगी।

कुंभ (गू, गे ,गो, सा, सी, सू, से, सो, दा,) — स्पष्ट सोच और योजना से आपका काम और पढ़ाई बेहतर होती है। आत्मविश्वास आपको खुद को अच्छी तरह से व्यक्त करने में मदद करता है, जबकि एक स्थिर मानसिकता प्रगति की ओर ले जाती है। रचनात्मक विचार आसानी से आते हैं, और आपका समय बिल्कुल सही लगता है। आप तैयार और शांत रहते हैं, बदलावों को आसानी से संभालते हैं और आज हर अवसर का पूरा लाभ उठाते हैं।

मीन (दी, दू,थ, झ, ञ, दे, दो, चा,ची) — आज आप अपनी रचनात्मक ऊर्जा के साथ आगे बढ़कर दूसरों से अलग दिखने के लिए प्रेरित हैं। कार्यस्थल पर रिश्ते मददगार साबित हो सकते हैं। अपने दीर्घकालिक लक्ष्यों पर ध्यान केंद्रित रखें और उन विकर्षणों से बचें जो आपको अपने लक्ष्य से भटका सकते हैं। दूसरों से प्रेरणा लेकर खुद को प्रेरित करें और अपनी व्यक्तिगत दिशा को नज़रअंदाज़ न करें।

श्री पंचागुली ज्योतिष केन्द्र

चैतन्य बघेल को 2 महीने तक बेल मिलना मुश्किल

जेल जाने से पहले पिता भूपेश से कहा- मक्का बेच दीजिएगा, धान अच्छे से रखवाना

रायपुर, 24 जुलाई (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ शराब घोटाला केस में गिरफ्तार पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के बेटे चैतन्य बघेल 14 दिन की न्यायिक रिमांड पर जेल भेज बंद है। 22 जुलाई को पेशी के दौरान वकील के सामने चैतन्य ने पिता भूपेश से कहा कि, मक्का रखा हुआ है, उसका रेट आ गया है। उससे ज्यादा कीमत नहीं मिलेगी, बेच दीजिएगा।

बियारे के टिन शेड में धान रखा है, उसे अच्छे से रखवा दीजिए। बारिश से नमी न लग जाए और उसमें दागी न आए। वहीं, खेत में रोपा लगा है, उसमें कीटनाशक नहीं डाला गया है। उसे भी डलवा दीजिए। बताया जा रहा है कि, चैतन्य बघेल को 2 महीने तक बेल मिलना आसान नहीं है।

22 जुलाई को सुनवाई के दौरान चैतन्य बघेल कटघरे में खड़े थे। उनके पिता भूपेश बघेल पूरे समय उनके बगल में कटघरे के पास खड़े रहे। कोर्ट ने जैसे ही चैतन्य को न्यायिक हिरासत में भेजने का आदेश सुनाया। उनके वकील फैजल रिजवी उन्हें जानकारी देने पहुंचे। इसी बीच उन्होंने बेटे-पिता के बीच हुई बातचीत को सुना।

मुस्कुराता रहा चैतन्य, ईडी भी हैरान

फैजल रिजवी ने बताया कि, चैतन्य बघेल शुरू से ही बिल्कुल सामान्य रहे हैं। गिरफ्तारी के दिन से लेकर जेल जाने वाले दिन भी उनकी मुस्कुराहट बनी रही। अक्सर क्लाइंट कोर्ट में पेशी के समय घबराए रहते हैं, चेहरे पर तनाव होता है। लेकिन चैतन्य मुस्कुरा रहे थे।

ईडी ऑफिस में कस्टोडियल रिमांड के दौरान भी उनका यही स्थिति में थे। जब हम उनसे मिलने ईडी ऑफिस गए थे, तब भी वे हमसे हंस कर बात कर रहे थे। ईडी के अधिकारी भी परेशान थे कि चैतन्य बघेल आखिर हंस क्यों रहा है। न रिमांड में घबराया, न कोर्ट में।

वकील से चैतन्य बोले- एक-डेढ़ साल में तो निकल ही जाऊंगा ना

फैजल ने कहा कि, क्लाइंट वकील से अपने दिल की सारी बातें कहता है, जो वह अपने परिवार से भी नहीं कहता है। जब उन्होंने चैतन्य से पूछा कि जेल में खाने-पीने को लेकर दिक्कत तो नहीं होगी, तो चैतन्य जवाब दिया मैं किसान हूं, धूप-बारिश और ठंड में भी खेत जाता हूं। मुझे वहां रहने में दिक्कत नहीं है। मैं जेल में दाल-चटनी खाकर भी रह लूंगा।

चैतन्य ने वकील से कहा कि, मुझे जेल की कोई फिक्र नहीं है। उन्होंने खुद से यह बात भी कही कि मैं एक-डेढ़ साल में तो जेल से निकल ही जाऊंगा ना।

ईडी के आरोपों को बताया तथ्यहीन

फैजल रिजवी ने कहा कि, ईडी की रिमांड एप्लिकेशन में लगाए गए कई आरोप तथ्यहीन हैं। ईडी ने कहा कि, चैतन्य ने एक ज्वेलर से 5 करोड़ का बिना ब्याज के लोन लिया, जबकि ईडी के पास फरवरी 2025 से सारे दस्तावेज हैं कि चैतन्य ने उस लोन पर ब्याज समेत भुगतान किया है।

चैतन्य बघेल 4 अगस्त तक न्यायिक हिरासत में रायपुर सेंट्रल जेल में रहेंगे। कानून के जानकारों का कहना है कि, प्रवर्तन निदेशालय को 60 दिन के अंदर कोर्ट में चार्जशीट दाखिल करनी होगी। उसके बाद ही इस मामले में जमानत याचिका पर विचार होगा। जानकारों को कहना है कि चैतन्य को 60 दिन तक जेल में ही रहना पड़ सकता है।

चैतन्य बघेल को ज्यूडिशियल रिमांड खत्म होने के बाद 4 अगस्त को फिर से कोर्ट में पेश किया जाएगा। सुनवाई के दौरान ईडी की ओर से उनकी ज्यूडिशियल रिमांड बढ़ाने की मांग की जा सकती है।

ईडी के अनुसार, लीकर स्कैम में पूछताछ में शराब कारोबारी लक्ष्मी नारायण बंसल उर्फ पप्पू ने ईओडब्ल्यू को बयान दिया था कि, उसने और चैतन्य बघेल ने मिलकर 1000 करोड़ से ज्यादा घोटाले की रकम को हैंडल किया। यह कैश अनवर ढेबर ने दीपेन चावड़ा को पहुंचाया। यह पैसा बाद में राम गोपाल अग्रवाल को दिया गया।

इसकी व्यवस्था चैतन्य बघेल के साथ मिलकर की गई और चैतन्य बघेल के कहने पर 1000 करोड़ में से 100 करोड़ नकद केके श्रीवास्तव को दिया गया। पप्पू बंसल ने पूछताछ में ये भी स्वीकार किया है कि शराब घोटाले से उसे 3 महीने में 136 करोड़ रुपए मिले हैं। अनवर ढेबर और नीतेश पुरोहित के बीच चैट में हुई बातचीत में इसकी जानकारी है।

पप्पू बंसल दुर्ग भिलाई का शराब कारोबारी है। प्रॉपर्टी डीलर का काम करने के दौरान शराब कारोबार से जुड़ा। भूपेश बघेल के करीबी होने के साथ ही कोयले का भी कारोबार है।

ईडी ने अपनी जांच में पाया कि चैतन्य बघेल के विट्ठल ग्रीन प्रोजेक्ट (बघेल डेवलपर्स) में घोटाले के पैसे को इन्वेस्ट किया गया है। इस प्रोजेक्ट से जुड़े अकाउंटेंट के ठिकानों पर छापेमारी कर ईडी ने रिकॉर्ड जब्त किए।

प्रोजेक्ट के कंसल्टेंट राजेन्द्र जैन ने बताया कि इस प्रोजेक्ट में वास्तविक खर्च 13-15 करोड़ था। जबकि रिकॉर्ड में 7.14 करोड़ ही दिखाया गया। जब्त डिजिटल डिवाइसेस से पता चला कि बघेल की कंपनी ने एक ठेकेदार को 4.2 करोड़ कैश पेमेंट किया गया, जो रिकॉर्ड में नहीं दिखाया गया।

फर्जी फ्लैट खरीदी के जरिए पैसे की हेराफेरी

ईडी ने अपनी जांच में पाया है कि त्रिलोक सिंह ढिल्लो ने 19 फ्लैट खरीदने के लिए 5 करोड़ बघेल डेवलपर्स को ट्रांसफर किए। ढिल्लन ने ये फ्लैट अपने कर्मचारियों के नाम पर खरीदे लेकिन पेमेंट त्रिलोक ढिल्लो ने खुद दिया।

ईडी ने जब ढिल्लन के कर्मचारियों से पूछताछ की तो कर्मचारियों ने बताया कि ये फ्लैट की खरीदी उन्हीं के नाम पर हुई, लेकिन पैसे ढिल्लो ने दिए। ये सारा ट्रांजेक्शन 19 अक्टूबर 2020 को एक ही दिन हुआ। ईडी ने कहा कि ब्लैक को लीगल करने के लिए यह एक पूर्व-योजना के तहत किया गया लेन-देन था। इसका मकसद पैसे को छिपाकर चैतन्य बघेल तक पहुंचाना था।

ईडी के मुताबिक भिलाई के एक ज्वेलर्स ने चैतन्य बघेल को 5 करोड़ रुपए उधार दिए, लेकिन ईडी की जांच में सामने आया कि जो 5 करोड़ रुपए चैतन्य की दो कंपनियों को लोन के रूप में दिया गया।

बाद में इसी ज्वेलर्स ने बघेल की कंपनी से 6 प्लॉट खरीदे, जिसकी कीमत 80 लाख थी। ईडी ने बताया कि यह पैसा शराब घोटाले से आया हुआ कैश था। यह पैसा बैंक के जरिए ट्रांसफर किया गया। ताकि कैश को लीगल दिखाया जा सके।

ईडी का दावा है कि चैतन्य बघेल ने घोटाले का पैसा पाने के लिए दूसरे लोगों और कंपनियों का इस्तेमाल किया ताकि ईडी और अन्य एजेंसियां ट्रैक न कर सकें। जैसे ढिल्लन सिटी मॉल में पैसा आया, फिर ढिल्लन ड्रिंक्स से कर्मचारियों को पैसा ट्रांसफर हुआ, फिर वही पैसा बघेल डेवलपर्स को दिया गया। ईडी का दावा है कि चैतन्य बघेल के पास 16.70 करोड़ के अवैध घोटाले के पैसे आए।

छत्तीसगढ़ शराब घोटाला मामले में ईडी जांच कर रही है। ईडी ने एसीबी में एफआईआर दर्ज कराई है। दर्ज एफआईआर में 2 हजार करोड़ रुपए से ज्यादा के घोटाले की बात कही गई है।

जंगली हाथी का उत्पात, दहशत में लोग

घरों और स्कूल के किचन को पहुंचाया नुकसान, पीड़ितों ने की मुआवजे की मांग

गुमला, 24 जुलाई (एजेंसियां)। गुमला के विशुनपुर प्रखंड के गुरदरी थाना क्षेत्र में बीती रात और गुरुवार को एक जंगली हाथी ने भारी उत्पात मचाया। अचानक हाथी के क्षेत्र में आने के बाद लोग दहशत में जीने को मजबूर हो गए हैं।

हाथी ने सबसे पहले बेती गांव में चंद्रेश उरांव और चंद्रदेव उरांव के घरों को पूरी तरह क्षतिग्रस्त कर दिया।

हाथी ने घरों की दीवारें और दरवाजे तोड़कर अंदर रखा चावल, मक्का और अन्य अनाज खा लिया। ग्रामीणों ने मशालें जलाकर, ढोल-नगाड़े बजाकर और पटाखे फोड़कर हाथी को गांव से भगाया।

इसके बाद हाथी तुसरुकोना गांव की ओर चला गया। यहां उसने मनजीत उरांव के घर को नुकसान पहुंचाया और भंडारित अनाज खा गया। इसके बाद गुरुवार को हाथी सरकारी विद्यालय के किचन शेड में घुस गया। हाथी ने लोहे का गेट तोड़कर मिड-डे मील का रखा हुआ चावल, दाल, आलू आदि खा लिया। इस घटना के बाद गांवों में दहशत का माहौल है।

ग्रामीणों का आरोप है कि अब तक वन विभाग के किसी अधिकारी या टीम ने मौके पर पहुंचकर स्थिति का जायजा नहीं लिया है। उनका कहना है कि यदि हाथी को तुरंत नियंत्रित नहीं किया गया, तो यह मानव जीवन को भी नुकसान पहुंचा सकता है।

प्रभावित चंद्रेश उरांव, चंद्रदेव उरांव और मनजीत उरांव गरीब किसान हैं। इन परिवारों के पास अब न तो रहने का सुरक्षित ठिकाना बचा है, न ही खाने के लिए अनाज। ग्रामीणों और जनप्रतिनिधियों ने प्रशासन से कई मांगें की हैं। वे पीड़ित परिवारों को आपदा राहत कोष से त्वरित मुआवजा देने की मांग कर रहे हैं।

साथ ही प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत इन्हें पक्का मकान उपलब्ध कराने की भी मांग की गई है।

स्कूल किचन की मरम्मत कर मिड-डे मील की आपूर्ति फिर से बहाल करने की मांग भी की गई है। ग्रामीणों ने वन विभाग को हाथी को पकड़कर जंगल में छोड़ने और निगरानी बढ़ाने के निर्देश देने की मांग की है।

2.27 करोड़ के 62 इनामी नक्सलियों का सरेंडर

पहली-बार एसजेडसीएम कैडर के नक्सली ने डाले हथियार, दंतेवाड़ा-बीजापुर-कांकेर और नारायणपुर में छोड़ी हिंसा

जगदलपुर, 24 जुलाई (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के बस्तर संभाग में एक ही दिन में 4 जिले में 62 नक्सलियों ने सरेंडर किया है। इनमें से 55 नक्सलियों पर कुल 2 करोड़ 27 लाख रुपए का इनाम घोषित है। बीजापुर जिले में सरेंडर किए 25 नक्सलियों में से 23 पर 1 करोड़ 15 लाख का इनाम है। इसमें एक एसजेडसीएम कैडर का भी नक्सली शामिल है। बस्तर में पहली बार एसजेडसीएम कैडर के नक्सली ने हथियार डाले हैं।

कांकेर में सरेंडर किए 13 नक्सलियों पर 62 लाख और नारायणपुर में सरेंडर किए 8 नक्सलियों पर 33 लाख रुपए का इनाम घोषित है। वहीं दंतेवाड़ा में 16 नक्सलियों में से 5 पर 17 लाख रुपए का इनाम है। सरेंडर करने वाले नक्सलियों में से मिलिट्री कंपनी नंबर 1 का कमांडर से लेकर डीवीसीएम, पीपीसीएम, एसीएम रैंक के नक्सली हैं।

कांकेर जिले में 13 नक्सलियों ने हिंसा का रास्ता छोड़ा है। इनमें उत्तर बस्तर डिवीजन के रावघाट, परतापुर और माड़ डिवीजन में सक्रिय नक्सली शामिल हैं। इनमें 1 नक्सली पर 10 लाख रुपए, 4 नक्सलियों पर 8-8 लाख रुपए, 3 पर 5-5 लाख रुपए और 5 पर 1-1 लाख रुपए का इनाम घोषित है।

बीजापुर जिले में 25 लाख रुपए के इनामी नक्सली रमन्ना इरपा ने हिंसा का रास्ता छोड़ा है। पहली बार स्पेशल जोनल कमेटी मेंबर (एसजेडसीएम) कैडर के नक्सली ने सरेंडर किया है। इसके अलावा 8-8 लाख रुपए के 5 नक्सली, 5-5 लाख रुपए के 8 नक्सली, 2 लाख रुपए के 1 और 1-1 लाख रुपए के 7 नक्सलियों ने सरेंडर किया है। इनमें डीवीसीएम, पीपीसीएम, एसीएम कैडर के नक्सली शामिल हैं।

नारायणपुर जिले में भी कुल 8 नक्सलियों ने हथियार डाले हैं। इनमें 8 लाख रुपए के 3 नक्सली, 5 लाख रुपए का 1 और 1-1 लाख रुपए के 4 नक्सली शामिल हैं। नक्सलियों के टीडी टीम इंचार्ज वट्टी गंगा उर्फ मुकेश ने भी सरेंडर किया है। ये डीवीसीएम कैडर का नक्सली है। इनमें 4 महिला नक्सली भी शामिल हैं। सभी नक्सली पिछले कई सालों से माओवाद संगठन के साथ जुड़कर काम कर रहे थे।

जीएसटी की रेड, डीजल बताकर बेच रहा था बेस ऑयल

गुजरात से राजनांदगांव मंगाता था ऑयल, 70 रुपए में कर रहा था सेल, 64 करोड़ का लेन-देन उजागर

राजनांदगांव, 24 जुलाई (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के राज्य कर विभाग (जीएसटी विभाग) की टीम ने राजनांदगांव में फेन्नी इंटरप्राइजेज (फेनी एंटरप्राइजेज) नाम की फर्म पर छापा मारा है। जांच में पाया गया कि फर्म गुजरात से बेस ऑयल मंगाकर उसे ट्रकों में डीजल के रूप में सस्ते दामों में बेच रही थी। यह कार्रवाई आयुक्त पुष्पेन्द्र मीणा के निर्देशन में बिजनेस इंटेलिजेंस यूनिट द्वारा की गई। फेन्नी इंटरप्राइजेज का मालिक गुजरात का रहने वाला है। उसने एक बंद ढाबे को किराए पर लेकर चार कमरों में 4000-4500 लीटर प्रति टंकी की क्षमता वाली 9 टैंक रखी थीं। इनकी कुल क्षमता 40,000 लीटर थी। एक कमरे में पंप और मीटर लगाकर लोगों को डीजल बताकर यह ऑयल बेचा जाता था। जबकि जीएसटी विभाग को बेस ऑयल बताकर खरीदी-बिक्री दिखाई जाती थी।

पेट्रोलियम कंपनी का डीजल 95 रुपए प्रति लीटर है। जबकि यहां 70 रुपए प्रति लीटर में बेचा जा रहा था। बेस ऑयल पर स्टेट जीएसटी 9% लगता है। जबकि डीजल पर 23% वैट लगता है। इस तरह सरकार को राजस्व का नुकसान हो रहा था।

बेस ऑयल सिर्फ उद्योगों में इस्तेमाल किया जा सकता है, लेकिन इस फर्म ने उसे वाहनों में इस्तेमाल के लिए डीजल की तरह बेचा, जो कानूनन गलत है। बेस ऑयल के इस्तेमाल से वाहनों के इंजन खराब हो सकते हैं, और इससे पर्यावरण को भी भारी नुकसान होता है।

जब टीम छापा मारने पहुंची, तो वहां दो ट्रक ड्राइवर डीजल भरवाने आए थे। उनसे जब पूछा गया तो उन्होंने साफ-साफ कहा कि उन्हें यही बताया गया था कि ये डीजल है और वो इसी वजह से यहां भरवाने आए थे, क्योंकि बाकी जगह से सस्ता मिल रहा था।

जांच में सामने आया कि पिछले साढ़े तीन सालों में इस फर्म ने करीब 64 करोड़ रुपए का बेस ऑयल खरीदा। इसमें से 19 करोड़ रुपए का माल महाराष्ट्र भेजा गया, जबकि करीब 45 करोड़ रुपए का तेल छत्तीसगढ़ में ही डीजल के रूप में ट्रकों को बेचा गया।

कांवरियों से भरी ऑटो पलटी

बासुकीनाथ जा रहे पांच कांवरिया जख्मी, देवघर सदर अस्पताल में भर्ती

देवघर, 24 जुलाई (एजेंसियां)। दुमका जिले के सरैयाहाट टोल प्लाजा के पास गुरुवार दोपहर एक बड़ा हादसा हो गया। बासुकीनाथ जा रही कांवरियों से भरी ऑटो अनियंत्रित होकर पलट गई। इस हादसे में पांच कांवरिया जख्मी हो गए।

सभी घायलों को बेहतर इलाज के लिए देवघर सदर अस्पताल में भर्ती कराया गया है। जख्मी कांवरियों में 29 वर्षीय रौशन कुमार, 30 वर्षीय राजा बाबू, 28 वर्षीय अंकुश कुमार, अभिषेक कुमार और 24 वर्षीय गोविंदा शामिल हैं। ये सभी बिहार के पूर्वी चंपारण जिले के चौड़ा दानों गांव के रहने वाले हैं। घायल कांवरियों ने बताया कि वे बाबाधाम में पूजा-अर्चना करने के बाद ऑटो से बासुकीनाथ जा रहे थे। इसी दौरान सरैयाहाट टोल प्लाजा के पास ऑटो अनियंत्रित होकर पलट गई।

भूपेश बोले-जिसने मेरे परिवार को जेल भेजा, उसकी सरकार गिरी

कहा-अभी मोदी ने बेटे को अंदर करवाया है

सीएम-पूर्व सीएम समेत मंत्रियों ने मनाया हरेली तिहार

रायपुर, 24 जुलाई (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ में गुरुवार को लोकपर्व हरेली धूमधाम से मनाया गया है। सीएम विष्णुदेव साय ने मुख्यमंत्री निवास, वहीं पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने अपने आवास पर हरेली पर्व मनाया। इस दौरान भूपेश बघेल ने कहा कि, 'नोटिस दिए बिना बेटे चैतन्य के जन्मदिन के दिन ईडी ने उसे उठाया। हमने जबसे होश संभाला, देखा कि बाबू जी जेल गए। वो कहते थे कि जेल मेरा दूसरा घर है। मेरे पिता को जोगी सरकार ने जेल भेजा, उनकी सरकार गई। मुझे रमन सिंह ने जेल भेजा, उनकी सरकार गई। अब मेरे बेटे को मोदी ने जेल भेजा है। रणनीतिक ढंग से छत्तीसगढ़ की नेतृत्व को खत्म करने का प्रयास कर रहे हैं।'

भूपेश बघेल ने कहा कि, त्योहार तो साल में एक बार आता है। चैतन्य रहता तो और अच्छा लगता। लेकिन केवल चैतन्य मेरा बेटा नहीं है। छत्तीसगढ़ की पूरी जनता मेरा परिवार है।

भूपेश ने कहा कि, बलौदाबाजार एसपी-कलेक्टर दफ्तर आगजनी मामले में कांग्रेस के सतनामी नेताओं को जेल में डाला गया। जबकि प्रदर्शन की व्यवस्था बीजेपी ने की थी। इसी मामले में विधायक देवेंद्र यादव को भी 6 महीने के लिए जेल भेज दिया गया। अब सतनामी समाज के लोग प्रदर्शन करने से डरेंगे, क्योंकि उन्हें जेल भेज कर डराया गया है। बस्तर में महेंद्र कर्मा के बाद सबसे बड़े नेता कवासी लखमा है। इसलिए, बस्तर की आवाज को दबाने का काम किया गया। कवासी लखमा को जेल भेज दिया गया। अब बेटे चैतन्य बघेल को पकड़ा गया है।

हरेली पर रायपुर से लेकर गांव में कृषि संस्कृति और लोक परंपराओं की झलक हर ओर देखने को मिली। छत्तीसगढ़ का यह पहला त्योहार है, जो खास तौर पर खेती-किसानी और पशुधन से जुड़ा होता है। हरेली के दिन लोग अपने कृषि उपकरणों की पूजा, पशुओं को नहलाकर उन्हें सजाने, और नीम की डंडियों से झाड़ा देने की परंपरा निभाते हैं।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने मुख्यमंत्री निवास में पारंपरिक विधि से हरेली तिहार मनाया। उन्होंने कहा कि, यह पर्व छत्तीसगढ़ की आत्मा है, जो हमें धरती से जुड़ाव और प्रकृति के सम्मान की सीख देता है।

पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने भी अपने रायपुर स्थित निवास पर हरेली पर्व का आयोजन किया। उन्होंने खेत-खलिहान और पारंपरिक कृषि औजारों की पूजा की और गौ-माता की सेवा की। भूपेश बघेल हर साल की तरह इस बार भी पूरी पारंपरिक पोशाक में दिखाई दिए। उन्होंने अपने समर्थकों के साथ तिहार मनाया। भूपेश बघेल गेड़ी भी चढ़े।

वहीं, डिप्टी सीएम अरुण साव और मंत्री टंकराम वर्मा के आवास पर भी हरेली पर्व की रौनक देखने को मिली। पारंपरिक भोजन, हल पूजा और बैल पूजा के साथ-साथ गौ-सेवा भी इस आयोजन का हिस्सा रही। गांवों में बच्चों ने गेड़ी चढ़कर हरेली की खुशियां मनाई। शहरों में भी जगह-जगह कृषि यंत्रों की पूजा, पौधारोपण और नीम-झाड़ देने जैसी परंपराएं निभाई गईं।

सीजीपीएससी घोटाला, एग्जाम कंट्रोलर समेत 3 को बेल नहीं

बिलासपुर, 24 जुलाई (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के बहुचर्चित सीजीपीएससी भर्ती घोटाले में एग्जाम कंट्रोलर सहित 3 आरोपियों की जमानत याचिका हाईकोर्ट ने खारिज कर दी है। मामले में जस्टिस बीडी गुरु ने एक बार फिर कहा कि जो प्रतियोगी परीक्षा के प्रश्न पत्र लीक करता है, वह लाखों युवाओं के भविष्य से खेलता है, यह कृत्य हत्या से भी गंभीर अपराध है।

कोर्ट ने कहा कि प्रश्नपत्र लीक कर पीएससी जैसी प्रतिष्ठित संस्था को शर्मसार किया है। मामले के आरोपी बाढ़ द्वारा फसल खाने जैसा उदाहरण हैं। इसी टिप्पणी के साथ कोर्ट ने एग्जाम कंट्रोलर और दो आरोपी टामन सिंह के भतीजों की बेल खारिज कर दी।

दरअसल, सीजीपीएससी 2020 में बड़े पैमाने पर अनियमितता बरती गई। जिस पर पूर्व मंत्री ननकीराम कंवर ने सवाल उठाए थे और मामला हाईकोर्ट में पहुंचा था।

ननकीराम ने इस मामले में जनहित याचिका भी लगाई, जिसमें बताया कि अफसर और कांग्रेस नेताओं के रिश्तेदारों को चयन कर डिप्टी कलेक्टर जैसे पद दिए गए थे।

कस्टडी में मौत, थाना प्रभारी समेत चार पुलिसकर्मी दोषी

हाईकोर्ट बोला-रक्षक ही भक्षक बन जाए तो यह लोकतंत्र के लिए खतरा,उम्रकैद घटाकर 10 साल की सजा

बिलासपुर, 24 जुलाई (एजेंसियां)। हाईकोर्ट की डिवीजन बेंच ने अपने महत्वपूर्ण फैसले में कहा कि हिरासत में मौत केवल कानून का उल्लंघन नहीं है। बल्कि, यह लोकतंत्र और मानव अधिकारों पर गहरा आघात है। जब रक्षक ही भक्षक बन जाए तो यह समाज के लिए गंभीर खतरा है। इस टिप्पणी के साथ ही जस्टिस संजय के अग्रवाल और जस्टिस दीपक कुमार तिवारी ने दोषी थाना प्रभारी समेत चार पुलिसकर्मियों की उम्रकैद की सजा को घटाकर 10 वर्ष के कठोर कारावास में बदल दिया।

साथ ही, कोर्ट ने हिरासत में मौत को गैरइरादतन हत्या का मामला माना है। पूरा मामला जांजगीर-चांपा जिले के मुलमुला थाने का है, जहां पुलिस कस्टडी में युवक की मौत हो गई थी।

दरअसल, साल 2016 में ग्राम नरियरा निवासी सतीश नोरगे को शराब पीकर हंगामा करने के आरोप में मुलमुला थाना पुलिस ने हिरासत में लिया था। जिसके कुछ घंटों बाद ही उसकी मौत हो गई। इसके बाद लोगों ने जमकर हंगामा मचाया और दोषी पुलिसकर्मियों पर एफआईआर की मांग की।

विरोध-प्रदर्शन और आंदोलन के बाद जब शव का पोस्टमार्टम कराया गया, तब रिपोर्ट में युवक के शरीर पर 26 जगह चोट के निशान मिले। लिहाजा, इस मामले में थाना प्रभारी जितेंद्र सिंह राजपूत, कांस्टेबल सुनील ध्रुव, दिलहरण मिरी और सैनिक राजेश कुमार के खिलाफ हत्या का केस दर्ज किया गया। पुलिस ने थाना प्रभारी सहित सभी पुलिसकर्मियों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया, जिसके बाद कोर्ट में चार्जशीट पेश किया। ट्रायल के बाद स्पेशल कोर्ट एट्रोसिटी ने साल 2019 में सभी आरोपियों को दोषी ठहराया। साथ ही सभी को उम्रकैद की सजा सुनाई। जिसके खिलाफ आरोपियों ने हाईकोर्ट में अपील की थी। वहीं, मृतक की पत्नी ने इसका विरोध करते हुए हस्तक्षेप आवेदन लगाया था।

मजदूर की हत्या, पिता-बेटा अरेस्ट

पत्नी बोली- जमीन के लिए पीट कर मार डाला, बंटवारा को लेकर झगड़ा करते थे

औरंगाबाद, 24 जुलाई (एजेंसियां)। औरंगाबाद में मजदूरी कर घर लौट रहे एक युवक की हत्या कर दी गई है। घटना मदनपुर थाना क्षेत्र के बेलहर गांव की है। मृतक की पहचान गांव के भिखारी चंद्रवंशी के बेटे 32 साल के प्रेम चंद्रवंशी के रूप में की गई है। मारपीट की घटना बुधवार की शाम में ही हुई थी। लाठी डंडे से पिटाई के कारण प्रेम बेहोश हो गया था।

ग्रामीण उसे आनन-फानन में इलाज के लिए मदनपुर स्थित सामुदायिक अस्पताल ले गए। यहां ड्यूटी में तैनात डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। अस्पताल में युवक की मौत की सूचना मिलते ही पुलिस वहां पहुंची।

शव को कब्जे में लेते हुए आवश्यक कार्रवाई के बाद देर रात पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल भेज दिया गया। गुरुवार की सुबह पोस्टमार्टम के बाद शव अंतिम संस्कार के लिए परिजनों को सौंप दिया गया है। घटना के बाद मृतक की पत्नी रिना देवी समेत अन्य परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। बेलहर गांव में मातमी सन्नाटा पसरा हुआ है।

मृतक की पत्नी रिना देवी ने बताया कि मकान को लेकर कुछ दिनों से घर में विवाद चल रहा था। उसके ससुराल वाले उसे बच्चों के साथ मिट्टी के बने पुराने मकान में रहने के लिए कहते थे। जबकि, उसके सास, ससुर व देवर पक्का मकान में रहते थे।

कुछ साल पहले ही प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत पक्का मकान का निर्माण हुआ था। मृतक प्रेम पक्का मकान में हिस्सा मांग रहा था। इसी बात को लेकर विवाद चल रहा था। बुधवार की सुबह बाप बेटे के बीच बहसबाजी हुई थी। शाम में जब वह काम कर लौट रहा था, तो शैलवां स्कूल के पास रास्ते में रोक कर उसके साथ मारपीट करने लगा। वहां मौजूद लोगों ने बीच बचाव कर मामला शांत करा दिया।

मृतक प्रेम रीना का दूसरा पति था। 4 साल पहले दोनों की शादी हुई थी। इसके पहले उसकी शादी मृतक प्रेम के बड़े भाई पप्पू के साथ हुई थी। पहले ही पप्पू की मौत हो चुकी है।

कंबोडियाई सैनिकों की गोलीबारी में 12 थाई लोगों की मौत

थाईलैंड ने कंबोडिया के सैन्य ठिकानों पर हमले किए, एफ-16 तैनात किया

बैंकॉक, 24 जुलाई (एजेंसियां)। थाईलैंड और कंबोडिया के बीच आज सुबह सीमा पर गोलाबारी हुई है। कंबोडियाई सैनिकों की गोलीबारी में 12 थाई लोगों की मौत हो गई है। वहीं,14 घायल हैं। थाईलैंड ने जवाब में कंबोडिया के सैन्य ठिकानों पर हवाई हमले शुरू कर दिए हैं। दोनों देशों ने एक दूसरे पर पहले हमला करने का आरोप लगाया है।

कंबोडिया के विदेश मंत्रालय ने आरोप लगाया कि थाई सैनिकों ने सुबह गोलीबारी की, जबकि थाई सेना ने कहा कि कंबोडिया ने पहले ड्रोन से हमला किया और फिर तोप और लंबी दूरी के बीएम21 रॉकेटों से हमला किया।

हमले को देखते हुए थाईलैंड ने बॉर्डर पर एफ-16 लड़ाकू विमान तैनात किया है। इस साल 28 मई को बॉर्डर पर दोनों देशों की सेनाओं के बीच भिड़ंत हुई थी, जिसमें एक कंबोडियाई सैनिक की मौत हो गई थी।

इसके बाद से दोनों देशों के बीच विवाद जारी है। इसी विवाद की वजह से इंडोनेशिया की पीएम पाइतोंग्तार्न शिनवात्रा को भी पद से हटाया गया था।

हमले के बाद थाईलैंड ने सीमा से लगे 86 गांवों से लगभग 40 हजार नागरिकों को सुरक्षित जगहों पर भेज दिया है। वहीं, कंबोडिया में रहने वाले थाई लोगों को भी अपने देश लौटने की अपील की गई है। कंबोडिया की राजधानी नोम पेन्ह स्थित रॉयल थाईलैंड दूतावास ने कहा कि सीमा पर स्थिति बिगड़ती जा रही है और झड़पों के लंबे समय तक जारी रहने की संभावना के कारण, दूतावास ने अपने नागरिकों से जितनी जल्दी हो सके कंबोडिया छोड़ने को कहा है।

कंबोडिया और थाईलैंड के बीच विवाद की वजह:

थाईलैंड और कंबोडिया के बीच सीमा विवाद का इतिहास 118 साल पुराना है, जो प्रीह विहार मंदिर और आसपास के क्षेत्रों को लेकर है।

जब कंबोडिया फ्रांस के अधीन था तभी 1907 में दोनों देशों के बीच 817 किमी की लंबी सीमा खींची गई थी। थाईलैंड ने हमेशा इसका विरोध किया, क्योंकि नक्शे में प्रीह विहियर नाम का ऐतिहासिक मंदिर कंबोडिया के हिस्से में दिखाया गया था।

इस पर दोनों देशों में विवाद चलता रहा। 1959 में कंबोडिया यह मामला अंतरराष्ट्रीय न्यायालय में ले गया और 1962 में अदालत ने फैसला दिया कि मंदिर कंबोडिया का है। थाईलैंड ने इसे स्वीकार किया लेकिन आसपास की जमीन को लेकर विवाद जारी रखा।

2008 में यह विवाद तब और बढ़ गया जब कंबोडिया ने इस मंदिर को यूनेस्को की वर्ल्ड हेरिटेज साइट में शामिल कराने की कोशिश की। मंदिर को मान्यता मिलने के बाद दोनों देशों की सेनाओं में फिर झड़पें शुरू हो गईं और 2011 में तो हालात इतने बिगड़ गए कि हजारों लोग अपने घर छोड़ने पर मजबूर हो गए।

2011 में अंतरराष्ट्रीय न्यायालय ने दोनों देशों को विवादित क्षेत्र से सैनिक हटाने का आदेश दिया, और 2013 में फिर से पुष्टि की कि मंदिर और उसके आसपास का क्षेत्र कंबोडिया का है। लेकिन सीमा का मुद्दा अब तक पूरी तरह हल नहीं हो पाया है। इस विवाद के बावजूद थाईलैंड और कंबोडिया दुनिया के सबसे अच्छे पड़ोसी देशों में से माने जाते थे। कुछ साल पहले तक दोनों देशों के नेताओं का मानना था कि उनकी दोस्ती कभी नहीं टूटेगी, क्योंकि वे एक लंबी सीमा साझा करते हैं और मिलकर आगे बढ़ना उनके लिए जरूरी है।

लेकिन हाल के समय में हालात बदल गए और उनके बीच तनाव काफी बढ़ गया है। 28 मई को एमराल्ड ट्रायंगल पर दोनों देशों की सेनाओं के बीच भिड़ंत हुई, जिसमें एक कंबोडियाई सैनिक की मौत हो गई थी। यह वो जगह है थाईलैंड, कंबोडिया और लाओस की सीमाएं मिलती हैं। थाईलैंड और कंबोडिया दोनों ही इस इलाके पर दावा करते हैं।

सैनिक की मौत से नाराज होकर कंबोडिया के नेता हुन सेन ने सीमा पर और सैनिक और हथियार भेजने का आदेश दिया, उन्होंने कहा कि वे युद्ध नहीं चाहते, लेकिन हमला होने पर जवाब देना पड़ेगा। थाई पीएम ने इसके जवाब में कहा कि थाईलैंड ऐसी किसी धमकी को बर्दाश्त नहीं करेगा। इसके बाद कंबोडिया ने धमकी दी कि वह इस विवाद को अंतरराष्ट्रीय अदालत में ले जाएगा, लेकिन थाईलैंड ने यह कहकर इनकार कर दिया कि वह अदालत के अधिकार को नहीं मानता।

स्वतंत्र रहेंगी निगरानी एजेंसियां

नए भ्रष्टाचार विरोधी कानून के खिलाफ प्रदर्शन पर बोले जेलेंस्की

कीव, 24 जुलाई (एजेंसियां)। यूक्रेन में एक नए भ्रष्टाचार विरोधी कानून को लेकर विरोध तेज हो गया है। लोगों का कहना है कि यह कानून देश की भ्रष्टाचार निगरानी संस्थाओं की स्वतंत्रता को खत्म कर देगा। इसी को लेकर गुरुवार को लगातार तीसरे दिन देशभर में प्रदर्शन हुए। राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने तनाव कम करने की कोशिश की और वादा किया कि कानून में सुरक्षा उपाय जोड़े जाएंगे।

जेलेंस्की ने यूक्रेन की प्रमुख भ्रष्टाचार विरोधी और सुरक्षा एजेंसियों के प्रमुखों से मुलाकात की। इसके बाद अपने वीडियो संदेश में उन्होंने कहा कि वह इन एजेंसियों की सिफारिशों के आधार पर संसद में एक नया विधेयक पेश करेंगे, जिससे कानून का शासन और मजबूत होगा। सबसे जरूरी बात, भ्रष्टाचार विरोधी संस्थाओं की स्वतंत्रता के लिए सभी प्रावधान सुनिश्चित किए जाएंगे। जेलेंस्की माना कि नए भ्रष्टाचार कानून को लेकर विवाद हुआ है। यूरोपीय संघ के अधिकारियों और अंतरराष्ट्रीय मानवाधिकार संगठनों ने भी इस कानून की आलोचना की है। यूक्रेनी राष्ट्रपति ने कहा, आपकी बातें नजरअंदाज नहीं की जा रही हैं। हमने सारी चिंताओं का विश्लेषण किया है-कहां बदलाव की जरूरत है और कहां सख्ती की। हालांकि, जेलेंस्की ने यह नहीं कहा कि वह इस नए कानून को रद्द करेंगे, जिसे उन्होंने पहले ही मंजूरी दे दी है।

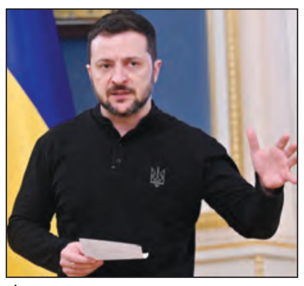

यह कानून इस हफ्ते लागू हुआ है। इस कानून के जरिए दो प्रमुख भ्रष्टाचार निरोधक एजेंसियों पर सरकार की निगरानी और सख्त कर दी गई है। आलोचकों का कहना है कि इससे इन एजेंसियों की स्वतंत्रता कमजोर हो सकती है और जेलेंस्की के करीबी लोगों का किसी भी जांच पर ज्यादा प्रभाव होगा। हालांकि, इन प्रदर्शनों में जेलेंस्की को हटाने की मांग नहीं की गई है, लेकिन युद्ध शुरू होने के बाद यह सरकार के खिलाफ पहला बड़ा प्रदर्शन है। यह तब हो रहा है जब यूक्रेन युद्ध के तीसरे वर्ष भी रूस के खिलाफ संघर्ष कर रहा है। रूस की सेना अब यूक्रेन की अग्रिम पंक्तियों (फ्रंटलाइन) को तोड़ने की कोशिशों को तेज कर रही है और यूक्रेनी शहरों पर हमले बढ़ा रही है। साथ ही यूक्रेन को यह भी चिंता है कि अमेरिका से और सैन्य मदद मिलेगी या नहीं और क्या यूरोप इसकी भरपाई कर पाएगा, क्योंकि युद्ध के खत्म होने के कोई संकेत नहीं हैं। रूस और यूक्रेन के प्रतिनिधि बुधवार को इस्तांबुल में इस साल तीसरी बार बातचीत के लिए मिले, लेकिन इस बैठक का भी कोई बड़ा नतीजा नहीं निकला। जेलेंस्की ने पहले बुधवार को कहा था कि यह नया कानून जरूरी है, ताकि भ्रष्टाचार के खिलाफ और कड़ा कदम उठाया जा सके। भ्रष्टाचार को खत्म करना यूरोपीय संघ में शामिल होने की यूक्रेन की इच्छा के लिए बहुत जरूरी है, और इसके जरिए यूक्रेन को पश्चिमी देशों से मिलने वाली अरबों डॉलर की मदद भी जारी रह सकती है।

तुर्की खरीदने जा रहा 40 यूरोफाइटर जेट

खलीफा एर्दोगन के मिडिल ईस्ट प्लान से खतरे में भारत के 3 दोस्त

अंकारा, 24 जुलाई (एजेंसियां)। तुर्की के राष्ट्रपति रेसेप तैयप एर्दोगन अपनी एयरफोर्स को विश्वस्तरीय बनाना चाहते हैं। ड्रोन सुपर पावर बन चुका तुर्की अब जर्मनी और ब्रिटेन से 40 अत्याधुनिक यूरोफाइटर टाइफून जेट खरीदने जा रहा है। नाटो देश तुर्की यह फाइटर जेट ऐसे समय पर खरीद रहा है जब पूरे इलाके में तनाव काफी बढ़ा हुआ है। यही नहीं तुर्की अपने पड़ोसी देशों ग्रीस और इजरायल को डराने-धमकाने की कोशिश कर रहा है। तुर्की और ब्रिटेन तथा जर्मनी के बीच एक समझौते पर सहमति बन गई है। यूरो फाइटर जेट 4.5 पीढ़ी का अत्याधुनिक फाइटर जेट है जिसकी तुलना फ्रांस के राफेल और अमेरिकी एफ-16 जेट से होती है। यूरो फाइटर जेट को ब्रिटेन, जर्मनी, इटली और स्पेन मिलकर बनाते हैं। यह पूरी डील 5.6 अरब डॉलर की बताई जा रही है।

तुर्की पहले अमेरिका से एफ-35 फाइटर जेट खरीदना चाहता था लेकिन अमेरिका ने इसकी अब तक मंजूरी नहीं दी है। इसके पीछे बड़ी वजह रूसी एस-400 एयर डिफेंस सिस्टम और इजरायल है। तुर्की ने रूस से एस-400 खरीदा है जिसे अमेरिका छोड़ने के लिए कहा रहा है। इसी वजह से तुर्की साल 2023 से ही यूरो फाइटर जेट खरीदने के लिए प्रयास कर रहा था। तुर्की की इस चाल का जर्मनी की सरकार विरोध कर रही थी। जर्मनी के इस कदम के पीछे भारत के तीन दोस्त हैं। ये देश हैं इजरायल, ग्रीस और साइप्रस। तुर्की इन तीनों ही देशों को लगातार धमकाने और डराने में जुटा हुआ है।

इजरायल और ईरान के बीच चले 12 दिनों के युद्ध के बाद तुर्की के खलीफा खौफ में जी रहे हैं। इजरायली एयरफोर्स के 2000 किमी दूरी ऐक्शन से डरे तुर्की के राष्ट्रपति ने एक बार फिर से यूरो फाइटर जेट के लिए अपनी कोशिश को बढ़ा दिया। तुर्की के अधिकारियों ने बताया कि एर्दोगन सरकार जर्मनी की उस शर्त को मानने के लिए तैयार हो गई है जिसमें कहा गया था कि इन विमानों का नाटो की जनरल गाइडलाइन के तहत ही इस्तेमाल किया जाए। इससे अब तुर्की इन लड़ाकू विमानों का इस्तेमाल अपने साथी नाटो देश यानि ग्रीस के खिलाफ नहीं कर पाएगा।

ग्रीस और तुर्की दोनों ही नाटो के सदस्य देश हैं और समुद्री सीमा और पूर्वी भूमध्य सागर में गैस निकालने के अधिकार और साइप्रस को लेकर दोनों के बीच विवाद है। अगर इनमें से कोई भी देश सैन्य बढ़त हासिल करता है तो इससे अंकारा और एथेंस के बीच हथियारों की रेस शुरू हो सकती है। वहीं यूरोपीय यूनियन चाहता है कि तुर्की को भी मजबूत किया जाए ताकि अगर रूस नाटो देशों पर हमला करता है तो उसका करारा जवाब दिया जा सके। तुर्की के अधिकारियों ने कहा है कि इस डील को फाइनल करने से पहले और ज्यादा बातचीत की जरूरत है।

यौन शोषण के आरोपी की क्लाइंट लिस्ट में ट्रम्प

उनकी शादी में भी शामिल हुआ था, बर्थडे पर नेकेड गर्ल की फोटो भेजी थी

वॉशिंगटन, 24 जुलाई (एजेंसियां)। नाबालिग लड़कियों के यौन शोषण के आरोपी जेफ्री एप्स्टीन की फाइल में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प का नाम होने का दावा किया जा रहा है। वॉल स्ट्रीट जर्नल ने सूत्रों के हवाले से इसकी जानकारी दी है। रिपोर्ट के मुताबिक अमेरिका की अटॉर्नी जनरल पाम बॉन्डी ने खुद राष्ट्रपति ट्रम्प को मई महीने में इसकी जानकारी दी थी। हालांकि, व्हाइट हाउस के एक अधिकारी ने बताया कि यह कोई चौंकाने वाली बात नहीं थी, क्योंकि जो दस्तावेज बॉन्डी ने राष्ट्रपति को दिखाए थे, उनमें ट्रम्प का नाम पहले से ही मौजूद था।

इससे पहले बुधवार को ट्रम्प और एपस्टीन की कई पुरानी तस्वीरें सामने आई हैं। इनमें से कुछ तस्वीर से पता चला कि एपस्टीन 1993 में ट्रम्प की दूसरी शादी में शामिल हुआ था।

यह खुलासा उस वक्त हुआ है जब कुछ दिन पहले वॉल स्ट्रीट जर्नल ने यह रिपोर्ट छापी थी कि 2003 में ट्रम्प ने एपस्टीन के 50वें जन्मदिन पर उन्हें एक चिट्ठी लिखी थी, जिसमें एक लड़की की न्यूड फोटो थी। हालांकि ट्रम्प ने इस चिट्ठी को लिखने की बात से इनकार किया है।

एपस्टीन की 'क्लाइंट लिस्ट' से मतलब उन लोगों की एक लिस्ट से है, जो उसके यौन शोषण और तस्करी के नेटवर्क से जुड़े हो सकते हैं। एपस्टीन पर यह आरोप लगे थे कि वह नाबालिग लड़कियों को लोगों तक पहुंचाता था और उनका शोषण करता था।

एप्स्टीन की 'क्लाइंट लिस्ट' इसलिए चर्चा में रहती है क्योंकि कहा जाता है कि इसमें कई बड़े और मशहूर लोगों के नाम हैं। जैसे राजनेता, अमीर कारोबारी, या दूसरी प्रभावशाली हस्तियां। हालांकि, अमेरिका की जांच एजेंसियां जैसे एफबीआई और न्याय विभाग बार-बार कह चुकी हैं कि ऐसी कोई आधिकारिक 'क्लाइंट लिस्ट' मौजूद नहीं है।

अगर किसी का नाम इस लिस्ट में आता भी है, तो इसका मतलब यह नहीं है कि वो दोषी है। लेकिन इससे लोगों में शक पैदा होता है, खासकर जब नाम किसी ताकतवर या मशहूर व्यक्ति का हो। प्लाजा होटल में हुए इस इंवेट में एपस्टीन की मौजूदगी के बारे में अब तक ज्यादा जानकारी नहीं थी। सीएनएन ने इसे लेकर राष्ट्रपति ट्रम्प से पूछा तो उन्होंने कहा कि तुम मजाक कर रहे हो, और फिर बार-बार इसे 'फर्जी' बताकर फोन काट दिया। व्हाइट हाउस के कम्युनिकेशंस डायरेक्टर स्टीवन चेउंग ने इन खुलासों को खारिज करते हुए कहा- ये सिर्फ बिना संदर्भ के तस्वीरें और वीडियो हैं, जिनका इस्तेमाल गलत नजरिया बनाने के लिए किया जा रहा है। राष्ट्रपति ने एपस्टीन को अपने क्लब से निकाल दिया था क्योंकि वह उनका व्यवहार ठीक नहीं था। यह डेमोक्रेट्स और लिबरल मीडिया की तरफ से बनाई गई फर्जी खबरों का हिस्सा है। ट्रम्प और एपस्टीन की मुलाकात भी एक पार्टी में ही हुई थी। 2002 में ट्रम्प ने एक मैगजीन को दिए इंटरव्यू में कहा था- मैं जेफ को 15 साल से जानता हूं, कमाल का आदमी है।

कौन हैं अमेरिका में रहने वाले 'बोस्टन ब्राह्मण'

कोल्डप्ले कॉन्सर्ट के बाद चर्चा में आए, विवाद में फंसीं एचआर से संबंध

वॉशिंगटन, 24 जुलाई (एजेंसियां)। पिछले हफ्ते अमेरिका के बॉस्टन में हुए कोल्ड प्ले कॉन्सर्ट का 2 सेकेंड का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ। इसमें डाटा सॉफ्टवेयर स्टार्टअप एस्ट्रोनॉमर के सीईओ एंडी बायरन अपनी कंपनी की एचआर हेड क्रिस्टी कबॉट के साथ रोमांस करते दिखाई दिए थे। बायरन और क्रिस्टी दोनों पहले से शादीशुदा हैं। ऐसे में इस वीडियो के वायरल होने पर काफी हंगामा मचा। इस घटना के बाद बायरन और क्रिस्टी की फैमिली भी दुनिया की नजरों में आ चुकी है।

बॉस्टन ब्राह्मण मूल रूप से अंग्रेज प्यूरिटन धर्म सुधारकों के वंशज हैं, जो 1600 के दशक में अमेरिका के न्यू इंग्लैंड आए थे। इनमें कबॉट, लोवेल, एडम्स, पीबॉडी, एलियट और विन्थ्रोप जैसे परिवार शामिल थे। ये परिवार अमेरिका के सबसे प्रतिष्ठित परिवार माने जाते हैं। इन परिवारों ने हार्वर्ड (1636) और येल (1701) जैसी यूनिवर्सिटीज की स्थापना में मदद की थी। ये यूनिवर्सिटीज सिर्फ ऊंचे परिवारों के पुरुषों के लिए थीं। बॉस्टन फैमिली ने हार्वर्ड यूनिवर्सिटी की स्थापना में योगदान दिया, जहाजरानी और शिपिंग व्यवसायों को खड़ा किया। यहां तक की अमेरिका के शुरुआती कानूनों भी इन्हीं की देन है।

अमेरिका का डर नहीं, भारत ने रूस से निभाई दोस्ती

मॉस्को को भेजा युद्ध का यह सामान, ट्रंप का भड़कना तय

वाशिंगटन/कीव/नई दिल्ली, 24 जुलाई (एजेंसियां)। भारत और रूस के संबंध काफी पुराने हैं। जब-जब भारत मुश्किल में आया है, तब-तब रूस ने मदद की है। भारत ने भी इस अहसान के बदले में बहुत कुछ दिया है। हालांकि, भारत ने रूस-यूक्रेन युद्ध से दूरी बनाए रखी है। भारत के शीर्ष नेतृत्व ने कई मौकों पर दोनों देशों को संदेश दिया है कि यह समय युद्ध का नहीं है। ऐसे में रूस और यूक्रेन को बातचीत करते ही अपने विवादों को सुलझाना होगा। इस बीच न्यूज एजेंसी रॉयटर्स ने अपनी एक रिपोर्ट में दावा किया है कि भारत की एक कंपनी ने रूस को विस्फोटक बनाने में इस्तेमाल होने वाला एक केमिकल भेजा है।

भारत ने रूस को भेजे विस्फोटक? रॉयटर्स ने अपनी रिपोर्ट में भारतीय सीमा शुल्क के आंकड़ों के आधार पर दावा किया है कि एक भारतीय कंपनी ने दिसंबर में सैन्य उपयोग के लिए 1.4 मिलियन डॉलर की कीमत का एक विस्फोटक कंपाउंड रूस भेजा था। इस कंपाउंड को एचएमएक्स या ऑक्टोजेन के नाम से जाना जाता है। इसे प्राप्त करने वाली रूसी कंपनियों में से एक प्रोम्सिन्टेज है। रिपोर्ट में दावा किया गया है कि प्रोम्सिन्टेज रूसी सेना के लिए विस्फोटकों का निर्माण करती है। यूक्रेन की खुफिया एजेंसी के अधिकारी ने भी दावा किया है कि प्रोम्सिन्टेज का संबंध रूसी सेना से है। अधिकारी ने कहा कि यूक्रेन ने अप्रैल में प्रोम्सिन्टेज के स्वामित्व वाली एक फैक्ट्री पर ड्रोन हमला किया था। पेंटागन के डिफेंस टेक्निकल इंफॉर्मेशन सेंटर और संबंधित रक्षा अनुसंधान कार्यक्रमों के अनुसार, एचएमएक्स का व्यापक रूप से मिसाइल और टारपीडो वारहेड, रॉकेट मोटर्स, विस्फोटक प्रोजेक्टाइल और अडवांस मिलिट्री सिस्टम्स के लिए प्लास्टिक में बंधे विस्फोटकों में उपयोग किया जाता है। अमेरिका ने एचएमएक्स को रूस के युद्ध प्रयासों के लिए महत्वपूर्ण बताया है और वित्तीय संस्थानों को मास्को को इस पदार्थ की किसी भी बिक्री में मदद करने के खिलाफ चेतावनी दी है।

हमास लीडर याह्या सिनवार की विधवा गाजा से तुर्किए भागी

पति की हत्या से पहले फर्जी पासपोर्ट के जरिए गई, दोबारा शादी की

गाजा, 24 जुलाई (एजेंसियां)। हमास के शीर्ष नेताओं के परिवारों को गाजा से बाहर निकालने के लिए एक गुप्त ऑपरेशन चलाया गया। इजरायली न्यूज साइट वाई नेट ने बुधवार को एक रिपोर्ट में इसका खुलासा किया है।

रिपोर्ट में दावा किया गया कि हमास के नेता याह्या सिनवार की विधवा समर अबू जमार अपने पति की हत्या से पहले तुर्किए भाग गई और शादी कर ली। सिनवार के भाई की विधवा नजवा सिनवार के भी भागने की खबरें सामने आई है। इस ऑपरेशन में नकली पासपोर्ट, फर्जी मेडिकल दस्तावेज, और कुछ सहयोगी देशों के दूतावासों की मदद शामिल थी। हालांकि, हमास के एक अन्य नेता मोहम्मद देइफ की पत्नी उम्म खालिद ने गाजा में रहने का दावा किया है।

रिपोर्ट के अनुसार, इजराइल से युद्ध के शुरुआती महीनों में ये ऑपरेशन चलाया गया था। इसी ऑपरेशन में याह्या सिनवार की विधवा समर अबू जमार भागकर गाजा से तुर्किए आ गई थी।

जमार राफा क्रॉसिंग के जरिए एक अन्य महिला के नकली पासपोर्ट का इस्तेमाल कर बच्चों के साथ गाजा से निकली। रिपोर्ट के मुताबिक तुर्किए में उनकी शादी हमास के पॉलिटिकल ब्यूरो के सदस्य फाथी हमाद ने करवाई।

अमेरिका से गोमांस आयात पर प्रतिबंध घटाएगा ऑस्ट्रेलिया

वाशिंगटन, 24 जुलाई (एजेंसियां)। ऑस्ट्रेलिया की सरकार ने अमेरिका से गोमांस आयात पर लगे प्रतिबंधों को कम करने का फैसला किया है। गौरतलब है कि अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने ऑस्ट्रेलिया द्वारा लगाए गए प्रतिबंधों की आलोचना की थी। ऑस्ट्रेलिया के कृषि मंत्री ने यह एलान किया।

कृषि मंत्री कोलिंस ने कहा कि लगाए गए प्रतिबंध मैड काउ बीमारी की वजह से लगाए गए थे। अब चूंकि अमेरिकी सरकार ने बीमारी पर रोक के लिए कई कदम उठाए हैं, इसलिए प्रतिबंधों में ढील देने का फैसला किया गया है।

शांतिकाल का सबसे चुनौतीपूर्ण अभियान

ब्रिटिश एफ-35 ने ताजा की मॉरीशस में फंसे भारतीय वायुसेना के मिराज की यादें

पोर्ट लुई, 24 जुलाई (एजेंसियां)। तिरुवनंतपुरम में फंसे ब्रिटेन के एफ-35बी लड़ाकू विमान की मरम्मत के बाद वापसी ने भारतीय वायुसेना के सामने दो दशक पहले की एक ऐसी ही घटना की यादें ताजा कर दीं। भारतीय वायुसेना का मिराज-2000 लड़ाकू विमान बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया था और 22 दिनों तक मॉरीशस में फंसा रहा था। वायुसेना के एक जोखिम भरे और साहसिक अभियान के जरिए उस लड़ाकू विमान को भारत वापस लाया गया। संयोग से वायुसेना का वह लड़ाकू विमान भी तिरुवनंतपुरम में ही उतरा था। विमान को वापस लाने का यह मिशन भारतीय विमानन इतिहास में भारतीय वायुसेना के इंजीनियरों के पायलटिंग कौशल, साहस और तकनीकी कुशलता के सबसे प्रशंसित प्रदर्शनों में से एक के रूप में दर्ज है। भारतीय वायुसेना के इंजीनियरों ने मॉरीशस में बेली लैंडिंग (विमान को बिना लैंडिंग गियर खोले या बिना पूरी तरह से खोले हुए जमीन पर उतारना) के कारण हुए व्यापक नुकसान के बाद भी विमान को कम समय में उड़ान भरने लायक बना दिया था। मॉरीशस की घटना ने पायलट, स्क्वाड्रन लीडर जसप्रीत सिंह के साहस और योजना कौशल को भी उजागर किया, जिन्होंने खतरनाक मौसम का सामना करते हुए मरम्मत किए गए मिराज को वापस लाने के लिए हवा में तीन बार ईंधन भरा। उन्होंने 26 अक्टूबर, 2004 को हिंद महासागर के ऊपर पांच घंटे और 10 मिनट तक बिना रुके उड़ान भरी, जहां रास्ते में कोई भी खराबी लगभग निश्चित आपदा का कारण बन सकती थी।

भारतीय वायुसेना से 2018 में सेवानिवृत्त हुए जसप्रीत ने पीटीआई-भाषा को बताया, 'मुझे वह दिन इतनी अच्छी तरह याद है जैसे कल की ही बात हो। मुझे महासागर के पार इस जोखिम भरी उड़ान को लेकर पूरा विश्वास था क्योंकि मुझे असाधारण तकनीकी कर्मियों की टीम पर पूरा भरोसा था जिन्होंने विमान की मरम्मत के लिए दो हफ्तों से ज्यादा समय तक बिना रुके काम किया था। सैन्य विमानन का मतलब है मिशन की मांग के अनुसार सोच-समझकर जोखिम उठाना, सभी संभावित आकस्मिक स्थितियों के लिए तैयार रहना और अपनी वैकल्पिक योजनाएं तैयार रखना।' फ्रांस निर्मित मिराज-2000 चार अक्टूबर को एक एयर शो में भाग लेने के बाद पोर्ट लुई के सर शिवसागर-रामगुलाम अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर दुर्घटनाग्रस्त हो गया था।

थाईलैंड के पटाया में भारतीय पर्यटकों की शर्मनाक हरकत

'सीना छोटा' बताकर बार गर्ल को होटल से भगाने की कोशिश

बैंकॉक, 24 जुलाई (एजेंसियां)। थाईलैंड के पटाया शहर में तीन भारतीय पर्यटकों ने शर्मनाक हरकत को अंजाम दिया है। तीन भारतीय पर्यटकों ने विदेश में भारतीयों के नाम को खराब किया है। पटाया मेल की रिपोर्ट के मुताबिक तीन भारतीय युवकों ने देर रात एक बार गर्ल को पैसे देकर होटल में बुलाया था। लेकिन तीनों उसकी फिगर देखकर नाराज हो गये। तीनों पर्यटकों ने यह कहते हुए आपत्ति जताई कि उसका सीना बहुत छोटा है। इसके बाद उन्होंने थाई पुलिस को फोन कर होटल बुला लिया। रिपोर्ट के मुताबिक ये घटना पटाया के सायो बीच-11 इलाके की है, जहां 18 जुलाई की रात करीब ढाई बजे पुलिस को भारतीय युवकों ने फोन की थी।

पटाया मेल के मुताबिक पुलिस जब होटल पहुंची, तो वहां मौजूद बार गर्ल काफी घबराई हुई थी और उसे समझ नहीं आ रहा था कि उसने ऐसा क्या किया है, जो पुलिस बुला ली गई है। पटाया मेल के मुताबिक 'छाती छोटी' देखने के बाद तीन भारतीय पर्यटक भड़क गये थे और बार गर्ल को भगाने की कोशिश कर रहे थे, जिसके बाद विवाद शुरू हो गया। पटाया मेल ने अपनी रिपोर्ट में कहा है कि बार गर्ल की उम्र करीब 35 साल के करीब है और उसने अपने बयान में कहा है कि तीन भारतीय पर्यटकों के साथ उसका सौदा 3000 बाट यानी करीब 7000 भारतीय रुपये में तय हुआ था। उसे एक हजार बाट एडवांस दिया गया और फिर वो उनके साथ होटल आ गई। महिला ने कहा कि होटल पहुंचने के बाद उन लोगों ने उसके शरीर को लेकर खराब टिप्पणियां करनी शुरू कर दी। उसके शारीरिक बनावट पर सवाल उठाना शुरू कर दिया। महिला ने पटाया मेल को बताया कि उन लड़कों ने कहा कि उसका सीना बहुत छोटा है और वह उनके स्टैंडर्ड पर खरी नहीं उतरती। महिला ने कहा कि वो कोई विवाद नहीं चाहती थी और अपना बकाया लेकर वहां से जाना चाहती थी। लेकिन तीनों भारतीय लड़के होटल से बहाना बनाकर बाहर निकले कि वे पैसे निकालने जा रहे हैं और उन्होंने सीधे पुलिस बुला ली।

कांग्रेस से 15 गुना ज्यादा काम हमारी सरकार ने किया

नहीं हुआ एक भी पेपरलीक: सीएम भजनलाल

चित्तौड़गढ़, 24 जुलाई (एजेंसियां)। राजस्थान में कांग्रेस के शासन में कई पेपरलीक हुए। उधार लेकर बच्चों को प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी करवाने वाले किसानों की आंखों से आंसू निकल आए। हमारी सरकार ने एक भी पेपरलीक नहीं होने दिया। हमारी सरकार ने कांग्रेस से 15 गुना ज्यादा काम किया है। चित्तौड़गढ़ के निम्बाहेड़ा में कृषि उपज मण्डी प्रांगण में करीब 475 करोड़ रुपए के 67 कार्यों के शिलान्यास और 147 विकास कार्यों के लोकार्पण समारोह में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने यह बात कही।

उन्होंने कहा कि कांग्रेस यह जवाब देने की स्थिति में भी नहीं है कि उनके शासन में कितने पेपरलीक हुए, कितने युवाओं को नौकरियां दी। भाजपा का शासन आते ही डेढ़ साल में 4 लाख 70 हजार मेगावाट का विद्युत उत्पादन किया है। पांच हजार गांवों को गरीबी रेखा से ऊपर उठाने का काम किया है। प्रदेश में रेलवे के

विकास के लिए केंद्र सरकार इस साल लगभग 10 हजार करोड़ रुपए खर्च करने जा रही है।

विकास कार्यों का शिलान्यास-लोकार्पण

कार्यक्रम में मुख्यमंत्री ने निंबाहेड़ा विधानसभा क्षेत्र के 475 करोड़ रुपए से ज्यादा के विकास कार्यों का वर्चुअल लोकार्पण-शिलान्यास किया। उन्होंने सिंचाई विभाग के 26.95 करोड़, शिक्षा विभाग के 7.19 करोड़, पंचायतीराज विभाग 2.80 करोड़, विद्युत विभाग के 11.77 करोड़, जलग्रहण एवं भू-संरक्षण विभाग के 1.89 करोड़, चिकित्सा विभाग के 7.88 करोड़, सार्वजनिक निर्माण विभाग के 13.10 करोड़, विपणन विभाग के 8.59 करोड़, स्वायत्त शासन विभाग के 64.56 करोड़, वन एवं पर्यावरण के 64 लाख, जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी के 3.39 करोड़ तथा आरएसआरडीसी के 325 करोड़ रुपए के विकास कार्यों का लोकार्पण-शिलान्यास किया।

5 साल में 50 करोड़ पौधारोपण हमारा लक्ष्य-

मुख्यमंत्री ने कहा कि हमने पिछले वर्ष यशस्वी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के एक पेड़ मां के नाम अभियान से प्रेरणा लेते हुए हरियालो राजस्थान की शुरुआत की और पिछले वर्ष हमने साढ़े सात करोड़ पौधे लगाए। उन्होंने कहा कि आने वाली 27 जुलाई को हरियाली तीज के दिन हम ढाई करोड़ पौधे लगाने जा रहे हैं। हम हरियालो राजस्थान के माध्यम से इस वर्ष प्रदेश में 10 करोड़ पौधे तथा 5 साल के कार्यकाल में 50 करोड़ पौधरोपण का लक्ष्य लेकर काम कर रहे हैं। उन्होंने प्रदेशवासियों से बारिश के इस सीजन में ज्यादा से ज्यादा पौधे लगाने और हरियालो राजस्थान के संकल्प को पूरा करने में योगदान करने की अपील की।

अहिल्याबाई होल्कर की प्रतिमा का अनावरण

इससे पहले मुख्यमंत्री ने मंडी परिसर में अहिल्याबाई होल्कर की प्रतिमा का अनावरण तथा पौधारोपण भी किया। इसके बाद उन्होंने परिसर में ही लगाई गई प्रदर्शनी में विभिन्न विभागों एवं संस्थानों की स्टॉल्स का अवलोकन किया, साथ ही विभिन्न योजनाओं के लाभार्थियों को चेक, स्वामित्व कार्ड, ट्राईसाइकिल एवं स्कूटी का वितरण किया। समारोह में राजस्व मंत्री हेमंत मीणा, महिला एवं बाल विकास राज्यमंत्री डॉ. मंजू बाघमार, माटी कला बोर्ड के अध्यक्ष प्रहलाद राय टाक, सांसद सीपी जोशी, विधायक श्रीचंद कृपलानी, अर्जुन लाल जीनगर, उदयलाल डांगी, गोपाल शर्मा सहित विधायक और अन्य लोग उपस्थित रहे।

सीएम ने पी चाय, यूपीआई से किया पेमेंट

मुख्यमंत्री श्री भजनलाल शर्मा ने कार्यक्रम समाप्ति के पश्चात निम्बाहेड़ा में अहिंसा सर्किल स्थित एक दुकान पर रुककर चाय पी। इस दौरान उन्होंने स्थानीय लोगों एवं युवाओं से बात की। सीएम ने चाय का भुगतान यूपीआई के माध्यम से किया।

नरेश मीना की यात्रा युवा जागरूकता की आवाज : सचिन पायलट

टोंक, 24 जुलाई (एजेंसियां)। राजस्थान में कांग्रेस नेता नरेश मीना की 'जनक्रांति यात्रा' को लेकर सचिन पायलट ने कहा कि हर किसी को अपनी बात कहने का अधिकार है और जो लोग युवाओं की बात कर रहे हैं, उनका समर्थन किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि जयपुर और दिल्ली में बैठे नेताओं को क्या परवाह है नौजवानों की? लोकतंत्र में यह सबसे जरूरी है कि लोग शांति और सद्भाव से अपनी बात रखें। जो लोग नौजवानों की आवाज़ उठा रहे हैं, उन्हें पूरा हक है और उन्हें यह करना भी चाहिए।

'अब जाने वाली है भाजपा सरकार'

सचिन पायलट ने केंद्र की भाजपा सरकार पर तीखा प्रहार कर कहा कि अब सरकार के दिन गिनती के रह गए हैं। उन्होंने कहा कि सरकार तो जाने वाली है। वो 2028 में जाएगी या उससे पहले, सवाल यह है। राज्य में कानून-व्यवस्था चरमरा चुकी है। नौकरियों और विकास के सारे दावे खोखले साबित हो रहे हैं। मुख्यमंत्री और मंत्री सिर्फ दिल्ली के चक्कर काट रहे हैं। हर कोई अलग-अलग लामबंदी में व्यस्त है। सरकार केवल समय काटने में लगी है।

प्रधानमंत्री की कार्यशैली पर कसा तंज

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को निशाने पर लेते हुए पायलट ने कहा कि प्रधानमंत्री को देश की चिंता नहीं, उन्हें विदेश घूमने से फुर्सत नहीं है। उन्होंने कहा कि देश की युवा पीढ़ी, रोजगार और विकास जैसे अहम मुद्दों पर बात करना चाहती है। लेकिन केंद्र सरकार उनकी आवाज को सुनने के बजाय अपनी प्रचार यात्रा में लगी है।

ईआरसीपी पर फिर उठाया सवाल, टोंक को पानी देने की मांग

ईआरसीपी को लेकर भी पायलट ने एक बार फिर प्रधानमंत्री और केंद्र सरकार पर सवाल खड़े किए। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री आए, मटके में पानी डाल कर चले गए, लेकिन डीपीआर (विस्तृत परियोजना रिपोर्ट) अब तक नहीं बताया कि कितना पानी मिलेगा। ईसरदा से टोंक को पहले पानी मिलना चाहिए, लेकिन विकास के नाम पर अब तक कुछ नहीं हुआ।

जोधपुर में फिर गरमाई 1998 की सियासत

मंत्री जोगाराम पटेल ने की मामले की जांच की मांग

जोधपुर, 24 जुलाई (एजेंसियां)। जोधपुर राजस्थान की राजनीति में एक बार फिर से बवाल मचा हुआ है। ऐसे में राजस्थान सरकार के संसदीय कार्य एवं विधि मंत्री जोगाराम पटेल ने भी कहा कि 1998 में जो खेल खेला गया था, उस मामले की पूरी जांच होनी चाहिए। दरअसल संसदीय मंत्री पटेल जोधपुर प्रवास पर थे। इस दौरान हाल में एक पूर्व विधायक की किताब जो कि चर्चा में है और खासकर कांग्रेस को लेकर किताब में जो आरोप लगे हैं उनको लेकर संसदीय मंत्री पटेल ने भी जांच की मांग की है।

उन्होंने कहा कि उसमें जो तथ्यों के साथ कहा गया है कि 1998 में तत्कालीन सरकार में सरदारपुरा

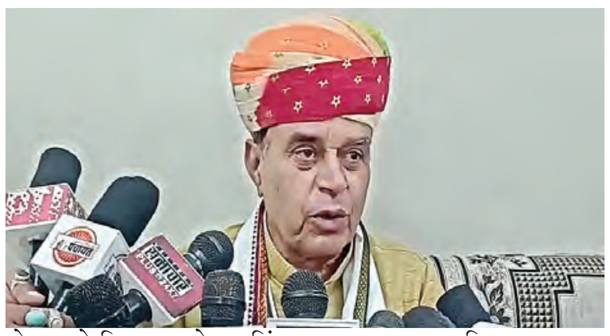

जोधपुर से विधायक रहे मानसिंह देवड़ा को सीट छोड़ने के लिए कहा गया था। इसके लिए तत्कालीन मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के समक्ष उस समय विधायक देवड़ा ने कहा था कि उनके खिलाफ भ्रष्टाचार का मामला है। उस कार्रवाई को ड्रॉप किया जाए। पूर्व मुख्यमंत्री गहलोत को अपनी मुख्यमंत्री की कुर्सी कायम रख कर विधायक बनना था ऐसे में उस किताब में तथ्यों को लेकर पूर्व मुख्यमंत्री गहलोत को खंडन करना चाहिए या जवाब देना चाहिए। आज दिन तक न तो खंडन किया न ही जवाब दिया है। यह तथ्य उनके संज्ञान में अधिकारियों के संज्ञान में है। उस किताब में जो तथ्य लिखे गए है वो गलत नहीं हो सकते है। ऐसा मामला हमारे केन्द्रीय मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत की छवि को धूमिल करने के लिए फोन टेपिंग का आरोप लगाया गया। उनके तथ्य झूठे पाएंगे अब समझौते के लिए चक्कर लगा रहे है। मेरा मानना है कि उस वक्त 1998 में जो खेल खेला गया उसकी जांच होनी चाहिए। इसके साथ ही उपराष्ट्रपति धनखड़ के इस्तीफे को लेकर कांग्रेस के प्रदेशाध्यक्ष गोविन्द सिंह डोटासरा और पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत द्वारा दिए गए बयान पर पलटवार करते हुए संसदीय कार्य मंत्री पटेल ने कहा कि यह वही पलटू राम है जो कभी उपराष्ट्रपति के कभी दबाव में काम करने का कह रहे थे। डोटासरा गहलोत व कांग्रेस के नेता केवल नकारात्मक राजनीति कर रहे हैं।

नाबालिग से दुष्कर्म करने के दोषी को आजीवन कारावास

पॉक्सो कोर्ट ने सुनाया फैसला

अलवर, 24 जुलाई (एजेंसियां)। अलवर की पॉक्सो कोर्ट संख्या 2 ने एक नाबालिग लड़की के साथ दुष्कर्म के मामले में कठोर फैसला सुनाते हुए आरोपी को आजीवन कारावास की सजा दी है। यह सजा जीवन पर्यंत तक लागू रहेगी, यानी जब तक आरोपी जीवित रहेगा। इस मामले में कोर्ट ने न केवल दोषी को कठोर दंड दिया, बल्कि पीड़िता को आर्थिक सहायता प्रदान करने का भी आदेश जारी किया। यह फैसला न्यायाधीश शिल्पा समीर ने सुनाया।

दिल दहला देने वाली घटना वर्ष 2022 में अलवर के उद्योग नगर थाना क्षेत्र में हुई थी। मुख्य लोक अभियोजक पंकज यादव ने बताया कि आरोपी अशोक ने एक नाबालिग लड़की के घर में घुसकर उसके साथ दुष्कर्म किया।

'धनखड़ के निजी चिकित्सक हैं क्या गहलोत?'

स्वास्थ्य टिप्पणी पर बीजेपी प्रदेशाध्यक्ष राठौड़ का पलटवार

जयपुर, 24 जुलाई (एजेंसियां)। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ के अचानक इस्तीफे के बाद सियासत गरमा गई है। इस मुद्दे पर पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के बयान को लेकर भाजपा प्रदेशाध्यक्ष मदन राठौड़ ने तीखा जवाब दिया है।

राठौड़ ने कहा, "गहलोत साहब न तो डॉक्टर हैं और न ही धनखड़ जी के निजी डॉक्टर। जब कोई व्यक्ति स्वयं अपने स्वास्थ्य कारणों से पद से इस्तीफा देता है, तो उस पर अविश्वास जताना या राजनीति करना निंदनीय है। गहलोत जी को ऐसी बातें नहीं कहनी चाहिए।"

उन्होंने आगे कहा, "पहला सुख निरोगी काया। जब व्यक्ति बीमार होता है तो राजनीति जरूरी नहीं होती। स्वस्थ होंगे तो फिर से

राजनीति कर सकते हैं। खुद गहलोत कुछ समय पहले बीमार पड़े थे, अस्पताल में भर्ती रहे, भाषण के दौरान मंच पर बैठना पड़ा था। ऐसे में उन्हें दूसरों के स्वास्थ्य पर टिप्पणी से बचना चाहिए।"

जातीय समीकरणों को लेकर पूछे गए सवाल पर राठौड़ ने दो टूक कहा, "हम भाजपा में जातिवादी राजनीति नहीं करते। हम सर्वसमाज का विकास चाहते हैं। जो भी मेहनती और सेवाभावी व्यक्ति हैं, उसे सेवा का अवसर दिया जाना चाहिए।" उन्होंने अन्य राजनीतिक दलों को भी नसीहत दी और कहा कि, "कोई भील प्रदेश या मरू प्रदेश की बात करता है, कोई जातीय भेद की राजनीति करता है। यह लोकतंत्र के लिए सही नहीं। भाजपा सभी जातियों, धर्मों और संप्रदायों का सम्मान करती है।"

बॉर्डर पर रेत के बीच ड्रग फैक्ट्री का भंडाफोड़

100 करोड़ की ड्रग बनाने की थी तैयारी, एसआईटी जांच में जुटी

बाड़मेर, 24 जुलाई (एजेंसियां)। बाड़मेर जिले में सेड़वा थाना क्षेत्र के धोलकिया (कारटीया) में अवैध एमडी ड्रग्स बनाने की फैक्ट्री बरामद करने के मामले में बाड़मेर एसपी नरेंद्र सिंह मीना ने प्रेस कॉफ्रेंस कर बड़ा खुलासा किया है। अवैध फैक्ट्री में पुलिस ने 40 लाख रुपए की सामग्री बरामद की। साथ ही इतनी सामग्री से फैक्ट्री में 100 करोड़ रुपए एमडी बननी थी। यह एमडी मारवाड़ समेत भारत की मेट्रो सिटी में सप्लाई होनी थी। एमडी ड्रग्स बनाने से सप्लाई तक 15 से 20 तस्कर जुड़े हुए हैं।

एसपी नरेंद्र सिंह मीना ने बताया कि सेड़वा थाना क्षेत्र के धोलकिया स्थित मांगीलाल विश्नोई के खेत में एमडी ड्रग बनाने की सेटअप की हुई मशीन, प्रयुक्त केमिकल, पाउडर व उपकरण, इलेक्ट्रिक कांटा, जनरेटर समेत अन्य सामान जब्त किया है। आरोपी मांगीलाल पुत्र रामकिशन निवासी धोलकिया और बिरजू जयेंद्र शुक्ला पुत्र जयेंद्र शुक्ला निवासी मुंबई को गिरफ्तार किया है। वहीं, गणपत सिंह निवासी आकल मौके से फरार हो गया। पुलिस उसकी तलाश में जुटी है। साथ ही मामले की जांच के लिए एएसपी जसाराम के नेतृत्व में एसआईटी का गठन किया गया है।

सांवलिया सेठ मंदिर का भंडार खोला

पहले दिन 7 करोड़ 15 लाख रुपए की गणना, भक्त ने भेंट की चांदी की रिवॉल्वर

चित्तौड़गढ़, 24 जुलाई (एजेंसियां)। मंडफिया स्थित सुप्रसिद्ध भगवान श्रीसांवलिया सेठ के दरबार का भंडार चतुर्दशी खोला गया, जिसमें पहले दिन सात करोड़ 15 लाख रुपए का चढ़ावा मिला है। यह जानकारी मंदिर मंडल की ओर से दी गई। भंडार से प्राप्त शेष राशि की गिनती दूसरे चरण में शुक्रवार को की जाएगी।

भंडार की गिनती के दौरान मंदिर मंडल के अध्यक्ष हजारी दास वैष्णव, सदस्य किशनलाल अहीर, पवन तिवारी, रामलाल गुर्जर और हरिराम गाडरी उपस्थित रहे। इनके साथ ही, भादसोड़ा के नायब तहसीलदार शिव शंकर पारीक, लेखाधिकारी राजेंद्र सिंह,

सुरक्षा प्रभारी गुलाब सिंह राजपूत, संस्थापन प्रभारी लेहरी लाल गाडरी, और भेरुगिरी गोस्वामी भी मौजूद थे। मंदिर के चुनिंदा कर्मचारियों और विभिन्न बैंकों के कर्मचारियों ने भी गिनती प्रक्रिया में सहयोग किया। श्रीसांवलिया सेठ का मंदिर राजस्थान के प्रमुख तीर्थ स्थलों में से एक है, और यहां देश-विदेश से बड़ी संख्या में श्रद्धालु दर्शन के लिए आते हैं। भक्त अपनी मनोकामनाएं पूरी होने पर यहां भेंट चढ़ाते हैं, जिससे मंदिर के भंडार में लगातार वृद्धि हो रही है।

मंडफिया स्थित भगवान श्रीसांलिया सेठ के दरबार में सालाना लाखों श्रद्धालु दूर दूर से आते हैं। वहीं भंडार में श्रद्धालुओं की ओर से नकद राशि व अन्य वस्तुएं और आभूषण उपहार स्वरूप भेंट किए जाते हैं। प्रसिद्ध सांवलिया सेठ मंदिर को अनोखी भेंट मिली है।

एक गुमनाम भक्त ने उन्हें चांदी से बनी रिवॉल्वर और गोली भेंट की है। यह पहला मौका है, जब मंदिर में किसी भक्त ने हथियार चढ़ाए हों। इनके साथ चांदी के दो लहसुन भी भेंट किए गए। चांदी की रिवॉल्वर का वजन करीब 300 ग्राम और गोली 190 ग्राम की है। रिवॉल्वर पर बारीक नक्काशी है। इस भेंट से मंदिर के पुजारी भी हैरान हैं।

दूध उत्पादन में राजस्थान जल्द बनेगा नम्बर 1

यूपी को पीछे छोड़ने की बनाई योजना

जयपुर, 24 जुलाई (एजेंसियां)। देश में दुग्ध उत्पादन के मामले में राजस्थान सिरमौर बनने में एक कदम पीछे हैं। वर्तमान में पहले नम्बर पर उत्तरप्रदेश है।

मध्यप्रदेश व गुजरात तीसरे व चौथे नम्बर पर है। उत्पादन की दौड़ में शीर्ष पर पहुंचने के लिए राजस्थान में ग्राम स्तर पर प्राथमिक दुग्ध उत्पादक सहकारी समितियों की भागीदारी बढ़ाने पर जोर दिया जा रहा है।

राजस्थान कॉपरेटिव डेयरी फैडरेशन के अनुसार देश में दूध उत्पादन में राजस्थान वर्ष 2022-23 में पहले स्थान पर आ गया था। तब राज्य ने 900 लाख लीटर उत्पादन में ही उत्तरप्रदेश को पीछे छोड़ दिया।

उसके बाद उत्तरप्रदेश में दूध का उत्पादन बढ़ गया। वर्तमान में राजस्थान में दूध का प्रतिदिन औसत उत्पादन उत्तरप्रदेश से 151 लाख लीटर कम है।

अन्य डेयरियां खरीद रही दूध (अमूल, मदर, कोटा फ्रेश, पतजंलि इत्यादि)- 65 लाख लीटर। (प्रतिदिन औसत लाख लीटर)

राज्य में 55 प्रतिशत घरों में हो रही खपत

राज्य में कुल उत्पादन 912 लाख लीटर है, उसका 55 प्रतिशत यानी 500 लाख लीटर दूध पशुपालकों के घरों में ही खप रहा है। घरों में दूध पीने के अलावा दही, छाछ व घी बनाकर भी खपत हो रही है।

पति-पत्नी में झगड़ा, गुस्साए पिता ने 18 महीने के बेटे को बोरवेल में डाला

जयपुर, 24 जुलाई (एजेंसियां)। राजस्थान की राजधानी जयपुर में एक कलियुगी पिता ने अपने डेढ़ साल के बेटे की हत्या कर दी। आरोपी ने बच्चे के शव को भी बोरवेल में डाल दिया। जमवांरामगढ़ के दीपोला गांव में हुई इस सनसनीखेज वारदात से हर कोई अचंभित रह गया। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। जयपुर से आपदा राहत टीम बच्चे के शव को निकालने के लिए निकल चुकी है।

पुलिस ने बताया कि आरोपी शराब का आदी है। जिसके चलते उसका पत्नी में काफी समय से विवाद था। आरोपी की पत्नी बच्चे को छोड़कर अपने पीहर रहने लगी। वहीं बच्चा काफी समय से बीमार था। जिससे भी घर में तनाव का माहौल था। आरोपी देर रात बच्चे को अस्पताल में उपचार कराने के लिए ले गया था। वहीं रास्ते में उसने बच्चे की हत्या कर शव को बोरवेल में डाल दिया। आरोपी के घर में उसके पिता व भाई है। पुलिस ने बताया कि उन्हें पिता द्वारा बच्चे की हत्या और शव बोरवेल में डाले जाने की जानकारी मिली थी। पुलिस ने आरोपी पिता को हिरासत में ले लिया है। पुलिस आरोपी के साथ बच्चे के शव की तलाश कर रही है। जयपुर से आपदा राहत टीम भी दीपोला गांव पहुंच गई है। वहीं सूचना पर पुलिस के आला अधिकारी मौके पर पहुंचे।

कांग्रेस ने खोला सरकार के खिलाफ मोर्चा

बिजली-पानी और कानून व्यवस्था के मुद्दे पर कलेक्टर को ज्ञापन सौंपा

बाड़मेर, 24 जुलाई (एजेंसियां)। प्रदेश में बिगड़ती कानून व्यवस्था, पंचायती राज चुनाव में देरी और बिजली के स्मार्ट मीटर के विरोध में कांग्रेस पार्टी ने बाड़मेर जिला मुख्यालय पर धरना प्रदर्शन करते हुए जिला कलेक्टर टीना डाबी को महामहिम राज्यपाल के नाम ज्ञापन सौंपा। इस दौरान कांग्रेस नेताओं ने प्रदेश की भाजपा सरकार को बिजली, पानी, सड़क सहित तमाम मुद्दों पर आड़े हाथों लेते हुए जमकर निशाना साधा। पूर्व कैबिनेट मंत्री एवं कांग्रेस नेता हेमाराम चौधरी ने कहा कि राजस्थान में कानून व्यवस्था पूरी तरह से चरमराई हुई है। आए दिन अपराध हो रहे हैं। लूटपाट, चैन स्नेचिंग, बलात्कार के मामलों में दिनोंदिन बढ़ोतरी हो रही है। निकाय एवं पंचायती राज चुनावों को जान-बूझकर टाला जा रहा है। स्मार्ट मीटर जैसी बिना प्लान की योजना लाकर जनता को लूटने का प्रयास किया जा रहा है। कांग्रेस के साथ साथ आम जनता भी भाजपा के जनविरोधी कामों का पुरजोर विरोध कर रही है। बाड़मेर जिला प्रभारी एवं पीसीसी महासचिव मोहनलाल डागर ने कहा कि भाजपा के इस राज में अपराधियों के हौसले बुलंद हैं। स्मार्ट मीटर के नाम पर जनता को आर्थिक नुकसान देने का काम भाजपा की यह सरकार कर रही है। जनता के लिए यह मुश्किल भरा दौर चल रहा है, ऐसे में कांग्रेस संगठन जनता से जुड़े मुद्दों को उठाकर लोगों के सुख-दुख में सहभागी बनने का काम कर रहे हैं। जिला कांग्रेस कमेटी बाड़मेर के अध्यक्ष गफूर अहमद ने कहा कि भाजपा के इस राज में जनता में त्राहि-त्राहि मची हुई है। लोगों में भारी आक्रोश है और आने वाले चुनावों में जनता भाजपा को करारा जवाब देगी, इस डर से भाजपा नगर निकाय एवं पंचायती राज के चुनाव नहीं करवा रही है। बाड़मेर जिला प्रमुख महेंद्र चौधरी ने कहा कि भाजपा के राज में उन्हीं के जनप्रतिनिधियों की नहीं चलती। राज्य में अफसरशाही हावी है।

बिना लाइसेंस बिक रही संदिग्ध कृषि दवाइयों पर कार्रवाई

जालोर, 24 जुलाई (एजेंसियां)। जालोर जिले में कृषि विभाग ने एक बड़ी कार्रवाई करते हुए बिना लाइसेंस बेची जा रही संदिग्ध कृषि दवाइयों की भारी खेप जब्त की है। यह कार्रवाई कृषि मंत्री डॉ. किरोड़ी लाल मीणा और संयुक्त निदेशक (गुण नियंत्रण) जयपुर के. मंगल के निर्देश पर सायला क्षेत्र में की गई। जानकारी के अनुसार सायला कस्बे में कृषि विभाग ने बिना लाइसेंस और बिना अनुमति के बेचे जा रहे संदिग्ध कृषि उपयोगी उर्वरकों की भारी खेप जब्त की। यह कार्रवाई कृषि मंत्री डॉ. किरोड़ी लाल मीणा, संयुक्त निदेशक (गुण नियंत्रण) जयपुर के.के. मंगल तथा संयुक्त निदेशक (विस्तार) जालोर रामलाल जाट के निर्देश पर चलाए जा रहे गुण नियंत्रण अभियान के तहत की गई।

निरीक्षण दल जब सायला के पास जीवाणा मार्ग से गुजर रहा था। तभी एक टैक्सी में संदिग्ध बिना मार्किंग के उर्वरक कार्टन लदे देखे गए। शक के आधार पर टैक्सी को रुकवाकर जांच की गई, जिसमें बिना ब्रांड व मार्किंग के संदिग्ध उर्वरक पाए गए। पूछताछ के दौरान टैक्सी में लदे उर्वरकों का भंडारण स्थल सायला के राजाराम नगर स्थित एक गोदाम बताया गया। जांच दल ने मौके पर पहुंचकर गोदाम को खुलवाया, जहां विभिन्न कंपनियों के बिना अनुमति वाले और संदिग्ध उर्वरक बड़ी मात्रा में पाए गए।

संसदीय पैनल ने ग्रामीण विकास मंत्रालय से एनआईआरडीपीआर को अलग करने का विरोध किया

रणनीतिक सुधार, नेतृत्व में बदलाव और पूर्णकालिक भर्ती का आग्रह

हैदराबाद, 24 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। ग्रामीण विकास और पंचायती राज संबंधी स्थायी नमिति ने राष्ट्रीय ग्रामीण विकास और पंचायती राज संस्थान (एनआईआरडीपीआर) को ग्रामीण विकास मंत्रालय से अलग करने के प्रस्ताव का कड़ा विरोध किया है और सरकार से इस कदम को रोकने और इसके बजाय संस्थान की क्षमता, स्वायत्तता और राष्ट्रीय विकास प्राथमिकताओं के साथ संरेखण को बढ़ाने का आग्रह किया।

एनआईआरडीपीआर कर्मचारी संघ ने बताया कि सोमवार को संसद में पेश अपनी दसवीं रिपोर्ट में, कांग्रेस सांसद सप्तगिरि शंकर उलाका की अध्यक्षता वाली समिति ने व्यय विभाग (डीओई) द्वारा एनआईआरडीपीआर को एक मानित विश्वविद्यालय या स्वायत्त उत्कृष्टता केंद्र में परिवर्तित करने की 2020 की सिफारिश को "गुमराह" और "प्रतिकूल" बताया। पैनल ने संस्थान में प्रशासन और प्रशासनिक सुधारों की देखरेख के लिए ग्रामीण विकास मंत्रालय के अंतर्गत एक उच्च स्तरीय समिति के तत्काल गठन की भी सिफारिश की। संस्थागत प्रदर्शन में गिरावट और आंतरिक कुप्रबंधन की ओर इशारा करते हुए, रिपोर्ट में प्रमुख नेतृत्व पदों जिनमें उप महानिदेशक (अकादमिक), रजिस्ट्रार और वित्त सलाहकार शामिल हैं में लंबे समय से लंबित रिक्तियों को ऐसे कारक बताया गया है, जिन्होंने संस्थान की परिचालन अखंडता को कमजोर किया है। इसमें आगे कहा गया कि बुनियादी ढांचे के रखरखाव में गिरावट आई है, कर्मचारियों का मनोबल गिरा है, और रणनीतिक योजनाएं जैसे कि भारतीय प्रशासनिक स्टाफ कॉलेज द्वारा किसित परिवर्तन योजना को आंतरिक परामर्श या बाहरी सत्यापन के बिना दरकिनार कर दिया गया।

समिति ने कहा, केन्द्रीकृत और तदर्थ निर्णय लेने की प्रक्रिया ने संस्थान के कामकाज को पंगु बना दिया है तथा ग्रामीण विकास मंत्रालय से शासन को स्थिर करने के लिए निर्णायक कदम उठाने का आग्रह किया। समिति ने एनआईआरडीपीआर में कर्मचारियों की भारी कमी पर चिंता व्यक्त की। स्वीकृत 640 पदों में से 419 रिक्त हैं। रिपोर्ट में इस बात पर जोर दिया गया कि यह कमी संस्थान की कार्मिकों को प्रशिक्षित करने, अनुसंधान करने तथा देश भर में 29 राज्य ग्रामीण विकास संस्थानों और 90 विस्तार प्रशिक्षण केंद्रों को सहायता प्रदान करने की क्षमता को सीधे तौर पर प्रभावित करती है। "तत्काल और समयबद्ध भर्ती अभियान" का आह्वान करते हुए, पैनल ने ग्रामीण विकास मंत्रालय से यह सुनिश्चित करने का आग्रह किया कि सभी महत्वपूर्ण पद विशेष रूप से अकादमिक और नेतृत्व में पूर्णकालिक आधार पर भरे जाएं। पैनल ने चेतावनी दी कि पर्याप्त मानव संसाधनों के बिना संस्थान अपने राष्ट्रीय अधिदेश को पूरा नहीं कर सकता।

एनआईआरडीपीआर कर्मचारी संघ ने दावा किया है कि वर्तमान प्रशासन की तीखी आलोचना करते हुए, रिपोर्ट में एनआईआरडीपीआर में "नेतृत्व में भारी कमी" का ज़िक्र किया गया है। इसमें आंतरिक राजस्व और पर्याप्त कॉर्पस निधि उपलब्ध होने के बावजूद वेतन भुगतान, चिकित्सा प्रतिपूर्ति और विक्रेता भुगतान में लगातार देरी का ज़िक्र किया गया है। पैनल ने व्यक्तिगत संकाय सदस्यों से अपने वेतन के लिए स्वयं राजस्व उत्पन्न करने के लिए कहने की कथित प्रथा की निंदा की, तथा इसे "अस्थिर और मनोबल गिराने वाला" बताया। इसमें कहा गया कि इससे रणनीतिक वित्तीय योजना की कमी परिलक्षित होती है तथा इससे अकादमिक और सहायक कर्मचारियों दोनों के विश्वास मे कमी बढती जा रही है।

नेतृत्व में आमूलचूल परिवर्तन की सिफ़ारिश करते हुए, समिति ने वर्तमान प्रशासन की व्यापक समीक्षा और, यदि आवश्यक हो, तो उसके स्थान पर नए प्रशानन की स्थापना का आह्वान किया। सुधारों के पूर्ण कार्यान्वयन तक, समिति ने इस बात पर ज़ोर दिया कि संस्थागत निरंतरता सुनिश्चित करने के लिए सरकार वित्तीय सहायता जारी रखे। कर्मचारी संघ ने रिपोर्ट का स्वागत किया है।

संगारेड्डी में छात्रों ने सड़क जाम की, अभिभावक भड़के

संगारेड्डी, 24 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। मनूर मंडल के मुक्तापुर स्थित मंडल परिषद प्राथमिक विद्यालय के विद्यार्थियों ने गुरुवार सुबह रास्ता रोको प्रदर्शन किया और सरकार से अपने शिक्षक रमेश का स्थानांतरण रद्द करने की मांग की। पिछले कुछ वर्षों में, स्कूल में शिक्षण की गुणवत्ता के कारण कई अभिभावकों ने अपने बच्चों को निजी संस्थानों से निकालकर सरकारी स्कूल में दाखिला दिलाया है। परिणामस्वरूप, छात्रों की संख्या 30 से बढ़कर 75 हो गई है। बुधवार को जब रमेश को तबादले का आदेश मिला, तो छात्रों और अभिभावकों, दोनों में गहरी भावनात्मक प्रतिक्रियाएं भड़क उठीं। अभिभावकों ने बताया कि तबादले की खबर सुनकर कुछ बच्चों ने खाना भी छोड़ दिया।

महापौर का जीएचएमसी अधिकारियों को सतर्क रहने का निर्देश

हैदराबाद, 24 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। ग्रेटर हैदराबाद शहर में लगातार हो रही बारिश के मद्देनजर जीएचएमसी की महापौर गदवाल विजयलक्ष्मी ने निगम अधिकारियों को सतर्क रहने का आदेश दिया है। लगातार हो रही बारिश को देखते हुए महापौर ने गुरुवार को क्षेत्रीय आयुक्तों के साथ टेलीकॉन्फ्रेंस की। उन्होंने कहा, मौसम विभाग की चेतावनी के अनुसार, आज और कल शहर में बारिश की संभावना है। इस संदर्भ में, क्षेत्रीय आयुक्तों और क्षेत्रीय अधिकारियों को सतर्क रहने और जनता की शिकायतों का तुरंत जवाब देने की सलाह दी गई है। उन्होंने हाइड्रा अधिकारियों के साथ समन्वय करके समस्याओं का तुरंत समाधान करने का आदेश दिया। महापौर गदवाल विजयलक्ष्मी ने बारिश के कारण यातायात की समस्याओं को रोकने के लिए जलभराव वाले स्थानों पर विशेष ध्यान देने का आदेश दिया। बारिश से संबंधित शिकायतों या सहायता के लिए, लोगों को सलाह दी जाती है कि वे जीएचएमसी -डीआरएफ से 040-29555500, 040-21111111 या 9000113667 पर संपर्क करें, या महापौर द्वारा हाइड्रा में शिकायत दर्ज करें। महापौर ने स्पष्ट किया कि जीएचएमसी यह सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक कदम उठाएगी कि लोगों को बारिश के कारण किसी भी प्रकार की असुविधा का सामना न करना पड़े।

गांजा तस्करी गिरोह का भंडाफोड़, महिला समेत दो गिरफ्तार

हैदराबाद, 24 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। सिकंदराबाद रेलवे पुलिस (जीआरपी), ईगल टीम (टीजीएएनबी) और आरपीएफ ने सिकंदराबाद रेलवे स्टेशन के प्लेटफॉर्म और ट्रेनों में मादक पदार्थों के तस्करों के खिलाफ संयुक्त रूप से औचक निरीक्षण किया और एक महिला और एक पुरुष आरोपी को गिरफ्तार किया। दोनों ब्रह्मपुर, ओडिशा से हैदराबाद गांजा ले आ रहे थे। गिरफ्तार गांजा तस्करों में शेख खातून बी, निवासी भुसी कैंप, भुसीमट्टा, जैनूर मंडल, कोमाराम भीम आसिफाबाद जिला, तेलंगाना और गणेश जेना निवासी, काकुडीकुडा, नीलकंठपुर, जाजापुर, ओडिशा शामिल हैं। जबकि मुख्य आरोपी प्रेम, निवासी

हनुमानगर, नागापुर, उत्नूर, आदिलाबाद जिला, तेलंगाना और ए. वसंत नायक, निवासी सुल्तान गुडा, केरामेरी, अलीबाद, तेलंगाना, "शिवम फार्मा" कंपनी नेहरू बाग, मगरवारा-उन्नाव, उत्तर प्रदेश का निदेशक फरार है। जीआरपी पुलिस के अनुसार प्रेम और वसंत नायक गांजा बेचने का काम करते हैं।जबकि शेख खातून व गणेश गांजा परिवहन का काम करते हैं। बीते 19 जुलाई को शेख खातून व गणेश गांजा ब्रह्मपुर रेलवे स्टेशन पहुंचे और 22 जुलाई शाम के समय एक अज्ञात पुरुष व्यक्ति ने अपना चेहरा नकाब से ढक लिया और दोनों को गांजा की थैलियां सौंप दीं। वे 23 जुलाई को कोणार्क एक्सप्रेस (ट्रेन संख्या 11020) से गांजा की थैलियों के साथ सिकंदराबाद आए और प्रेम और वसंत नायक से मिलने के लिए प्लेटफार्म संख्या 1 पर प्रतीक्षालय में इंतजार करने लगे।

मानसून से तबाही, सभी जिलों में बारिश से अफरा-तफरी

हैदराबाद, 24 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना में पिछले 48 घंटों से भारी बारिश हो रही है, जिससे सभी 33 जिलों में अचानक बाढ़ आ गई है और दैनिक जीवन अस्त-व्यस्त हो गया है। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने बंगाल की खाड़ी के ऊपर सक्रिय दक्षिण-पश्चिम मानसून और निम्न दबाव प्रणाली के कारण अत्यधिक भारी वर्षा की चेतावनी दी है। मुलुगु, जयशंकर भूपलपल्ली, कुमराम भीम आसिफाबाद, मंचेरियल और पेद्दापल्ली के लिए रेड अलर्ट जारी किया गया, जबकि कई अन्य जिलों में बारिश तेज़ होने के कारण ऑरेंज और येलो अलर्ट जारी किया गया। कुछ इलाकों में 20 सेंटीमीटर से ज़्यादा बारिश दर्ज की गई, सड़कें जलमग्न हो गईं, गांवों का संपर्क टूट गया और राज्य भर में आपातकालीन सेवाओं को सक्रिय कर दिया गया।

मुलुगु ज़िला सबसे ज़्यादा प्रभावित हुआ, जहां 23 जुलाई को 255 मिमी और अगले दिन 214.5 मिमी बारिश दर्ज की गई। बाढ़ के पानी ने निचले इलाकों और खेतों को जलमग्न कर दिया। एर्रावागु और जम्पन्नावागु जैसी उफनती नदियों ने आदिलाबाद और एतुरुनगरम मंडलों के दूरदराज के गांवों तक पहुंच बाधित कर दी। मंगापेट मंडल में, गिरिजन पेट्रोल बैंक के पास एक पुलिया ढह गई, जबकि पकाला नदी उफान पर आ गई, जिससे 12 गांव अलग-थलग पड़ गए। करीमनगर में 9.3 सेमी बारिश के बाद सड़कें नालों में तब्दील हो गईं और अफरा-तफरी मच गई। स्मार्ट सिटी का बुनियादी ढांचा भी चरमरा गया। कलेक्ट्रेट के आस-पास के इलाकों में भी जलभराव की खबर है। खम्मम जिले में गोदावरी नदी उफान पर है, जिससे भद्राचलम में बाढ़ आ गई है। वाइरा जलाशय से जलभराव को नियंत्रित करने के लिए 33,000 क्यूसेक पानी छोड़ा गया। दुखद घटनाओं ने संकट को और बढ़ा दिया। मुलुगु के वजीदु मंडल में, बिजली गिरने से 20 वर्षीय तोतापल्ली वेणु की मौत हो गई। महबूबाबाद के रल्ला ओर्रेवागु नाले में, आगाबोयिना नरेश मछली पकड़ते समय लापता हो गए। एसएस तड़वई मंडल में, ग्रामीणों और स्वास्थ्य कर्मियों ने एक गर्भवती महिला, गुम्मादी कृष्णवेनी को बचाया, जो बाढ़ के पानी में फंस गई थी।

कथित प्रेम संबंध के चलते व्यक्ति का अपहरण कर हत्या

हैदराबाद, 24 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। सनतनगर से एक 20 वर्षीय युवक का अपहरण कर लिया गया और बाद में मेदक जिले के तूप्रान में उसकी हत्या कर दी गई। खबरों के मुताबिक, सबील पिछले दो साल से अल्लापुर निवासी एक लड़की से दोस्ती कर रहा था। सोमवार को अफसार नाम के एक व्यक्ति ने कथित तौर पर उसका अपहरण कर लिया और उसे तूप्रान ले गया। सबील की हत्या कथित तौर पर अफ़सर और कुछ अन्य लोगों ने की थी। शव को खुले में फेंक दिया गया था। सबील के परिवार वालों को (जो उसकी तलाश कर रहे थे) हत्या के बारे में तब पता चला जब वे उसके बारे में पूछताछ कर रहे थे।

कैरीगुडा में अपराध नियंत्रण हेतु व्यापक तलाशी अभियान चलाया गया : बुद्दे स्वामी

आसिफाबाद, 24 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। रेब्बेना सीआई बुड्डे स्वामी ने बताया कि अपराध नियंत्रण हेतु घेराबंदी कर तलाशी अभियान चलाया जा रहा है।

रेब्बेना मंडल के कैरीगुडा गांव में घर-घर जाकर निरीक्षण के दौरान, 10 लीटर की केग, बिना नंबर प्लेट वाले 5 दोपहिया वाहन, कुल 50 दोपहिया वाहन जब्त किए गए और बिना उचित प्रमाण पत्र वाले वाहनों के चालान काटे गए। उन्होंने कहा कि आने वाले दिनों में और व्यापक निरीक्षण किए जाएंगे और अपराध नियंत्रण के प्रयास किए जाएंगे। उन्होंने बताया कि इस घेराबंदी तलाशी के दौरान रेबेना एसआई चंद्रशेखर और तिरयानी एसआई श्रीकांत सहित 20 पुलिस कर्मियों द्वारा जांच की गई।

गंगम्मा वागु के उफान के कारण कट गई आदिवासी बस्ती

मेदक, 24 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। लगातार बारिश के कारण गंगम्मा वागु नदी के उफान पर आने से मेदक जिले का एक आदिवासी गांव आसपास के गांवों से कट गया, जिससे दूप सिंह थांडा तक पहुंच बाधित हो गई। नाला पुलिया के ऊपर से बहने के कारण, निवासी निकटवर्ती गांवों या कस्बों तक जाने में असमर्थ थे। उच्च स्तरीय पुल के निर्माण की बार-बार मांग के बावजूद, अधिकारियों ने कोई प्रतिक्रिया नहीं दी, जिससे भारी बारिश के दौरान ग्रामीण फंसे हुए हैं।

एसबीआई के नेतृत्व में म्युजिकल प्रोग्राम आयोजित

हैदराबाद, 22 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। एसबीआई के नेतृत्व में हिमायत नगर के एक निजी स्टूडियों में म्युजिकल प्रोग्राम आयोजित किया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथियों के रूप में एसबीआई एजीएम त्रिनाथ राव (रिटा.) एवं एचएएल बालकृष्णा ने भी हिस्सा लिया। इस दौरान आयोजित म्युजिकल प्रोग्राम में इवेन्ट आर्गनाइजर आश्रिता बने रहें तथा इस कार्यक्रम में प्रमुख गायकों ने भाग लेकर उपस्थित प्रेक्षकों का अपने सुरों से मन मोह लिया। कार्यक्रम में पी. श्रीनिवास तथा लायन बी. उदय भास्कर भी शामिल हुए।

मवेशियों पर बड़ी बिल्ली के हमले से ग्रामीण दहशत में

कामारेड्डी, 24 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। पिछले कुछ दिनों में जंगली जानवरों द्वारा मवेशियों पर बार-बार हमले के बाद रामरेड्डी मंडल के कई गांवों में भय व्याप्त हो गया है। ऐसा संदेह है कि ये जंगली जानवर तेंदुआ या बाघ हो सकते हैं। बुधवार को खन्नापुर के ग्रामीणों ने सूचना दी कि एक जंगली जानवर ने एक गाय को मार डाला है। शिकायत पर कार्रवाई करते हुए, वन अधिकारियों ने इलाके का निरीक्षण किया। कामारेड्डी वन प्रभागीय अधिकारी पीवी रामकृष्ण ने कहा, यह एक वन क्षेत्र है, और लगातार बारिश होने के कारण हमें कोई पंजों के निशान नहीं मिले।

दुनिया का नुकसान रिश्वतखोरों से ज्यादा कामचोरों ने किया है

हैदराबाद, 22 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। राष्ट्र-संत श्री चन्द्रप्रभ जी महाराज ने कहा कि जिन्दगी में आगे बढ़ने के रास्ते पर सबसे बड़ा जो रोड़ा है, उसका नाम है आलस्य। हमें इस पत्थर को तोड़ना होगा, चकनाचूर करना होगा। आलस्य खाना तो आत्म-हत्या के समान है। भगवान ने हम सब लोगों को आगे बढ़ने के लिए दो हाथ और दो पांव दिये हैं, पर यदि हम आलस्य खाते हैं तो यह भगवान के दिये हुए हाथ-पैरों का अपमान है। दुनिया का जितना नुकसान रिश्वतखोरों ने किया है, उससे कहीं ज्यादा कामचोरों ने किया है। सोचिए, दुनिया में कौन है सबसे बड़ा कमजोर: एकमात्र वही जो है सबसे बड़ा कामचोर।

वे गुरुवार को नामपल्ली के एग्जिबिशन ग्राउंड में आलस्य से छुटकारा पाने के अचूक उपाय विषय पर प्रवचन दे रहे थे। उन्होंने कहा कि आलस्य करके क्या हम यह साबित करना चाहते हैं कि हम कुम्भकर्ण की औलाद हैं। जो सोया रहे सो कुम्भकर्ण और जो जागे सो महावीर। हर सुबह हमारे सामने दो विकल्प होते हैं- 1. हम चादर ताने सोए रहें और मन चाहे सपने देखते रहें या 2. हम सुबह उठें और जीवन में देखे गए सपनों को पूरा करें। कुछ ऐसा निर्णय करें कि जिन्दगी का परिणाम हमारे हाथ लगे। आलस्य का मतलब है: सक्षमता होने पर भी काम करने से जी-चुराना। जो आलस्य खाते हैं, वे केवल इतना-सा सोचें कि एक आलसी व्यक्ति कहां से तो विद्या पाएगा, कैसे धनवान बनेगा और कैसे यशस्वी जीवन का मालिक बनेगा? जब भी आलस आए तो सफल लोगों के बारे में सोचें कि वे कैसे खुद को एक्टिव रखते हैं। एक जैसा कार्य करने से बोरियत महसूस होने लगे तो बीच-बीच में ऐसा कुछ क्रिएटिव वर्क जरूर करें, जिससे हमारी बैटरी चार्ज हो जाए। बड़े लक्ष्य की बजाय छोटे-छोटे लक्ष्य तय करें। बड़े लक्ष्य का पीछा करना कई दफा कठिन लगता है। लक्ष्य छोटे होंगे तो आसानी से हासिल किये जा सकेंगे। काम-काम में फर्क करके देखिए। जैसे- मैले और धुले हुए कपड़ों में और सलवट भरे और प्रेस किए कपड़ों में फर्क करके देखिए। अपने आप दिल करेगा कि मैं अप-टू डेट बनूं। हर सुबह पावर योगा कीजिए और खुद को मोटिवेट कीजिए। पुरुषार्थ को ही अपनी तकदीर समझिए। दिमाग में यह लाइन घर कर लीजिए कि उद्यम ही स्वर्ग और सफलता का द्वार है।

मन को मजूबत कीजिए और आलस्य की चट्टान को तोड़ फेंकिए। खुद को अंदर से प्रेरित कीजिए। आलस्य का मतलब है सक्षम होने पर भी काम करने से जी चुराना। भला, कामचोरों को कहां से धन का अर्जन होगा, ज्ञान कैसे हासिल होगा, वे यशस्वी जीवन के मालिक कैसे हो पाएंगे? यह तय करने में समय न लगाएं कि आपको क्या करना है, वरना समय तय कर लेगा कि उसे आपका क्या करना है? अवसर और भाग्य का इंतज़ार मत करते रहिए। अवसर खुद बनाइए। आपके कदम बढ़ाते ही भाग्य आपका साथ देना शुरू कर देगा। सफलता उगते सूरज की तरह आपका साथ देना शुरू कर देगी। सूरज की तरह चमकना है तो सूरज की तरह जलना होगा। बिना तपे तो बीज भी अंकुरित नहीं होता और बिना वॉशिंग मशीन में गए कपड़ा भी साफ नहीं होता।

उन्होंने कहा कि आलस्य छोडना है, तो इस बात को आज से ही जीवन में जोड़ लीजिए- अर्ली टू राइज़ एंड अर्ली टू बेड, मेक अ मैन हेल्दी, वेल्दी एंड वाइज। साथ ही जरूरत से ज़्यादा खाना भी मत खाइए, अस्त-व्यस्त मत रहिए, जीवन और लक्ष्य के प्रति ऊर्जा और उत्साह के साथ कदम बढ़ाइए। लक्ष्य वो व्यक्ति हासिल नहीं करता जो खरगोश की तरह केवल दौड़-भाग करता रहता है, लक्ष्य पाने में वह सफल होता है, जो कछुए की तरह अपने मूल्यवान लक्ष्य की ओर निष्ठा के साथ निरंतर गतिशील रहता है। कार्य को कभी पहाड़ जैसा बड़ा न समझें। राष्ट्र-संत श्री ने कहा कि रिश्वतखोर तो केवल पैसा खाता है, पर कामचोर पैसे के साथ-साथ समय भी खा जाता है। पैसे की भरपाई तो हो सकती है पर समय की नहीं। अगर भारत के लोग 8 घंटे भी ईमानदारी से काम कर लें तो भारत हर देश को पीछे छोड़ने की ताकत रखता है। संतप्रवर ने युवापीढ़ी को सचेत करते हुए कहा कि आजकल मोबाइल ने बच्चों से लेकर बड़ों तक सबको आलसी बना लिया है। जिस मोबाइल का आविष्कार समय और शक्ति की बचत करने के लिए हुआ था, आज वही सबसे ज्यादा हमारे समय को बर्बाद कर रहा है। आज के समय में अगर कोई सबसे बड़ी बुरी लत है तो वह है मोबाइल का ज्यादा उपयोग करना, जिसके चलते बच्चे न तो खेलकूद कर पा रहे हैं, न पढ़ाई पर कंसंट्रेट हो पा रहे हैं और न ही अपने घर वालों का सहयोग कर पा रहे हैं। मोबाइल में गेम खेलने, मूवी देखने, सोश्यल मीडिया पर घंटों चैटिंग करके हम अपने ही हाथों अपने पांवों पर कुल्हाड़ी चला रहे हैं।

इससे पूर्व डॉ. मुनि शांति प्रिय सागर महाराज ने नवकार महामंत्र का सामूहिक संगान करवाया। उन्होंने कहा कि दुनिया में स्वस्थ होकर आना हमारी प्रकृति है, बीमार होना हमारी विकृति है, पर खुद को सदा स्वस्थ रखना यही हमारी भारतीय संस्कृति है। अगर हम सदा स्वस्थ जीवन जीना चाहते हैं तो हमें ध्यान और योग का नियमित अभ्यास करना चाहिए। ध्यान और योग से शरीर स्वस्थ रहता है, मन शांत रहता है, जीवन ऊर्जावान होता है और भीतर की संभावनाएं जागृत होती है।

इस अवसर पर उन्होंने सभी श्रद्धालुओं को योग का अभ्यास करवाते हुए क्लैपिंग थेरेपी, रबिंग थेरेपी और स्माइलिंग थेरेपी के प्रयोग करवाए, विविध प्रयोगों के द्वारा श्रद्धालु आनंद और ऊर्जा से भरे हुए नजर आए।

टीजीआईसीसीसी ने जन सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए मानसून प्रतिक्रिया तंत्र को मज़बूत किया

हैदराबाद, 24 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। मानसून के मौसम में तेलंगाना में व्यापक वर्षा जारी रहने के कारण, तेलंगाना एकीकृत कमान एवं नियंत्रण केंद्र (टीजीआईसीसीसी) ने जन सुरक्षा, समय पर आपातकालीन प्रतिक्रिया और कानून प्रवर्तन एवं आपदा प्रबंधन एजेंसियों के बीच बेहतर समन्वय सुनिश्चित करने के लिए अपनी सक्रिय तैयारी बढ़ा दी है।

वर्तमान आईएमडी मौसम पूर्वानुमान और ज़मीनी स्तर की रिपोर्टों के आधार पर, टीजीआईसीसीसी ने कोमाराम भीम, आसिफाबाद, मंचेरियल, निर्मल और पेद्दापल्ली ज़िलों के लिए रेड अलर्ट जारी किया है और संबंधित ज़िला कलेक्टरों, सीएसपी/एसएसपी और नियंत्रण कक्षों को भी सूचित किया है, जहां भारी से बहुत भारी वर्षा होने की संभावना है। बाढ़ जैसी स्थितियों, सड़क अवरोधों और आपातकालीन बचाव आवश्यकताओं के लिए इन क्षेत्रों पर कड़ी नज़र रखी जा रही है। इसके साथ ही, आदिलाबाद, निज़ामाबाद, जगित्याल, जयशंकर भूपालपल्ली, मुलुगु और भद्राद्री कोत्तागुडेम के लिए ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया है, जहां वर्षा की गतिविधि महत्वपूर्ण बनी हुई है और स्थानीय स्तर पर खतरे पैदा कर सकती है। इसके अलावा, पूर्व चेतावनी प्रणाली के एक भाग के रूप में, टीजीआईसीसीसी ने संबंधित अधिकारियों और जनता द्वारा एहतियाती कदम उठाने के लिए सचेत एकीकृत अलर्ट प्लेटफ़ॉर्म के माध्यम से संबंधित जिलों को अलर्ट प्रसारित किए हैं। टीजीआईसीसीसी में बहु-एजेंसी संचालन केंद्र (एमएओसी) 24x7 संचालित हो रहा है और जिला नियंत्रण कक्षों, स्थानीय पुलिस इकाइयों, आपदा प्रतिक्रिया दलों, नगरपालिका अधिकारियों और नागरिक प्राधिकरणों के साथ निरंतर संपर्क में है। सभी संबंधित विभागों को हाई अलर्ट पर रहने और जहाँ भी आवश्यक हो, स्थानीय स्तर पर आपातकालीन प्रतिक्रिया प्रोटोकॉल सक्रिय करने की सलाह दी गई है। इसके अतिरिक्त, जीएचएमसी सीमा में जलभराव बिंदुओं की निगरानी के लिए हाइड्रा/डीआरएफ, जीएचएमसी, एचएमडब्ल्यूएस एंड एसबी, टीजीएसपीडीसीएल और पुलिस (कानून एवं व्यवस्था और यातायात) जैसे कई विभागों के साथ संयुक्त कार्रवाई दल बनाए गए हैं।

अमावस्या के अवसर पर गंगन पहाड़ स्थित सत्यम् शिवम् सुन्दरम् गोनिवास में चरा किलाते हुए श्रद्धालु।

शंमशेरगंज स्थित शिवमंदिर गौशाला में अमावस्या के अवसर पर चारा खिलते हुए श्रद्धालू।

स्थानांतरण प्रक्रिया में देरी से सिंगरेनी के कर्मचारी परेशान

कोत्तागुडेम, 24 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। सिंगरेनी कोलियरीज कंपनी लिमिटेड (एससीसीएल) के कर्मचारी, जिन्होंने स्थानांतरण के लिए आवेदन किया था, वे लगातार निराश हो रहे हैं, क्योंकि प्रबंधन उनके आवेदनों पर कार्रवाई करने में देरी कर रहा है, जबकि वित्तीय वर्ष समाप्त हुए चार महीने बीत चुके हैं। आमतौर पर वित्तीय वर्ष समाप्त होने के बाद स्थानांतरण किए जाते हैं। हालांकि, इस वर्ष, एससीसीएल प्रबंधन ने वित्तीय वर्ष के अंत तक उत्पादन अवधि बढ़ा दी और साथ ही स्थानांतरण प्रक्रिया को भी स्थगित कर दिया, जिससे स्थानांतरण चाहने वाले कर्मचारियों में भारी निराशा हुई।

परंपरागत रूप से, कंपनी वार्षिक लक्ष्यों को पूरा करने के लिए 1 जनवरी से 31 मार्च तक की अवधि को उत्पादन अवधि के रूप में निर्धारित करती है। इस अवधि के दौरान, अंतर-क्षेत्र स्थानांतरण की अनुमति नहीं होती है।

चोरी के 4 आरोपी गिरफ्तार

सोना और नकदी बरामद

मेदक, 24 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। मेदक पुलिस ने गुरुवार को चिन्ना शंकरमपेट में चोरों के एक चार सदस्यीय गिरोह को गिरफ्तार किया और उनके कब्जे से 13 तोला सोने के आभूषण, 95 ग्राम चांदी के आभूषण और 1.24 लाख रुपये नकद जब्त किए। तूप्रान के डीएसपी नरेन्द्र गौड़ ने पत्रकारों से बात करते हुए कहा कि मंडल के खाजापुर निवासी चिगुल्ला मल्लैया से शिकायत मिली थी, जिसमें उन्होंने बताया था कि 9 जुलाई को उनके घर में चोरी हुई थी।

जांच के दौरान, चिन्ना शंकरमपेट पुलिस ने गुरुवार सुबह संदिग्धों को घूमते हुए देखकर उन्हें हिरासत में ले लिया। आरोपियों की पहचान खाजापुर निवासी चिगुल्ला महिपाल, चिगुल्ला कर्णकर, माला महेश और परीशा भूपाल के रूप में हुई है। प्रारंभिक पूछताछ के दौरान, आरोपियों ने कथित तौर पर चोरी में अपनी संलिप्तता कबूल कर ली। पुलिस ने बताया कि गिरोह ने पिछले कुछ वर्षों में इसी गांव में कई चोरियां की हैं। गिरफ्तारी के बाद उन्हें अदालत में पेश किया गया। कार्रवाई के दौरान सीआई वेंकटराज गौड़, एसआई नारायण और अन्य अधिकारी मौजूद थे।

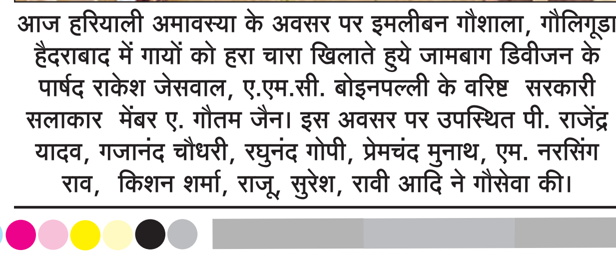

आज हरियाली अमावस्या के अवसर पर इमलीबन गौशाला, गौलिगूडा हैदराबाद में गायों को हरा चारा खिलाते हुये जामबाग डिवीजन के पार्षद राकेश जेसवाल, ए.एम.सी. बोइनपल्ली के वरिष्ट सरकारी सलाकार मेंबर ए. गौतम जैन। इस अवसर पर उपस्थित पी. राजेंद्र यादव, गजानंद चौधरी, रघुनंद गोपी, प्रेमचंद मुनाथ, एम. नरसिंग राव, किशन शर्मा, राजू, सुरेश, रावी आदि ने गौसेवा की।

स्वतंत्र वार्ता
Email :
svaarttha2006@gmail.com
svaarttha@rediffmail.com
svaarttha2006@yahoo.com
Epaper :
epaper.swatantravaartha.com
For Advertisement :
swadds1@gmail.com

कतर ने 2036 ओलंपिक की मेजबानी की दावेदारी की योजना की पुष्टि की

भारत के साथ खेलों की मेजबानी की दौड़ में शामिल

दोहा, 24 जुलाई (एजेंसियां)। कतर ओलंपिक समिति (क्यूओसी) ने मंगलवार को कहा कि वह 2036 ओलंपिक और पैरालंपिक खेलों के मेज़बान शहर की चुनाव प्रक्रिया पर अंतर्राष्ट्रीय ओलंपिक समिति (आईओसी) के साथ चर्चा में भाग ले रही है। ओलंपिक के बाद सबसे ज़्यादा देखे जाने वाले खेल टूर्नामेंट, यानी 2022 में फुटबॉल विश्व कप की मेजबानी करने वाला यह देश, इंडोनेशिया, तुर्की, भारत और चिली की पुष्टि की गई बोलियों के बाद 2036 खेलों की मेज़बानी की दौड़ में शामिल होने वाला नवीनतम देश होगा।

कतर ओलंपिक समिति के अध्यक्ष शेख जोआन बिन हमद अल-थानी ने कहा कि ₹हमारे पास वर्तमान में खेलों की मेजबानी के लिए आवश्यक खेल बुनियादी ढांचे का 95% मौजूद है, और हमारे पास सभी सुविधाओं की 100% तैयारी सुनिश्चित करने के लिए एक व्यापक राष्ट्रीय योजना है।

उन्होंने कहा, यह योजना एक दीर्घकालिक दृष्टिकोण पर आधारित है जिसका उद्देश्य सामाजिक, आर्थिक और पर्यावरणीय रूप से टिकाऊ विरासत का निर्माण करना है।

2036 ओलंपिक की मेजबानी करने की भारत की क्या संभावनाएं हैं?

हाल ही में, एक भारतीय प्रतिनिधिमंडल ने स्विट्जरलैंड में आईओसी से मुलाकात की, जहां अहमदाबाद को आधिकारिक मेजबान शहर के रूप में नामित किया गया था और कहा गया था कि बैठक उत्पादक रही। हालांकि, बाद में यह सामने आया कि भारतीय दल के लिए आईओसी का संदेश स्पष्ट था कि भारत को ओलंपिक मास्टरप्लान विकसित करने से पहले अपने मामलों को व्यवस्थित करने की आवश्यकता है। द इंडियन एक्सप्रेस की रिपोर्टों से यह भी पता चलता है कि बैठक के दौरान, आईओसी ने प्रशासनिक मुद्दों पर कई चिंताएं जताईं, जो भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) को परेशान करना जारी रखती हैं। इन मुद्दों में खेलों में व्यापक रूप से फैला डोपिंग उन्माद शामिल है, लेकिन यह ओलंपिक में भारत के खराब प्रदर्शन तक सीमित नहीं है, जिसमें देश पिछले साल के पेरिस खेलों में केवल छह पदक के साथ 71वें स्थान पर रहा था।

भारतीय ओलंपिक संघ से जुड़े एक अधिकारी ने इंडियन एक्सप्रेस को बताया, ₹यह बहुत स्पष्ट रूप से बताया गया है कि भारत भविष्य में ओलंपिक की मेज़बानी के लिए अपनी तैयारी जारी रख सकता है, लेकिन देश को पहले इन मुद्दों पर ध्यान देना होगा।₹ उन्होंने आगे कहा, ₹संक्षेप में, इस बैठक की सबसे बड़ी बात यही थी।

इसके अलावा, भावी मेज़बानों के चयन की प्रक्रिया नवनिर्वाचित आईओसी प्रमुख क्रिस्टी कोवेंट्री के नेतृत्व में चल रही है। उन्होंने कहा था कि एक कार्य समूह का गठन किया जाएगा जो 'भविष्य के मेज़बानों के चयन की प्रक्रिया और समय की समीक्षा करेगा'। यह रोक बोली को अंतिम रूप देने के मौजूदा नियमों को लेकर आईओसी के कई सदस्यों द्वारा व्यक्त की गई आपत्तियों के बाद लगाई गई है।

कोवेंट्री ने स्विट्जरलैंड में अपनी पहली कार्यकारी बोर्ड बैठक की अध्यक्षता करने के बाद कहा, आईओसी सदस्यों की ओर से इस बात का भारी समर्थन मिला है कि इस पर रोक लगाई जाए और भावी मेजबान चुनाव प्रक्रिया की समीक्षा की जाए, तथा हम इस पर विचार करने के लिए एक कार्य समूह का गठन करेंगे।

2036 ओलंपिक की मेजबानी के अधिकार के लिए अन्य दावेदार कौन हैं?

बोली लगाने पर विचार कर रहे अन्य एशियाई देशों में सऊदी अरब और दक्षिण कोरिया शामिल हैं। मिस्र , हंगरी, इटली, जर्मनी, डेनमार्क और कनाडा ने भी दुनिया के सबसे ज़्यादा देखे जाने वाले खेल टूर्नामेंट की मेजबानी में रुचि दिखाई है।

कतर की राजधानी दोहा, 2006 में एशियाई खेलों का आयोजन करने के बाद, 2030 में एशियाई खेलों की मेज़बानी करने के लिए तैयार है।

सफल बोली लगाने पर कतर मध्य पूर्व में ओलंपिक खेलों की मेज़बानी करने वाला पहला देश बन जाएगा, क्योंकि इस क्षेत्र का प्रमुख खेल आयोजनों पर प्रभाव बढ़ रहा है। सऊदी अरब 2034 में फ़ुटबॉल विश्व कप की मेज़बानी करने के लिए तैयार है।

चोट के बाद पंत बैटिंग करने उतरे

इंग्लैंड के खिलाफ चौथे टेस्ट के पहले दिन इंजर्ड हुए थे, विकेटकीपिंग नहीं करेंगे

मैनचेस्टर, 24 जुलाई (एजेंसियां)। भारतीय क्रिकेट टीम के विकेटकीपर-बल्लेबाज गंभीर इंजरी के बावजूद चौथे टेस्ट मैच में इंग्लैंड के खिलाफ पहली पारी में मैदान पर उतरे और दर्द से जूझते हुए भारत के लिए शानदार पारी खेली। चौथे टेस्ट मैच के पहले दिन जब पंत 37 रन पर खेल रहे थे तब उनके पांव में चोट लग गई थी और उनकी हालत इतनी खराब थी कि उन्हें एंबुलेस से मैदान से बाहर ले जाया गया था।

पंत की जिस तरह की इंजरी थी उससे लग नहीं रहा था कि वो दोबारा बैटिंग के लिए मैदान पर उतरेंगे, लेकिन जब बात देश की थी तब उन्होंने सारा दर्द पी लिया और खेलने के लिए मैदान पर उतरे। पंत दूसरे दिन अपनी बैटिंग के दौरान लंगड़ा-लंगड़ा कर खेलते रहे और अपना अर्धशतक पूरा किया। ये इस टेस्ट सीरीज में ऋषभ पंत का तीसरा अर्धशतक रहा।

पंत ने चौके के साथ पूरा किया अर्धशतक

ऋषभ पंत ने चौथे टेस्ट मैच की पहली पारी में अपना अर्धशतक बेन स्टोक्स की गेंद पर चौका लगाकर पूरा किया। उन्होंने अपना पचासा पहली पारी में 69 गेंदों पर पूरा किया। इस पारी में उन्होंने 75 गेंदों पर 2 छक्के और 3 चौकों की मदद के साथ 54 रन की अहम पारी टीम के लिए खेली। पंत को तेज गेंदबाज जोफ्रा आर्चर ने अपनी गेंद पर क्लीन बोल्ड कर दिया। ये गेंद बिल्कुल सीधी थी, लेकिन पंत पांव में चोट की वजह से इस गेंद को रोक पाने में सफल नहीं रहे और अपना विकेट गंवा दिया।

पंत ने इंग्लैंड के खिलाफ 54 रन बनाए और डब्ल्यूटीसी में ये उनकी 22वीं 50 प्लस पारी रही। उन्होंने दिमुथ करुणारत्ने की बराबरी कर ली जिन्होंने WTC में अब तक 22 बार 50 प्लस की पारी खेली थी। WTC में सबसे ज्यादा 50 प्लस की पारी खेलने का रिकॉर्ड जो रूट के नाम पर है जिन्होंने 41 बार ऐसा किया है।

चेस वर्ल्ड कप के फाइनल में पहुंची दिव्या देशमुख

कैंडिडेट्स टूर्नामेंट में भी किया क्वालीफाई

बटूमी, 24 जुलाई (एजेंसियां)। दिव्या देशमुख ने पूर्व विश्व चैम्पियन झोंगयी टैन को हराकर महिला वर्ल्ड कप के फाइनल में जगह बना ली है. वह ऐसा करने वाली पहली भारतीय महिला बन गई हैं. उन्होंने कैंडिडेट्स टूर्नामेंट 2026 के लिए भी क्वालीफाई कर लिया है.

दिव्या देशमुख ने रचा इतिहास

19 साल की भारतीय शतरंज प्लेयर दिव्या देशमुख ने फाइनल में चीन की झोंगयी टैन को हराकर बड़ा उलटफेर किया. नागपुर की रहने वाली दिव्या ने महिला विश्व कप के फाइनल में पहुंचकर इतिहास रच दिया, वह ऐसा करने वाली पहली भारतीय महिला बन गई हैं. उनके इस प्रदर्शन ने उन्हें ग्रैंडमास्टर नॉर्म भी दिलाया है, जो इस खेल के सर्वोच्च खिताब की राह में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है.

मैं और अच्छा कर सकती थी₹, दिव्या देशमुख ने जीत के बाद कहा

दिव्या ने वर्ल्ड कप के सेमीफाइनल में जीतने के बाद महसूस किया कि वो और अच्छा खेल सकती थी. उन्होंने कहा, ₹मुझे लगता है कि मैं और अच्छा खेल सकती थी. एक समय में मैं जीत रही थी लेकिन फिर स्थिति मुश्किल हो गई. मुझे लगता है कि बीच के खेल में मैंने गलती कर दी क्योंकि मुझे और आसान जीत मिलनी चाहिए थी.

दिव्या देशमुख ने इस टूर्नामेंट में इससे पहले चीन की जोनर झू और हमवतन डी हरिका को हराया था, सेमीफाइनल में भी उन्होंने अपना दबदबा कायम रखा, अब वह खिताब से एक कदम दूर हैं. दूसरे सेमीफाइनल में कोनेरू हम्पी ने चीन की टिंगजी लेई के साथ ड्रा खेला, अब दोनों के बीच छोटे प्रारूप में टाई ब्रेकर होगा.

2023 में जीता था इंटरनेशनल मास्टर का खिताब

दिव्या का जन्म 9 दिसंबर 2005 को नागपुर में एक मराठी परिवार में हुआ था. उनके माता और पिता, दोनों डॉक्टर हैं. उन्होंने 2021 में विमेंस ग्रैंडमास्टर और 2023 में इंटरनेशनल मास्टर का खिताब जीता था. 2022 में उन्होंने इंडियन चैस चैम्पियनशिप का खिताब जीता. उन्होंने अल्माटी में हुए (2023) एशियाई महिला शतरंज चैंपियनशिप भी जीती थी.

भारत-इंग्लैंड अंडर-19 दूसरा टेस्ट ड्रॉ, सीरीज 1-1 से बराबर

आयुष की 64 गेंदों में सेंचुरी; भारत ने 6 विकेट पर 279 रन बनाकर बचाया मैच

लंदन, 24 जुलाई (एजेंसियां)। भारत और इंग्लैंड अंडर-19 टीम के बीच दूसरा यूथ टेस्ट ड्रॉ पर समाप्त हुआ। टीम इंडिया 355 रन के लक्ष्य का पीछा कर रही थी और कप्तान आयुष म्हात्रे के शतक ने उम्मीद जगाई कि रन चेज किया जा सकता है। मगर बारिश ने आखिर में बाजी मारी और दोनों टीमों को ड्रॉ से संतोष करना पड़ा। म्हात्रे के अलावा अभिज्ञान कुंडु ने अर्धशतक जमाया। आयुष म्हात्रे के अलावा अभिज्ञान कुंडु ने अर्धशतक जमाकर प्रभावित किया

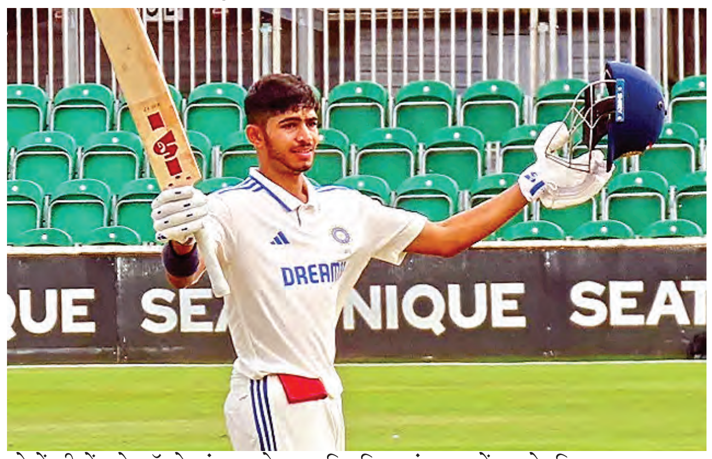

स्पोर्ट्स डेस्क, नई दिल्ली। कप्तान आयुष म्हात्रे (126) और अभिज्ञान कुंडु (65) की उम्दा पारियों के बावजूद भारत और इंग्लैंड अंडर-19 टीमों के बीच दूसरा यूथ टेस्ट ड्रॉ पर समाप्त हुआ।

भारतीय टीम को जीत के लिए 355 रन का लक्ष्य मिला था, जिसका पीछा करते हुए उसने केवल 43 ओवर में 6 विकेट खोकर 290 रन बना लिए थे। मगर बारिश की बाधा के कारण मुकाबला पूरा नहीं हो सका और दोनों टीमों को ड्रॉ से संतुष्ट होना पड़ा। यह कहना गलत नहीं होगा कि भारतीय टीम जीत से वंचित रह गई।

इंग्लैंड ने घोषित की अपनी पारी

बता दें कि इंग्लैंड ने आखिरी दिन अपनी पारी 93/0 के स्कोर से आगे बढ़ाई। ओपनर बीजे डॉकिंस (136) और एडम थॉमस (91) ने 188 रन की साझेदारी की। रावत ने थॉमस का कैच अपनी गेंद पर पकड़कर भारत को दिन की पहली सफलता दिलाई। रावत ने इसके बाद इंग्लैंड को नियमित अंतराल में झटके दिए।

उन्होंने बेन मायेस (11) को हेनील पटेल के हाथों कैच आउट कराया। फिर कप्तान थॉमस रियू (19) को बोल्ड किया। पूर्व इंग्लिश ऑलराउंडर एंड्रयू फ्लिंटॉफ के बेटे रॉकी (32) को कुंडु के हाथों कैच आउट कराया। वहीं डॉकिंस की शतकीय पारी का अंत पुष्पक ने किया। हेनील पटेल ने डॉकिंस का कैच लपका। डॉकिंस ने 184 गेंदों में 11 चौके और चार छक्के की मदद से 136 रन बनाए। इंग्लैंड ने अपनी दूसरी पारी 324/5 के स्कोर पर घोषित की और भारत के सामने 355 रन का लक्ष्य रखा। भारत की तरफ से आदित्य रावत ने चार विकेट झटके। नमन पुष्पक को एक सफलता मिली।

म्हात्रे ने जड़ा शतक

विशाल लक्ष्य का पीछा करने उतरी भारत की शुरुआत बेहद खराब रही। वैभव सूर्यवंशी पहली ही गेंद पर बोल्ड होकर पवेलियन लौट गए। फिर कप्तान आयुष म्हात्रे (126) ने पिछली पारी के शतकवीर विहान मल्होत्रा (27) के साथ दूसरे विकेट के लिए 100 रन की साझेदारी की। राल्फी एलबर्ट ने मल्होत्रा का कैच मायेस के हाथों कराकर इस साझेदारी को तोड़ा। आयुष म्हात्रे ने फिर अभिज्ञान कुंडु (65) के साथ तीसरे विकेट के लिए 117 रन की शतकीय साझेदारी की। म्हात्रे ने तेजी से शतक जड़कर ब्रेंडन मैकुलम का 24 साल पुराना रिकॉर्ड ध्वस्त किया। एलबर्ट ने मायेस के हाथों कैच आउट कराकर भारत को तगड़ा झटका दिया। म्हात्रे ने 80 गेंदों में 13 चौके और छह छक्के की मदद से 126 रन बनाए।

दो तगड़े झटके भारत को लगे

जब आयुष पवेलियन लौटे तब भारत का स्कोर 217/3 था। स्कोर 232 रन पर पहुंचा कि भारत को एक के बाद एक दो झटके लगे। राल्फी एलबर्ट ने कुंडु को फ्लिंटॉफ के हाथों कैच आउट कराया। वहीं राहुल कुमार (5) का कैच मायेस ने अपनी गेंद पर लपका। फिर आरएस अंबरिश (15) को एलबर्ट ने पवेलियन की राह दिखाई।

हरवंश पंगालिया (29*) और कनिष्क चौहान (12*) ने भारत का स्कोर 290 रन पर पहुंचाया। इसके बाद बारिश के कारण खेल नहीं हो सका और यह मैच पहले टेस्ट की तरह ड्रॉ पर समाप्त हुआ। इंग्लैंड की तरफ से राल्फी एलबर्ट ने चार विकेट झटके। बेन मायेस और एलेक्स ग्रीन को एक-एक सफलता मिली।

चाइना ओपन में सात्विक-चिराग क्वार्टर फाइनल में, प्रणय को मिली हार

चांग्झू, 24 जुलाई (एजेंसियां)। सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की जोड़ी ने गुरुवार को इंडोनेशिया के लियो रोली कार्नांडो और बगास मौलाना को सीधे गेम में हराकर चाइना ओपन सुपर 1000 बैडमिंटन टूर्नामेंट के पुरुष युगल के क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया। हालांकि, एचएस प्रणय 65 मिनट तक चले पुरुष एकल के दूसरे दौर के मैच में चीनी ताइपे के छठे वरीय चोऊ तिएन चेन से 21-18, 15-21, 8-21 से हारकर बाहर हो गए।

विश्व की पूर्व नंबर एक भारतीय जोड़ी ने अपने धैर्य का अच्छा नमूना पेश करते हुए एक कड़े मुकाबले में आठवीं वरीयता प्राप्त इंडोनेशियाई जोड़ी पर 21-19, 21-19 से जीत हासिल की। सात्विक और चिराग को जीत के लिए कड़ी मेहनत करनी पड़ी क्योंकि दोनों ही गेम में पलड़ा इधर से उधर झुकता रहा। पहले गेम में इंडोनेशियाई जोड़ी ने पहले 8-6 और बाद में 14-12 की मामूली बढ़त बना ली थी, लेकिन भारतीय जोड़ी ने 14-16 के स्कोर के बाद लगातार पांच अंक जीतकर 19-16 से बढ़त बना ली और फिर पहला गेम अपने नाम कर दिया।

दूसरे गेम में भी यही स्थिति रही। एक समय लियो और बगास 14-10 की बढ़त बनाए हुए थे। लेकिन भारतीय जोड़ी ने वापसी करते हुए स्कोर 18-18 से बराबर कर दिया और आखिरी क्षणों में भी संयम बनाए रखते हुए क्वार्टर फाइनल में अपनी जगह पक्की की।

बोनमाटी के गोल से स्पेन पहली बार यूरो फाइनल में

खिताबी मैच में इंग्लैंड से सामना

ज्यूरिख, 24 जुलाई (एजेंसियां)। टूर्नामेंट शुरू होने से पहले बीमार होने के कारण कुछ दिन अस्पताल में बिताने वाली ऐताना बोनमाटी के अतिरिक्त समय में किए गए गोल की मदद से स्पेन ने जर्मनी को 1-0 से हराकर महिला यूरोपीय फुटबाल चैंपियनशिप (यूरो 2025) के फाइनल में प्रवेश किया जहां रविवार को उसका सामना इंग्लैंड से होगा। दोनों टीम निर्धारित समय में गोल नहीं कर पाई थी इसके बाद दो बार की बैलन डी'ओर विजेता बोनमाटी ने अतिरिक्त समय में 113वें मिनट में निर्णायक गोल किया। यूरो 2025 का फाइनल 2023 में खेले गए महिला विश्व कप के फाइनल की पुनरावृत्ति होगा। तब स्पेन ने इंग्लैंड को 2-1 से हराया था।

स्पेन की जर्मनी के खिलाफ यह पहली जीत थी। वह पहली बार यूरोपीय चैंपियनशिप के फाइनल में पहुंचा है। स्पेन ने पिछले दो साल में विश्व कप और नेशंस कप जीते हैं और अब उसकी निगाह खिताब की हैट्रिक पूरी करने पर होगी। यूरो 2025 के लिए बोनमाटी की तैयारियां उस समय गंभीर रूप से प्रभावित हो गई थी जब टूर्नामेंट से एक सप्ताह से भी कम समय पहले बार्सिलोना की मिडफील्डर को वायरल मैनिंजाइटिस के कारण अस्पताल में भर्ती होना पड़ा था। बोनमाटी ने मैच के बाद कहा, 'मैं इस खेल में अपने सर्वश्रेष्ठ स्तर पर पहुंचना चाहती थी और मैं उन सभी लोगों की आभारी हूं जिन्होंने मुझे इस स्तर तक पहुंचने में मदद की क्योंकि अकेले ऐसा करना संभव नहीं था।'

मुक्केबाज कृतिका ने रचा इतिहास, 600 किमी की कांवड़ यात्रा करने वाली हिमाचल की बनी पहली महिला

शिमला, 24 जुलाई (एजेंसियां)। हिमाचल प्रदेश की एक राज्यस्तरीय महिला मुक्केबाज ने 600 किलोमीटर की कांवड़ यात्रा पूरी कर इतिहास रच दिया है और ऐसा करने वाली वह राज्य की पहली महिला बन गयी हैं. मुक्केबाज ने गौमुख से अपने गांव तक गंगाजल ले जाकर भगवान शिव का जलाभिषेक किया. प्रदेश की मंडी जिले के डेरडू गांव की रहने वाली 21 वर्षीय कृतिका ने इस साल लगातार दूसरे साल यह कठिन यात्रा की. पिछले साल उन्होंने हरिद्वार से हिमाचल प्रदेश के सुंदरनगर तक की यात्रा की थी. इस वर्ष उन्होंने उत्तराखंड में स्थित गौमुख से पैदल चलकर अपनी शक्ति और भक्ति का परीक्षण करने का संकल्प लिया. उन्होंने कांवड़ में भरकर लाए गए गंगाजल से अपने गांव के ओंकारेश्वर मंदिर में जलाभिषेक कर अपनी यात्रा का समापन किया. उनके परिवार के सदस्यों ने बताया कि पूरा गांव इस क्षण को देखने के लिए एकत्र हुआ. कृतिका ने बताया कि अगर आपके पास दृढ़ निश्चय हों तो कुछ भी मुश्किल नहीं है. उन्होंने कहा कि उनके पिता पिछले 11 सालों से कांवड़ यात्रा पर जा रहे हैं जिनसे उन्हें प्रेरणा मिली. उन्होंने कहा कि भूस्खलन की घटना के कारण कुछ स्थानों को छोड़कर सड़कें अच्छी हैं. उन्होंने कहा कि रास्ते में तीर्थयात्रियों के लिए सुविधाएं उपलब्ध हैं. कृतिका ने कहा कि वह आगामी वर्षों में भी यह यात्रा जारी रखेंगी तथा उन्होंने अपनी प्रेरणा का श्रेय अपने पिता राजेंद्र कुमार और परिवार के अन्य सदस्यों को दिया जो पहले भी कांवड़ यात्राओं में जाते रहे हैं. इस वर्ष की यात्रा में उनके पिता, चाचा और अन्य ग्रामीण भी साथ थे. कृतिका सुंदरनगर के एमएलएसएम कॉलेज में शारीरिक शिक्षा की द्वितीय वर्ष की छात्रा हैं और राज्यस्तरीय मुक्केबाज भी हैं.

हरिद्वार में गंगा में बहे पूर्व कबड्डी कप्तान दीपक हुड्डा

आपदा राहत दल ने बचाया

हरिद्वार, 24 जुलाई (एजेंसियां)। हरिद्वार में कांवड़ यात्रा के दौरान एक बड़ा हादसा टल गया. भारतीय कबड्डी टीम के पूर्व कप्तान, एशियन गोल्ड मेडलिस्ट और अर्जुन पुरस्कार से सम्मानित खिलाड़ी दीपक हुड्डा गंगा के तेज बहाव में बह गए. यह घटना उस समय हुई जब वे गंगा में स्नान कर रहे थे. घटनास्थल पर मौजूद आपदा राहत दल और चालीसवीं वाहिनी पीएसी की टीम ने तुरंत कार्रवाई करते हुए दीपक हुड्डा को सुरक्षित बाहर निकाल लिया. इस घटना से मौके पर हड़कंप मच गया था, लेकिन टीम की तत्परता से एक राष्ट्रीय खिलाड़ी की जान बच गई. इस संबंध में कोई प्रत्यक्ष उद्धरण उपलब्ध नहीं है. यह घटना कांवड़ यात्रा के दौरान सुरक्षा व्यवस्था और आपदा प्रबंधन की तैयारियों को दर्शाती है.

पावरग्रिड दक्षिण क्षेत्र-1 द्वारा "अंतर-क्षेत्रीय बैडमिंटन टूर्नामेंट 2025" का आयोजन

हैदराबाद, 24 जुलाई (एजेंसियां)। पावरग्रिड दक्षिण क्षेत्र-1 द्वारा "अंतर-क्षेत्रीय बैडमिंटन टूर्नामेंट 2025" का उद्घाटन 24 जुलाई 2025 को के.वी.बी.आर. इंडोर स्टेडियम, यूसुफगुड़ा, हैदराबाद में किया गया। यह तीन दिवसीय आयोजन 24 से 26 जुलाई तक चलेगा, जिसमें देशभर से पावरग्रिड की विभिन्न क्षेत्रीय इकाइयों के बैडमिंटन खिलाड़ी भाग ले रहे हैं। इस टूर्नामेंट का उद्देश्य कर्मचारियों के बीच मैत्री, खेल भावना एवं स्वस्थ प्रतिस्पर्धा को बढ़ावा देना है। उद्घाटन समारोह में श्री डोमन यादव, कार्यपालक निदेशक (दक्षिण क्षेत्र-I) ने प्रतिभागियों को संबोधित किया और खेल से जुड़े गहरे मूल्यों को रेखांकित किया। उन्होंने कहा, "बैडमिंटन केवल गति और कौशल की परीक्षा नहीं है-यह एकाग्रता, दबाव में संतुलन और रणनीतिक सोच की मांग करता है। यही वे गुण हैं जो हमारे पेशेवर जीवन में भी सफलता की कुंजी हैं।" उन्होंने खिलाड़ियों को खेल भावना और चरित्र को स्कोर व ट्रॉफी से ऊपर रखने के लिए प्रेरित किया और याद दिलाया कि प्रत्येक अंक उनके समर्पण और तैयारी का प्रतिबिंब होता है। अरुण कुमार, मुख्य महाप्रबंधक (मानव संसाधन) ने भी समारोह को संबोधित किया और पावरग्रिड की कार्य संस्कृति एवं बैडमिंटन खेल के बीच समानताओं पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि सतर्कता, अनुशासन और ऊर्जा-जैसे गुण दोनों क्षेत्रों में उत्कृष्टता के लिए अनिवार्य हैं।

इस अवसर पर तेलंगाना बैडमिंटन संघ के के. वाम्शीधर (कोषाध्यक्ष) और पी.एल.वी. कुमार (सहायक सचिव) भी उपस्थित थे। टूर्नामेंट में पावरग्रिड की सभी क्षेत्रीय इकाइयों के प्रतिभागी भाग ले रहे हैं, जिनमें शामिल हैं: कॉर्पोरेट सेंटर, उत्तरी क्षेत्र-1, उत्तरी क्षेत्र-2, उत्तरी क्षेत्र-3, पूर्वी क्षेत्र-1, पूर्वी क्षेत्र-2, उत्तर-पूर्वी क्षेत्र, दक्षिण क्षेत्र-1, दक्षिण क्षेत्र-2, पश्चिम क्षेत्र-1 और पश्चिम क्षेत्र-2।

प्रत्येक टीम में छह पुरुष और छह महिला खिलाड़ी शामिल हैं। कुल मिलाकर 132 खिलाड़ी इस प्रतियोगिता में भाग ले रहे हैं। टूर्नामेंट का आयोजन तेलंगाना बैडमिंटन संघ द्वारा किया जा रहा है। पावर ग्रिड कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड भारत सरकार के विद्युत मंत्रालय के अधीन एक महारत्न सार्वजनिक उपक्रम है। इसका मुख्यालय गुरुग्राम तथा दक्षिण क्षेत्रीय मुख्यालय हैदराबाद में स्थित है। पावरग्रिड देश भर में बिजली के विश्वसनीय और कुशल संप्रेषण में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

श्रीधर बाबू ने यूएई को तेलंगाना के आर्थिक मिशन में शामिल होने के लिए आमंत्रित किया

अंतर्राष्ट्रीय निवेश शिखर सम्मेलन का उद्घाटन

हैदराबाद, 24 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। आईटी और उद्योग मंत्री श्रीधर बाबू ने कहा कि राज्य सरकार का लक्ष्य 2047 तक तेलंगाना को 3 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था तक पहुंचाना है और उन्होंने यूएई के उद्योगपतियों से इस लक्ष्य को साकार करने में सहयोग करने का आग्रह किया। उन्होंने गुरुवार को एचआईसीसी में अंतर्राष्ट्रीय निवेश शिखर सम्मेलन "इन्वेस्टोपिया ग्लोबल" का आधिकारिक शुभारंभ किया, जो यूएई और तेलंगाना सरकारों की एक संयुक्त पहल है।

अपने भाषण के दौरान, श्रीधर बाबू ने इस बात पर ज़ोर दिया कि भले ही तेलंगाना भौगोलिक रूप से छोटा हो, लेकिन इसकी आकांक्षाएं ऊंची हैं और कार्यान्वयन क्षमताएं मज़बूत हैं। उन्होंने कहा कि राज्य तेज़ी से विकास और कल्याण के एक मॉडल में तब्दील हो रहा है, जो दूसरों के लिए अनुकरणीय उदाहरण है। 2024-25 में, तेलंगाना ने 8.2 प्रतिशत की जीएसडीपी वृद्धि दर्ज की, जो राष्ट्रीय औसत 7.6 प्रतिशत से अधिक है। राष्ट्रीय सकल घरेलू उत्पाद में तेलंगाना का योगदान 5 प्रतिशत से अधिक हो गया है। मंत्री ने कहा कि राज्य ने शुष्क बंदरगाहों, मल्टीमॉडल लॉजिस्टिक्स पार्कों और औद्योगिक गलियारों के विस्तार की योजनाएं तैयार की हैं। नेट-ज़ीरो औद्योगिक पार्क, ईवी ज़ोन, ग्रीन लॉजिस्टिक्स हब, रीजनल रिंग रोड (आरआरआर) और मेट्रो चरण-2 औद्योगिक विकास को और बढ़ावा देंगे। वैश्विक मानकों के अनुरूप विकसित किया जा रहा यह फ्यूचर सिटी, फिनटेक, क्लाइमेट टेक और स्मार्ट मोबिलिटी इनोवेशन का वैश्विक केंद्र बनेगा। उन्होंने कहा कि तेलंगाना डेटा सेंटर, ग्लोबल कैपेबिलिटी सेंटर (जीसीसी), एआई लैब और एयरोस्पेस क्लस्टर्स में तेज़ी से विकास कर रहा है।मंत्री ने कहा कि पिछले 18 महीनों में, तेलंगाना ने 3.2 लाख करोड़ रुपये से अधिक का नया निवेश आकर्षित किया है। वित्तीय वर्ष 2024-25 में, तेलंगाना से यूएई को निर्यात 2.5 गुना बढ़ गया है। फार्मा, एयरोस्पेस, डिजिटल सेवाओं और खाद्य प्रसंस्करण क्षेत्रों ने इसमें महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। लुलु ग्रुप, डीपी वर्ल्ड और नैफको जैसी प्रमुख यूएई-आधारित कंपनियां पहले ही राज्य में निवेश कर चुकी हैं। उन्होंने कहा, यह सिर्फ एक निवेश शिखर सम्मेलन नहीं है-यह पुराने दोस्तों का पुनर्मिलन और भविष्य के लिए एक लॉन्चपैड है। यूएई की तरह, तेलंगाना भी समय, विश्वास और परिवर्तन को महत्व देता है। तेलंगाना में एआई, उभरती हुई तकनीकें, जीवन विज्ञान, हरित हाइड्रोजन, नवीकरणीय ऊर्जा, लॉजिस्टिक्स, वेयरहाउसिंग, व्यापारिक बुनियादी ढांचा, खाद्य प्रसंस्करण, कृषि निर्यात, एयरोस्पेस, रक्षा निर्माण, इलेक्ट्रिक वाहन, स्मार्ट मोबिलिटी, पर्यटन, स्वास्थ्य और चिकित्सा क्षेत्रों में अपार अवसर मौजूद हैं। मंत्री ने यूएई के उद्योगपतियों को इस मंच के माध्यम से तेलंगाना में निवेश करने का एक नया निमंत्रण भी दिया। यूएई के अर्थव्यवस्था और पर्यटन मंत्री अब्दुल्ला बिन तौक अल मर्री, तेलंगाना आईटी और उद्योग के विशेष मुख्य सचिव संजय कुमार, टीएसआईआईसी के एमडी के. शशांक, यूएई निवेश मंत्रालय के अवर सचिव मोहम्मद अल वहाबी, यूएई अंतर्राष्ट्रीय निवेशक परिषद के महासचिव वालिद हरेब अल फलाही और इन्वेस्टोपिया के सीईओ डॉ. जीन फारेस विशिष्ट उपस्थितियों में शामिल थे।

मंत्री सीतक्का जनप्रतिनिधि न्यायालय में पेश

हैदराबाद, 24 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। 2021 के एक मामले में पंचायत राज मंत्री सीतक्का गुरुवार को नामपल्ली स्थित जनप्रतिनिधि न्यायालय में पेश हुईं। यह मामला तत्कालीन बीआरएस सरकार द्वारा शुरू किया गया था, जब सीतक्का ने आरोग्य श्री योजना में कोविड-19 उपचार को शामिल करने की वकालत करते हुए एक विरोध प्रदर्शन का नेतृत्व किया था।

मामले के संबंध में नामपल्ली अदालत में पेश होने पर, सीतक्का ने मीडिया को संबोधित किया। उन्होंने बताया कि उन्होंने वर्तमान एमएलसी बालमूरी वेंकट और एनएसयूआई नेताओं के साथ मिलकर आरोग्य श्री में कोविड-19 उपचार को शामिल करने की वकालत करते हुए एक प्रदर्शन आयोजित किया था।

हालांकि, पिछली बीआरएस सरकार ने उनके खिलाफ अन्यायपूर्ण मामले दर्ज करके जवाब दिया। हमने जन स्वास्थ्य के हित में विरोध प्रदर्शन किया। हालांकि, यह दावा करते हुए आरोप लगाए गए कि हम कोरोनावायरस महामारी फैलाने के लिए ज़िम्मेदार हैं, उन्होंने आलोचना की। मंत्री ने अदालत के प्रति अपना सम्मान दोहराया और अगली सुनवाई में उपस्थित होने की अपनी इच्छा की पुष्टि की।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष एन रामचंद्र राव ने संसद भवन में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से शिष्टाचार भेंट की।

तेलंगाना जागृति कल 'लीडर' प्रशिक्षण शुरू करेगी

हैदराबाद, 24 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। एमएलसी कलवकुंतला कविता द्वारा स्थापित तेलंगाना जागृति, जमीनी स्तर पर सामाजिक और राजनीतिक रूप से जागरूक योद्धाओं की एक नई पीढ़ी तैयार करने के लिए "लीडर" नामक एक अभिनव कार्यक्रम शुरू कर रही है।

इसी उद्देश्य से, जागृति शनिवार, 26 जुलाई को राजनीतिक प्रशिक्षण कक्षाएं आयोजित कर रही है। प्रशिक्षण कक्षाएं कविता के मुख्य भाषण से शुरू होंगी और राज्य भर से 500 से अधिक चुने हुए युवा नेता इसमें भाग लेंगे। जागृति के महासचिव नवीन आचार्य के अनुसार, इन कक्षाओं का उद्देश्य राज्य के युवाओं, महिलाओं और हाशिए पर पड़े समुदायों के लोगों को राजनीति में भाग लेने के लिए प्रोत्साहित करना है।

प्रशिक्षण कक्षाएं मेडचल-मलकजगिरी जिले के कोमपल्ली स्थित श्री कन्वेंशन हॉल में सुबह 10 बजे से शाम 6 बजे तक दो सत्रों में आयोजित की जाएंगी। प्रशिक्षण में पंचायतों से लेकर संसद तक के जनप्रतिनिधियों की भूमिका और ज़िम्मेदारियों, संवैधानिक प्रावधानों और नेता को जनता की सेवा करने और उनसे जुड़ने के लिए अपनाए जाने वाले दृष्टिकोण पर चर्चा की जाएगी। उन्होंने बताया कि नेता प्रशिक्षण कक्षाओं में 119 विधानसभा क्षेत्रों के प्रतिभागी भाग लेंगे।

यूएई के मंत्री ने दुर्गम चेरुवु पार्क में 5 किलोमीटर दौड़ में भाग लिया

हैदराबाद, 24 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। संयुक्त अरब अमीरात के अर्थव्यवस्था मंत्री, महामहिम अब्दुल्ला बिन तौक अल मारी ने हैदराबाद का दौरा किया। उन्होंने खेल विभाग के अधिकारियों से बातचीत की और तेलंगाना खेल प्राधिकरण के अधिकारियों के साथ दुर्गम चेरुवु पार्क में 5 किलोमीटर दौड़ में भाग लिया। महामहिम ने सबसे सक्रिय शहर हैदराबाद में विभिन्न खेल आयोजनों के आयोजन के लिए तेलंगाना खेल विभाग की प्रशंसा की और कहा कि हैदराबाद अपने आतिथ्य के लिए जाना जाता है। तेलंगाना खेल प्राधिकरण की कुलपति एवं प्रबंध निदेशक श्रीमती सोनी बाला देवी, भारतीय विदेश सेवा, पैरा ओलंपियन-दीप्ति जीवनजी, एशियाई एथलेटिक्स स्वर्ण पदक विजेता-नंदिनी अगासरा और विभाग के अन्य अधिकारी भी इस अवसर पर उपस्थित थे।

विधायक का पूर्व सहयोगी गिरफ्तार

हैदराबाद, 24 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। जीडीमेटला पुलिस ने कुथबुल्लापुर के विधायक केपी विवेकानंद के कार्यालय में काम करने वाले एक व्यक्ति को डबल बेडरूम फ्लैट दिलाने के नाम पर लोगों को ठगने के आरोप में गिरफ्तार किया है। कुथबुल्लापुर विधायक के सहायक के रूप में काम करने वाले बोडिमी शेट्टी हरिबाबू नामक व्यक्ति ने कथित तौर पर लोगों से एक-एक लाख रुपये वसूले थे और उन्हें डबल बेडरूम फ्लैट उपलब्ध कराने का वादा किया था। पुलिस के अनुसार, हरि बाबू ने 84 लोगों से राशि एकत्र की और उस धन से कथित तौर पर कुथबुल्लापुर के रेड्डी नगर कॉलोनी में एक मकान का निर्माण कराया। शिकायत पर पुलिस ने हरिबाबू के खिलाफ मामला दर्ज कर उसे गिरफ्तार कर लिया।

स्वास्थ्य मंत्री ने होटल का औचक निरीक्षण किया

हैदराबाद, 24 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। राज्य के चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्री दामोदर राजनरसिम्हा ने अंडोल निर्वाचन क्षेत्र के अपने दौरे के दौरान चौटाकुर और जोगीपेट मंडलों का दौरा किया। दौरे के दौरान, उन्होंने चौटाकुर मंडल केंद्र स्थित एक होटल में स्थानीय नेताओं से बातचीत की। होटल का औचक निरीक्षण किया गया।

होटल में तैयार किए जा रहे व्यंजनों का निरीक्षण किया गया। प्रबंधकों को खाद्य सुरक्षा नियमों का पालन करने के निर्देश दिए गए। नवनिर्मित केजीबीवी स्कूल, प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र और पुलिस थाने के निर्माण के लिए स्थल निरीक्षण किया गया। बाद में, सुल्तानपुर जेएनटीयू कॉलेज की परिधि दीवार के निर्माण कार्य का निरीक्षण किया गया।मंत्री के सहयोग से जेएनटीयू के छात्रों को प्रदान की गई 100 साइकिलों का निरीक्षण किया गया। इस अवसर पर, मंत्री दामोदर राजनरसिम्हा ने स्वयं साइकिल चलाई और अपनी प्रसन्नता व्यक्त की। मंत्री दामोदर राजनरसिम्हा ने बताया कि सुल्तानपुर जेएनटीयू कॉलेज में एक आधुनिक ऑडिटोरियम, 200 फीट ऊंचा टावर और अत्याधुनिक विज्ञान प्रयोगशालाओं का निर्माण किया जा रहा है। दौरे के दौरान, जोगीपेट में बन रहे नर्सिंग कॉलेज के निर्माण कार्य का निरीक्षण किया गया। मंत्री ने अधिकारियों को निर्माण कार्य जल्द से जल्द पूरा करने के निर्देश दिए। इस दौरे के दौरान मंत्री दामोदर राजनरसिम्हा के साथ आरडीओ पांडु, मंडल राजस्व अधिकारी और इंजीनियरिंग अधिकारी भी मौजूद थे।

झरने में 17 वर्षीय किशोर डूबा

आदिलाबाद, 24 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। आदिलाबाद ग्रामीण मंडल के खंडाला गांव के पास एक झरने के तालाब में बुधवार शाम आदिलाबाद कस्बे का एक 17 वर्षीय लड़का डूब गया। गुरुवार सुबह उसका शव बरामद किया गया। पुलिस के अनुसार, व्यापारी डोंगल सिंह का बेटा मनोहर सिंह, दोस्तों के साथ झरने पर गया था। बंद के कारण स्कूल बंद होने के कारण, समूह दिन बिताने के लिए इस मनोरम स्थल पर गया था।

डुबकी लगाते समय, मनोहर तालाब के गहरे हिस्से में चला गया और डूब गया। घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस ने विशेषज्ञ गोताखोरों को मौके पर भेजा। हालांकि, बुधवार देर रात तक शव का पता नहीं चल सका। गुरुवार को भोर में तलाशी अभियान फिर से शुरू हुआ और सुबह करीब 8 बजे शव बरामद हुआ।

तेलंगाना निजी व्यावसायिक कॉलेजों के लिए ग्रेडिंग प्रणाली करेगा लागू

शुल्क प्रतिपूर्ति को इससे जोड़ा जाएगा

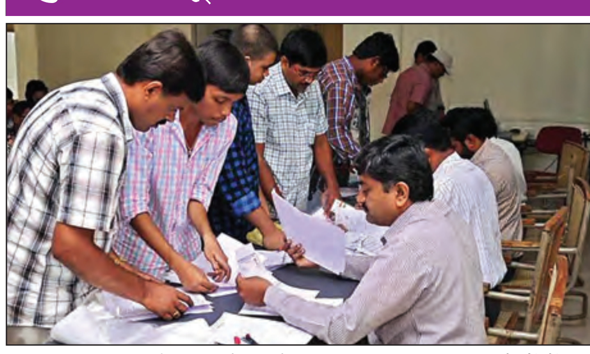

हैदराबाद, 24 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। राज्य के निजी व्यावसायिक कॉलेजों को जल्द ही एक नई प्रणाली के तहत वर्गीकृत किया जाएगा, जिसे गुणवत्ता को मानकीकृत करने और उच्च शिक्षा में जवाबदेही लाने के लिए लागू किया जाएगा। प्रस्तावित प्रणाली के तहत, कॉलेजों को शैक्षणिक और बुनियादी ढांचे के मानदंडों के आधार पर पांच ग्रेड- ए+, ए, बी, सी और डी - में वर्गीकृत किए जाने की संभावना है। यह ग्रेडिंग प्रणाली इंजीनियरिंग, फार्मेसी, एमबीए, एमसीए, बीएड, एमएड, एमटेक, एमफार्मेसी, बीआर्क और एमआर्क कार्यक्रम प्रदान करने वाले निजी व्यावसायिक कॉलेजों पर लागू होगी।

सूत्रों के अनुसार, ग्रेडिंग कई मापदंडों पर आधारित होगी, जिसमें राष्ट्रीय मूल्यांकन और प्रत्यायन परिषद ग्रेड, राष्ट्रीय संस्थागत रैंकिंग फ्रेमवर्क रैंकिंग, बुनियादी ढांचा, प्लेसमेंट और संकाय शामिल हैं। सूत्रों का कहना है कि ग्रेडिंग के आधार पर ही कॉलेजों की ट्यूशन फीस तय की जाएगी। इसके अलावा, सरकार ग्रेडिंग प्रणाली को शुल्क प्रतिपूर्ति वितरण से जोड़ने की योजना बना रही है। सरकार का इरादा ए+, ए और बी श्रेणी के कॉलेजों को प्राथमिकता देकर शुल्क प्रतिपूर्ति का भुगतान करने का है। राज्य सरकार पर पहले से ही व्यावसायिक कॉलेजों सहित निजी कॉलेजों का लगभग 8,000 करोड़ रुपये का शुल्क प्रतिपूर्ति बकाया है। कॉलेजों ने हाल ही में एकजुट होकर सरकार द्वारा शुल्क बकाया चुकाने में विफल रहने पर अनिश्चितकालीन हड़ताल की धमकी दी है।

हालांकि, ट्यूशन फीस बकाया चुकाने के बजाय, सरकार कॉलेजों को ग्रेड देने और उसे शुल्क प्रतिपूर्ति से जोड़ने की योजना बना रही है। निजी व्यावसायिक कॉलेजों में शुल्क निर्धारण और उनकी ग्रेडिंग के तौर-तरीके तैयार करने के लिए सरकार जल्द ही एक 10 सदस्यीय समिति का गठन करेगी, जिसकी अध्यक्षता तेलंगाना उच्च शिक्षा परिषद के अध्यक्ष प्रोफेसर वी. बालाकिस्ता रेड्डी द्वारा किए जाने की संभावना है।

समिति में तकनीकी एवं महाविद्यालयीन शिक्षा आयुक्त ए श्रीदेवसेना, टीजीसीएचई सचिव प्रोफेसर श्रीराम वेंकटेश, जेएनटीयू-हैदराबाद के रजिस्ट्रार के वेंकटेश्वर राव, तथा नगर एवं ग्राम नियोजन निदेशालय, समाज कल्याण विभाग के अधिकारी, ओयू इंजीनियरिंग विभाग के एक वरिष्ठ प्रोफेसर और विषय विशेषज्ञों के अलावा अन्य सरकारी अधिकारी सदस्य के रूप में शामिल होने की संभावना है। सूत्रों के अनुसार, समिति अन्य राज्यों में अपनाई गई शुल्क निर्धारण पद्धतियों का अध्ययन करेगी तथा राज्य में ट्यूशन शुल्क निर्धारण के लिए दिशानिर्देश तैयार करेगी।

17 चोरी के वाहन बरामद

हैदराबाद, 24 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना एकीकृत कमान एवं नियंत्रण केंद्र (टीजीआईसीसीसी), हैदराबाद ने हैदराबाद में 17 चोरी के वाहनों को सफलतापूर्वक बरामद किया है। टीजीआईसीसीसी वास्तविक समय निगरानी और डेटा विश्लेषण के माध्यम से जन सुरक्षा को लगातार बढ़ा रहा है।

हाल ही में एक उपलब्धि के रूप में, हॉट-लिस्टेड वाहन ट्रैकिंग सिस्टम ने बंजारा हिल्स, जुबली हिल्स और एसआर नगर पुलिस थानों की सीमाओं के अंतर्गत विभिन्न एफआईआर से जुड़े 17 चोरी के वाहनों को बरामद करने में सक्षम बनाया। इसमें इस्तेमाल की गई प्रमुख तकनीकों में स्वचालित नंबर प्लेट पहचान, लाइव और ऐतिहासिक सीसीटीवी फीड, स्थानीय पुलिस के साथ वास्तविक समय का समन्वय शामिल है।

बालाजी के दर्शन के लिए नहीं लगना पड़ेगा लाइन में

> शुरू हुआ नया टिकट सेंटर, आराम से करेंगे बुकिंग

तिरुमाला, 24 जुलाई (एजेंसियां)। साल में हजारों की संख्या में तिरुपति बालाजी के दर्शन के लिए हजारों भक्त जाते हैं, कोई पहले से बुकिंग करके जाता है, तो कोई वहां जाकर दर्शन टिकट काउंटर से टिकट खरीदता है। लकिन कभी-कभी ज्यादा संख्या में भक्त आने से व्यवस्था में अड़चन पैदा हो जाती है। जिस वजह से कुछ तो टिकट लेकर दर्शन कर लेते हैं, तो कुछ बिना दर्शन किए बिना निकल जाते हैं। लेकिन अब भक्तों के लिए तिरुमाला बोर्ड ने खास सुविधा शुरू की है।

तिरुमाला तिरुपति देवस्थानम (टीटीडी) ने बीते दिनों नए टिकट काउंटर की शुरूआत की है, जिसका नाम श्रीवाणी दर्शन टिकट केंद्र है। इस टिकट से अब आपको लंबी लाइन में खड़े होने की जरूरत नहीं पड़ेगी। अगर आप तिरुपति जाने का सोच रहे हैं तो पहले इस नई सुविधा के बारे में जान लें।

श्रीवाणी दर्शन टिकट केंद्र तिरुमला अन्नामय्या भवन के सामने बना है। तिरुमला अन्नामय्या भवन से तिरुपति बालाजी मंदिर की दूरी करीबन 1.2 किमी है। आप पैदल भी इस सफर को पूरा कर सकते हैं। अगर आप यात्रा करने जा रहे हैं, तो ध्यान रखें टिकट लिए बिना आपको दर्शन करने का मौका नहीं मिलेगा। नया टिकट काउंटर इसलिए बना है, ताकि लोगों को घंटों तक टिकट की लाइन में ना लगना पड़े। भक्त अक्सर सुबह 5 बजे से ही टिकट लाइन में लग जाते थे, ताकि उन्हें पहले टिकट मिल सके।

अक्टूबर से कर पाएंगे बुकिंग : अगर आप दर्शन के लिए स्पेशल टिकट बुक करते हैं, तो इसके लिए आपको 300 रुपये प्रति व्यक्ति देने पड़ेंगे। लेकिन ध्यान रहे टिकट बुकिंग आप ऑनलाइन ही कर सकते हैं। यहां से टिकट बुकिंग आप अक्टूबर 2025 से कर पाएंगे। इसमें आपको स्लॉट मिलता है, जिसके हिसाब से आप दर्शन कर सकते हैं। तिरुपति बालाजी दर्शन के लिए वीआईपी सबसे महंगी है। इसमें यात्रियों को करीबन 10 हजार रुपये एक टिकट के देने पड़ते हैं, इसमें एक घंटे में आपको अच्छे से दर्शन करने का मौका भी मिलता है। तीर्थयात्री करीबन 45 से 50 मिनट में दर्शन कर सकते हैं।

फ्री में भी कर सकते हैं दर्शन : अगर आप स्पेशल नहीं लेना चाहते तो बालाजी के दर्शन फ्री में भी कर सकते हैं, लेकिन इसमें आपको भीड़ में लगकर दर्शन करने पड़ेंगे, ध्यान रहे कि प्रसाद के लड्डू के लिए आपको पैसे देने होते हैं।

पीजेटीएयू का 55वां दीक्षांत समारोह

हैदराबाद, 24 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। रजिस्ट्रार डॉ जीई सीएच विद्यासागर ने बताया कि प्रोफेसर जयशंकर तेलंगाना कृषि विश्वविद्यालय (पीजेटीएयू) का 55वां दीक्षांत समारोह 2 अगस्त को सुबह 10 बजे आयोजित किया जाएगा, उन्होंने घोषणा की कि दीक्षांत समारोह के दौरान 519 स्नातक, स्नातकोत्तर और पीएचडी छात्रों को उनकी उपाधियाँ प्रदान की जाएँगी। दीक्षांत समारोह राजेंद्रनगर स्थित विश्वविद्यालय सभागार में आयोजित किया जाएगा। भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (आईसीएआर) के महानिदेशक डॉ एमएल जाट मुख्य अतिथि होंगे और दीक्षांत भाषण देंगे। तेलंगाना के राज्यपाल और विश्वविद्यालय के कुलाधिपति जिष्णु देव वर्मा दीक्षांत समारोह की अध्यक्षता करेंगे।रजिस्ट्रार ने बताया कि कुल 519 छात्रों में से 322 महिलाएँ और 197 पुरुष, उपाधियाँ प्राप्त करेंगे और नौ पीजी एवं पीएचडी छात्रों को उनके उत्कृष्ट शैक्षणिक प्रदर्शन के लिए स्वर्ण पदक प्रदान किए जाएँगे।

साइबर अपराध पर कार्रवाई : 22 जुलाई तक 25 मामले पकड़े गए, 45 गिरफ्तार

हैदराबाद, 24 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। साइबराबाद साइबर अपराध पुलिस ने जुलाई 22 तक 25 साइबर अपराध मामलों का पता लगाया, जिसके परिणामस्वरूप कई राज्यों में 45 अपराधियों को गिरफ्तार किया गया। जांच से पता चला कि साइबर अपराधियों का नेटवर्क पूरे देश में फैला हुआ है, और अपराधी विभिन्न राज्यों से हैं। 45 गिरफ्तारियों में से 17 ट्रेडिंग धोखाधड़ी से जुड़े थे। अमेरिकी और भारतीय नागरिकों से जबरन वसूली करने वाले साइबर अपराध कॉल सेंटर चलाने के आरोप में नौ अपराधियों को गिरफ्तार किया गया और उन्हें न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया। सभी आरोपी पश्चिम बंगाल के हैं। आरोपियों से नौ लैपटॉप, 27 मोबाइल फोन, दो पासबुक, पांच डेबिट कार्ड और एक क्रेडिट कार्ड जब्त किया गया। साइबर अपराध पुलिस ने 40 मामलों में पीड़ितों को 99,14,399 रुपये वापस करने के लिए अदालत से 153 रिफंड आदेश संसाधित और प्राप्त किए। पुलिस ने नागरिकों से आग्रह किया है कि वे उच्च रिटर्न का वादा करने वाले निवेश और ट्रेडिंग घोटालों से सावधान रहें और पैसे ट्रांसफर करने से पहले वित्तीय लेन-देन की पुष्टि करें, पैसे या व्यक्तिगत जानकारी, जैसे आधार नंबर, बैंक खाता संख्या या ओटीपी, की तत्काल मांगों पर संदेह करें।

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.